

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 29, 1986 ( चैत्र 8, 1908 )  
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 1986 (CHAITRA 8, 1908)

इस भाग में सिद्ध पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate page is given to this Part in order that it may be held as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी, 1986

सं० ए० 19014/2/85-प्रशा० 1:—राष्ट्रपति द्वारा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थाई ग्रेड 1 अधिकारी और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर उपसचिव के पद पर कार्यरत आ जात बिहू को 31 जनवरी, 1986 के अपराह्न से सरकार सेवा से मुक्त होने का अनुमति दी जाती है।

दिनांक 13 फरवरी, 1986

सं० ए० 32013/2/85-प्रशा० 2:—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषा) (रूपये 1100-1600 श्री वी० आर० मणि को वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषा) के अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त 10-2-86 से उक्त पद पर नियमित नियुक्ति होने तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में संयुक्त निदेशः (परीक्षा सुधार) (रूपये 1500-2000) के उच्चतर पद के अतिरिक्त प्रभार को संभालने के लिये नियुक्त करते हैं।

1—516 GI/85

2. अतिरिक्त प्रभार ग्रहण करने की अवधि के लिये श्री मणि का वेतन एफ० आर० 49(1) के अनुसार विनियमित होगा।  
एम० पा० जैन,  
अवर सचिव (का० प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक और प्रशिक्षण,

प्रशासन सुधार, लोक शिवायन तथा पेंशन मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1986

सं० ए० 31016/3/83-प्रशा० 5 (वि० प्रो० सं०):—  
राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों (ग्रेड-2), केन्द्रिय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रत्येक के नाम के मामले लिखी निधि से, उक्त ग्रेड में मूल रूप में, नियुक्त करते हैं:—

क्र सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	के० एम० छाबड़ा	12-12-80
2.	एस० सी० मिस्तल	10-6-82

(11747)

1	2	3
3. रूप सिंह		10-6-82
4. जी० डी० गुप्त		2-8-82
5. सी० एम० पटेल		6-12-82
6. एम० सी० जोहरी		29-4-84
7. वी० के० गोयल		7-5-85

सं० आई० 22/85-सी० एफ० एस० एल०:—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से डा० एम० सी० जोहरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-11 (भौतिकी), केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली को दिनांक 10 जनवरी, 1986 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रिय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में अस्थाई रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-1 (आलोक चित्र कला) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-31016/17/81-प्र० 1 (वि० प्रो० सं०):—राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों (ग्रेड-1), केन्द्रिय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रिय अन्वेषण ब्यूरो को प्रत्येक के नाम के सामने निम्नी तिथि से उसी ग्रेड में मूल रूप में, नियुक्त करते हैं:—

क्र.सं०	नाम	पुष्टि की तिथि
सर्वश्री		
1.	डा० जी० आर० प्रसाद	12-12-80
2.	डा० आर० के० भटनागर	1-4-81
3.	के० वी० सम्बाशिव राव	10-6-82
4.	डा० एस० आर० सिंह	29-4-84

के० चक्रवर्ती,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
के० अ० ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 मार्च, 1986

सं० 3/44/85-प्रशा० 5:—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना ने हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारी, श्री बलवन्त सिंह नेगी, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 11 फरवरी, 1986 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (पंजाब कोष्ठ) चण्डीगढ़ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

(ह०) अपठनीय  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

### गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 फरवरी, 1986

सं० ओ० दो० 1761/82-स्थापना:—महानिदेशक केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) पी० प्रधान को दिनांक 31-1-86 पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल दो माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस ताराख तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 20003/85-स्थापना:—महानिदेशक केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल ने डा० मन्जर अफगाँ को दिनांक 30 जनवरी, पूर्वाह्न से 7 फरवरी 1986 अपराह्न तक, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 20003/85-स्थापना:—राष्ट्रपति जी, डाक्टर मन्जर अफगाँ को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-11 (डी० एम० पा०/कम्पना कमाण्डर) के पद पर 8 फरवरी, 1986 पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० पा० सात 1/81-स्थापना-1-भाग 5:—इस महा-निदेशालय के अधिसूचना के क्रम संख्या दिनांक 16 मार्च 1983 के संदर्भ में।

उपरोक्त अधिसूचना के क्रम संख्या-67 के अन्तर्गत श्री वी० एम० राठौर, पुलिस उपाधीक्षक के कार्य भार संभालने का निधि दिनांक 10-1-82 के बदले दिनांक 28-10-1981 सम्पन्न जाए।

सं० ओ० दो० 1812/83-स्थापना:—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्री० ग्रेड 11) डा० गिरिश चन्द्रा, 23 वां बाहिना केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल को केन्द्रिय सिविल सेना (अस्थाई सेना नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस का समाप्ति पर दिनांक 31-1-1986 के अपराह्न से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ० दो० 1971/84-स्थापना:—महानिदेशक के० रि० पु० बल ने डा० टी० के० राय को दिनांक 24-1-1986 (पूर्वाह्न) से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल दो माह के लिये अथवा उस पद पर



नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक, तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ओ० दो-1972/84-स्थापना:— महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा डा० आर० एन० कामन को दिनांक 10-2-86 से 18-2-86 तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति किया गया है।

अशोक राज महीपथी,  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 मार्च, 1986

सं० ई-28017/10/84-कार्य-11:—सामा सुरक्षा बल के अधिकारी श्री विजय सिंह, जो केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के रंगरूट प्रशिक्षण स्कूल, देवना (राजस्थान) में सहायक कमांडेंट (उप प्रधानाचार्य) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, का 23 फरवरी, 1986 को देहान्त हो गया। उनका नाम 25 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का तफरद से काटा जाता है।

(२०) अपठनीय  
महानिदेशक  
के० ओ० सु० ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मार्च, 1986

सं० 11/5/84-प्रशा० 1:—विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), को, जो कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार प्रारम्भ में तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद का नियुक्त किये गये थे, भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में इसा समय से अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा नियमित आधार पर स्थाई रूप से उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं। इन अधिकारियों का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

क्र.सं०	अधिकारी का नाम	प्रारम्भ में तदर्थ आधार पर उप निदेशक के पद पर किस तारीख से	अधिसूचना संख्या और तारीख जिस की तहत तदर्थ आधार पर नियुक्त पदोन्नति हुई किये गये
---------	----------------	--	---

1	2	3	4
1.	श्री आर० पी० सोमर	31-3-1980 (अपराह्न)	11/102/79- प्रशा० दिनांक 28-4-80

1	2	3	4
2.	श्री ए० के० आहुजा	2-5-1980 पूर्वाह्न	1/102/79- प्रशा० दिनांक 23-5-80
3.	श्री बी० पी० रस्तोगी	31-3-1980 पूर्वाह्न	11/102/79-प्रशा० दिनांक 28-4-80
4.	श्री ए० के० बिस्वाम	27-3-80 पूर्वाह्न	11/102/79- प्रशा० दिनांक 26-4-80

वी० एस० वर्मा,  
भारत के रजिस्ट्रार

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय

(आयकर) एवाने गानिब,

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० 36/10/82-प्रशा० सं० प्रे० से० नि/6208:—निवर्तन का आयु होने पर श्री के० ए० हरिहरन ने जो वित्त मंत्रालय व्यय विभाग में निरीक्षण एकांक नई दिल्ली में कनिष्ठ विश्लेषण थे तथा वर्तमान में इस निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर अवर सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे दिनांक 28-2-86 के पूर्वाह्न से संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में अपर सहायक निदेशक का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० एम० चिक्करमन,

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

केन्द्रीय राजस्व-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1986

सं० प्रशासन-1 का संख्या 407:—इस कार्यालय के एक स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एम० एल० वर्मा, जो आजकल जन कल्याण अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 मार्च 1986 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। इतका जन्म तिथि 22-3-1928 है।

(ह०) अपठनीय  
उप निदेशक लेखा परीक्षा  
(प्रशासन)

महा लेखाकार का कार्यालय, बिहार

(स्थानिय लेखा शाखा), राँचा

राँचा, दिनांक 14 मार्च, 1986

सं० एल० ए० (प्रशासन 1/स्था 1(1)/प्राफार्मा प्रोमी० 3866:—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 2 बिहार,

राजीव अपने कार्यालय के स्थानाय प्रक्षेपण शाखा के श्री रघु प्रसाद शर्मा वर्तमान समय में कमिश्नर आडिट में पद स्थापित हैं को दिनांक 1-11-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक सहायक लेखा परीक्षा पदाधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-द० रो०-40-1040 में सहर्ष रूपवत् पदोन्नति करते हैं।

देव ब्रत मुखर्जी,  
स्थानाय लेखा परीक्षक

महा लेखाकार का कार्यालय तथा अ०

जम्मू तथा कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 18 फरवरी, 1986

सं० प्रशा० 1/ले तथा भा/85-86/60(22)4911 :—महा-लेखाकार जम्मू व अरुणाचल प्रदेश प्रमुख अधिकारी श्री एन० एल० राजदान को स्थानापन्न धारिता में 25-11-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० में लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री एम० एल० राजदान स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के संवर्ग में श्री योग जी दासा (ले० अ०) के बाद रखे जायेंगे।

ए० के० शर्मा,  
उपमहालेखाकार  
लेखा तथा अ०

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1986

सं० 7295/ए प्रशासन/130/82-84 :—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ, नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष प्रकृत निष्ठा तिथि से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश परन्तु सहर्ष नियुक्ति करते हैं :—

क्रसं०	नाम एवं पदनाम	कार्यालय जहाँ नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	आर० एन० बन्धोपाध्याय सं० ले० प० अ०	विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, नई दिल्ली में डेपुटेशन पर	10-2-1986
			(प्राफार्मा प्रमोशन)
2.	के० के० मजूमदार सं० ले० प० अ०	निदेशक लेखा परीक्षा (आयुध निमाण्यां) कलकत्ता	10-2-86

भगवान शरण लाय  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएँ, नई दिल्ली

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महाविभाग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 फरवरी, 1986

सं० प्रशा० 1/1088/5/1 :—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 के एक अधिकारी श्री ए० स्वामीनाथन को, रक्षा लेखा महाविभाग के रूप में स्थानापन्न रूप में, दिनांक 26 फरवरी, 1986 (पूर्वाह्न) में, आगामी आदेश परन्तु, सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

आर० बी० कपूर,  
रक्षा लेखा अपर महाविभाग  
(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्मेन्ट फैक्टरियां सेवा

आयुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 4 मार्च, 1986

सं० 12/जी/86 :—वायुयन्त्र विभाग आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री जी० वर्तिकाजी, आई० डी० ए० एस कन्ट्रोल आफ फाइनेंस, आयुध निर्माणी बोर्ड दिनांक 28 फरवरी, 1986 (अपराह्न) में सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1986

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1520/85-प्रशासन (राज०) :—इस कार्यालय में श्री अमरीक सिंह, नियंत्रक, आयात निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 31 जनवरी, 1986 के अपराह्न में तत्कालीन सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

शहर चन्द,  
उप मुख्य नियंत्रक,  
कूले मुख्य नियंत्रक  
आयात एवं निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० 37(6)/स्थापना-1/871 :—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री प्रेम चन्द जैन को उन निदेशक (सांसायनिक विभाग) के

रूप में दिनांक 21 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्न में अगले आदेशों तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

अरुण कुमार,  
वस्त्र आयुक्त

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली, 110066, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० 34/15/83-प्रशा० 1:—अधिवसिता की आयु प्राप्त होने पर श्री बी० डी० फ्रांसिस, उप निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली 28 फरवरी, 1986 के अवकाश में सरकारी सेवा में निवृत्त हुए।

नीरा यादव,  
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 फरवरी 1986

सं० ए-6/247 (521):—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता, के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) तथा स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद पर कार्य कर रहे श्री एस० बी० पाल, 31 दिसम्बर, 1985 के अवकाश में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये हैं।

आर० पी० शाही,  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 फरवरी, 1986

सं० ए-6/247 (580):—राष्ट्रपति उप निदेशक निरीक्षण (धातु ख) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड श्री एस० के० पाण्डे को दिनांक 8 जनवरी, 86 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर निरीक्षण निदेशक, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-1 के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० के० पाण्डे का तदर्थ नियुक्ति से, नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में बरिष्ठता और पदोन्नति की पात्रता और स्थाई तरण आदि के लिये नहीं गिनी जायेगी।

3. श्री एस० के० पाण्डे की निरीक्षण निदेशक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-1 के पद पर नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० एस 67/83, 68/83 और 69/83 तथा उप निदेशक निरीक्षण श्री एस० सी० आनन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका सं० 3001/83 और 35/83 जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय को अन्तर्गत कर दी गई है और दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है के निर्णय के अधीन होगी।

4. टाटा नगर में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० के० पाण्डे ने तदर्थ पदोन्नति पर दिनांक 8 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्न में अस्थायी स्थानान्तरण के आधार पर कलकत्ता के निरीक्षण मण्डल कलकत्ता में निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है। उनकी नियुक्ति अधिकाधिक 180 दिनों के लिये की गई है।

सं० ए 17011/98/76-प्र० -6:—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) और स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर कार्य कर रहे श्री जे० के० घोष 31 जनवरी, 1986 के अवकाश में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये हैं।

आर० पी० शाही,  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 1540 बी/ए 32014 (2-श्री० एल०)/81/19बी:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण) श्री बी० के० ब्रोडको अधिकारी सर्वेक्षण के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 31-12-1985 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1547 बी/ए 32013 (2-एस० श्री०)/84-19 बी:—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी सर्वेक्षक श्री जी० सी० दे को सर्वेक्षण अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न

क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1-1-1986 के पूर्वार्द्ध से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमिन कुशारी,  
निदेशक (कार्मिक)

### भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 मार्च 1986

सं० ए 19011(376)/85-स्था० ए:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० एम० शंभर कर, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रशासन) की भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 13-2-1986 के पूर्वार्द्ध से स्थापनापत्र एवं में नियुक्ति की गई है।

जी० सी० शर्मा,  
सहायक प्रशासन अधिकारी  
कृते महानिदेशक

### भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० 4-161/78-स्थापना:—वय निवर्तन को पूर्ण करते हुए श्री हिमालय नाग, माण्ड्यकी, को 28 फरवरी, 1986 मायन्ह से सरकारी सेवा में निवृत्त किया जाता है।

पी० सी० दत्ता,  
अधीक्षक मानव विज्ञान

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1986

सं० 18/121/85-एस चार:—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली श्री के० आर० राममूर्थी, प्रवर इंजीनियर सहायक के सहायक अभियन्ता, की पदोन्नति पर दिनांक 18-10-85 (पूर्वार्द्ध) को नियुक्त करते हैं।

सं० 17/4/86-एम चार:—पदोन्नति के परिणाम स्वरूप निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने उनके आगे लिखी तारीखों में विभिन्न आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों में सहायक इंजीनियरों का कार्यभार ग्रहण कर लिया है:—

क्र सं०	नाम	केन्द्र/कार्यालय	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
			(पूर्वार्द्ध)
1.	श्री सतपाल सिंह	आकाशवाणी, जालन्धर	31-12-85

1	2	3	4
			पूर्वार्द्ध
2.	श्री प्यारे लाल	मुख्य अभियन्ता (उत्तरी क्षेत्र)	30-12-85
3.	श्री सी० खरबन्दा	वही	10-1-86
4.	श्री जे० के० पाल	वही	30-12-85
5.	श्रीमती चन्द्र हाना	मुख्य अभियन्ता (आर० एण्ड डी०)	24-12-85
6.	श्री के० एम० सिंह	आकाशवाणी, सूरतगढ़	1-1-86
7.	श्री ए० सी० खुराना	ड० श० प्रे० आकाशवाणी, अलीगढ़	20-1-86
8.	श्री एन० के० मण्डल	आकाशवाणी, रांची	30-12-85
9.	श्री डी० यू० शर्मा	आकाशवाणी, विद्यावाचनालय	18-1-86
10.	श्री डी० आर० राव	आकाशवाणी जयपुर	30-1-86
11.	श्री एन० सी० दत्त	दूरदर्शन केन्द्र, कुतियांग	2-1-86
12.	श्री एस० एम० चौधरी	एल० पी० टी० वी गंगटोक	29-1-86
13.	श्री एच० गोविन्द-राजन,	आकाशवाणी, बंगलूर	5-2-86
14.	श्री भूपेन्द्र सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर	30-1-86
15.	श्री आर० डी० हरडिकर	दूरदर्शन केन्द्र, नागपुर	1-2-86
16.	श्री बी० सी० हजारीज	आकाशवाणी, डिब्रूगढ़	17-2-86

बनबीर सिंह जैन,  
प्रशासन उपाधिक्षक  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

सं० ए० 22012/4/83-के० सं० स्वा० यो०-1-स्था० ए० के० डे को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कलकत्ता को बदली हो जाने के फल-स्वरूप उन्होंने 14 जनवरी, 1986 के आदेश के द्वारा केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन होम्सोपैथिक चिकित्सक के पद पर कार्यभार छोड़ दिया है तथा 24 जनवरी, 1986 के पूर्वार्द्ध में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता के अधीन होम्सोपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए० 12025/3/84-के० सं० स्वा० यो०-2-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० के० कपूर को 3 फरवरी, 1986 पूर्वाह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अधीन प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 मार्च 1986

सं० ए० 12015/3/84-के० सं० स्वा० यो०-1 (भाग-1)-केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एस० जी० गुप्ते ने 1 फरवरी, 1986 आगन्तु में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर के अधीन प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

टी० एस० राध

उप-निदेशक प्रशासन

(के० रा० स्वा० यो०)

दिल्ली दुग्ध योजना, पश्चिमी पटेल नगर

नई दिल्ली-8, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

आदेश

सं० 6-1/83-सतर्कता-यतः श्री नत्थी लाल भेट को इस कार्यालय के दिनांक 21-2-1983 के जापन सं० 6-1/83-सतर्कता के आरोप-पत्र जापन अनुसार निम्नलिखित आरोप के लिए केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 14 अन्तर्गत आरोप-पत्र जारी किया गया था :—

“कि कथित श्री नत्थी लाल जब भेट के रूप में दिल्ली दुग्ध योजना में काम कर रहा था तो वह दिनांक 25-1-82 के बाद से अनधिकृत रूप से सक्षम प्राधिकारी की बिना पूर्वाप्तति और स्वीकृति के अपनी ड्यूटी से गैर-हाजिर है। अतः उस पर दिनांक 25-1-82 के बाद से सक्षम प्राधिकारी की पूर्वाप्तति और स्वीकृति बिना अनधिकृत रूप से ड्यूटी से गैर हाजिर होने का आरोप लगाया है जो सरकारी कर्मचारी के लिए अनुचित है और केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम 1964 का उल्लंघन है।

और यतः श्री सत्य काम को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था जिसने दिनांक 20-8-85 को अपनी रिपोर्ट (प्रति संलग्न) प्रस्तुत कर दी है उसमें श्री नत्थी लाल के विरुद्ध अनधिकृत रूप से ड्यूटी से गैर हाजिर रहने का लगा आरोप सिद्ध हो गया है। अधोहस्ताक्षरी, जांच अधिकारी के उस निष्कर्ष से सहमत है कि श्री नत्थी लाल भेट अनधिकृत रूप से ड्यूटी से गैर-हाजिर रहा है। उसको जांच कार्रवाई में उपस्थित होने के लिए श्रेष्ठ गणित लिखित नोटिसों के बावजूद भी श्री नत्थी लाल जांच कार्रवाई में उपस्थित नहीं हुआ है। उसको निम्न नोटिस भेजे

गए थे पर वे डाक प्राधिकारियों की निम्नलिखित टिप्पणियों सहित वापिस आ गए :—

नोटिस की तारीख मुन्हाई की तारीख डाक प्राधिकारियों की टिप्पणियां

- |    |         |         |   |
|----|---------|---------|---|
| 1. | 19-8-83 | 27-9-83 | रजिस्टर्ड ए० ४० इस टिप्पणी सहित कि “जानबूझ कर झिंझरी लेना टाल दिया”                                     |
| 2. | 15-2-84 | 28-2-84 | बार-बार जाने पर पाने वाला अपने घर पर नहीं मिला।   |
| 3. | 16-1-85 | 30-1-85 | इस गांव में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है।   |
| 4. | 16-4-85 | 25-4-85 | 1. इस गांव में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है।<br>2. पाने वाला अज्ञात व्यक्ति से स्टेशन से वापस है। |
| 5. | 25-6-85 | 15-7-85 | जानबूझ कर झिंझरी लेना टाल दिया।   |

रिपोर्ट में उपलब्ध तथ्यों और उक्त जांच रिपोर्ट के अभाव-पूर्वक विचार करने के बाद अधोहस्ताक्षरी जांच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है और अनिवार्य रूप से इस रिपोर्ट पर पहुंचे हैं कि श्री नत्थी लाल भेट की सरकारी सेवा में कोई रुचि नहीं है और इसलिए वास्तविक सेवा में अपने योग्य ठीक व्यक्ति नहीं है। इस मामले के तथ्यों और तथ्यावली से यह स्पष्ट है कि वह कई अवसरों पर अपने अन्तिम उपलब्ध पते पर नहीं मिला और कुछ अवसरों पर उसने जानबूझकर डाक प्राधिकारियों से नोटिस लेने को टाला। अतः वह आरोप के लिए दोषी पाया गया है।

अतः अब अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली 1965 के नियम 11 अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए अधोक्षित और पर्याप्त कारणों को मद्दे नज़र रखते हुए श्री नत्थी लाल भेट को सेवा में अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दण्ड देते हैं।

संलग्न : जांच रिपोर्ट

हस्ताक्षरित

दीपक जै ;

उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)

अनुशासनिक प्राधिकारी

श्री नत्थी लाल, भेट

पुत्र श्री मोहन लाल

पता :—1. डी-192

रघुवीर नगर,

नई दिल्ली—27

2. गांव—नौगांव

पो० ओ०—रामगढ़

जिला—अजमेर (राजस्थान)

परमाणु ऊर्जा विभाग  
अथ और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 6 फरवरी 1986

सं० क्रम/41/10/85-प्रशा०/1576-परमाणु ऊर्जा विभाग, अथ और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री के० एन० काष्ठपाल को इसी निदेशालय में दिनांक 26-12-1985 (पूर्वाह्न) से 15-2-1986 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थापना रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी, श्री एम० के० जोशी के स्थापना पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छट्टी प्रदान की है।

दिनांक 3 मार्च 1986

संदर्भ सं० क्र० सं० नि०/2/1/(20)/83-प्रशा०/1442-परमाणु ऊर्जा विभाग, अथ और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी उच्च श्रेणी निमित्त तथा स्थापना सहायक लेखापाल श्री सुरेश शांताराम प्रभुवाट्ये को इसी निदेशालय में दिनांक 26-11-85 (पूर्वाह्न) से 28-2-86 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थापना रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी  
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० ना० ई० ए०/का० प्र० सं०/0703/388-इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० सं०/का० प्र० सं०/0703/2950, दिनांक 23 नवम्बर, 1985 के क्रम में लेखा सहायक श्री च० रा० प्रभाकरन का, रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति दिनांक 22-5-1986 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत—इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाई जाती है।

जी० जी० कुलकर्णी,  
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

इसरो उपग्रह केन्द्र  
अन्तरिक्ष विभाग

बैंगलूर-560 017, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 020/1(15.2)/86-स्थापना-I-इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक ने श्री बी० एस० नागेश राव को वैज्ञानिक/

अभियन्ता "एस० बी०" पर दिनांक 7 नवम्बर 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बैंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एच० एच० रामदास  
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1986

सं० ए०-32013/10/85-स्था०-—राष्ट्रपति, श्री के० एन० एच० कृष्णन्, निदेशक, उडनयोज्यता को नागर विमानन विभाग में दिनांक 11-11-1983 से अप्रयोगमूलक आधार पर उपमहानिदेशक के ग्रेड में नियुक्त करते हैं। चूंकि श्री कृष्णन् ने वास्तविक रूप में दिनांक 21-2-1986 (पूर्वाह्न) से उपमहानिदेशक के पद का कार्यभार संभाला है, अतः उन्हें वित्तीय लाभ दिनांक 21-2-1986 (पूर्वाह्न) से देय होंगे।

(प्राधिकारः—परिवहन मंत्रालय, नागर विमानन विभाग का दिनांक 21-2-86 का पत्र सं० ए-32013/28/85-का० ई०)

जे० सी० गर्ग  
संयुक्त निदेशक, प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1986

सं० ए-32014/7/84-ई० सा०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तालिका सहायकों को (जो इस समय सहायक तकनीकी अधिकारियों के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं) दिनांक 28 जनवरी, 1986 से और अन्य आदेश होने तक 650-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक तकनीकी अधिकारियों के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम
(1)	(2)
सर्वश्री	
1.	एन० एस० मियान
2.	शोसल सिंह
3.	पी० एच० वर्मा
4.	एच० एन० अधिकारी
5.	एम० एम० चक्रवर्ती
6.	बी० आर० शर्मा
7.	पी० के० के० नायर
8.	ओ० पी० खुराना

(1)	(2)
	सर्वश्री
9. जे० एस० सईब	
10. के० आर० नरसिम्हान्	
11. पी० एस० नारायणन्	
12. एस० वी० पटनायक	
13. जी० सी० छाबड़ा	
14. जागीर सिंह	
15. के० विलायुधन-II	
16. के० मुत्तु कृष्णन्	
17. के० विलायुधन-I	
18. पी० बाई० खादीकर	
19. जे० बी० सोनार	
20. के० नारायणन	
21. सुरजीत सिंह	
22. डी० भट्टाचार्या	
23. एस० सी० सूद-I	
24. एच० आर० रंजन	
25. एस० डी० कुमार	
26. बी० एस० परमार	
27. एस० सी० सूद-II	
28. एस० के० खन्ना	
29. पी० के० कपूर	
30. एम० पी० चौहान	
31. जे० एन० नाग	
32. जे० एस० डील	
33. नन्द किशोर	
34. पी० के० चन्दा	
35. एम० के० चन्दा	
36. याशुब खान	
37. जे० एम० सक्सेना	

वा० जयचन्द्रन  
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ए०-12025/1/84-ई० एस०-—मंघ लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर, राष्ट्रपति, श्री एस० एन० द्विवेदी को दिनांक 3-2-1986 (पूर्वाह्न) से, अन्य आदेश होने तक, 700-1300 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में उड़न-योग्यता अधिकांश के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एन० द्विवेदी को निदेशक उड़नयोग्यता, सफरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया गया है।

एम० भट्टाचार्या  
उपनिदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं स.मा.शुल्क: समाहर्ता का कार्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

बंगलौर-560001, दिनांक 27 फरवरी 1986

सं० 1/86—मुख्य, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए मैं, एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक समाहर्ता को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173एच के अन्तर्गत उनके सम्बन्धित क्षेत्राधिकार के अधीन समाहर्ता के शक्तियों का प्रदान करता हूँ।

सुकुमार शंकर  
समाहर्ता

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 4/86—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नत होने पर श्री पी० आर० जोशी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'क' ने सहायक समाहर्ता नागपुर के पद पर दिनांक 16-2-86 को अपना कार्यभार ग्रहण किया।

आर० के० आदिम  
उप समाहर्ता (कार्मिक और स्थापना)

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

सं० 3-737/86-स्था० (अनु०)—श्री एच० एल० वर्मा को दिनांक 31-1-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह (ख) (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 3-738/86-स्था० (अनु०)—श्री एन० सी० गेरा को दिनांक 7-2-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ख" (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० दास  
मुख्य अभियन्ता एवं मदरस

## गहरी विकास योजनाएं

नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 मार्च 1986

क्र० सं० ए-12026(9)/85-टी० सी० पी० ओ०/  
प्रशासन—अध्यक्ष, नगर एवं ग्राम आयोजन संगठन से श्रीमती  
उर्मिला दत्ता, अनुसंधान विभाग की सहायक अर्थशास्त्री (जि०  
क्ष० ए० यु० बी० राजस्व वि०) के पद पर 21-2-86 (पूर्वार्ध)  
से अगला आदेश जारी होने तक नियुक्त किया है।

बि० च० शिखा  
प्रशासनिक अधिकारी

## निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1986

सं० 33/2/83-ई० सी० IX/—राष्ट्रपति महर्षि संघ लोक  
सेवा आयोग के निम्नलिखित सामग्रियों को उप-वास्तुकों के  
अस्थायी पदों पर सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'क' केन्द्रीय लोक  
निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रोज०-40-  
1100-50-1300 के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सहित)  
सामान्य नियमों एवं शर्तों पर प्रत्येक के सामने दायीं स्थितियों  
से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० के० चक्रवर्ती 2-1-1986
2. श्री नवनील 23-1-1986

2. इन्हें नियुक्त स्थितियों से 2 वर्ष की अवधि के लिए  
परिबीक्षा पर रखा जाता है।

पृथ्वी पाल सिंह  
प्रशासन उप-निदेशक

## केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 फरवरी 1986

सं० 22/2/86-प्रशा०-I(ख)—इस आयोग की अधि-  
सूचना सं० 127/86, फाइल सं०-22/2/86-प्रशा०-I  
(ख), दिनांक 11 फरवरी, 1986 में आंशिक संशोधन करते  
हुए श्री बी० सी० जोशी की नियुक्ति की तारीख 30-1-1986  
के स्थान पर 31-1-1986 धृष्टी जाए।

आर० जेपाद्रि  
अवर अधिकारी

## उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गार्डेन साईट्स एण्ड होम  
क्राफ्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 14311/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना  
दी जाती है कि गार्डेन साईट्स एण्ड होम क्राफ्ट्स प्राईवेट लिमिटेड  
का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मूवि मेकर्स प्राईवेट लिमिटेड  
के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24681/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना  
दी जाती है कि मूवि मेकर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज  
रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बी० बी० जी० इंजीनियरिंग  
इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 26682/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना  
दी जाती है कि बी० बी० जी० इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्राईवेट  
लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त  
कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ए० एम० इलेक्ट्रॉनिक्स  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 33742/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा  
सूचना दी जाती है कि ए० एम० इलेक्ट्रॉनिक्स प्राईवेट लिमिटेड  
का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पी० ए० मेनिजमेंट  
कन्सल्टेंट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 21517/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना



सूचना दी जाती है कि इस नारीच में तीन शान के अवतार पर आईडियल संज्ञान डेवेलपमेंट सिंड्रोम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और राँचि ट्रुस मैनुफैक्चरिंग  
कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फिलिम एण्ड कं. प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24522/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राँचिं दुलस मैग्नेफ़ैक्चरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सं० 19108/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माप के अवसर पर फिलिप एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इससे प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बनारसीलाल मुनमुनवाला प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्लानटारम गाइड एण्ड सप्लाय कं. प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

कल हस्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 21067/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में मृतद्वारा भुक्तना दी जाती है कि बनारसीलाल झुनझुनवाला प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सं० 10468/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अन्तर्गण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अवसर पर प्लानटारिंग साइड एण्ड अफ्लाई कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम हर्गो के प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वायलजिकल अपनई  
कानूनन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० 21059/560(5)---अमानी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एलुमिना सूचना दी जाती है कि बायलजिकल स्प्लाई कनसर्न प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और देख्यल नर्सिंग होम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० एल० वासु एण्ड कं०  
(स्टीलस) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 30567/560 (3) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर डेम्पल नरसिंग होम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 25095/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० एल० वासु एण्ड कं० (स्टीलस) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम आगमिरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के  
विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

कम्पनी अधिनियम 1956 और आइडियल नेशनल डेवलपमेंट सिंडीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

सं० 21612/560 (3) कम्पनी अधिनियम 1961 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुकरण में मादूदादा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर आज़मिरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 14275/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत में एतद्वारा यह

डी० के० पात  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
(पश्चिम बंगाल)

प्ररूप बार्ह. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० 37ईई/1673/85-86--अतः, मुझे, अनिल  
कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० विलिङ्ग सं० ए बी, गोंडाऊन + कार  
पाणिम के साथ में पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें  
उपबद्ध अनुसूची में ऑन पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक अगस्त, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे संबंध में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेरर्स कुंदन एमोसिएट्स  
बिल्डर्स एण्ड प्रमोटर्स, 11 राहुल अपार्टमेंट्स  
शंकरशेठ रोड, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दनमल सुम्बरलाल कटारिया  
11, राहुल अपार्टमेंट्स शंकरशेठ रोड, पूना-2।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
पर्याप्त किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/1673/85-86 जो  
अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज,  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 10-1-86

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1201/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० थापा सं० 9, तोजी सं० 227 खाना सं०  
316, प्लॉट सं० 825 है, तथा जो मांजा सादीकपुर योगी,  
थापा-कंकड़बाग, जिला-पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बैंगाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 26-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
प्रकार के वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाबत में कमी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु का स्थिति  
को, जिन्हे भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) जगन्पुरी सहजरी गृह निर्माण समिति लि० पटना,  
पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रदीप सिंह उर्फ दशई सिंह पे० स्व० यदुनन्दन सिंह  
सा०—दौनतपुर, थापा—मांरीचक, जिला—पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

जमीन जिस का रकबा 2140 वर्गफीट है जो मांजा सादीकपुर  
योगी, थापा-कंकड़बाग, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप  
में बसिका संख्या-5003 दिनांक 26-6-85 में वर्णित है तथा  
जिसका विबंधन जिला अवर निबन्धक बैंगाली के द्वारा संपन्न  
हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई, टी. एर. एस.-----

(1) श्री प्रथम सचिव राज्य, भोपाळ टोला,  
मुम्बई-400 001।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिशेव, विभाग, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

(2) आधुनिक सहकारी गृह निर्माण समिति  
भिमदेव द्वारा विरेन्द्र कुमार, सचिव, वेली रोड,  
पटना-1।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निदेश सं० III/1190/85-86—अर्जन, मुंबई, दुर्गा प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 2054 पी० ओ०, 2067 पी० ओ०,  
2061, पी० 2059, पी०, 2697, खाना सं० 506, 506, 50  
516, 518, तीजी सं० 16 खाना सं० 40 है तथा जो जिला  
पटना में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दलदत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17-6-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्राप्त संपत्ति के उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कोशिश  
के लिए।

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 117 डिगमल है तथा जो पटना में  
स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बमिका संख्या—I 8766 दिनांक  
17-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार आफ  
एगुरेन्सेज, जलपत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिशेव, विभाग, पटना।

दिनांक : 122-86

सोहर :

प्रकृप, आई. टी. एन. एस्. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1191/अर्जन/85-86—अनं., मुझे, दुर्गा-  
प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 312 खसरा सं० 2718 है, तथा  
जो मीना दिग्धी कला, थाना—हाजीपुर, जिला बैशाली में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैशाली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-6-  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दख्तमान प्रतिफल से, ऐसे दख्तमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठाकुर सिंह पे० स्व० महावीर सिंह  
शा० दिग्धी कला, थाना—हाजीपुर जिला—बैशाली ।  
(अन्तरक)

(2) शुभम महकरी गृह निर्माण समिति हाजीपुर  
द्वारा सचिव, श्री राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, हाजीपुर,  
जिला बैशाली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में संपूर्ण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

जमीन जिसका रकबा 4 कट्ठा है जो मीना दिग्धी कला  
थाना हाजीपुर, जिला—बैशाली में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से  
वसिका संख्या—4850 दिनांक 19-6-85 में वर्णित है तथा  
जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक बैशाली के द्वारा सम्पन्न  
हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986  
मोहर :

इस्य बाहे टो एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1192/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा-  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डिंग सं० 646/506 पुराना तथा 506/  
53, सिकल सं० 13, प्लॉट सं० 588, तौजा सं०-10723  
है, तथा जो जनक किशोर रोड, कदमकुआँ, जिला-पटना में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 19-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी भाव की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्धित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या संयुक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3—516 GI/85

(1) श्री नक्षमी निवास राम प्रे० रामजी राम  
सा० न्यू डाक बंगला रोड, पटना ।  
(अन्तरक)

(2) डा० राज किशोर सिन्हा पे० स्व० साधु शरण सिन्हा,  
सा० मराजी, थाना पुनपुन जिला—पटना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वक्त  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 5 कठ्ठा 10 घूर है जो  
जनक किशोर रोड, मोहल्ला कदमकुआँ, जिला-पटना में स्थित  
है एवं पूर्ण रूप से वर्णित सं०-4367 दिनांक 19-6-85 में  
वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के  
द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1193/अर्जन/85-86--अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० 482, खाता सं० 270, 476, 35 खसरा सं० 2685 (पुराना), 3888 (नया) 2665 (पुराना) 3837 (नया) है तथा जो मौजा पैगमपुर, थाना कांटी, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पत्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम राज सिंह पे० स्व० श्री क.त सिंह; सा० सरहेरिया, थाना शवात, जिला—रोहतास हाल पता—ब्रह्मपुरा थाना, जिला—मुजफ्फरपुर। (अन्तरक)

(2) श्री राजीव रंजन एवं श्री रंजन तथा प्रिय रंजन पेशरान रामाश्रय प्रसाद सिंह, सा० बिरपुर थाना—कांटी, जिला मुजफ्फरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4 कट्ठा है जो मौजा पैगमपुर थाना—कांटी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका संख्या—11747 दिनांक 19-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक : 13-2-86

मोहर :



शुरूब बाई, टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1194/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितनी सं० थापा सं० 14, तौजी सं० 227 खाना  
सं० 227, खसरा सं० 122 एवं 123 है, तथा जो थापा,  
आलमगज, जिला—पटना, में स्थित है (और इसमें उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री (ता) अधिकारी  
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मुझे :—

(1) पूर्वी अर्धो 5 नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०,  
द्वारा सचिव, विमलानन्द प्रसाद, पूर्वी अर्धो 5 नगर,  
कंकड़वाग, पटना।

(अन्तर 11)

(2) इन्द्र प्रस्त सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
द्वारा सचिव वैद्यनाथ सिंह, खजांची रोड, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 95 बीघम है जो थापा आलमगज  
जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 4065  
दिनांक 10-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला  
अवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गाप्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक : 13-2-86

मोहर :

प्रकाशित: टी. एन. ए. —————

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1195/अर्जन/85-86—अनं., मुझे, दुर्गा-  
प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० 2 खाता सं० 241, तौजी  
सं० 5123, प्लॉट सं० 2369 है, तथा जो मौजा मैनपुरा  
(रमन बाग) थाना—कृष्णापुरी, जिला—पटना में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी बाब की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त :—

(1) श्रीमती सूरजमणी देवी जीजे श्री रमाकान्त शर्मा  
सा० डा० अमहरा. थाना—बिहटा, जिला पटना ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा गुप्ता जीजे सरोज कुमार गुप्ता  
मो० गांधीपथ, मिठापुर, थाना गदनीबाग,  
जिला—पटना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

अन्वयिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2 कट्ठा है जो मौजा मैनपुरा (रमनबाग)  
थाना, कृष्णापुरी जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से  
वर्तिका संख्या 4589 दिनांक 27-6-85 में वर्णित है तथा जिसका  
निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

मोहर :

सक्षम बाध\* टी.एन.एस.

(1) श्री सुभा लाल मंगवाल पे० बाबू गांगा बक्स (स्वर्गीय)  
सा० बडम बाजार, हजारीबाग।

(अन्तरक)

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं० III/1196/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट सं० 705 पुराना होल्डिंग सं० 223,  
वार्ड सं० 5, हाल होल्डिंग सं० 364, वार्ड सं० 8 है, तथा जो  
मो० मालवीय मार्ग, बडम बाजार, जि० हजारीबाग में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हजारीबाग में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-6-  
1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे संबंधों के लिए यह पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्धन के  
कारण से कभी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए और/या(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का  
जिन्हें भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिये था, जिनसे में सुविधा के लिए;अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों :—का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षों के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षों के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जानि मय मकान जिसका एकठा 1 कठ्ठा 12 धूर व  
4 धूरकी है जो मालवीय बाग, बडम बाजार, जिला हजारीबाग  
में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वर्णित संख्या 8479 दिनांक  
3-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक,  
हजारी बाग के द्वारा संपन्न हुआ है।दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर :

**प्रकाशित आदेश, 1986**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना द्वारा उपकरण**

**आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं० III/1197/अर्जन/85-86—अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले परमाणु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० —762 (गार्ट) होलिडिंग सं० 722/401, सकिल सं० 6 है, तथा जो एक्जिबिशन रोड, थाना—गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के काम के अनुरूप प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और

यहां यह विज्ञापित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्ध के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी धन की राशि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तर्गत के करी करने या उसके अन्तर्गत के द्रव्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन का काम का निष्कर्ष, जो, जिसे भारतीय राज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकान्वय अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाता था किन्तु या, किन्तु के द्रव्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना द्वारा सचिव मो०—जियाजुद्दीन खां निवासी—फ्रेण्ड हॉटेल प्रीमिसेज फ्रेजर रोड, थाना—कोतवाली, जिला—पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रभान गुप्ता, पे० श्री सोहन लाल जी गुप्ता, 204, पाटलीपुत्रा कालोनी डा० पाटलीपुत्रा कालोनी, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कक्षा है ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

गगन अपार्टमेंट्स का चार मंजिल संपूर्ण प्लॉट सं०—405 जिसका रकबा 1056 वर्ग फीट है जो एक्जिबिशन रोड, थाना—गांधी मैदान जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं०—4318 दिनांक 18-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

मोहर :

संख्या 269-घ (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं० III/1198/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 782, होल्डिंग सं० 722/401 (न्यू) 316 (पटना), बार्ड सं०-2, सखिल सं० 6 है, तथा जो एकज्वीषण रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-6-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खो, निवासी—ग्रेण्ड होटल प्रीमियम, थाना कोतवाली, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामावतार खंगटा पे० श्रीमालादीन खंगटा, सा० न्यू डाक बंगला रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

**उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी बातें :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(क) अन्तरक में हुई किसी बात की बाध, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के अन्तर्गत के धारित्व में कभी करने या उनमें अर्थ में परिवर्तन की शक्ति; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने के अधिनियम के अधिनियम

गगन एपार्टमेंट्स का दुकान सं० 21 जो ग्राउण्ड फ्लोर का अंग है । जिसका रकबा 302 वर्गफीट है जो एकज्वीषण रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण-रूप से क्रसिका सं० 3926 दिनांक 4-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवत निबन्धक, पटना के द्वारा संपन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक : 13-2-86  
मोहर :

**उक्त अधिनियम की धारा 269-ग**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/199/अर्जन/85-86-अतः, मुझे, दुर्गा-  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाना सं० —177 खसरा सं०—1143,  
थाना सं० 161 है, तथा जो मौजा धनौती हवीबुल्लाह, थाना—  
हाजीपुर, जिला—बैशाली में स्थित है (और इसे उपपाट्ट उत्तु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त अधिवारी  
के कार्यालय बैशाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 4-6-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्ध  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
व्यवहारिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दाखिल में कमी करने या उक्त अंतरण के अधिक  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी बात या किसी भूत या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

(1) गणेश्वर सिंह उहकारी गृह निर्माण समिति, हाजीपुर,  
द्वारा अधिव, प्रमोद कुमार सिंह, सा० खोपी, थाना—  
जमदाहा जिला—बैशाली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिला देवी पति जय प्रकाश सिंह,  
सा० धरहरा, डा० करहानी, थाना—दीनार,  
जिला रोहतास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही कराया जाता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधित :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

महसूची

जमीन जिसका रकबा 3900 वर्गफीट है जो मौजा धनौती  
हवीबुल्लाह, थाना—हाजीपुर, जिला बैशाली में स्थित है एवं जो  
पूर्ण रूप से बसिका संख्या 4340 दिनांक 4-6-85 में वर्णित  
है तथा जिसका निबन्धन जिला अवध निबन्धक, बैशाली के द्वारा  
संपन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र,  
बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86  
मोहर

**व्यापक बाजारों की प्रवृत्ति**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रॉज, पटना**

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० II/1200/अर्जन/85-86—अतः सुझे, दुर्गा प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 228, तोजी नं० 26, खाना  
नं० 42, थाना नं० 12 है, तथा जो मौजा कुम्हार, थाना  
मुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है (और इसमें उगावड़ अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बंगाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन की राशि प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनतः—  
4—516 GI/85

1. उपकार सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना  
द्वारा : सचिव, श्री गोपीकान्त पाठक।

(अन्तरक)

2. श्री रंजित पे० श्री विश्व नाथ प्रसाद,  
सा० दाउद विद्या, डा० राजेंद्र नगर,  
जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2400 वर्गफीट है, जो मौजा  
कुम्हार, थाना मुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं जो  
पूर्ण रूप से ब्रिटिश संख्या 4669 दिनांक 13-6-85 में वर्णित  
है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निबंधक बंगाली के द्वारा  
सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, पटना

दिनांक : 13-2-1986

हस्ताक्षर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० III/1202/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 762 (पार्ट), हेलिडन नं० 722/401, बार्ड नं० 2, सड़क नं० 6 है, तथा जो एक्जीजीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाता चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा 269-घ (1) के अधीन निम्नलिखित संपत्तियों में अन्तरण

1. गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, पटना द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खाँ, निवासी ग्रेण्ड हॉटल, प्रीमियेज, फेजर रोड, पटना। (अन्तरक)

2. श्री ब्यामलाल लखमनी एवं श्री दयानन्द लखमनी, पे० ग्व० श्री गणेश मान लखमनी, सा० माथलवाड़ी, थाना एवं जिला दरभंगा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गगन अपार्टमेंट का पांच मंजिला फ्लैट नं० 506, जिसका रकबा 1059 वर्ग फीट है, जो एक्जीजीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बमिका सं० 3925, दिनांक 4-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के द्वारा संपन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पटना

दिनांक : 13-2-1986  
मो 14



प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० -1203/अर्जुन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं० 406, ब्लाक नं० 1, वार्ड नं० 9,  
होस्टिंग नं० 89 (नया) 286 (पुराना) खाना नं० 155,  
खसरा नं० 389 (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो  
मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और  
इससे उपाय अन्तःसूची में और जो पूर्ण रूप से दर्जित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उपबोध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
वही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाष की राशि, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अधिनियम  
में करी करने या उसके करने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ग) इसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री बुझाबत दास उर्फ जगत मोहन दास पे० स्व० छठू दास;  
मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री कौशल कुमार मणजरा पे० श्री मानादीन मणजरा  
मो० पुरानी बाजार, गुदरी रोड, थाना जिला  
मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी की गई पूर्वोक्त सम्पत्ति के करने के लिए  
कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के करने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(च) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(घ) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लेकर या संकेतों।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय भूकान जिसका रकबा 222 वर्ग फीट है, जो  
मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो  
पूर्ण रूप से बसिका संख्या 11260, दिनांक 13-6-1985 में  
वर्णित है) तथा जिसका निबंधन जिला अधर निबंधक, मुजफ्फर-  
पुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पटना

तारीख : 13-2-1986

मोहर :



प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1205/अर्जन 85-86 अतः—, मुकुंदगुप्त प्रसाद  
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० खाना नं० 1067, खसरा नं० 604, 605,  
606 वार्ड नं० 1 (पुराना), 2 (नया) थाना नं० 402, होसिङग  
नं० 533 है तथा जो मौजा ब्रह्मपुरा, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित  
और है इसमें उपानवद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री-अर्ज अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से अधिगत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की  
वाधिर्य से कामी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए या, विधायक में श्रेय  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
के अंतर्गत उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री श्याम चंद्र प्रसाद पे० स्व० विगत शाह,  
मौ० सरैयांज, थाना जिला मुजफ्फरपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री नृजविहारी प्रसाद पे० स्व० यादव चंद्र प्रसाद,  
मौ० ब्रह्मपुरा, थाना जिला मुजफ्फरपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों अ. र. को का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3 कड़ 6 धुर है जो मौजा ब्रह्मपुरा  
थाना एवं जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से  
वसिका सं० 11239 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला  
अवर निबंधन मुजफ्फरपुर के द्वारा व्यपन्न हुआ है।

मुकुंद प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख 13-2-1986

मोहर :

**उक्त बाह्य-डी.एन.ए.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**प्रारम्भ करण**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० -III/206/अर्जन/85-8 -अतः मुझे, दुर्गा प्रसा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 5559, थाना नं० 20, खाता  
नं० 426, खसरा नं० 418 है, तथा जो मौजा धनौत, थाना  
दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के  
कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 19-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल स्वीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचाने के सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री विमला शरण सिंह पे० स्व० जीत सिंह,  
ग्राम रूपसपुर, डा० धनौत, थाना 5 दानापुर,  
जिला पटना ।

(अन्तरक)

2. सेठी सहनारी गृह निर्माण समिति लि०,  
न्यू मार्केट, पटना

द्वारा : सचिव श्री उपेन्द्र प्रसाद ; साह, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

जमीन जिसका रकबा 9 1/2 डिशमल है जो मौजा धनौत  
थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से  
बसिका संख्या 4878, दिनांक 19-6-85 में वर्णित है तथा  
जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक बैशाली के द्वारा  
सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

तारीख : 13-2-1986

साहंर ७

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आरक्षक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० -III/1207/अर्जन/85-86-अतः मुझे दुर्गाप्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० तौजा नं० 5559, थाना नं० 20, खाता नं० 426, खसरा नं० 418 है, तथा जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) 'जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक 19-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दान या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था जिन्होंने उसे सूचित करने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विमला शरण सिंह पे० स्व० जीत सिंह,  
तह० सपपुरा, डा० 801, थाना दानापुर,  
जिला पटना ।

(अन्तरक)

2. सैठो सहकारा गृह निर्माण समिति, लि०  
न्यू मार्केट, पटना,  
द्वारा सचिव, श्री उपेन्द्र प्रसाद साह ।

(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 9 1/2 डिगमल है, जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिफा संख्या 4863 दिनांक 19-6-1985 में वर्णित है, तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक बैंगाली के द्वारा, सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, पटना

दिनांक 13-2-1986

मोहर ।

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं०-III/1208/अर्जन/85-86---अतः मुझे दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन अधिकृत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका सं० थाना नं० 2 है, तथा जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार कार्यालय, बैंगाल में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक 21-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का वह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सती सहकारि गृह निर्माण समिति लि०,  
रू. मार्केट, पटना,  
द्वारा सचिव, श्री: उपेन्द्र प्रसाद साह ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामकेशरी देवी, पुत्री स्व० राम सुन्दर भगत,  
सा० कैथा, थाना कच्छवान डा० नरमहागंज,  
जिला रोहतास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमान जिसका रकबा 9 1/2 डेजिमल है जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बमिक सं० 4878, दिनांक 21-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धन बैंगाली के द्वारा, सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जुन रंज, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एम. एल. -----

सक्षम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० -III./209/अर्जन/85-86--अतः मुझे दुर्गाप्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. में अधिक है

श्रीरजिनीकी सं० थाना नं० 20, प्लाट नं० 418 है, तथा जो  
मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीरजिनी  
उपाख्य अनुसूची में श्रीरजिनी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बैंगाली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयंसेवा  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
अर्जुन के कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयंसेवा प्रतिफल में, ऐसे रजिनी प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतः 5 (अं रफों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
तथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—516 GI/85

1. मेठी सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
न्यू मार्केट, पटना-1  
द्वारा, सचिव, श्री उपेन्द्र प्रसाद माह।

(अन्तरक)

2. श्री फागू भगत बल्द स्व० रामबृक्ष भगत,  
सा० कैथी, थाना कच्छवान, जिला रोहतास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करवाएँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एब्जे का, जो उक्त  
अधिनियम के 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ है जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

सहस्र

अमीन जिसका रकबा 9 1/2 अिगल है, जो मौजा धनौत,  
थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वमिका  
संख्या 4877, दिनांक 21-6-1985 में वर्णित है तथा जिसका  
निबन्धन जिला अवर निबन्धक बैंगाली द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पटना

दिनांक 13-2-1986

मोहर :

श्रावण आई.टी.एन.एस. . . . .

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/210/अर्जन/85-86—अतः मुझे दुर्गाप्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 16 (पुराना), 409 (नया), खसरा नं० 2959 है, तथा जो मौजा चकवाग, मर्दौकाकर, थाना हाजीपुर, जिला वैशाली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एतद् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन तब तक के प्रत्येक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा से निष्ठ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्ठ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमानन्द साहू पे० श्रीराम रंग साहू.

सा० लावापुर, थाना, महानर, जिला वैशाली, (हाजीपुर)  
(अन्तरक)

2. हाजीपुर नगरपालिका वार्ड नं० 14,  
सहकारी गृह निर्माण समिति लि०

द्वारा सचिव, श्री सुरेश प्र० सिंह,  
सा० समता कालोनी, चकवाग मर्दौकाकर, हाजीपुर,  
जिला वैशाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिभूताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2 कट्टा, 15 धूर है, जो मौजा चकवाग मर्दौकाकर, हाजीपुर, जिला वैशाली में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 4951, दिनांक 24-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अधर निबन्धक वैशाली (हाजीपुर) के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर :



**प्रारूप बाह्य टी.एन.ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रंज, पटना**

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1211/अर्जुन/85-86—अन: मुत्ते, दुर्गा प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० थाना नं० 406, ब्लॉक नं० 4, वार्ड नं० 9,  
होलिडिंग नं० 89 (नया) नं० 288 (पुराना), खाता नं० 155,  
खमरा नं० 389, (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मोहल्ला  
सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाब, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से बर्खास्त करने या उसके बर्खन से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बुसावन दास उर्फ जान मोहन दास

पे० स्व० छठू दास,

मो० सरैयागंज, थाना व जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्री छवील कुमार मशखरा उर्फ श्री राज कुमार मशखरा

पे० श्री मतावीन मशखरा,

मो० पुरानी बाजार, गुदरी रोड,

थाना व जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दृष्टोक्त सम्पत्ति के बर्खन के लिए  
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्खन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बढ़ हो बनाए होसी है, के भीतर दृष्टोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

जमीन मय मकान जिनका रकबा 222 वर्ग फीट है जो  
मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है  
एवं जो पूर्ण रूप से जिनका सं० 11245, दिनांक 13-6-85 में  
वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजफ्फरपुर  
के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर :

**रकम बाएँ.टी.एन.एव.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1212/अर्जन/8 5-8 6—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आरजिनको सं० थाना नं० 406, ब्लॉक नं० 3, वार्ड नं० 9, होल्डिंग नं० 89 (नया), 286 (पुराना), खाना नं० 155, खसरा नं० 389 (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुझावन दाम उर्फ ज्ञान मोहन दाम  
पे० स्व० छठू दास,  
मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला, मुजफ्फरपुर।  
(अन्तरक)

2. छवील कुमार मशखरा उर्फ श्री राजेश कुमार मशखरा  
पे० श्री मनादीन मशखरा,  
मोहल्ला, पुरानी बाजार गुदरो रोड,  
थाना जिला मुजफ्फरपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी हितवद्द किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**बन्धुत्व**

जमीन मय मकान जिसका रकबा 222 वर्ग फीट है जो मोहल्ला सरैयागंज, थाना व जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 11256, दिनांक 13-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 13-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बिहार,

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/1213/अर्जन/85-86:—अन मुझे, दुर्गा प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वार्ड नं० 17, हॉलिडय नं० 387, खाता नं०  
83, खतारा नं० 294, थाना नं० 406 है तथा जो मंजूर  
कल्याणी, थाना मुजफ्फरपुर, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित  
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम अप्रवाल जोजे  
स्व० रमेश प्र० अप्रवाल,  
मौ० कल्याणी, ब्रह्मपुर टोली,  
थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वती देवी जोजे  
स्व० राम कुमार जालान  
श्रीमती किरण देवी जोजे  
श्री अर्जुन कुमार जालान  
मौ० गजाधर चौधरी नैन सरैयागंज,  
थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 0.1312 डींगमन है जो मौजा  
कल्याणी ब्रह्मचौली, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है  
एवं जो पूर्ण रकबा में वृत्ति संख्या 11445 में वर्णित है  
तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजफ्फरपुर में  
द्वारा समाप्त हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्राकृतिक बाढ़-टी.एन.एस. ....

सक्षम अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/1214/अर्जन/85-86:—अन सुखे, दुर्गा प्रसाद, सक्षम अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या थाना नं० 406, ब्लॉक नं० 2, वार्ड नं० 9, हॉलडिंग नं० 89, (नया) 286 (पुराना) खाना नं० 155, खारनं० 389, (नया 803) पुराना मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उदात्त अनुपुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिनियम के अधिनियम मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नई यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का धन प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयुक्त से कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

नोट: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत है, जहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हैं—

1. श्री बुलावन दास उर्फ जान मोहन दास पै० स्व० छट्टु दास मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कौशल कुमार मण्डल पै० श्री मनादीन मण्डल सा० पुरानी बाजार, गुदरी रोड, थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितधारक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 222 वर्ग फीट है जो मोहल्ला सरैया गंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से जिसका संख्या 11251 दिनांक 13-6-1985 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/1215/अर्जुन/85-86:—अन: मुसे, दुर्गा प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लॉट नं० 921 (पी०), 922 (पी०) खाना नं० 32, सर्वे नं० 922 पी है, तथा जो मौजा बुधा जिला धनबाद में स्थित है (अंग्रे इसमें उपाखण्ड अनुसूची में अंग्रे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 0-5-1985।

हां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिलफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिलफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिलफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिलफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अन्तर्गत सम्पत्ति के अधिकार के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिसने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पष्टिकरणें अधिसूचित :—

1. मै० साहजानन्द इंजीनियरिंग वर्कर्स प्राइवेट लिमिटेड  
जिगा पेंडवार्ट रोड, मित्रगी, बम्बई-400015।

(अन्तरक)

2. शास्त्री नगर को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लिमिटेड, शास्त्री नगर, धनबाद विहार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय में से परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय बनावट जिसका रकबा 257.5 कटवा है तथा जो मौजा बुधा जिला धनबाद में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बसिहा संख्या आर० 547 दिनांक 6-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन जवाबंट सब रजिस्ट्रार-11/बम्बई (बन्दरा) द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रकट नम्बर: टी. एन. एन. 1986-87

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1216/अर्जुन/85-86:—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रेषित करने के लिए विनम्र अनुरोध है कि उक्त सूचना उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लॉट 445, खाना नं० 216, सब प्लॉट सं० 4/बी, है, तथा जो ग्राम हीनु, थाना डोरन्डा जिला राँची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित आय में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था किन्हीं या किमानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन सिंह चन्ना  
वल्द स्व० हनुमन्त सिंह चन्ना
- (2) बलवीर सिंह चन्ना  
वल्द रतन सिंह चन्ना  
निवासी गुक्ला पालोली,  
हीनु थाना डोरन्डा जिला राँची।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद पासवान  
वल्द दिपनारायण राम  
ग्राम धा पो० दिधा थाना दिधा  
जिला पटना।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का मकान जिसका रकबा 500 वर्ग फीट है तथा जो ग्राम हीनु थाना डोरन्डा जिला राँची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बमिका नं० 6826 दिनांक 25-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धक जिला अवर निबन्धक राँची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बिहार,

तारीख 13-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं III/1217/अर्जन/85-86—अनू मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 754 और 755 हो सं०  
(न्यू ) 833 बाई सं० 1 है, तथा जो अंशक एच रेडियम  
रोड, जिला राँची में स्थित है (अंशक एच रेडियम अनुसूची  
में दर्ज है), अतिरिक्त अधिारी के  
नियमों के अधीन, तारीख 11-6-1985

को प्रकट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पेढा निरूपित में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) लाने किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
516 QI/85

1. समुन्द्री देवी जोड़े

राम शंकर सिंह उर्फ राम शंकर राम  
बिवासी धुर्वा, थाना हटिया  
जिला राँची।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरला जैन उर्फ सरला देवी जैन जोड़े

डा. पुनम चन्द्र जैन

(2) श्रीमती शान्ति जैन जैन जोड़े

मानिक चन्द जैन

दोनों बिवासी अंशक एच, रेडियम रोड,  
थाना लाचपुर जिला राँची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोची

जमीन मय मालन जिसका रकबा 2 कट्ठा 5 धूर है  
तथा जो अंशक एच, रेडियम रोड राँची में स्थित है एवं  
जिला पूर्ण विवरण बिल नं० 6333 दिनांक 11-6-85  
में दर्ज है और जिला विवरण बिल अवर विवरणक  
राँची के द्वारा प्रकट हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रकाशक आर. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० 1218/अर्जुन/85-86:—अंतः मुझे, दुर्गा

प्रजाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री. बिन्दी संख्या एवं प्लॉट सं० 455 खाता सं० 77,  
वाई सं० 1 प्लॉट सं० 2084 है, तथा जो सीमा सोनारी  
मार्ग बननेवाला बिना लिखत में लिया है (श्री. इसमें  
उपरोक्त संख्या में प्लॉट पर्वत का निर्माण है), बिन्दी-  
पर्वत प्राधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में बिन्दी-  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के कारण  
प्रतिफल को कम अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल में ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक और  
अंतरिती में से कर देने का उससे होने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा खंड नहीं किया गया  
है, अंतरण के लिए;

इतः आर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाता (1)  
में उक्त निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात्

1. श्रीमती चालोकोनी देवी जो  
एवं जेम्स लॉन्ग रिक्सी सोनारी  
धाना सोनारी, टाउन जमशेदपुर,  
बिना लिखत।

(अंतरक)

2. श्री ब्रज बिशोर सिंह  
एवं एवं धनराज सिंह  
रोड सं० 5, हो सं० 172,  
न्यू ले टाउन्ड सोनारी,  
टाउन जमशेदपुर बिना लिखत।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करवा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् के अंतरण में अंतरण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन सन मजान बिना लिखत 2261 वर्ग फीट है  
तथा जो सीमा सोनारी टाउन जमशेदपुर बिना लिखत  
में लिया है एवं बिना लिखत बिना लिखत सं० 4168  
दिनांक 6-6-85 और बिना लिखत बिना लिखत  
प्राधिकारी जमशेदपुर के द्वारा प्रकाशित हुआ है।

दुर्गा प्रजाद,  
मध्यम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

माहुर :



अध्य. बाबू. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/219/अर्जुन/35-8 :- मुझे, दुर्गा

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी कुल मूल्य सं० 201, खाता सं० 69, प्लॉट सं० 308 पटना सं० 309 है, तथा जो ग्राम मधुसूत याता जिला अर्जुन में स्थित है (जो इसका जमाबंदी अनुबुकी में श्री पूर्ण लाल रेज (पिता) हैं), निम्नलिखित अधिनियम के अधीन, उक्त अधिनियम अधिनियम 1908 (1908 का 13) के अधिनियम, दिनांक 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में नहीं किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद या कमा करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए, अन्तरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा सकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मोहन हर्षा दत्त राय मुण्डा  
निवासी निवासी टेली रॉकी,  
थाता व थिला रॉकी।

(अन्तरण)

2. श्री विश्वनाथ अग्रवाल  
उर्फ विश्वनाथ केडिया दत्त  
रु० मंडन लाल अग्रवाल  
निवासी, अवर बाजार, टाउन रॉकी  
थाता कोतवाली जिला रॉकी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिला रजवा 0.71 एड़ है तथा जो ग्राम मधुसूत याता रॉकी जिला रॉकी में स्थित है एवं जिला पूर्ण विवरण बंकिम सं० 5319, दिनांक 14-3-85 में वर्णित है और जिला निम्नलिखित जिला अवर निम्नलिखित, रॉकी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज बिहार,

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1220/अर्जः/80-85:—अतः मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2099/बी ग्राम बरगाई सं०  
184 है, तथा जो जिला राँची में स्थित है (एवं जिला  
उपवाड़ अनुसूची में श्रेणी पूर्ण वर्गीकृत है), निम्नलिखित-  
कर्ता अधिलारी के नियमित धर्चों में निम्नलिखित अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए आश्रित कर रहे हैं और प्रकृष यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के समान दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अतिरिती  
(अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया  
द्विफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्ध के  
वास्तविक रूप में बहुत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव का भारत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
भीष/ब

(ख) एंसी किसी भाव या किसी बन या अन्य भास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
द्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, डिपाने में सुविधा  
की लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, श्री. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन

1. श्री देवेश श्रीवास्तव,  
हजरत गंज नख्खर  
वर्तमान सुखदेव भगव, हेहल जिला राँची।  
(अन्तरक)

2. सेवा देववारा, मडरू रोड, थाना  
आरगौरा जिला राँची।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाही करा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक 2--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी तब  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में देत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के  
बाद निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 75 1/2 डिसमल है तथा जो  
ग्राम बरगाई सं० 184 जिला राँची में स्थित है एवं जिला  
पूर्ण विवरण बजिदा सं० 6702 दिनांक 18-6-85 में  
वर्णित है और जिसका निबन्धन जिला अवत निबन्धक  
पदाधिकारी राँची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार

तारीख : 13-2-1986

मेहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० /221/अर्जन/85-86:-अतः मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेबट सं० 4/34 आर० ए० प्लाट  
सं० 234/386, हो सं० 2154 ए वाई सं० सी है, तथा  
जो 60 बूटी रोड थाना बरियातु जिला राँची में स्थित है  
(और इसका उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमरुद्दीन मुरसीद जोजे

श्री ए० जी० मुरसीद

निवासी 26, आगा मेंहदी स्ट्रीट,

थाना पार्क स्ट्रीट कलकत्ता 16

(2) मिर्जा यालिआनूर जोजे

श्री ए० एम० नूर,

7, तांती बगान रोड पो० बरिया पोकर

कलकत्ता 14, हाल 60, बूटी रोड,

बरियातु, राँची।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हार्ड ग्रेड ट्रेडिंग कं० लिमिटेड,

1 ए, पानडिटिया, रोड,

कलकत्ता 29, द्वारा

श्री प्रमोद कुमार दिन्हा, लेखा अधिकारी,

60, बूटी रोड, राँची-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय महान जिसका रकबा 22 कट्टा 11 छटाक  
है तथा जो 60 बूटी रोड बरियातु थाना बरियातु जिला  
राँची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बसिा सं०  
6261 दिनांक 8-6-85 में वर्णित है और जिसका विवरण  
जिला अवर निबन्धक राँची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बिहार

तारीख: 13-2-86

मोहर:

## प्रमाण बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

सं० /222/अर्जुन/85-86:—श्री: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खेबट नं० 4/31, आर० ए० ए० प्लॉट नं० 234/887, हों० सं० 2154 ए, बार्ड सं० V, सी है, तथा जो 60, बूटी रोड, थाना बरियातु जिला रांची में स्थित है (जो इसका पताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिभूत अर्थिकी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्री नं० अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि द्वाप्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सह हई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सैयद अलि मजहर  
(2) सैयद अली अजहर  
3. सैयद अलि जाफर दल्दान  
स्व० अब्दुल हकीम निवासी  
60 बूटी रोड, बरियातु  
थाना बरियातु जिला रांची  
वर्तमान 4ए ओसटागैस सेन कलकत्ता 14,  
द्वारा अटारनी सैयद अली जाफर, बेन्डर नं० 3।  
(अन्तर 5)
2. मैजर्व हिटेक इण्डस्ट्रीज (बिहार)  
लिमिटेड, 60 बूटी रोड, रांची  
द्वारा लेखा अधिकारी, प्रशासक कुमार लिच्छा,  
60, बूटी रोड, रांची।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 27 कट्टा 6 छटार है तथा जो 50 बूटी रोड, थाना बरियातु जिला रांची में स्थित है एवम जिसका पूर्ण विवरण बरियातु सं० 6260 दिनांक 8-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धा जिला अधर निबन्धक रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज बिहार,

तारीख : 13-2-1986  
मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

सं० /223/आर्जन/35-86:— अध: मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे प्लॉट 455, खंटा सं० 77, वाड  
सं० 1, प्लॉट सं० 3095 है, तथा जो मंजरा सोनारी,  
शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम में स्थित है (श्री हरसे  
उपस्थ अनुसूची में श्रांति पूर्ण रूप में दर्ज है), एंजिनी-  
युक्त अधिगारी के कार्यालय जमशेदपुर में एंजिनी-  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख  
11-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयम  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
कर/रा

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—

1. श्रीमती प्रदीपमोनी देवी  
जिजवा सं० बच्चू लोहा  
जिजवा सोनारी, थागा सोनारी,  
टाउन जमशेदपुर, जिला सिंहभूम।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार सिंह  
वल्लभ श्री बी० के० सिंह,  
जिजवा सं० 5, ही० सं० 172,  
न्यू वेस्ट ले आउट, सोनारी,  
थागा सोनारी शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम  
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सम्पत्ति की व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि से भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है। के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति की व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिगारी के  
पक्ष निरस्त में किया जा सकता है।

प्रतीक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमिशन मय मंजरा जिला मण्डल 3800 वर्ग फीट  
है तथा जो मंजरा सोनारी, शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम  
में स्थित है एवम् जिसका पूर्ण विवरण अधिनियम सं० 4235  
दिनांक 10-6-85 में वर्णित है, श्री जिला निरीक्षण  
अवर निरीक्षण पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा प्रकट हुआ  
है।

दुर्गा प्रसाद,  
थागा सोनारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बिहार,

तारीख: 13-2-1986  
शहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बिहार

पटना, दिनांक 12 फरवरी, 1986

सं० III/224-अर्जन/85-86:—अ३: मुझे, दुर्गा  
प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए० पी० 1646 खाना सं० 439,  
प्लॉट सं० 22 है, तथा जो मौजा शम्भूदाद पुर बागापुर जिला  
पटना में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), पंजीकृत अधिपति के कार्यालय  
कलकत्ता में पंजीकृत अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, स्पष्टीकरण, प्रकट है :—

1. पटना उच्च न्यायालय युवा अतिवृत्ता  
गृह निर्माण सहयोग समिति लि० पटना  
द्वारा एगु पति साथ सा सचिव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लता अग्रवाल जीजे

श्री एन० के० अग्रवाल,

नागेश्वर कालांती, पटना हाईकोर्ट, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जमीन जिसका रकबा 4735.5 वर्ग फीट है तथा जो  
मौजा शम्भूदाद पुर खाना बागापुर जिला पटना में स्थित है  
एवं जिसका पूर्ण विवरण बमिला सं० 9385 दिनांक  
28-6-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार  
ऑफ एगुरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बिहार

तारीख: 12-2-1986

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/1225/अर्जन—अतः मुझे दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 425 है तथा जो खाता नं० 77 वार्ड नं० 1, नया प्लॉट सं० 3085 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

7—516 GI/85

(1) श्रीमती आलोमोनी देवी,  
जो जो स्व० बच्चू लोहार,  
निवासी सोनारी थाना सोनारी, टाउन,  
जमशेदपुर जिला सिंहभूम ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार सिंह, वल्लभ श्री बी० के० सिंह,  
रोड़ सं० 5, हो० सं० 172,  
लेयू वेस्ट आउट, थाना सोनारी टाउन,  
जिला जमशेदपुर सिंहभूम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मकान मय जिसका रकबा 3049 वर्गफीट है तथा जो मौजा सोनारी शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम में स्थित है एवं जिसका संपूर्ण विवरण वसिधा सं० 4234 दिनांक 10-6-1985 में वर्णित है और जिसका निबंधन और निबंधक पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर।

प्रारम्भ आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार,

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/226/अर्जुन/85-86-अतः मुझे; दुर्गा  
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
"सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
आशय है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 445; खाता सं० 216 (ख प्लॉट सं०  
4वीं) है तथा जो ग्राम हीनु थाना होरन्डा जिला रांची में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
26-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो निर्यात जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा  
के लिए।

यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जुन रेंज—

(1) 1. श्री रत्न सिंह चन्ना वलद स्व० हरबन्स सिंह चन्ना;  
2. बलवीर सिंह चन्ना वलद रत्न सिंह चन्ना  
निवासी मेन रोड, हीनु थाना होरन्डा,  
जिला रांची।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा कुमारी सुपुत्री प्रभुसम पासवान,  
निवासी क्वार्टर नं० बी-735, जगरनाथ नगर,  
थाना जगरनाथ पुर जिला रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 500 वर्गफीट है तथा  
जो ग्राम हीनु थाना होरन्डा जिला रांची में स्थित है एवं  
जिसका पूर्ण विवरण वसति सं० 6876 दिनांक 26-6-85  
में वर्णित है और जिसका नियंत्रण जिला अवर निबंधक रांची  
के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० III/227/अर्जन/85-86—अतः सुते, दुर्गा प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 445 खाता सं० 446 खाता  
सं० 216 और 217 सब प्लॉट सं० 4/बी 1 है तथा जो  
ग्राम हीनु थाना डोरन्डा जिला राँची में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राँची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बत या अन्य बातों को,  
जो, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
दायित्व के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. रतन सिंह चन्ना वल्द स्व० हरबन्स सिंह चन्ना,  
2. बलबीर सिंह चन्ना वल्द रतन सिंह चन्ना,  
निवासी मेन रोड, हीनु थाना डोरन्डा,  
जिला राँची ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा कुमारी सुपुत्री परसुराम पामवान,  
निवासी (क्वार्टर नं० बी/735/II,  
जगरनाथ नगर, थाना जगरनाथ पुर,  
जिला राँची ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 500 वर्गफीट है तथा जो  
ग्राम हीनु थाना डोरन्डा जिला राँची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण  
विवरण वसिका सं० 6796 दिनांक 24-6-1985 में वर्णित  
है और जिसका निबंधन जिला अधर निबंधक राँचा के द्वारा सम्पन्न  
हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986  
मोहर :

प्रश्न नं० टी. एन. एच.-----

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; बिहार;

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/228/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,  
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें इसका पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 77, वार्ड सं० 1, प्लॉट सं० 3085 है तथा जो मौजा सोनारी शहर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर जिला सिंह भूम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क). अन्तराज्य से हुये किसी याव की वापस, उन्नत माध्यमिक शिक्षा के अधीन कर देने के अन्तराज्य के अन्तर्गत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
ग्राम/वा

प्रश्न १७७. ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तविक चीज, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत हुआ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के बिना;

बसंत नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

(1) आलोमोनी देवी, विधवा स्व० बच्चु लोहार,  
निवासी सोनारी थाना सोनारी शहर,  
जमशेदपुर जिला सिंहभूम ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार सिंह बल्द श्री ब्रज विशोर सिंह,  
निवासी रोड़ सं० 3, हौ० सं० 172,  
न्यू वेस्ट ले आउट, सोनारी थाना,  
सोनारी शहर, जमशेदपुर, जिला सिंहभूम ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

समस्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 3049 वर्गफीट है  
था जो मौजा सोनारी ; शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम में  
स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण बसिका सं० 4169  
दिनांक 6-6-1985 में वर्णित है और जिसका निबंधन अवर  
निबंधक पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार,

दिनांक : 13-2-1986

**मोहर :**

## प्रकृष आर्ष. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/229/अर्जन/85-86—अतः मुझे,  
दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विल सं० 6 हो० सं० 293 (पुराना 230)  
वार्ड, सं० 2 एम० एम० प्लॉट सं० 651 है तथा जो  
मोहल्ला जमाल रोड, कोतवाली मजिला पटना में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. बीबी शमसिया जौजे मो० सैयद नसरुल  
हुदा जमाल रोड, थाना कोतवाली जिला पटना,  
2. बीबी कमरुनिशा जौजे सैयद कमरुजमा रिजवी  
(एस० यु० रिजवी)  
161, पाटलीपुत्र कालोनी, थाना पाटलीपुत्र,  
जिला पटना।

(अन्तरक)

- (2) श्री श्याम नारायण सिंह, वल्द स्व० प्रहलाद सिंह  
2. श्री मिथिलेश कुमार सिंह,  
वल्द श्री श्याम नारायण सिंह,  
3. श्रीमती तारा सिंह,  
जौजे श्री मिथिलेश कुमार सिंह,  
सभी निवासी कदम कुआ, थाना कदम कुआं, जिला  
पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 5 कट्ठा है तथा जो  
मोहल्ला जमाल रोड, थाना कोतवाली जिला पटना में स्थित है  
एवं जिसका सम्पूर्ण विवरण बसिका सं० 8415 दिनांक  
10-6-1985 में वर्णित है और जिसका निबधन रजिस्ट्रार  
ऑफ़ एमुरेसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 12-2-1986

मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एन.एच. 2

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० आर० 62/47734/85-86—अतः  
मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, नया 12/16 है तथा जो एडवर्ड रोड  
सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक  
पात्रा ग्राह्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसार  
मेरे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, जारी है—

(1) श्री बी० ए० हमीद,  
दि सिट्टी सिविल बंगलूर,  
फार ए आन बिहाफ आफ सि० बी० ए०  
हमीद 16 एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० ए० जलील,  
12-बी/16, पहली मंजिल, एडवर्ड रोड,  
सिविल स्टेशन, बंगलूर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जागोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अचोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 696/85-86 ता० 1-6-85)

संपत्ति जिसका सं० 12, नया सं० 12/16, एडवर्ड रोड  
सिविल, स्टेशन, बंगलूर।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

**दृश्य भारती टी.एन.एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सी० आर० 62/47647/85-86---अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिसिपल सं० 12 (ए) नया सं० 15 सोमेश्वरा कोइल स्ट्रीट अलमूर है तथा जो बेंगलूर-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यवधानों अन्तर्गत्त सुधार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आदिष्ट था, क्रियान्वित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सी० आर० लक्ष्मीनारायण सेट्टी  
सं० 30 नारायण गिनाइ स्ट्रीट  
विंथल स्ट्रीट बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एस० सुन्द  
सं० 14-84/ए टेम्पल स्ट्रीट सेंडूर  
बेलारी डिस्ट्रिक्ट ।

(3) जैसे ऊपर लिखा है वैसे ही ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्णन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धि में किए जा सकेंगे ।

**न्यायिकरण :-** इसने प्रयुक्त कानून और कानून का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1010/85-86 तारीख 12-6-1985)

संपत्ति जिसका म्युनिसिपल सं० 12 (प्राना) नया सं० 15 जो सोमेश्वरा कोइल स्ट्रीट अलमूर बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

**अनुसूची-टी.एन.एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० आर० 62/48092/85-86—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० 1923/1961 वा० नं० 93 है तथा जो बन्नूर, टी नरसीपुर तालुक मैसूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बन्नूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मै० इन्दिरा थियेटर, बन्नूर,  
टी नरसीपुर तालुक मैसूर डिस्ट्रिक्ट।  
(अन्तरक)
- (2) मै० राधेन्द्र एण्ड कं० एक्सेस कन्ट्रेक्टर्स,  
मम्बली, एल्टूर तालुक मैसूर, डिस्ट्रिक्ट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 749/85-86 दिनांक 29-6-85)

सम्पत्ति सं० 1923/1961 सं० 93 जिसका नाम

184+205 84+94

----- × -----  
2 2

बन्नूर टी नरसीपुर तालुक मैसूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

## प्रथम भाग टी. एन. एच. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

## सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० आर० 62/47735/85-86—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1144 है तथा जो एच० ए० एल० स्टेज, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—516 GI/85

(1) श्री टी. डी. श्रीनिवास,  
1144, ब्लॉक, एच ए० एल० II स्टेज,  
बंगलूर-560038

(अन्तरक)

(2) डाक्टर बी० विक्रवार अजीम अब्दुली,  
(यु० ए० एफ०) इसके पिता  
जी० पी० ए० होल्डर से श्री एम० ए० वशीर,  
11/1, लक्ष्मी रोड, मांसी नगर,  
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 710/85-36 तारीख 3-6-1985)

सम्पत्ति जिसका सं० 1144, ब्लॉक सं० एच०, एच० ए० एल० II स्टेज, बंगलूर ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-2-1986  
मोहर :

**अनुसूची-डी.एन.एस.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० एनयू/3/37ईई/6-85/958

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 1 डी० 2 प्लॉट नं० 311 है तथा जो नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) शिवलोक प्रापर्टीज,  
आदिनाथश्री हाउस, सुपर बाजार के सामने,  
कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार नन्दा  
173, राजा गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी 1 डी 2, प्लॉट नं० 311, शिवलोक हाउस-II  
नजफगढ़ रोड़, कमण्डिल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली क्षेत्र 354  
बर्ग फीट ।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० एनयु/3/37ईई/6-85/956

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० ई-4/15 है तथा जो झन्डे बालान एक्सटेंशन  
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित है—

(1) अशोक बिल्डर्स,  
ब-2/6, झन्डे बालान एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली -55

(अन्तरक)

(2) आर० एस० मलिक  
बी-1/16, जनकपुरी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एम० 2 मैजेस्टीक फ्लोर नं० ई/15, झन्डेबालान  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकरण आई.डी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० एनयू/3/37ईई/6-85/7-85

963--अतः मुझे, सूनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36, खसरा नं० 81 एवं 89 है  
तथा जो ग्राम बिन्दापुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

(1) श्री जगमोहन मंगलानी,  
70, दयानन्द नगर, सावरैन्स रोड,  
नई दिल्ली।  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिना जैन,  
आर० प्रो० 3379, त्रिनगर,  
दिल्ली-35

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 36, आउट आफ खसरा नं० 81  
एवं 89 ग्राम बिन्दापुर, आबदी उत्तम नगर, नई दिल्ली-59  
भूमि 100 वर्गगज।

सूनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकाश नार् टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/

962--यनः, मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीर जिनकी सं० 36, खसरा नं० 81 एवं 89 एकड़ है, तथा जो  
ग्राम बिन्दापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन  
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन, तारीख जून, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(क) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-1. श्री जगमोहन संगलानी 70, दयानन्द नगर, लारेंस रोड,  
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री राजकपूर, आरज्यड बी०-2, शीशराम पार्क उत्तम  
नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कइया हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट नं० 36, खसरा नं० 81 एवं 89  
ग्राम बिन्दापुर दिल्ली स्टेट उत्तम नगर आर ब्लॉक एकस्टेंशन  
नजफगढ़ रोड, भूमि 100 वर्ग गज ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85/

951—यतः, मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-33, प्रीत विहार है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री सुन्दर लाल खुराना 25, मलका गंज, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री महेन्द्र कृष्ण गुप्ता 1095 उग्र सेन स्ट्रीट, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० सी-33, प्रीत विहार, दिल्ली

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयू०/3/37-ई ई/6-85/

953-यतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39-बी, यू० जी० 5 है, तथा जो भीका जी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए :  
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण तिवारी पत्नी श्री सी० पी० तिवारी एफ58, ग्रीन पार्क नई दिल्ली-16

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्रा अरोड़ा, चमन लान एच० यू० एफ० एण्ड

श्रीमती रानी अरोड़ा एम-15 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में लिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में बंधा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39-बी, यू० जी०-5 भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, निर्माणाधीन।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

**प्रत्यक्ष बाईं टी. एन. एस. - - - - -**  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**  
**269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85-

947—यत्., मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-22, निर्माण विहार, है, तथा जो दिल्ली-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) आयकर के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंटे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; यदि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तुओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल दुग्गल एफ-1407, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री राम दिवास अग्रवाल (एच० यू० एफ०) 207-ए, पड़पड़ गंज, दिल्ली, सीता राम अग्रवाल (एच० यू० एफ०) 192, ए पटपड़ गंज दिल्ली

गोपाल कृष्ण अग्रवाल (एच० यू० एफ०) 212-ए, पटपड़गंज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

**टिप्पणी:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

ए-22; निर्माण विहार दिल्ली-92, 360 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एर.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85/

950-यस, मुझे, सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनके सं० ए-204 एण्ड ए-205 है, तथा जो 5 बी.आ.जी. कामा प्लेन ई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कायित्व, आई० ए० सी० अर्जन रेंज-3, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में बढी करने या उससे बचने में प्रविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तव्यता के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्राप्तिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

9-516 GI/85

1. श्री भाई विनय सिंह 4/23, बंग, आनफली रोड नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अनिल दत्त एण्ड सुनील दत्त पुत्र श्री आर० बी० दत्त बी/एल-93, आनफली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवेदन के बिना या सहित।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-204 एवं ए-205, 5 बी.आ.जी. कामा प्लेन, नई दिल्ली 800 वर्ग फीट।

सुनील चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/

948--नया, सुखे, सुनोच चौकड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'सूचना अधिनियम' अड़ गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन मध्यम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि सहायक सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० 766, ए/3, न्यू रोहतक रोड है, तथा जो  
रोलवाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची  
और पूर्णता के अधीन है) आयकर के कार्यालय, आई० ए०  
सी० अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अर्थात्, तारीख जून, 1985

का पक्ष में सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के ह्यमान  
निम्नलिखित के द्वारा सम्पत्ति की गई है और मध्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम की धारा 269-घ के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, धारा 269-घ के अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धन-  
269-घ के अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के  
अन्तर्गत सम्पत्ति के द्वारा उक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिये था, धियान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रुति पूजा बिस्डल (मा०) नि० 6/4792 चौकी  
चौक दिल्ली-6

(अन्तरक)

2. डा० प्रतिभा हांडा पत्नी डा० विजय हांडा सी/ग्री०  
डा० शांति देवा 1061, बाजार चितली कबर,  
दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 766, ए/3, न्यू रोहतक रोड, करोलबाग, नई दिल्ली  
क्षेत्र 1099 वर्ग फुट।

सुनोच चौकड़ा

सहायक आयकर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

माह :



प्रथम भाग: टी. एन. एच.-----

भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/6-85/  
953-ए--अतः मुझे चुनल चोड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 32-ए, ए० ब्लाक है तथा जो विष्णु  
गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उमावद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
के नायबिय आई० ए० सी० अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक  
जून 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायक के लिए,

(1) श्रीमती गणेश देवी आर०/प्र० 32 ए, ए०  
ब्लाक, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश लाल ड०-17, मोडन प्रस्टो, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 32 ए, ए० ब्लाक विष्णु गार्डन, नई दिल्ली  
क्षेत्र 100 वर्ग फुगज।

सुनील चोड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :



प्रमुख भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/6-85/  
957--अतः मुझे मुनीम चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 112-ए, प्लॉट नं० डी1, डी2, है तथा  
जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त इस सूची में अंग्रेजी पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,  
प्रजन रैंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961

के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ए० में अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वित्तीय रूप में उचित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुआ किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
यदि अंत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) शिवलोक प्रापर्टीज आदिनाथ श्री हाउस  
सुर बाजार के सामने, कलाट मार्केट नई दिल्ली।  
(अन्तर्गत)
- (2) मैसर्स सैटर ट्रेन्ड नियर (इन्डिया)  
द्वारा श्रीमती नीलम मलहोत्रा, 26/1596  
एच० ए०, नाला स्ट्रीट, इरोल बाग, नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

112-ए, प्लॉट डी1, डी2, नजफगढ़ रोड, कमिशन  
कम्प्लेक्स नई दिल्ली, 250 वर्ग फुट।

मुनीम चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रैंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस./एक्यू/3/37ईई/6-85/  
959-अ३; मुझे, सुनील चौड़ा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 115, ए, 5, है तथा जो भी.जी.जी.  
कामाफ्लेड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय  
अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मत्प्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शालि एक्सेना ए-6, कौशाण पालोनी नई  
दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री आर० ए० नागपाल एण्ड श्री वीरेन्द्र चौधरी,  
18/8-ए, डबल स्टोरी फ्लोट प्रेम नगर, पो०  
ग्रो- जनकपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 115-ए, पहली मंजिन, क्षेत्र 110 वर्ग फुट  
5, भी.जी.जी. कामाफ्लेड, नई दिल्ली।

सुनील चौड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमलाल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/3/37-ईई/6-85/  
945—यस, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिरकी सं० 111-डी-1, डी-2 नजफगढ़ रोड है, तथा जो  
कमलाल परिसर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाय  
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) के दायित्व,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण अतिरिक्त में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या कि या जाना बाढ़िए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) शिवलोक प्रावर्तन (प्रा०) लि०, अदि नामश्री  
हाउस, सुनील बाजार के सामने काठ अर्जन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम शर्मा पत्नी श्री जी० के० शर्मा  
एन-25, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काफ़ी भी तात्पर्य -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के  
गस लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 111, फ्लैट नं० डी-1, डी-2, नजफगढ़ रोड,  
कमलाल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, क्षेत्र 354 वर्ग फुट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-2-1986  
मोहूर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

विदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/6-85/

944—अनु: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राप्त की गई है कि विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 211, प्लॉट नं० डी1, डी2, है तथा  
जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न आय की सं० पूर्ण रूप से वर्णित है), कायम, अर्जुन  
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाक्ष  
भया प्रत्यफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
व्याख्यात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उक्त वसूल से सुविधा के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) निरलोड प्रांटी आदि नाथ श्री गुड्ड सुपर  
बाजार के सामने, कनाट मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती नीलम सुपरा, एन-24, हीति नगर,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति का मूल्य में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

211, प्लॉट नं० डी1, डी2, नजफगढ़ रोड, कमशियल  
कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, क्षेत्र 354 वर्ग फुट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिवारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

१५५५ भाद्र. ७ एत. एत. ---

अध्यक्ष: अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
262-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

**भारत सरकार**

\* धानिय, भूमयक आयकर, मायकत (निरसिज)

अग्रवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
अजमेर रेंज-3, आई जिल्ला

जई प्रिली, दिनांक 13 फरवरी 1986

दि. सं. प्रा. ई. ए. सी. ०/एफ. यू. ३/३७ईई/६-३५/  
४-१-१९७१ मसौ, मुंबई जिल्हा,

साफ़ कर उपायनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260 अन्तर्गत अतीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करो का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00,00/- रु. से अधिक है।

ओ० वि० जी सं० १७१, बिल्डिंग नं० ९ है तथा जो भीका जी कामा नेप आई बिल्डींग में स्थित है (और इसमें उपपद्धत पदार्थों में भी पर्याप्त रूप से वर्णित है) के कार्यालय अर्जन सं० ३, आई बिल्डींग में राष्ट्रीय आद्यकार अधिनियम, १९६१ के तहत दिनांक जून १९८५

१) प्रादेशिक बाजारों में उचित बाजार मूल्य में क्रय को हदयमात्र प्रतिफल में लिया अनिश्चित छपी रहती है और यद्यपि निष्ठावान करने का कारण है कि अधाप्रयोजित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, क्रयके हदय मात्र प्रतिफल में, प्राये हदयमात्र प्रायःफल का पन्ना प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती में) के बीच प्राये अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, सम्पत्तिधित उद्योगों में उचित अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कामकाज में बहुत किसी कार्य को वास्तव में उक्त  
अभियन्ताओं को अधीन कर देने के सम्बन्ध में वास्तव  
में किसी कारणों से उक्त स्थानों में परिवर्तन हो गया।  
19/10

(क) किसी कार्य या किसी धन या अन्य सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एग्जिस्टेंस अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया था, लिपिबद्ध हो सकिया के द्वारा;

अतः अ. जलक अधिनियम की धारा 269-घ के, अनसर्जन  
न. स. यल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के तहत निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्माचारियों...

(1) श्री ए. जे. एन. ज्ञाना एण्ड सन्स (एच. यू. एफ.), 363/डी-II, चिंता मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

(2) श्रीमती उर्मिला भेनः पत्नी प्रताप भेनः, 5054,  
उद्योगिकस, पाली हिमालय रोड, बंगलूरु।

(अन्वयिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त मर्यादा के अर्जन के संबंध में काइंड भी आक्षेप :—

(६) इस सूचना के ग्राहक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(क) इस सूचना के सञ्चयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रत्येक जवानी और पक्षी का, जो "सबसे अधिक" के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

दुकान नं. 171 फस्ट फ्लोर, बिल्डिंग नं. 9, भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली। इस दुकान का 30 प्रतिशत उर्वशी भरण को स्थानांतरित दिया जाता है। क्षेत्र 160 वर्ग फट।

रनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकता (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
एरन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1936

दिन सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/6-35/

955-100 सुते, सुतेन चौक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अथ लिखत सं० 317 है तथा जो 91, कामाप्लेस रोड, नई दिल्ली में स्थित है (जो इससे हितबद्ध अनुसूची में  
अथ पूर्ण रूप से वर्णित है), वास्तव, एरन रेंज-3,  
नई दिल्ली में स्थावर आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
दिनांक 7 फरवरी 1936

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण भ हुआ किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 1936—

(1) श्रीमती तनि : तनि तनि तनि, तनि तनि तनि, ए०  
डी० डी० तनि, तनि तनि, तनि तनि तनि-641013,  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती तनि : तनि तनि तनि, 8, तनि तनि तनि  
रेंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्याप्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पत्ति हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ धारण जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमशियल प्लेट सं० 317, 9, कामा प्लेस,  
नई दिल्ली, क्षेत्र 494 वर्ग फुट।

सुनील चोपड़ा  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
एरन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-2-1936  
मोहर।



प्रत्यक्ष आर्द्र. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अशवाल हाउस,  
4/14-ए, आसफ अली रोड,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

विशेष सं. आर्द्र. एं. सी०/एसयू०/३०६६/६-३५/  
943-सहा. मुके, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसका पं० 212-ए, सी० डी० 2, है तथा जो सहायक  
नगरपालिका रोड, कर्माश्रम कम्प्लेक्स, नई दिल्ली में स्थित है।  
(और इसमें उल्लेख धर्मार्थी के और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), वाधिका, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन विभाग जून 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरों को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरों के) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विनोद प्रसादी, प्राधिका-का मुका, मुनेर  
बाजार के तारों, पाली सैस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति हुसनी बत ३ पाली/सी० 702,  
पूतन पाली/सी०, शिव सागर इस्टेट,  
ए० बी० रोड, वर्ली बम्बई-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूचा

212-ए, विनोद प्रसादी, II, डी० 1, डी० 2, नगरपालिका  
रोड, कर्माश्रम कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, क्षेत्र 250 वर्ग फुट।

मुनील चौपड़ा  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई.एन.एस. सं०/3/3/आई/0-85/

949-अतः मुझे मुनिता चाण्डा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 626, 9, भीमजी जी कामा प्लेस  
नई दिल्ली में स्थित है (अर्थात् इससे अपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), वायफिल, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली में भारतीय प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 के  
अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री हरबंस लाल, 19, अलकनन्दा बी, कालका  
जी, नई दिल्ली-19

(अन्तरक)

(2) दीपक राय, 19, अलकनन्दा बी, कालका जी,  
नई दिल्ली-19।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकारी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 626, 9, भीमजी जी कामा प्लेस नई दिल्ली  
छठा फ्लोर, (335 वर्ग फुट)।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-2-1986  
मोहर:-

अध्यक्ष, डॉ. एन. एस.---

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

69-ग (1) के अधीन सूचना

आदेश सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/

935—आ: सुने सुनील चौड़ा

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० प्लॉट नं० 31 ए० जी० सी० आर० कोरेटिव हाउस है तथा जे० सी० टी० लि० नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतने उदात्त प्लॉट में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कमिशन में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किन्तु जाना चाहिए था, किमान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री पी० पी० ए० कोहली 90/18 माधवीय नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुमम अग्रवाल एण्ड फन अग्रवाल आर/ श्री० ई-7 ईस्ट कलरा आफ कौलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है। को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 32, ए० जी० सी० आर० कोरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० ए० जी० सी० आर० कालोनी, नई दिल्ली।

सुनील चौड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/0-85/

937—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन अधिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।श्री निरीक्षण सं० 103, युसूफ सराय है तथा जो नई दिल्ली  
में स्थित है (श्री अर्जुन चोपड़ा वसुधुची में श्री पूर्ण रूप  
से दर्ज है। उक्त सम्पत्ति, अर्जुन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985।जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंगरिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दायमान प्रतिफल में तबसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच तबसे अंतरक के लिए तब तक गया यदि  
कल निम्नलिखित उद्योग में उक्त अन्तरक निहित में दायमानि  
क से अधिक नहीं किया गया है।—(क) अन्तरक से हुई किसी काम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्तव्य करने या उक्त बावत में सुविधा  
के लिए और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए;1. मेसर्स सि.पर टावर (प्रा०) लि० 22, बाराखम्बा  
रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बंसल पुत्र श्री एस० जी० बंसल बी-15,  
प्लेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के साथ  
बाधक में किए जा सकेंगे।ब्याख्याकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रामुखी

प्लेट नं० 103, प्लॉट नं० 12, युसूफ सराय, नई दिल्ली  
क्षेत्र 390 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

भारत आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ग (1) के अधीन संचालना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश: सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/  
936—अ. मुझे, सुनील चौधड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर निरुकी सं० फ्लैट नं० 102, युसुफ सराय है तथा जो  
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उभावद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है) तत्काल, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मानिष्ठित उद्देश्यों के उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बहिष्कार  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मानिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स स्कीपर टावर (प्रा०) लि० 22, वासुदेव  
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बाल पुत्र श्री एस० पी० बंदल, बी-5  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अर्जा के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

प्रमुखीति

फ्लैट नं० 102, फ्लैट नं० 12, युसुफ सराय, नई दिल्ली।  
क्षेत्र 390 वर्ग फीट।

सुनील चौधड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986  
मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/  
942-41: मुझे, सुनील चौड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

धारा 269-ब के अन्तर्गत नं० 304, प्लॉट नं० 12, गुरुदास राय, जो  
नई दिल्ली में स्थित है (जो इसमें उल्लेखित अनुसूची में  
अंतर्गत है) का अधिनियम 9 के अधिनियम के  
अन्तर्गत 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

यह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक  
(अंतरको) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकी  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथास्त:—

1. मेजर स्कॉट टावर (प्रा०) लि० 22अ वाय-  
खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बंगल पुत्र श्री ए० पी० बंगल बी-15  
ग्रेटर कैलाश-1, फ्लैट-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
अबो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 504 प्लॉट नं० 12 गुरुदास राय, नई  
दिल्ली क्षेत्र 492 बर्ग फीट।

सुनील चौड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

**अनुसूची**

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जेंट रैंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/

938--अतः मुझे सुनील चोपड़ा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 201, युमुफ गंगाय है, तथा जो  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, अर्जेंट रैंज-3, नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—516 GI/85

1. मैसन सिम्पर टावरस, (प्रा०) लिमिटेड 22, वाय-  
खंभा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मंगेश बंसल पुत्र श्री वी० पी० बंसल, वी-15  
ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थाक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 201, प्लॉट नं० 12, युमुफ सराय, नई दिल्ली,  
क्षेत्र 470 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्राकृतिक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1936

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3, 37-ईई/6-85,

939--अतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 204 युमुफ मराय है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैगर्स स्क्रीपर टावरस (प्रा०) लि०, 22, बाग-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बंसल पुत्र श्री एम० पी० बंसल, बी-15 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, प्लॉट नं० 12, युमुफ मराय, नई दिल्ली  
क्षेत्र 522 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीखः 7-2-1936

मोहरः



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/37-ईई/6-85---

940---श्री० मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके शीर्षक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 401 युसुफ सराय है तथा जो  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्किपर टावरस (प्रा०) लि० 22 बारा-  
' खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बंसल पुत्र श्री एस० पी० बंसल बी-15  
ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 401 प्लॉट नं० 12 युसुफ सराय, नई दिल्ली  
क्षेत्र 470 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

**सकम प्राधिकारी, ए.ए.एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकयु०/3/37-ईई/6-85/

941--अतः सुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 407 युमुफ सराय है तथा जो नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सब बाधा बका  
शुद्धिकरण, विधिविधित व्यवस्था से उक्त बन्तरण विधिविधित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) बन्तरण से हुई किसी बाधा की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन प्राप्त होने के बन्तरण के  
कारण से कभी कभी या कभी-कभी बन्तरण के अधिनियम  
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बाधा या किसी बाधा या बाधा वास्तविक  
को, किन्तु भारतीय बाधा-कट अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किन्तु जाना जाहिजे या, किन्तु में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ब के अन्तर्गत  
को, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ब की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तर्गत :--

1. मैसर्स स्कीपथर टावर (प्रा०) लि० 22 बारा-  
खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री संजय बंसल, बी०/ओ० एस० पी० बंसल बी-  
15 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्व सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियों कइया है ॥

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
46 दिन की अवधि या उक्त अवधि के अन्तर्गत  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाधा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णतः  
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :--इसके प्रयुक्त कर्मों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ॥

अनुसूची

प्लॉट नं० 407, प्लॉट नं० 12, युमुफ सराय, नई दिल्ली  
क्षेत्र 320 वर्ग फीट।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रत्येक भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) को अधीन सूचना

साक्षर पत्रिका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० डेराबस्सी/8/85-86—अतः मुझ,

जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संबंधित विसंगत अधिकतम बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 विधा 18 विसंगत है तथा जो गांव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इसमें उपोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि द्वापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :

(1) श्री गुरधरण सिंह पुत्र श्री गुरबखश सिंह, निवासी सिधपुरा सब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरक)

(2) हरियाणा मक फैंड प्राइवेट लिमिटेड, सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 3 विधा 18 विसंगत, गांव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी (अर्थात् यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विवेक संख्या 735 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

### सूचना आदेशों की सूची

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

### सहायक अधिनियम

अश्वमेध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज लुधियाना

मुद्रित दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० चंडी/50/85-86-अतः भुक्ते जोगिन्दर सिंह

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3310 है तथा जो सैक्टर 35 डी० चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरिस्थियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को प्राप्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति से कभी करने या उन्हें बचने से बचाना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकृत व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गुरुदत्त शर्मा पुत्र श्री शंका राम शर्मा मकान नं० 80 आर० सं० नं० अम्बाला कट द्वारा उनकी जनरल आटोर्नी श्री अशोक कुमार बंसल पुत्र श्री बी० एल० बंसल मनेजिंग डायरेक्टर माडल बिल्डर्स (प्रा०) लि० निवासी मकान नं० 17 सक्टर 10-ए चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री प्रभदयाल सिंह तथा श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी श्री तरलोचन सिंह निवासी मकान नं० 126-ए सक्टर 30 चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3310 सैक्टर 35-डी चंडीगढ़। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 254 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज लुधियाना

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० चंडी/52/85-86-अन: मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 322 है तथा जो सेक्टर 35-ए,  
चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और वा/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जगदिन्द्र सरा कोर पुत्री श्री बालासरन सिंह  
तूड, मकान नं० 322, सेक्टर 35-ए, चंडीगढ़।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती नीता वर्मा पत्नी श्री पी० के० वर्मा तथा  
श्री पी० के० वर्मा पुत्र श्री सदन गोपाल, निवासी  
मकान नं० 508, सेक्टर 10-डी, चंडीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्ति कालमें पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पात्र  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त बर्चों और एचों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्धारा में दिया  
गया है।

समस्त

मकान नं० 322, सेक्टर 35-ए, चंडीगढ़। (अर्थात् वह  
जोयदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख  
संख्या 265 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० चंडी/57/85-86-यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 58 है तथा जो सैक्टर 33-ए, चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पत्र प्रतिकूल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की वास्तविकता के विषय में कमी करने या उसके बचने में प्रविष्टि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या नियंत्रण में रखा जाना चाहिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार म. अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सवित्री गुप्ता पत्नी स्व० श्री पी० सी० गुप्ता।
- (2) श्री कृष्ण कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता द्वारा उनकी जनरल अटार्नी श्रीमती सवित्री गुप्ता पत्नी स्व० श्री पी० सी० गुप्ता, मकान नं० 3237 सैक्टर 37-डी, चंडीगढ़।

(3) श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता द्वारा उसकी जनरल अटार्नी श्रीमती सवित्री गुप्ता पत्नी स्व० श्री पी० सी० गुप्ता निवासी 3237 सैक्टर 37-डी, चंडीगढ़।

(4) श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता, मकान नं० 3237 सैक्टर 27-डी, चंडीगढ़।

(5) कुमारी रंजना गुप्ता पुत्री स्व० श्री पी० सी० गुप्ता द्वारा उसकी अटार्नी श्री अशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता, 3237 सैक्टर 27-डी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सरब दयाल सिंह पुत्र स्व० श्री शमशेर सिंह अपने लिए तथा बतौर पिता तथा नेचुरल गार्डियन मास्टर प्रमजीत सिंह नाबालिग पुत्र श्री सवर दयाल सिंह निवासी मकान नं० 39 सैक्टर 2-ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में बना परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 58 सैक्टर 33-ए, चंडीगढ़ (अर्थात् वह जाय-बाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 297 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रकृष आर्.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० चंडी/58/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 184 है तथा जो सैक्टर 18ए,  
चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
अविवक्षित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—516 GI/85

1. श्री गंगा सिंह पुत्र श्री गंकर सिंह निवासी मकान  
नं० 556 सैक्टर 11, चंडीगढ़ द्वारा उनकी स्वेच्छानु-  
वृत्ति श्रीमती रेशमा रानी पत्नी श्री गंगा सिंह  
निवासी मकान नं० 556, सैक्टर 11, चंडीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री बलबोहर सिंह तथा श्री गुरवर्धन सिंह पुत्रान् श्री  
स्वर्ण सिंह निवासी बी-2-58, नागाधना डेडमूड-  
यल एरीया फेज-1, नई दिल्ली-28 द्वारा श्री  
स्वर्ण सिंह पुत्र श्री पुरण सिंह।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से वर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति से वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
कृष किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए या किये न।

अवधिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सहस्र

मकान नं० 184 सैक्टर 18ए, चंडीगढ़। (अर्थात् वह  
आयदात जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विशेष  
तक्या 298, माह जून 1985 के लक्षण अतः है।)

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहूर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन. 5-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० चंडी/59/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1010 है तथा जो सैक्टर  
36-सी, चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और  
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक संख्या किसी भाव को बावत, उक्त  
अधिनियम से अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त से करी करने या सबसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी भाव या किसी भव या अन्य वास्तवों  
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कर्नल गुरदेव सिंह पुत्र स्व० श्री सोहन सिंह पद्म  
निवासी मकान नं० 529, माडल टाऊन, जालन्धर  
(पंजाब) ।

(अन्तरक)

2. कर्नल हरिन्द्र सिंह चिमनी पुत्र स्व० मेजर जनरल  
बी० एस० चिमनी कर्ता एच० यू० एफ० जिसमें  
कर्नल हरिन्द्र सिंह चिमनी, श्रीमती स्वर्णजीत  
चिमनी परती कर्नल हरिन्द्र सिंह चिमनी श्री  
बिक्रमजीत सिंह चिमनी पुत्र कर्नल हरिन्द्र सिंह  
चिमनी सामिल है द्वारा कर्नल हरिन्द्र सिंह चिमनी  
बतौर एच० यू० एफ० के कर्ता तथा सभी  
निवासी सी-595, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1010, सैक्टर 36-सी, चंडीगढ़ । (अर्थात्  
यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के  
विलेख संख्या 300, माह जून, 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० चंडीगढ़/66/85-86-अंतः मुखे, जोगिन्द्र  
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 336 है तथा जो इंडस्ट्रियल  
एरीया चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के  
कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्राप्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्याय ६—

1. श्रीमती ज्ञान कौर विधवा श्री सुजान सिंह,  
सर्वश्री कबलजीत सिंह, जगजीत सिंह, गुरचरण सिंह  
तथा मनोहर सिंह पुत्रान् श्री सुजान सिंह, सभी  
निवासी मकान नं० 1396 सैक्टर 22-बी,  
चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द निवासी  
1110, सैक्टर 18-सी० चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन प्लॉट नं०  
336, इंडस्ट्रियल एरीया, चंडीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 336 इंडस्ट्रियल एरीया, चंडीगढ़। (अर्थात्  
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रार प्राधिकारी चंडीगढ़ के  
विवेक संख्या 329 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० चंडी/71/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 270 है तथा जो सैक्टर 35-ए  
चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बिगेडीयर योग राज बहल (रिटायर्ड) पुत्र  
दुर्गा प्रसाद बहल निवासी नं०-36, विशाल इन्क्लेव  
(राजगरी गार्डन) नई दिल्ली द्वारा उनकी जनरल  
अटार्नी श्रीमती गंकारी देवी पत्नी चौधरी  
रतन सिंह निवासी मकान नं० 1252 सैक्टर  
43-बी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. चौधरी रतन सिंह पुत्र श्री रुड़ा राम निवासी मकान  
नं० 1252 सैक्टर 43 बी चंडीगढ़, अब मकान  
नं० 270 सैक्टर 35-ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 270 सैक्टर 35-ए, चंडीगढ़। (अर्थात् वह  
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख  
संख्या 354 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० चंडी/72/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० मकान नं० 1023 है तथा जो सैक्टर 19-बी, चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री मनमोहन कृष्ण सुंद पुत्र स्व० श्री भगवान चन्द सुंद निवासी 565, सैक्टर 18-बी, चंडीगढ़, श्री मदन लाल सुंद पुत्र स्व० भगवान चन्द सुंद निवासी

निवासी मकान नं० 150 माडल टाऊन पानीपत जिला करनाल द्वारा जनरल अटार्नी श्री मनमोहन कृष्ण सुंद, श्रीमती कैलाश सुंद पुत्री स्व० श्री भगवान चन्द सुंद निवासी 51, मान सिंह वाला देहरादून द्वारा जनरल अटार्नी श्री मनमोहन कृष्ण सुंद, श्रीमती संतोष सुंद, पुत्री श्री भगवान चन्द सुंद, मुख्य अध्यापिका गननेमेंट गर्ल्स वेसिक हाई स्कूल, नौडा तहसील नवाशहर। जिला जालन्धर द्वारा जनरल अटार्नी श्री मनमोहन कृष्ण सुंद।

(अन्तरक)

- 2 श्री राजन लाल गिजल पुत्र श्री पद्मा लाल निवासी एम० सी. एफ० नं० 13, सैक्टर 19-सी०, चंडीगढ़। श्री रवि गर्ग पुत्र श्री राम नाथ निवासी एम० सी० एफ० नं० 13 सैक्टर 19-सी०, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1023 सैक्टर 19-बी, चंडीगढ़। (अर्थात् वह जगह जो कि रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विनोद संख्या 356 म.ह. जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० खरड़/14/85-86---अतः मुझे, जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल है तथा जो गांव सोहाना  
तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 कर्नल सुचि सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह, निवासी 2562  
सेक्टर 35-सी०, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2 मैसर्स गोल्ड की फार्मज, गांव सोहाना तहसील खरड़  
जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल जो कि गांव सोहाना तहसील खरड़ जिला  
रोपड़ में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 1718 माह जून,  
1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1985  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० सोलन/5/85-86-—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 435 वर्ग मीटर है तथा जो मंजिला बिल्डिंग के सहित, लोथर बाजार सोलन (खसरा नं० 78/1 तथा 70/1) में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हिम्मत सिंह (पुत्र) गोविन्द कौर (पत्नी), अमृत कौर तथा मनोज्ञ कौर (पुत्रियों) श्री धुरब्रह्मा सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह तथा श्रीमती शामकौर पत्नी श्री गज्जन सिंह, नवासी-14, मिचिल लाईनज, पटियाला (पंजाब)।

(अन्तरक)

2 श्री जसपाल राय पुत्र श्री जगताराम, श्रीमती दशरि कुमारी राम पत्नी श्री जसपाल राय निवासी सोलन नजदीक पोस्ट आफिस सोलन (हि० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगन्मूर्ती

भूमि 435 वर्ग गज (खसरा नं० 78/1 तथा 70/1) जो कि 3 मंजिला बिल्डिंग के साथ लोथर बाजार सोलन में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन (हि० प्र०) के विनियम संख्या 332 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रकृष. माह. टी. एन. एन. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

विदेश सं० सोलन / 8/85-86 -अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बिसवा 8 बिसवा है तथा जो गांव ग्रामटी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिकूल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का ईच्छ्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इसके बदले में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्रीमती जगदीश विद्या श्री राम रत्न निवासी श्रीनगर, पश्चिमी भारतीय खुद तहसील कंडा घाट जिला सोलन (हि० प्र०) द्वारा उक्त जनरल अटार्नी श्री कानि सरूप मेहता पुत्र श्री पदम सिंह निवासी श्रीनगर, तहसील कंडाघाट, जिला सोलन (हि० प्र०)।

(अन्तरक)

2 मैसर्स फार्म साइटिस्टम हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड नैनी, तहसील तथा जिला सोलन (हि० प्र०) द्वारा डा० जे० आर० ठाकुर प्रेसीडेंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी कमविषयक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्स्थापनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 5 बिसवा 8 बिसवा जो कि गांव ग्रामटी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के विलेख संख्या 333 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सख्त प्राधिकारी

सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

ਸ਼ਾਹੀ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਹੁਕਮ ਹੁਕਮ

कायदा : अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के तहत सूचना

**भारत सरकार**

का गलिय, महाशक्तः जायकर भाग्यकल (निराक्षणी)

अर्जुन रंज, लुधियाना

ल.विविधान, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० लुधियाना/249/85-86—प्रति: मुझे, जोगिन्द्र

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसका वर्णन 'जयल अधिनियम' किया गया है), का भाग 269-ब ब अधीन महाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मगधर संपत्ति, जिसका अधिनियम जयल मूल्य 1,00,00,00/- रु. से अधिक है

श्रीर जे की नं० मकान नं० बी-1195/11 है तथा जो सरमा नगर, बुधियाना में स्थित है (श्रीर इन्फे उपाख्य अतृन्ची में श्रीर गं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तर्त अधिारी के कार्यालय बुधियाना में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन 1985

को बर्चोबास सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल : लिए अन्तरनिती की गई और जोड़े यह विषयमा करने का कारण है कि यथासंभव सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उ को दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरनिती अन्तरनिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रिकूल निम्नलिखित उद्देश्य में तब अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(बी) कानूनन यह है कि किसी राज्य की शायद, उसका  
व्यवस्थापन को प्रभावित कर देने के अन्तर्गत के  
राष्ट्रिय में कभी करने या उससे बचने में प्रतिष्ठा  
के लिए और/वा

क्योंकि किसी समय या किसी भवन का प्रयोग अप्रतिष्ठित  
के सिद्ध भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या एकर अधिनियम, या भवन-कर  
अधिनियम, 1957 1957 का 271 के प्रयोग-  
नार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था जिसने इसे मविधा के प्रयोग-

अतः ए. ए. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
मै. मै. ए. ए. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत नियुक्ति के लिये अर्हता प्राप्त है।

13-516 GT/83

1. श्रीमती तालीजा कौर हरी श्री गुरुदास सिंह  
डुमरी रोड, मंडा: राजा हाथ श्री हरीकृष्ण  
पत्र श्री अंतर चंद जस्ता नगर लुधियाना।

(अनुरक्त)

2. श्रीमती वर्षा कौळ पत्नी श्री. विठ्ठल कुमार, निवासी  
11-प्रार्थी हदामा नगर, ब.प्रिणाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागी करके पृथ्वी सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करनी हों ।

सकल सम्पत्ति के अर्जन के २३ अङ्गों में कांति का अङ्ग : १००

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहवारी प्रक्रियाओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यवेक्षण की जायेगी।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उसका स्वीकार या अस्वीकार की हितावस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वापस/अस्वीकार के पास लिखित में किया जा सकेगा।

**प्रश्नोत्तर :-** हमारे प्रयुक्त छात्रों को पढ़ने के, का उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अन्य अध्याय में दिया गया है ।

अनसूयै

मार्ग नं० बी-२०-१७९५/१७ का १/४ भाग, परामा  
नगर, बुधियाता (पश्चिम बंगाल राज्य के पश्चिम बंगाली भाग  
अधिमारी, बुधियाता के विजेस गंज १५७७ म.ह. जून,  
१९८५ के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

पुष्पम प्रविहारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रैज लधियाना

तारीख : 10-2-1986

माहिर :

संख्या : १४९ टी एम. एस. - १९७७

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 259-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महापत्रक ३३३३३३ आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ध रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक : 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० बडी/१०/८५-८०—प्रति: मुखे, जोसिन्द्र सिंह  
जायकर, वसतिगृह, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसमें हमने  
१९६१ का ४३ (जिसमें हमने 'जिसमें हमने' कहा गया है), की धारा  
२६९-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि मध्यम वर्गीय, जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- से अधिक है

श्रीधर सिंह की मृत्यु सं० 1026 है तथा जो सैक्टर 37बी चंडीगढ़ में स्थित है (श्रीधर सिंह जवाहर शाला में और पूर्ण रूप से निहित है), निमिर्द्धित इमारती के कार्यलय पंडीगढ़ में, निमिर्द्धित इमारती सं० 1008 (1908 ए. टी. 10) के समीप स्थित है; 1985

क्यों देखा गया था कि प्रत्यक्ष बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकूल के विपरीत समर्थित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापेक्षित समर्थित का उचित बाजार मूल्य, उसके समर्थन प्रदान करने के साथ-साथ प्रत्यक्ष बाजार मूल्य के समर्थन का यह प्रतिकूल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और समर्थित (अन्तरितियों) के बीच एग्रे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकूल, लिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पर वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ग) अन्तरक स हाई किमी वाय की शक्ति, उत त  
होती है। उत की शक्ति उत दूरी के अन्तरक के  
शक्ति में दूरी कारण या उसमें बचने में सुविधा  
अन्तरक जोड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी पद या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खनन अधिनियम, या खनन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रतिया के लिए;

अतः अ. ७, एव त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
य. १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११९, १२०, १२१, १२२, १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६५, १६६, १६७, १६८, १६९, १७०, १७१, १७२, १७३, १७४, १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, १८९, १९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९८, १९९, २००, २०१, २०२, २०३, २०४, २०५, २०६, २०७, २०८, २०९, २१०, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २२६, २२७, २२८, २२९, २३०, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५, २३६, २३७, २३८, २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४९, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६८, २६९, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७, २७८, २७९, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७, ३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३, ४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४, ५१५, ५१६, ५१७, ५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२, ५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७, ५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३

1. श्री बी० गी० बलराव पुत्र श्री गी० चन्द्र बलराव  
निवासी मातंग नं० 131 जैकटर 23 ए०  
चंडीगढ़।

(अस्मिन्)

2. श्री हनुमान वि. ह. वा. म. (एच० यू० एफ०), पुन  
श्री अहिम वि. ह. वि. सी. म. नं० 18,  
सेक्टर-8ए, बंजीरगढ़।

(अनुविधि)

3. (1) श्री ए. जे. वे. गार्ग ।

(2) लेजात घौरी, तिलसी सं.नं 1026  
सं.नं 37बी, चंडीगढ़।

(हृत् ३ तत्त्व, जिसे अदिशेष में सम्यक् है)

क्यों यह सूचना जारी करके पृथ्वी के सम्पूर्ण क्षेत्रों में सज्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सर्वान के सम्बन्ध में निम्न भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वाारा या प्रतिनिधियों के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ऊपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

मकान नं० 1026, गैरर 37वीं वंडींगडु (अर्थात् वह जायदाद जो रि. रजिस्ट्री. की कबिले की रजिस्ट्री के तलेख संख्या 252, भा. 1 जन 85 के तहत दर्ज है)।

जोषिन्द्र रिह

सक्षम प्राधि ज़ारी

सहायक आय. र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखियाना

ਸਾਰੀਘ : 10-2-1986

**मोहद :**



प्रमुख आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० एएड/16/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी सं० 252 है तथा जो फेज 4  
मोहली रोड सीमा खण्ड में स्थित है (आर. डब्ल्यू. उपाध्याय  
अनुसूची में सं० पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्थानी अधि-  
कारी के कार्यालय खण्ड में, राजस्थानी अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अंतर्गत जारी 16 जून, 1985

का प्रकाशित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि प्रकाशित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती  
(अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हम पाया गया प्रति-  
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में प्राप्त नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों, अर्थात् :-

1. श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री सुभाष सिंह, निवासी स.स.न.  
नं० 603 फेज 3-बी-1 मोहली रोड सीमा खण्ड  
वतीर जयराज अग्रणी श्रीमती वल्लभचंद्र कौर  
पत्नी श्री वरदान दासजी स.स.न. नं० 263 फेज-  
7 मोहली रोड सीमा खण्ड जिला रोड वतीर  
श्री जयराज अग्रणी श्री राजा हनुमंत सिंह पुत्र  
ज.बीरदर सिंह निवासी स.स.न. नं० 1105  
सेक्टर 8, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जगमोहन सिंह तथा श्री सुरेन्द्र सिंह प्रधान श्री  
गुरवर्धन सिंह निवासी 252 फेज 4 मोहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्पश्चात् अवधि के पश्चात्  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो की  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों या संपत्ति के अधिकारियों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के अधिकारियों  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभावकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

स.स.न. नं० 252 फेज 4 मोहली रोड सीमा खण्ड (अर्थात्  
वह जगह जो कि राजस्थानी अधिनियम, 1908 के विधेय  
संख्या 1805 में 16 जून, 1985 के द्वारा दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 10-2-1986  
मोहर;

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पटियाला/6/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र  
सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्रतिधकार का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-2/439/1 है तथा जो  
आनन्दपुर संतान आश्रम के सामने रान्तनगर, भूमिन्दर नगर  
रोड़ पटियाला में स्थित है (प्रारम्भिक आलेख अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में मणित है) राजस्थानी अधिवारी के कार्यालय,  
पटियाला में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतिता) व बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसक्तताथ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री राम प्रकाश डंड पुत्र श्री जम चन्द्र डंड निवासी  
मकान नं० बी-2/439/1 आनन्दपुर संतान आश्रम  
सामने रान्तनगर, भूमिन्दर नगर रोड़, पटियाला।  
(प्रत्यक्ष)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री सुर्जन सिंह, सर्व 1 हर  
मिन्दर सिंह मुखाम सिंह, पत्तान श्री अवतार  
सिंह निवासी गांव दितपुर जंटा दहसीत गांधा  
जिला पटियाला।

(अन्यस्थिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूचा

मकान नं० बी-2/439/1 आनन्दपुर संतान आश्रम  
सामने रान्तनगर, भूमिन्दर नगर रोड़ पटियाला। (अर्थात् वह  
जयदेव जो कि रजिस्ट्रेशन अधिवारी के विशेष संख्या  
1925 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम अधिवारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रत्येक आदेश का प्रकाशन होगा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कम्प्यूटर, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० पटियाला/4/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 207 कनाल 11 मरला है तथा जो गांव मैन्ट्रीपुर जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुपूर्वकों में श्री पूर्ण कृष्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकांश धारा 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नियमितित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित रूप में आय करने या उसके बचत से वृद्धि के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें जे वृद्धि के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ :—

1. स्वर्गीय श्री कृष्ण मोहन खिन्ना, खिन्ना तथा सतीश पुत्रान श्री गोपाल चन्द एडवोकेट, सतीशरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री लखनोर सिंह, साहिब सिंह पुत्रान श्री दलप सिंह, श्री दलप सिंह पुत्र श्री फांजा सिंह गांव रूखलपुर, जीरा जिला पटियाला।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युपची

भूमि 207 कनाल 11 मरला जो कि गांव मैन्ट्रीपुर जिला पटियाला में स्थित है। (अर्थात् वह पोथदाद जो कि रजिस्ट्रार की अधिकांश धारा 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्रमुख आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० पटियाला/5/85-86—प्रति: मझे जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री गिरीश को सं० भूमि 64 कनाल है तथा जो गाँव मैहदीपुर  
तहसील पटियाला में स्थित है (श्री इनका उपायुक्त अनुसूची  
में श्री पूर्ण हारा दर्ज है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पटियाला में, राजस्त्रीकरण अधिनियम,  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए अस्तरा की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सर्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में, एक  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच एक अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सहित किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
में, एक अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
का अर्थ, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री गुण मोहन, खन्नि, बालिन्द्र जतोज पुत्रान्  
स्व० श्री गोपाल चन्द एडवाकेट निवासा तानोरी  
गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री हरी सिंह, बिभरा सिंह, जोरा सिंह पुत्रान्  
श्री रूप सिंह, सर्वश्री जगद सिंह, सतधाम सिंह,  
भरूप सिंह पुत्रान् श्री उदय सिंह सभी निवासी  
गाँव मंडो तहसील जया जिला पटियाला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए  
कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सर्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 64 कनाल, गाँव मैहदीपुर तहसील पटियाला।  
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के विवेक संख्या 1864 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्रकट नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० नाभा/2/85-86--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 76 कतान 18 सरका है तथा जो गाँव अलीपुर तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिना अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ति तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद भी करी कराने या उसके अन्तर्गत से छिपाव के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाव में आस्था के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :—

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी विधवा तथा सर्वश्री सुरेन्द्र कुमार, राजिन्द्र कुमार, विनोद कुमार पुत्रान् श्री बजोर चन्द निवासी गाँव अलीपुर तहसील नाभा तथा कम्पा देवी पुत्री श्री बजोर चन्द निवासी गाँव अलीपुर तहसील नाभा द्वारा जनरल शायरी श्री सुरेन्द्र कुमार।

(अन्तरक)

2. (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री निहान सिंह तथा जगदीश सिंह, राजीत सिंह पुत्रान् श्री प्यारा सिंह।

(2) श्री इंद्र सिंह पुत्र श्री निहान सिंह तथा गुरदयाल सिंह, सुरदेव सिंह, गुरमेल सिंह, करतल सिंह, हर्देव सिंह पुत्रान् श्री इंद्र सिंह सभी निवासी पथान तहसील खन्ना जिला लुधियाना।

(अन्तरितियों)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धर्मपत्नी

भूमि 76 कतान 18 सरका जो कि गाँव अलीपुर तहसील नाभा में स्थित है। (इसके बड़े जायदाद जो कि रजिस्ट्रार की अधिकारी, नाभा के लिख संख्या 1313, माह जून, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

तारीख : 11-2-1986  
 स्थान :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० डेराबस्सी/4/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 विधा 18 विस्वा है तथा जो गाँव  
सिधपुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इससे उपायद्व  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

14 —516 GI/85

1. श्री दर्गा सिंह पुत्र श्री गुरबक्षा सिंह, निवासी गाँव  
सिधपुरा सब तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरक)

2. मैगन हरियाणा मैकलेब प्राईवट लिमिटेड, सिधपुरा  
सब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बरों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 3 विधा 18 विस्वा जो कि गाँव सिधपुरा सब-  
तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो  
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बस्सी के विवेक संख्या 733  
माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-86

मोहर :

एकम धातु टी एन एन

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### कार्यालय सहायक आयुक्त (निरिक्षण)

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रंज नुधियाना

नुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० डेरा बस्सी/7/85-86--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन राक्षस प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 18 बिस्वा है तथा जो गाँव सिधपुरा गस-तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेराबस्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री गुरेन्द्र सिंह निवासी डेरा बस्सी सब-तहसील डेराबस्सी बतौर जनरल अर्थार्थी श्री भोहन लाल, मन्नाहर लाल, जय गोपाल मदन पुत्रान् श्री मातृ राम निवासी मुबारकपुर सब-तहसील डेरा बस्सी।

(अन्तरक)

2. मेसर्स हरियाणा मैक फौब प्राईवट लिमिटेड, सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राप्त

भूमि 18 बिस्वा जो कि गाँव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जोधदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 755 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सभम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जुन रंज नुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :



**अधिनियम 43, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**राज्य सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० डेरा बस्वी/10/85-38-यतः भुमे,

जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा 19 बिस्वा है तथा जो गाँव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्वी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्वी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्हा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय शायद प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम है—

1. श्री अजमेर सिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह, निवासी गाँव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्वी।

(अन्तरक)

2. हरियाणा मैकफैब प्राइवेट लिमिटेड सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्वी।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि 3 बिघा 19 बिस्वा जो कि गाँव सिधपुरा, सब-तहसील डेरा बस्वी में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्वी के विलेख संख्या 732 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० डेराबस्सी/11/85-86—यनः, मुझे,  
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 14 बिघा 4 बिसवा है तथा जो गाँव  
सिधपुरा सब-तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों, और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वावज, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्—

- (1) श्री गुरबख्त सिंह पुत्र श्री गैदा सिंह, निवासी  
भरवरपुर सब-तहसील डेराबस्सी। (अन्तरक)
- (2) हरियाणा मैकफैब प्रावैडेंट लिमिटेड, सिधपुरा  
सब-तहसील डेराबस्सी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराई जायें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यता के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 14 बिघा 4 बिसा जो कि गाँव सिधपुरा सब-  
तहसील डेराबस्सी में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेराबस्सी के विलेख संख्या 8 731  
माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

**प्रारूप आई.टी.एन.एन.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० डेराबस्सी/9/85-86--अतः मुखे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 19 बिसवा है तथा जो गांव सिधपुरा सब-तहसील डेराबस्सी में स्थित है (अर्थात् इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अर्थात् पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरबखश सिंह, निवासी सिधपुरा सब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरक)

2. मै० हरियाणा मै० फैन प्राईवेट लिमिटेड, सिधपुरा, सब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुत-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि 3 बीघा 19 बिसवा, गांव सिधपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेराबस्सी के विलेंड सं० 734 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग, डी. एन. एच. = १०००

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० लुधियाना/220-बी/85-86—अतः मुझे,  
जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला है तथा  
जो गांव डेरी तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें  
उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री गुरमोज सिंह, गांव डेरी  
तहसील तथा जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री बलजीत राज देव सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह  
मकान नं० 2183 मुछताक गंज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**सहस्र**

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला गांव डेरी, तहसील  
तथा जिला लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 3818 माह  
जून 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्रमुख कार्यकारी अधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० लुधियाना/220-ए/85-86—अतः मुझे  
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 15 1/2 मरना है तथा  
जो गांव डेरी तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
बन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भमा प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
विवरण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री प्रमाण सिंह पुत्र श्री गुरमेल सिंह, निवासी  
गांव डेरी तह० जिला लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री आनन्द देव सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह, निवासी  
2183 मसतक गंज, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल 15 1/2 मरना गांव डेरी तहसील  
लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 3636 माह जून, 1985  
के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्रकट नम्बर टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० लुधियाना/2 22, 85-86—अतः मुझे,  
जोगिन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 15 1/2 सरला है तथा  
जो गांव डेरी नहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
जारी/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाये में सुविधा  
की लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री गुप्तेज सिंह, निवासी गांव  
डेरी नहसील तथा जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री अकवार सिंह, निवासी  
डब्ल्यू-जैड, ए-14, मालिका पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादनी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 6 कनाल 15 1/2 सरला का 1/8 भाग, गांव  
डेरी नहसील तथा जिला लुधियाना। (अर्थात् वह आयदाद  
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं०  
4132 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रकृष जाई टी. एन. सुब्रह्मण्यम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षेप)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना 10 फरवरी जनवरी 1986

निर्देश सं. लुधियाना/121/84-86 अतः—मुझे,

जोगिन्द्र सिंह,

राष्ट्रिय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरगा है, तथा जो गांव डेरी लुधियाना में स्थित है (और इसमें बावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (अंतरांतरियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विहित में प्रासंगिक रूप में अभिहित नहीं किया गया है—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किताबाना चर्चाएँ थी, लिखाने में सुविधा के लिए

1. प्रकाश सिंह पुत्र श्री गुलबर्ग सिंह गाँव देरी लुधियाना तथा लिखा लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अमृत देव सिंह पुत्र श्री अनन्तर सिंह, डब्ल्यू. जेडू ए-14, मार्गित मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरगा का 1/8 भाग जो कि गाँव डेरी लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् का बावड़ जो कि रजिस्ट्री की अधिकारी, लुधियाना में विलेख सं. 3919 गाँव जून, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षेप)

अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :—  
15-516 GA/85

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

विदेश सं० एफ० एन० सी०/अर्जुन/भोपाल/6322—अतः  
मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना या अध्यादेश की, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी नं० प्लॉट नं० एफ०-32 का प्लॉट है तथा जो  
सातवां भाग, अर्जुन रोड, इन्दौर में स्थित है (और  
इसका प्रमाण पत्र नं० आ० एन० सी० में दर्ज है),  
एन० सी० अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरात की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि उपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० ई० दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरात (अंतरातों) और अंतराती  
(अन्तर्गतियों) के बीच ए० ई० अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरात के दायित्व में  
कमी करने या ए० ई० अन्तरण से सूविधा के लिए,  
और/या

(ख) ए० ई० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणपत्र अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए

धारा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दास, (2) भगवती विना श्री शम्भू-  
लालजी सनवाणी, 34, मंगलम बिल्डिंग, इन्दौर।  
(अन्तर्गत)
2. श्री यशवर्धन विना श्री श्रीधरण चौधरी, 215,  
साकेत नगर, इन्दौर।  
(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहिस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिष्ट  
किया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एफ०-32, सातवां भाग, अर्जुन रोड, इन्दौर  
इन्दौर में स्थित है। यह वास्तविक सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण  
विवरण अन्तर्गति द्वारा उल्लेखित फर्म नं० 37-जी में  
निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोड, भोपाल

तारीख: 7-2-1986  
माहूर :



भारत आर्.टी.एम्.एस. नमूना-...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आर्.टी.एम्.सी०/अर्ज/भोपाल/6323—अतः

मुने, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 30,000/- से अधिक है

आर्.टी.एम्.सी० नं० 345 पर विनिर्दिष्ट है, तथा  
जो तमिल नाडु, इंडिया में स्थित है (आर्.टी.एम्.सी० नं० 345  
आसूची में आर्.टी.एम्.सी० नं० 345 में विनिर्दिष्ट है), विनिर्दिष्ट अधि-  
कारी को अधिनियम, इंडिया में विनिर्दिष्ट अधिनियम, 1908  
(1908 का 11) के अधीन, जारी किया जा रहा है, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरित (अन्तरित) को बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अथवा किसी अन्य व्यक्ति या अन्य व्यक्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, विनिर्दिष्ट  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

1. श्रीमती राजवंतीपाई एम गोपालराज मोटवानी,  
18, राजेश नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीजादेवी एमि दयालराजजी मोटवानी, 14,  
जयश्री विण्डोफ्ट कॉलोनी, इंदौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्यता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का मूल्यबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फाट नं० 345 पर विनिर्दिष्ट है, तमिल नाडु, इंडिया में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसे संपूर्ण  
विनिर्दिष्ट अधिनियम द्वारा अधिनियम फार्म नं० 37-जी में  
विनिर्दिष्ट है।

वी० श्रीवास्तव  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

रौ-2-1

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/8324--अंतः,

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड क्रमांक 107 है तथा जो अनूप  
नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपरोक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता  
अधिलेखी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908  
(1908 का 10) के अधीन तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित कर गढ़ा है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कोष्ठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती भारती बेन पति श्री अश्विनी कुमार जानी,  
4, राजमहल कालोनी, माणिक बाग रोड,  
इंदौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री स्वामसुन्दर पिता श्री मुरलीधर बियाणी, (2)  
मुरेण कुमार पिता श्री मुरलीधर बियाणी, 21/1,  
नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो हस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड क्रमांक 107, अनूप नगर कालोनी, इंदौर में  
स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यातः फार्म नं० 37-जी में विहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रसूत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6325—अतः

मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निम्नी सं० प्लॉट नं० 33 पर बना मकान है जो  
केदारबाग रोड, इन्दिरा गांधी नगर, इंदौर में स्थित है (और  
इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
संविष्टीकृत अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में भूमिपट्टाकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) कारण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एममबाई विधवा श्री शिवदयाल साहू,  
(2) श्रीममबाई विधा शिवदयालजी साहू, निवासी  
11, हेमन्त कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र मित्तल पिता श्री मिथीलालजी मित्तल,  
निवासी मकान नं० 21, उदापुरा, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्या करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 33 पर बना हुआ मकान, केदार बाग रोड,  
इन्दिरा गांधी नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर  
संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित  
फार्म नं० 37-जी में लिखा है।

बी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

प्रत्यक्ष वाहक. डा. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

विषय: सं० आई० ए० सं०/अर्जुन/भोपाल/6326---अतः

मुझे, श्री० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जुन रंज सं० म.प. सं० नं० 7 है, तथा जो मुझे  
मोहल्ला, इंदौर में स्थित है (अर्जुन रंज उक्त अनुसूची  
में अर्जुन पूर्ण रूप से वर्णित है), की छंदी की अधिकारी के  
निर्माण, इंदौर में निरीक्षण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
प्रतिफल में कभी करने या उसमें बचने का सूचना  
के लिए, सार/या

(ख) इसी विषय आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
न, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

1. श्रीमती सीताबाई पति चतुर्भुजजी गुप्ता, निवासी  
40, कलाली मोहल्ला, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलाबाई पति धनंजयमदासजी गुप्ताजी,  
निवासी 30, चंदन भवन, छोट्टी भाला, टोली,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सं० पा० म.प. सं० 7, मुझे मोहल्ला इंदौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

श्री० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एम. एल. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

विधि: सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6327—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जिल्दीकी सं० म० ग० म्यु० पा० नं० 43/46 है, तथा जो  
एम० टी० कलाथ मार्केट, इंदौर में स्थित है (श्री जिल्दी  
उत्पादक अनुसूची में श्रेणी पूर्ण रूप से वर्णित है), एंस्ट्री.टी.टी.  
अधिनियम के अधिनियम, इंदौर में एंस्ट्री.टी.टी. अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों में अंतरित :—

1. श्रीमती प्रमोदबाई एम. श्री प्रमोद कुमारी, जूना पीठा,  
मोरा रोड, इंदौर।

(अन्तरित)

2. श्री अमल प्रमोद विमानन एंस्ट्री.टी.टी., 109, एम०  
टी० कलाथ मार्केट, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् शक्तिमान पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

महान म्यु० पा० नं० 43/46, एम० टी० कलाथ मार्केट,  
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा उल्लेखित फार्म नं० 32-जी में  
निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

प्रकरण बाई: टी. एन. एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6328—अतः  
मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

आर. वि. की सं० म० नं० पा०/वि० क्र० 313 है (या  
जो सुभाष मार्ग, इंदौर दरवाजा, उज्जैन में स्थित है (अर्थात्  
इसमें अन्तर्गत अनुभूति में आर. पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्थानी अधिपति के आर. वि. उज्जैन में राजस्थानी  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

का प्रत्यक्ष संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
न. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मु० माधम दाई पुत्री हकीमुद्दीन भि० गानामण्डी-  
बाख; उज्जैन द्वारा मु० आम हकीमुद्दीन आत्मज  
इशहीम भिरासी गोतामण्डी बाखन, उज्जैन  
(अन्तरक)

2. मु० फातमाबाई पत्नी तैय्यबजी अली भाई एवं मु०  
जुवेराबाई पत्नी अब्दुलजी भाई भिरासीगण  
छत्री चोक, उज्जैन।

(सम्पत्ति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुभूति

म. नं० पा० वि० क्रमांक 313, सुभाष मार्ग  
इंदौर दरवाजा, उज्जैन में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय, भोपाल

तारीख : 6-2-1986  
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6329—अतः,

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आरंजि की सं० मकान नं० 5 (नया) है, तथा जो घटकरपर मार्ग का पिछला रोड़, माधव नगर, उज्जैन में स्थित  
है (आरंजि इयम उगावद अनुसूची में आरंजि पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्री की अफिसरी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत,  
तारीख जून, 1985

की परामर्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

6—516 GI/85

1. श्री मोहम्मद अरीफ पिता नबीसूल अंगारी, निवासी  
माधव नगर, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री मनि तंगम मेहन पत्नी श्री विजय गोपाल मेहन,  
निवासी सखीपुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5 (नया), घटकरपर मार्ग का पिछला रोड़,  
माधव नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा न्यायपिन फार्म नंबर  
37-जी में दर्ज है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख . 6-2-1986

मोहप :

प्रक्रम आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6330—अतः,

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है तथा जो आज़ाद नगर,  
उज्जैन में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
ज्यमान प्रतिफल के पक्के प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवशेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिव्यक्त  
गर्ही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के लक्ष्य के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य जास्तिवां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आशङ्क था, छिपाने के सूविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीम प्रकाश अग्रवाल पिता श्री जमना लालजी,  
निवासी 108, दशहरा मैदान, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. डा० सखीर हुसैन पिता आबेद अली, (2) श्रीमती  
जया बानू पत्नी डा० सखीर हुसैन, निवासी  
डी० एन० रोड, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अवधारित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सात, आदर्श नगर, उज्जैन में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986

मोहर :



प्रकरण बाह्य टी. एन. एस. 2000-2000

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6331-अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पञ्चन नं० 50 है, तथा जो क्षीर सागर  
कालोनी, उज्जैन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के अन्तर्गत  
से कमी करने या उक्त अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम  
की धारा 269-ब

(क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में शामिल  
को लिए।

नतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
के अधिनियम अधिनियम की धारा 269-ब की धारा 269-ब (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मेहराज मोहम्मद पिता ताजमोहम्मद चौधरी,  
निवासी दुलेशाह की गली, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. डा० पारसचन्द श्रीमाल पिता रामचन्द्रजी श्रीमाल  
द्वारा मु० आम रामचंद पिता नाथूलालजी श्रीमाल  
निवासी 16, महाकाल मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्याकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पञ्चन नं० 50, क्षीरसागर कालोनी, उज्जैन में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986  
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6332/-अतः

मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान पुराना न० 1/1266 नया न० 98 का आधा भाग है तथा जो अली मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए संवीर्य को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विठ्ठलदास पुत्र श्री गोखलदास महाजन निवासी माधव नगर, फीगंज, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पिता चमनलालजी, निवासी दमहरा मैदान, माधव नगर, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होगी, में अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतिसूची

मकान न० पुराना (1/1266) जिसका नया न० 98 का आधा भाग, सड़क अली मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नठ० 37-जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग की धारा 133—अनुसूची

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6333—अतः

मुझे, श्री० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० छाप भूमि सर्वे नं० 127 है, तथा जो  
ग्राम दलपुरा, जिला धार में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सरदारपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 13) के अधीन, तारीख जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
बोधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
ज, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरत कुमार पिता श्री बाबूलाल, निवासी,  
राजगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन स्वनाम्बर पेडी चेरिटेबल  
ट्रस्ट तीर्थ मोहनखेड़ा जिला धार द्वारा व्यवस्थापक  
मांगीलाल पिता नाथाजी महाजन नि० धार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सूचना में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

सम्पत्ति

भूमि ख० नं० 127, ग्राम दलपुरा जिला धार में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

श्री० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6334—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सं० नं० 254 है, तथा जो ग्राम  
बैरागम तह० देवास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वस्तुनिष्ठ रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कभी कभी या कभी कभी से कीमत  
के लिए गीत/का

(ख) वही किसी भाष या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ रजिस्ट्रीकरण प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना प्रतीत था, जिन्हें वे  
सूचना के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को अर्पण है—

1. श्रीमती मोहिनीबाई पति बालमुकुन्द खण्डेलवाल,  
नि० 118, जयप्रकाश मार्ग, देवास तर्फे आम  
मु० गुलाबचंद पति लक्ष्मीनारायण, नि० छेगांव  
माखन तह० खण्डवा तहान मु० देवास।

(अन्तरक)

2. श्री बालदेव पति कालूचिह्न कलौता, नि० इंदौर  
अज्ञान पा० क० माता लीलाबाई पति कालूचिह्न,  
नि० गांधीनगर, संतमार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिगतः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सं० नं० 254, ग्राम बैरागढ़, तह० देवास में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6335—अन  
सू०, बी० पी० श्रीवास्तव, :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और चिनकी पं० भूमि गं० नं० 296 है तथा जो ग्राम  
बेरागड़ तह० देवास में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
को आयकर, देवास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहिनीबाई पत्नी श्री रामकुन्द खण्डेलवाल,  
निवासी 118, अंध प्रकाश मार्ग, देवास।

(अन्तरक)

2. श्री भाईदास पिता कालूखिह कलौता अज्ञान पा०  
क० पिता कालूखिह पिता गंगारामजी नि०  
गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० नं० 296, ग्राम बेरागड़ तह० देवास में  
स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में विहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
उपम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986

महंर :

रक्षक भार' डी.एच.एच. ॥

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाधक (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6336—अतः,

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का कारण है कि  
स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 297, 298, 299, 254 है,  
नथा जो ग्राम बेरागढ़, जिना देवाग में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी का कार्यालय, देवाग में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह निश्चय  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस  
से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा एकट अही किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मांहीनाबाई पति बालमुकुन्द खण्डेलवाल,  
नि० देवास नरफे आम मु० गुलाबचन्द पिता  
लक्ष्मीनाथयण खण्डेलवाल, नि० छेगांव माखन  
जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीनाबाई पति कानूखिह कलोता, निवासी  
गांधी नगर, संतमार्ग, 218, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिनों की अवधि या उत्तरवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के द्वारा दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 297, 298, 299, 254, ग्राम बेरागढ़,  
जिना देवाग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी  
में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-2-1986  
मोहर :

प्रधान मंत्री की एन. एन.-----

1. श्री सत्यपाल सिंह श्री छेतापाल जी मन्दोडिया,  
नीमच कैंट।

(अन्तर 6)

2. श्री जगत सिंह शिवा मण्डोडिया मण्डोडिया, न्यू बैंक  
श्राफ इण्डिया लिमिटेड में निवासी, निवासी,  
नीमच कैंट, हाथ मुकाम भोवबड़ा (गजस्थान)  
(अन्तर 10)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश: सं० आई० ए० सी०/अजमेर/भोपाल/6337-अतः

मुझे, श्री० सी० श्रीवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

श्री० निदेशों में पत्राव नं० 21 का माला नं० 7 है, तथा  
जो नीमच छावनी में स्थित है (श्री० इन्फेन्ट्री उपायुक्त अनुसूची  
में श्री० पूर्ण का निवास है), एन्फिन्ट्री की अधिकारी के  
निदेशों, नीमच में एन्फिन्ट्री अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गथापुर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुआ किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अंतरक से  
हासिल में कमी करने या उससे करने में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को किन्हीं भारतीय आय-कर आधायम  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी अन्य उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
कै लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
[17-516 GI/85]

की यह सूचना जारी करके परामर्श के लिए  
परामर्शदाता करता है।

उक्त मापदंडों में अंतरों के सम्बन्धों को भी ध्यान में :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्तर्गत की अवधि, जो भी  
सूचना की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्गत परी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पत्राव नं० 21 का माला नं० 7, नीमच छावनी,  
नीमच में स्थित है। यह पत्र संचालन करता है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्फिन्ट्री द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी  
में लिखा है।

श्री० पी० श्रीवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजमेर रेंज, भोपाल

तारीख : 4-2-1986  
मोहर :

प्रमुख भाग टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

भिक्षु सं० साई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/338--यतः  
मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22, है तथा जो शंकर भगवत,  
इंदौर में स्थित है (श्री अर्जुन उपाध्याय अनुसूची में अंतर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), निजिजीवित अधिकारी के तालानिय,  
इंदौर में, निजिजीवित अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, पंजीकृत, 1985

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तदुपाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी काम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी तरह या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के लिए उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यतः 2—

1. श्री याकुब रिता इब्राहीम बोहरा, 495, म० ग०  
मार्ग, इंदौर।

(अंतरक)

2. श्री अर्जुन रिता श्री वास्तव पंतवाल, 42/1,  
विहान पुरा, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए उक्त अधिनियम के

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी एक या अधिक के पास

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास  
निहित या निहित का पता

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अधिनियम में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22, शंकर भगवत इंदौर में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नं० 37-जी में लिखा है।

बी० पी० श्रीवास्तव,  
तक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेड्डी, भोपाल

तारीख: 4-2-1986

मोहर:



तारीख : 5-2-1986  
मोहर :

अध्याय 20-क में एत. एल. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6340—अनः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिला सं० प्लाट नं० 52-ए है, तथा जो उद्योग  
नगर, इंदौर में स्थित है (श्रीर जिला उपायुक्त अनुभुवी में  
श्रीर पूर्ण रूप से अधिगत है), भूमिहीन अधिकारी के  
कार्यालय, इंदौर में, भूमिहीन अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल में, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें धारताय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमाणनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चन्द्रप्रसाद पिता गोपीराम (2) दिनेश  
कुमार पिता जगतनरुण महेश्वरी, (3) बाबूबाल  
पिता देवदरशजी सोनी, 55, थरुदाद मार्ग,  
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री आनन्द कुमार जैन एण्ड सन्स एच० यू० एफ०,  
कर्ता श्री आनन्द जैन, (2) कु० संतोष पिता  
किशनलाल एच० 17 वर्ष के संरक्षक किशनलाल  
पिता गेंदालाल, (3) कु० किरण पिता किशनलाल,  
(4) कु० रेखा पिता किशनलाल, 14 वर्ष के  
संरक्षक किशनलाल, 24/2, महारण, इंदौर।  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 52/ए, उद्योग नगर, इंदौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसे संपूर्ण विवरण अन्तरितों  
द्वारा सत्यापित फार्म सं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-भोपाल

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश नं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6341—यतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मा० पा० नि० क्रमांक 3/2 है, तथा जो मुभाप मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में प्रो० पूर्ण का उल्लेख है), की मालिकता अधिपतरी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मु० फातिमाबाई पुत्रा श्री हकीमुद्दीन भाई (चिन्तामच द्वारा मु० आम हकीमुद्दीन भाई जानाज हाजी इब्राहीमभाई कांचवाला, निवासी गोलामंडी बाखरा, उज्जैन)।

(अन्तरक)

(2) 1. मु० फातिमाबाई परती तैय्यबभाई कांचवाला  
2. मु० जुबेदाबाई परती अब्दे अली भाई कांचवाला, निवासी गण 312, छत्ती चौक, उज्जैन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने वाली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहनकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मा० नं० पा० निगम क्रमांक 3/2, मुभाप मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा रजिस्ट्री फॉर्म नं० 37-जी में लिखित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रमुख बाजारों की एच. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० सी.ई.ए. सं० सी०/अर्जुन/भोपाल/3342—अतः

मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री. निरंजनी का भूमि क्रमांक 860 है, तथा जो उसका  
विवरण में दिया है (अर्थात् इसका प्रमाण अनुसूची में अर्जुन  
पूर्ण रूप से दर्शाया है), प्रतिस्पर्धी अधिनियम के अधिनियम,  
विधिसभा में प्रतिस्पर्धी अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मास्थानिक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दिले, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात :-

1. श्री छटेनाल पुत्र श्री जगदीश कुशवाह, विदिशा।  
(अन्तरिती)
2. माता विजा लक्ष्मी, विदिशा, द्वारा निवेदनी  
रामकृष्ण शर्मा पुत्र श्री छटेनालजी शर्मा, विदिशा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 860, विदिशा में स्थित है। यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
संरक्षित फार्म नं० 37-जी में लिखित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-2-1986  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6343—

अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 784/5 है, तथा जो  
महू केंद्र में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित है—  
मोहर :

1. श्री चन्ना लाल सिंह और हीरा लाल लोन्वा, निवासी महू,  
जिला इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मेजरस बजाज टेम्पो लिमि० अ.रुड़ी पूना (महाराष्ट्र)  
ए पब्लिक लि० लि० द्वारा प्रोजेक्ट डायरेक्टर  
श्री के० डी० बन्नाल इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 784/5 महू केंद्र में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संतुर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा पश्चाति फॉर्म नं० 3, (जी) में किया है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज भोपाल

तारीख: 5-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/63-44—

यतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजानं० 115 है, तथा जो भोपाल नगर वार्ड नं० 17, विदिशा में स्थित है (अर्जुन रेंज उपखण्ड अनुसूची में श्रेणी पूर्ण का भूखण्ड है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय, विदिशा में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 13) के अधीन, तारीख जून, 1985

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) 1. श्री अमरसिंह, 2. वीरसिंह पुत्रगण रघुनाथसिंह निवासी साहलवेड़ा जिला विदिशा।

(अन्तरण)

2. श्री विष्णुशंकर पुत्र हीरसिंह ठाकुर, निवासी रामनगर, विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजानं० 115, जो श्रीवास्तव वार्ड नं० 17, विदिशा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-2-1986

मोहर:

प्रकट शाही. टी. एन. एस.-----

आधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1986

विदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6345—यतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसका मालक है, तथा भगवानपुरा ग्राम गोदड़पुरा श्रीशिवर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, खण्डवा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तबमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तबमें अंतरण को लागू तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में ली करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों के, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अधीन है।

(1) श्री मर्तण्डलाल पिता रामनाथ चौकमे जायनवाल, निवासी श्रीशिवर तह० खण्डवा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मयाराम पिता मंगल, 2. आत्माराम पिता 3. दशरथ, मशाराम पिता मंगल, 4. शिवराम पिता मंगल, 5. आत्माराम पिता कन्हैया, 6. मोतीलाल पिता मांगीलाल, 7. रतन पिता मोरारजी, 8. लाला पिता देवचंद, 9. मोतीरामजी पिता मांगीलाल, 10. देवाजी पिता कंठजी, 11. लालाराम पिता मुरार, क्रमांक 1, 2, 3, 4 छिपवा, क्र० 5 नन्दा क्र० 6 अर्जुन गाँव क्रमांक 7, 8, 9, व 11 भगवानपुरा क्र० 10 साईखड़ा तह० भीमनगाँव पश्चिम निमाड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवायीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, ग्राम गोदड़पुरा श्रीशिवर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-2-1986

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेद: सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6346—यतः

मुझे, बी० पी० श्रवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिनको सं० प्लॉट नं० 56-सी, पर बना भूकान है,  
तथा जो कर्मचारी कालोनी, देवाग में स्थित है (और इनमें  
उक्त अधिनियम में उक्त पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कृत अविभाज्य के तालिका, देवाग में, रजिस्ट्रेशन अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरदायी की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1.) 1. श्री गोविन्द कुमार मिश्र छात्रावास संता, 85,  
कर्मचारी कालोनी, देवाग, 2. श्रीरामा खान  
मिश्र अश्वत्थ रहमान खान, जिसको चूड़ों बाजार,  
देवाग।

(अन्तरक)

(2.) श्री राजेन्द्र कुमार मिश्र बाबूनाथ शर्मा, 68,  
लाला लाभतराय मार्ग, देवाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्तत्काली व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 56-सी पर बना भूकान, कर्मचारी कालोनी,  
देवाग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा तालिका फॉर्म नं० 37-जी  
में निहित है।

बी० पी० श्रवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, भोपाल

तारीख: 5-2-1986

मोहर:



प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस./अर्जुन/भोपाल/6347--अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन माम प्रधिकारों का यह विश्वास करने का  
कारण है कि आयकर संपत्ति, उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और निम्नी सं० प्लॉट नं० 13 पर बता मजान है, तथा  
जो मुन पैनेर पालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अन्तर्गतों से श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिपति के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,  
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को भिन्न अपारत को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि तथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंगे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सौ० मधुसूता छाजेड शिवाजी आरु आरुतामो छाजेड,  
निवासी 4/8, विद्युत् निवेशक मार्केट, एम० टी०  
क्लास मार्केट, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र कुमार जोशी शिवा सुभाषचन्द्रजी जोशी,  
निवासी चन्द्रभागा जूनो इंदौर 10/1, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में मनाया होगा है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
ही हैं, यही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

प्रतुमूची

प्लॉट नं० 14 पर बता मजान, मुन पैनेर पालोनी,  
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थान संपत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा तत्पश्चात् पार्स नंबर 37-  
जो में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
तत्पश्चात् प्राविपरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री वाबूलाल रकीनाल अग्रवान, निवासी: 103, विजया रोड, देवान।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री ओमप्रकाश पिता रामचन्द्र, निवासी 103, विजया रोड, देवान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6348—अतः

मुझे, बी० पी० श्रोवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 103 का भाग है तथा जो विजया रोड, देवान में स्थित है (और इसे उन्नाव-अनुसूची में आगे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधि-कारी के कार्यालय, देवान में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दारोख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करना या सगम अर्जन में सीबधा के लिए, कर देना

(ख) यदि किसी आर या किसी धन या अन्य वास्तव्यो का, जिसमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 103 का भाग, विजया रोड, देवान में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में लिखित है।

बी० पी० श्रोवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 4-2-1986  
मोहर :

एक्यू बाई. टी. एन. एन. :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6349—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यू० ए० क्र० 1301 है, तथा जो भागी-  
रथपुरा, इंदौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के  
कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए स्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) वस्तुतः सं हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में वसूल करने या इससे अन्य मा सुविधा के लिए;  
बाई/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविक  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :— अर्थात् :—

1. श्री राहुल कुमार पिता हृषीकेशराय अग्रवाल 80,  
अनूप नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मेजर महेश वाइण्डिंग वायर्स प्रा० लिमि० की ओर  
से प्रिन्सिपल डायरेक्टर प्रोमप्रोष पिता राधा  
कशन धूत, 207, उषा नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याप्योक्तों के पाम  
लिखित या किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

म्यू० ए० क्रमांक 1301, भागीरथपुरा, इंदौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 4-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

विदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6350—प्रतः

मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसका एकमात्र उद्देश्य अधिनियम कहा गया है), की धारा  
 269-ग के तहत प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भू.नं० 23 है, तथा जो राजेश नगर,  
 इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से शामिल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का,  
 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, इसमें उल्लेखित सम्पत्ति के, बाजार दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
 रीति (अंतरांतरिता) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
 तात्सदिक रूप में कायम नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
 शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 का प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्र.रा. चन्द्र पिता गगनलाल वर्मा वरके आ०  
 मु० गगनलाल वर्मा निवासी 23, राजेश नगर,  
 इंदौर।

(अन्तर 2)

2. श्री हितेन्द्र पिता खोमजी वरिया, 21, प्रियंदा यशवन्त  
 रोड़, इंदौर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जुन के लिए  
 करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या लम्बवन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

महान नं० 23, राजेश नगर की प्रथम मंजिल, इंदौर  
 में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण  
 विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फॉर्म नं० 37-जी में  
 निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

अंश प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 4-2-1986

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० ए.ई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6351—अतः

मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे न० 784/5 है, तथा जो मूह कौन्ट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रारंभ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिपति के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन, तारीख जून, 1985

को पृथक् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्देश्य प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में अन्तरण के रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के आधार पर कर की कमी करने या उससे छपने में अधिकार के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता का, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत हूँ—

1. श्री चमालाल शिवा शिवावल मोधा, निवासी—  
मूह गृह—मूह जिला इंदौर।

(अन्तरिती)

2. मैडम फार्नेटिंग होंडा मोधा निधि, 7/1, न्यू प्लाज्मा इंदौर द्वारा प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री के० डी० बतवाल, इंदौर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तरण में अर्जन की तारीख 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् प्राप्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृथक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में अन्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या कर्ताधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त अन्तरण और अन्तरण, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में वर्णित है, के अन्तर्गत नहीं आता और जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में वर्णित है, के अन्तर्गत नहीं आता।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे न० 784/5, मूह कौन्ट में स्थित है। यह वह स्यावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यरित फार्म न० 37 में वर्णित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 4-2-1986  
माहुर:

रूप आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

विशेष सं० अ.ई० ए० सी०/अर्जुन/भो.ल/6352--अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी बर्गिंग की भूमि, सं० नं० 1881, 82 है, तथा जो कोयला बाखल, महु, जिला इंदौर में स्थित है (और इसी उपखण्ड अनुसूची में श्रोत पूर्ण रूप से वर्णित है) परिसूची तः इंदौर के दायित्व महु (जिला इंदौर), में परिसूची तः इंदौर 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अविपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधना के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

इस प्रकार, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. (1) मिश्रीलाल पिता श्री भोतीलाल, नि० छोटा बाजार महु, (2) नंदलाल पिता श्री मिश्रीलाल, नि० —तथैव—, (3) भगवानदास पिता श्री मिश्रीलाल, नि० जानकी नगर इंदौर (4) देवीलाल पिता श्री मिश्रीलाल, नि० सामंद नगर (5) मोहनलाल पिता श्री मिश्रीलाल, नि० 1931, छोटा बाजार, महु ।

(अन्तर्गत)

2. (1) श्रीमती साहनीबाई पत्नी रामचन्द्र, (2) मोहनलाल पिता रामचन्द्र, (3) सुखीवर पिता रामचन्द्र (4) प्रेमचन्द्र पिता रामचन्द्र सभी निवासी सं० नं० 1881, 82; कोयला बाखल, महु जिला इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्रवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त अर्जी के पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पुरानी भूमि, मकान नं० 1881, 82, कोयला बाखल, महु में स्थित है। वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख 7-2-1986

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 6353—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 ब्लॉक नं० 5 है तथा जो इंडस्ट्रियल वार्ड धमतरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय धमतरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक जिससे वे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—516 GI/85

1. (1) श्री केशरलाल, भरतलाल, लखनलाल सभी पुत्र श्री पंचमलाल (2) नानक राम पिता श्री चंदूलाल एवं (3) माखनलाल एवं रामकृष्ण पुत्र श्री फूलचन्द सभी निवासी करेली तह०—धमतरी।

(अन्तरक)

2. श्री हरीराम महावर पिता श्री ग्यारम राम महावर निवासी—धमतरी जिला रामपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लॉट नं० 12 ब्लॉक नं० 5 इंडस्ट्रियल वार्ड धमतरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापिता फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 11-2-1986

मोहर

श्रीमती सनमाबाई पत्नी हर्कामुद्दीन, निवासी—गोल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल; दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6354—अतः  
महो, बी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माल न० पा० निगम क्र० 3/1 है, तथा  
जो सुभाय मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और हमने उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के कृपण तारीख जून,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राय  
गता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती सनमाबाई पत्नी हर्कामुद्दीन, निवासी—गोल  
मंडी बाखल द्वारा मु० आभ हर्कामुद्दीन आत्मज  
हार्कामुद्दीनजी बांचवाले, निवासी—गोला मंडी,  
बाखल, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. (1) मु० फातिमाबाई पत्नी श्री तैयबभाई कांचर  
वाला, (2) मु० जुपेदाबाई पत्नी अम्बेश्वरी भाई  
कांचवाला, निवासीगण, छत्री चौक, उज्जैन।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्तक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

माल न० पा० निगम क्रमांक 3/1, सुभाय मार्ग,  
उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिणी द्वारा सत्यापित फार्म न० 37-जी  
में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-2-1986

मोहर



तारीख: 11-2-1986  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6356—अतः

मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंकित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 63, है तथा जो सी सेक्टर इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दरदास समतानी पिता श्री दयालदास, 40  
बेतवा अपार्टमेंट भोपाल।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सिसकोन कन्सल्टेंट्स भोपाल द्वा पाटनर  
श्रीमती संतोष छोकर पत्नी श्री जी० एन० छोकर  
पुत्री श्री प्यारेलाल निवासी ई-2/160: अरेरा,  
कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 63, इन्द्रपुरी, सी सेक्टर, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6357/—

अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो लाला लाजपत  
राय कालोनी, रायसेन रोड, भोपाल में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) राजीव खुराना पिता आर० एल० खुराना  
निवासी एच० आई० जी० 138, ई, अरेरा  
कालोनी भोपाल।

(अन्तरक)

(2) विनोद कुमार दत्ता पिता श्री राम दत्ता निवासी—  
45, राजदेव कालोनी, बैरासिया रोड, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 2, लाला लाजपत राय कालोनी रायसेन  
रोड, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा गत्यापित फॉर्म  
नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातु :—

दिनांक :—11-2-1986

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6350--

अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 10/2 है तथा जो ग्राम  
फतेहपुर जिला भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :-

(1) भुयम्मात कु० परवीन जंहा पुवी श्री शफी उल्लाह  
साहब निवासी ग्राम फतेहपुर, तह० हुजूर, जिला  
भोपाल (अन्तरक)

(2) सईद अहमद खां वल्द श्री अ० गफ्फार खां  
साहब निवासी ग्राम नारियल खेड़ा जिला भोपाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 10/2, ग्राम फतेहपुर जिला भोपाल में  
स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक : 11-2-1986

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस. :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## प्राप्त करण

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6359--

अतः मुझे, वी० पी० श्री वास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 233 और उ० पर निर्मित एक मंजला मकान है तथा जो ए. सेक्टर, शाहपुरा भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अन्तर्भूमी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) ताराशिव पिता गुरुदेव त्रिह निवासी-20 इंदगाह  
दिला भोपाल।

(अन्तरक)

(2) रामस्वरूप श्री वास्तव पिता श्री कृष्ण गोपाल  
श्रीवास्तव निवासी 1/311, 1100, क्वाटर्स  
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 233, एवं उसपर निर्मित मकान ए. सेक्टर शाहपुरा भोपाल में स्थित है।

यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक :- 11-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं. आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6360--

अतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० नि० नं० 645/10 है तथा जो रानी दुर्गावती वार्ड जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्यवहार प्रतिकूल के लिए बन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्यवहार प्रतिकूल से ऐसे ब्यवहार प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विस्तृत में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) बन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के बन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लक्ष्मी बाई गौर पत्नी श्री विश्वनाथ सिंह गौर  
645, गढ़ा जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) हृदयनारायण तिवारी आत्मज श्री रामभद्र तिवारी  
तिवारी निवासी दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नगर निगम नं० 645/10, रानी दुर्गावती वार्ड जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 20-1-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० आर्ई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6361—अतः  
मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6/34 है तथा जो सदर बाजार  
सागर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का  
16) के अधीन दिनांक जून 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्रोक्त विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की शानत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—  
30—516 GI/85

(1) राम ध्वारी पत्नी श्री गुरुचन सिंह गलूणा  
निवासी सदर बाजार सागर।

(अन्तरक)

(2) 1. नंदलाल (2) राजकुमार पिसरान श्री पवन  
हर्यानी, निवासी—सदर बाजार सागर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/34 सदर बाजार सागर में स्थित है  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (पुनरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 11-2-1986  
सोहर :

सम्पत्ति आदि, टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

राश्र्तीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6362—

अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 11, है तथा जो डी० सेक्टर जमालपुरा भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गये हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच पूर्वोक्त अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित उक्त अधि-निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि-...

(1) जगजीव सिंह मल्लूजा पिता श्री प्रेम सिंह मल्लूजा निवासी मकान नं० 11, गली नं० 6, अमीरगंज भोपाल।

(अन्तरक)

(2) मनोहर पिता भिजोमल निवासी 172, पिथी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए दायित्वीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, डी० सेक्टर जमालपुरा, भोपाल में स्थित है स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण वर्णन अन्तरिती द्वारा अध्यापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

वी० पी० श्री वास्तव  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल.

दिनांक :- 11-2-1986

मोहर :-



प्रारूप बाई.टी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कक्षात्मक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6363---

यतः मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० छलाट नं० 23 है, तथा जो वी-सेक्टर, कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कटौति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति की सम्पत्ति

(1) राजेश विनानी पिता श्री केदारनाथजी, एच० आई० जी०-483, अरेरा कालोनी, भोपाल।  
(अन्तरक)

(2) बहाजउद्दीन अंसारी नितर मौइनउद्दीन अंसारी, निवासी मनमन मंजिल, करबला, भोपाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23, सेक्टर-बी कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11-2-1986  
सोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.ए.-----

(1) रबड़ प्रोडक्ट्स मोलिंग क०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री परितोम दे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० 32/एक्वि आर०-4/कलकत्ता/  
85-86-—यतः मुझे, शेख नेमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो गौरिपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिजों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कारवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त

12 बीघा 13 कट्टा 6 छटाँक 2 स्कवे० फि० जमीन का  
आधा भाग, मौजा गौरिपुर धाना एयरपोर्ट 24 परगना,  
दलित सं० 1985 का 8669 ।

शेख नेमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, कलकत्ता

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. रवर प्रोडक्ट्स मोल्टिडा को०

(अन्तरण)

2 श्री गितानन्द दे

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सो०-33/एक्यू० और०-4/कलकत्ता/85-86-

---पता, मुझे, शेख नैमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो गौरीपुर में स्थित है (अर्थात् इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री अर्थात्  
अधिकार के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जू, 1985  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

12 बीघा 13 काठा 6 छटांक 2 स्के० फीट जमीन का आधा  
भाग पता : मौजा गौरीपुर, थाना एथारपोटे, जिला-24 परगना,  
दलील सं० 1985 का 8668।

शेख नैमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख 10-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 डलर (इंडिया) लि.,

(अन्तरक)

2 श्री गीर्जानम अधकल और अन्ना

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सं० 110/रेंज-II/कलकत्ता/1985-86

---यतः, मुझे, गेब नईमुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 23-ए, 76-बी है, तथा जो डाइमण्ड हारबार रोड में स्थित है (और इसमें अभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), पर निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थानुसार, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 15 एवं 15-ए, विधाना एपार्टमेंट, 23-ए, 76-बी, डाइमण्ड हारबार रोड, ब्लाक-ई, न्यू आर्लीपुर, कलकत्ता।

सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 1985-86 का 10।

गेब नईमुदीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

$$(A_1^{2n-1}, \dots, A_n)$$

( ५१०-११२१ )

तारीख : 10-7-1986  
मोहर :

प्राथम्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-112/आर-2/कलकत्ता/85-86-अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 98/4 है तथा जो बनार्जी पारा रोड, बेहाला में स्थित है (और इसमें उपाध्व्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और वृत्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और बन्तरिणी (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब बाधा बना प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी बाध की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने की बन्तरक की वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाध/बा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1 श्री आनक कुमार बक्रवर्ती

(अन्तरक)

2 श्री आनक कुमार भल्लिक

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 कठा 7 छटाक जमीन का साथ मकान 98/4 बनार्जी पारा रोड थाना—बेहाला कलकत्ता में अब स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 4-6-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

रजिस्ट्री का क्रमांक सं० 1985-86 का 5।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज-2, कलकत्ता

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

अथ भाग II—खण्ड 1—अध्याय 2

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सादा सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० 113/आर०-2/कलकत्ता/85-86-  
यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन;

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 852 है तथा जो लेक टाउन;  
कलकत्ता-89 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
21—516 GI/85

(1) श्री० गण जालानि और अन्य।

(अन्तरक)

(2) समता पोद्दार और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बायोपै—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दो तल्ल पर प्लॉट नं० ए० एच० बी० प्लॉट नं० 852  
लेक टाउन, कलकत्ता-89 में स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 3-6-1985 तारीख में  
रजिस्ट्रीकरण हुआ।

रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 1985-86 का 4।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक :- 10-2-1986

मोहर :

दृश्य मार्ग टी. ए. ए. ए.

(1) सुरेग चन्द्र राय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कलकत्ता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के नि-  
कार्यवाहियां करता है।

मार्ग प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० 115/आर०-2/कलकत्ता/85-86—

मतः, मुखे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 36 बी० है तथा जो न्यू रोड, अलिपुर  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय  
ए० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम  
1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

21 कट्टा 40 वर्ग फुट जमीन का अविभक्त 1/25  
अंश 36 बी० न्यू रोड, अलिपुर कलकत्ता, 27 में अवस्थित  
है।

दस्तावेज संख्या ए० आर० ए० कलकत्ता का 1985  
का आइ० 9036

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 17-2-1986

मोहर:



(अन्तरक)

(अन्तरिती)

दिनांक :- 17-2-1986  
मोहर :-

प्रकरण आर्क.डी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए०-सी० 2125/एक्यू० आर०-3/

कलकत्ता/85-86-यतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/9 है तथा जो शरन बोस रोड, कलकत्ता  
20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आई० ए० सी० एक्यू० आर० III कलकत्ता में जस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तित्व विवरण में वास्त-  
विक रूप से उचित नहीं किया गया है।

(क) अंतरक के लिए किसी भी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अस्तित्व में  
वापस में करी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरित किया प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) वसुंधरा प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) होपस मेन्यू फेकवरीस को० प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए गए हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादशायी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2/9, शरन बोस रोड, कलकत्ता-20 में अवस्थित  
मकान का 8 घातला में 2282 वर्ग फिट का आफिस  
स्पेस नं० 1, जो आई० ए० सी० एक्यू० आर० 3 कलकत्ता  
के पास सिरियल नं० 37ईई/आर्क आर०-3/177/85-86/  
के अनुसार 26-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक:-14-2-1986

मोहर:-

प्रस्प बाई.टी.एन.एच.

(1) भन्धारा प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) हबीसकस प्रोजेक्ट प्र० से ।

(अन्तरिस्ती)

## आप्त बख्श

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2126/अक्रि आर०-3/कलकत्ता/85-86-

यतः मुझे शेख नईमुद्दीन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 217 है तथा जो सरन बोस रोड कलकत्ता में  
स्थित है (और इसने उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०  
पी० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-  
रिस्ती (अंतरिस्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की वानत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बख्श

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निम्न  
कार्यवाहियों शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1003 बर्ग फुट आफिस बेस नम्बर-4 सात तथा  
2/7 सरन बोस रोड, कलकत्ता-20

सब रजिस्ट्रार अब एगोरेंस कलकत्ता के पास 29-6-1985  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

दलिल संख्या 1-11165 से 27-6-1985

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; कलकत्ता

दिनांक :- 14-2-1986

मोहर :

प्रकट आई.डी.एन.एस.-----

(1) मनुधारा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कनिका सेमोरियल ट्रस्ट।

(अन्तर्स्ती)

### आयकर अधिनियम

प्रवर्धित, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० 2127/अक्रिपू० आर०-3/कलकत्ता/85-86

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरन बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय एम० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्स्ती (अन्तर्स्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्स्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रकट

आफिस स्पेस नं० 8 सात तल्ला 1148 बर्ग-फुट 2/7  
 सरन बोस रोड, कलकत्ता सब रजिस्ट्रार अब एगोरेस  
 कलकत्ता के पास रजिस्टर्ड हुआ।

दलिल संख्या 8234 से 28-6-1985

शेख नईमुद्दीन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :- 14-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2128/एकिव आर-3/कलकत्ता/85-86-—

यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और हमसे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय एस०  
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908,  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-6-1985

के पूर्वोक्त सभासत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण सिद्ध में वास्त-  
विक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्भूत के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, म<sup>३</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) अमुजारा प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मास्टर गौरम मुदाना (साईनर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन में जिस  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्तन में संबंध में कोई भी आलोच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ऑफिस स्पेस नंबर 4, पांच मला 997 वर्ग फुट 2/7  
सरत बोस रोड, कलकत्ता-20-सब रजिस्ट्रार आफ एप्रोपो,   
कलकत्ता के पास 29-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रार  
हुआ है।

दिलि संख्या 111666 तारीख 29-6-1985

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :- 14-2-1986

मोहर :-

**वर्क बाई.डी.एन. एल. एल.**

(1) मधुधारा प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) बेजन्त कन्स्ट्रक्शंस।

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/2129/अक्यू० आर०-3/कलकत्ता/

85-86 --यतः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सन बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धारा 269-ब के अधीन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक अन्तरक के अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायमान से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**सहस्र**

1062 बर्ग फुट आफिस स्पेस नंबर 3 सात तल्ला  
2/7 सन बोम रोड, कलकत्ता-20

सब रजिस्ट्रार अब एंशोरेस के पास तारीख 28-6-85  
को रजिस्टर्ड हुआ। [विलेख सं० 11163 तारीख 28-6-85/

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :- 14-2-1986

मोहर :

प्रश्न बाढ़, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

मार्गदशक सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2130/एन्यू रेंज-3/कलकत्ता/85-86--

अतः, मुझे शेऊनईमुदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निम्नकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायित्व एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—516 GI/85

(1) बसुधरा प्रापर्टीडिज प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) शिबिस्कास प्राजेक्टम प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/7 सरत बोस रोड, कलकत्ता-20 में अब स्थित मकान का छतल्ला में 2062 वर्ग फीट का आफिस स्पेस नं० 5, जो मध्य रजिस्ट्रार एसुरेन्सेस का दफ्तर में डीड नं० 1, 11162 के अनुसार 28-6-1985 तारीख है रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 14-2-1986

मोहर

प्रथम भाग. डी. एच. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2131/अक्रि० आर०-3/कलकत्ता/85-86—

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे सबसे उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्रि० आर०-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-6-1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और नहीं करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का लक्ष्य प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और बन्तरिती (बन्तरिती) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए इन गाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) कारण है कि किसी एक की दस्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के लिखित में नहीं करने का उक्त बन्तरक से सूचना के लिए; अतः/वा

(क) ऐसी किसी बात पर किसी वन का वन्य जातिवादी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वन का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नाम के-उत्पत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं नामों के-उत्पत्ति या विधानों में सविधान के-उत्पत्ति

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, प्रकट है—

(1) बसुधरा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० के० कमर्शियल कम्पनी।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाही करा जाये।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से कमानी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोडस्तकारी के पास लिखित में लिख या उक्तों से।

सम्बन्धित:—इसमें प्रकट व्यक्तियों और एवों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं बर्त होना, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/7 सरत बोस रोड, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 5 तल्ला में 2003 वर्ग फीट का अफिस स्पेस नं० 8, जो आई० ए० सी० अक्रि० आर०-3 कलकत्ता के पास सिरियल नं० 37ईई/130/अक्रि० आर०-3/कलकत्ता/85-86 के अनुसार 20-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 14-2-1986  
मोहर।



प्रस्ताव नं० टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**राजपत्र सूचना**

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2132/एक्यू० रेंज-3/कलकत्ता/85-86—

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय आई० ए०  
सी० एक्यू० रेंज-3 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पक्षे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, सक्षम  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
शासक से कमी करण या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, बतलाता हूँ—

(1) बसुन्धरा प्रापर्टीज प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० के० कमशियल कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों व  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगर्ह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

2/7 सरत बोस रोड, कलकत्ता 20 में अब स्थित  
भूकान का पाँच तल्ला 1062 वर्ग फीट का अफिस स्पेस  
नं० 3 जो सिरियल नं० 37ईई/129/एक्यू० रेंज-3/कलकत्ता  
85-86 के अनुसार 21-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुई।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 14-2-1986

मोहर:

**प्रथम भाग टी. एन. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2133/एक्यू.रेंज-3/कलकत्ता/85-86—

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 230 ए० आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में आई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यक्तियों के प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सम्बन्ध में कभी कभी या उक्त अन्तरण से सूचना के लिए जाँच/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, विषयों में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेकर्स नरसिंह दास इन्डोमियम एन्टरप्राइजेस प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या सेख शेखरिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी वाजपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी कृत सिद्धि में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

230 ए० आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, में अवस्थित सम्पत्ति का 10वां तल्ला आफिस में ब्लाक नं० 2 जो आई० ए० सी० एक्यू० रेंज-3 कलकत्ता के पास सिरियल नं० 37ईई/एक्यू० रेंज-3/163/85-86 के अनुसार 24-6-1985 को रजिस्ट्री हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 14-2-1986  
मोहर।

प्रकाशक: श्री. एच. अ. अ. अ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2134/एक्यू० रेंज-3/कलकत्ता/85-86—

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 लेन गार्डन एवं 32, डाक्टर दाऊदर  
रहमान रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूले यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए जब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यवहार प्रतिफल  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की राबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व से कमी करने या उक्त करने से सूचना  
के लिए; और/या

(ख) दंडी किसी बाय या किसी वन या अन्य वास्तिकों  
को, बिना भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब से अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा—

(1) श्री अशोक कुमार सुंद एवं अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावती सुंद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्रवाईया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेय—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किष्ट जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

841 वर्ग फुट 32 डाक्टर दाऊदर रहमान रोड,  
कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-1985 दिनांक  
में रजिस्ट्रीकरण है।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-1-1986

मोहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश म० ए०सी०/एक्यू० रेंज-3/कल०/1985-86—अतः

शुभे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है तथा जो साउथ पार्क कलकत्ता में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिकर के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकर से, ऐसे व्यवमान प्रतिकर के बन्ध प्रतिकर से अधिक है और अंतरण (अंतरणों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ख पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नए की वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे कमाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाष या किसी धन का अन्य कर्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं बाधक कर्तव्यों पर, धिक्का में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. मै० निगमा प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री बिभास चन्द्र दत्त एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नग्राह्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत कर्तव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ण होगा जो उस अध्याय में स्थित नहीं हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं० 32, पांच तल्ला, 985 वर्गफुट, 64 साउथ एंड पार्क, कलकत्ता-29। सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

सांहर :

प्रकाशित 14-2-1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज—III, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०/रज०—III/1. स०/1985-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री ए. डि. की सं० 39/1 है तथा जो सप्त बोरा रोड, कलकत्ता-20 में स्थित है (श्री ए. डि. उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० सी० दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी बात की वजह से, उक्त अधिनियम के तहत कर देने के लिए उक्त सम्पत्ति के मूल्य में कमी करने का उससे पहले में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रत्येकभाषा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाता बाकिर कर, किया में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :—

1. मै० मिगमा प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रीता कुमारी जैन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके व्यक्तियों सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधारी के पास भिन्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धारा में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-6, सान कल्ला, 39/1, सप्त बोरा रोड, कलकत्ता-20 1615 वर्ग फुट। सक्षम प्राधिकारी के पत्र 26-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रोज—III, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रकृप बाई, टी. एन. एन. एन.

1. सलाह बिलडर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रियूष कान्ति कुण्डू

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-क्यू०/कल०/1985-86—अतः,  
मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 253-ई० है, तथा जो नेताजी सुभाष  
चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय एम० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
सबसे प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तब  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर के  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक ने हुई किसी नाम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथियार में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अन्तरक  
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष 2—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

235-ई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड, कलकत्ता जमीन  
3 काठा, 14 घटोक, 24 वर्ग फुट मक्षम प्राधिकारी के पास  
24-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986  
मोहर:

प्रकृष आर्इ.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आबकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2/38/एक्यू आर-III/कल०/1985-86--

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18/2 है तथा जो गरियाहाट रोड,  
कलकत्ता में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल के, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का रकम  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति में कभी करने या उससे बचने में संधिध  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रकाशनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में संधिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

23—516 GI/85

1. श्री रघुमन्स लाल कपूर

(अन्तरक)

2. श्रीके प्रोपर्टीज प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

अष्टोत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5-बी, छय बंगला, 18/2, गरियाहाट रोड,  
कलकत्ता-19 में सक्षम प्राधिकारी, के पार दिनांक 5-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश 2139/एड्यू./R-III/कल०85-86--प्रतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो रोलांड रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरर्जी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० दामोदर रीयअये एवं कन्स्ट्रक्शन को० प्रा० लि०  
(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रोपदी देवी एंगाना और अन्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**संपत्ति**

2201 वर्ग फुट, पांच तला, 2 रोलांड रोड, कलकत्ता  
सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्रीकरण हुआ 5-6-85  
तारीख में।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :



प्रारूप भाग टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**राजपत्र सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश 2140/एन्यू. आर०-III/कल०/1985-86—अतः  
मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, लेक गाडेन्स है तथा जो 32, डाक्टर  
दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (और  
इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आन्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. मेसर्स ए० एवं ए० डेवलपमेंट्स प्रा० लि०  
(अन्तरक)
2. श्री कैलाश चन्द्र मोडानि।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

1200 वर्गफुट, फ्लैट नं० 21, 38, लेक गाडेन्स  
एवं 32 डाक्टर दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता-45  
सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण  
हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986  
मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-4/कल०/1985-86--अतः  
मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-ए है, तथा जो माधव चटर्जी स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

1. श्रीमती कनक मैत्र

(अन्तरक)

2. श्री भूपतराय नानालाल साहु रमा साहु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से नहीं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें कटौत में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी भन या अन्य मास्तिहों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ रजिस्ट्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

656 वर्गफुट, 3-ए माधवलाल चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता-20  
सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारीख में  
रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986  
माहूर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

1 मै० कालिदा इन्वेस्टर्स प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2 श्री गोपाल दास टंडन और अन्य ।

(अन्तरितों)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2142/एक्यू/रेंज-3/कल०/1985-86-—

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

अथ जिसकी सं० 25 है तथा जो बालिगंज सरकुलर  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अर्वांग, तारीख 12-6-85  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कुछ दफे के अन्तरण के  
बादिल में कमी करने या उक्त दफे में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2591 वर्गफुट, 25 बालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता-19  
में सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारीख में  
रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रश्न नम्बर 1001 दी. एन. एच. 1001

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2143/एच/रंज-3/कल०/1985-86---

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26 है, तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड,  
कलकत्ता-19 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूर्च्छा  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीमें) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बाजार से होने किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिद्ध;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
को सिद्ध।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स कालना इन्वेस्टर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल कुमार अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अपसूची

1650 वर्ग मीटर जमीन, 25 बालीगंज सरकुलर रोड,  
कलकत्ता-19 में सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मेमर्ब ए० ए० डेवकभसुंदर प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

2. श्री अशोक कुमार सुदा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2144/एस०/रेंज-3/कल०/1985-86—अनः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 है, तथा जो लेक गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और हमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, एक तल्ला, 38, लेक गार्डेंस, कलकत्ता—45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 29-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

अध्यक्ष, टी. एम. एस.-----

1. सर्व ए० और ए० डेवलपमेंट्स प्रा० लि०  
(अन्तरक)भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पुष्पमान सूदा।

(अन्तरिर्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2145/एक्यू०/रेंज-4/कल०/1985-86-----

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, लेक गार्डेंस है तथा जो एवं 32, डाक्टर दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिर्ती (अन्तरिर्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयार्थ अन्तरिर्ती द्वारा एकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए या, रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1123 वर्गफुट, प्लॉट सं० 23, तीन तल्ला 32, डाक्टर दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता-45 में सक्षम प्राधिकारी, के पास 5-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रमाण प्रार्थना, 1961 (1961 का 43) की धारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-2146/एक्यू०/रेंज-4/कल०/85-86—

अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि वक्तपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. के अधिक है

और जिसकी सं० 38, लेक गार्डन्स एवं 32, डाक्टर रहमान  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
वन्धु प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अन्तरण में कमी करने या उसके करने में सुविधा  
के लिए कर/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
में उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

2 4—516 GI/85

1. श्री अशोक कुमार मूद और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र मोडानि ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना पाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहेस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें 'युक्त शब्दा' की, पर्वत, आ' शब्द  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

1200 वर्गफुट, 38, लेक गार्डन्स एवं 32, डाक्टर  
दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास  
5-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

**इसका आई. टी. एन. एच. —————**

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**आरक्षक सचिव**

**कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-3, कलकत्ता**

**कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986**

**निर्देश सं० ए० सी०-2147/एक्यू०/रेंज-3/कल०/85-**

**86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,**

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है**

**और जिसकी सं० 38, लेक गार्डेंस एवं 32 डाक्टर वाईदर  
रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24-6-1985**

**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—**

**(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क भी शामिल  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या**

**(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा इकट्ठा नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने  
के पश्चात् के लिए;**

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—**

**1. मेसर्स ए० ए० डेवलपमेंट्स प्रा० लि०।**

**(अन्तरक)**

**2. श्रीमती मेघना सुंद।**

**(अन्तरिणी)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।**

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया  
गया है।**

**अनुसूची**

**1122 वर्गफुट प्लॉट नं० 20 वो तहसी, 38, लेक  
गार्डेंस एवं 32 डाक्टर वाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में  
सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारीख में रजिस्ट्री-  
करण हुआ।**

**शेख नईमुद्दीन**

**सक्षम प्राधिकारी**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-3, कलकत्ता**

**तारीख : 14-2-1986**

**मोहर :**



प्रकाश बाई, टी. एम. एम.

1. श्री अशोक कुमार सूद और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेघना सूद (माईनर)

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-2148/एक्यू०/रेंज-3/कल०/85-

86--अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, लेक गार्डेंस और 32, दि रहमान  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए उस  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में दस्तावेजिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जानकारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

38, लेक गार्डेंस एवं 32, डाक्टर वाईदर रहमान  
रोड, कलकत्ता-45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986  
मोहर:



इसका बाई. टी. ए. ए. -----

1 श्री श्री विधानी एवं अ. य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री गणेशधन दास मुधानिग

(अन्तरितो)

राज्य सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2150/प्रवि०/रेंज-3/कल०, 85-

86—प्रतः मुझे, सं० नईपुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25-ए है, तथा जो सरन बोस रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें संपादन अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से उचित है), निम्नीकृत अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरक के बिना सब बाधा का प्रवि-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बाधा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
परिणत के कभी करने का उक्त अधिनियम के अधिनियम  
के प्रविः प्रविः/का

(ख) इसी किसी बाधा या किसी रूप का अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधिनियम अन्तरितो द्वारा प्रविः नहीं किया  
क्या या या किया जाना प्रविः था, अधिनियम में  
अधिनियम के प्रविः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उक्त अधिनियम की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोस्ताधारी के बाध  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरणः—इसमें प्रविः करने के अधिनियम, जो उक्त  
अधिनियम, के अधिनियम 20-क में परिभाषित  
है, वही अधिनियम जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

मन्तव्यी

फैलट नंबर 4-बी, पांच तलाक, 25-ए, सरन बोस  
रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी, के नाम 26-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

फैलट नईपुदीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एच.एस.-----

1. श्री रामगोपाल गनेरिव ला प्र० लि० एवं अन्य ।  
(अन्तरक)
2. मै० सुरेश कम्प्यूटरेशन प्र० लिमिटेड ।  
(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2151/एचिव०/रेंज-3/कल०/85-

86-अतः मुझे, जे० नर्मदीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सहीन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायक अद्युम्नो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का न्यून प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राप्ति नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे करने से विवक्षा के लिए हो/का

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे/था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी दावे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 10-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1247 वर्ग फुट भारतसला, 2, नरेन्द्र चन्द्र दत्त सहीन;  
कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 को  
रजिस्ट्रीकरण हुआ।

जे० नर्मदीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

ओहर :

प्रश्न. बाई. टी. एम. एम. - - - -

सावकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कार्य संचालन

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निवेदन सं० ए० सी०-2152/प्रमू०/रेंज-3/कल०/

85-86—अत मुने, शं० नईमुरीन,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवचाय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62/19 है, तथा जो बालिगन सरकुलर  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे अपात्र अतुमुची  
में और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने  
कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का  
अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक गवा  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विवचाय  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी गलती का कारण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत  
वास्तव में कभी करने या उसके अर्थ में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

1. श्री अर्जुन शंकर प्रसाद अन्वय।

(अन्तर्गत)

2. श्री अर्जुन शंकर प्रसाद सिंह और अन्य

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यकर :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, समीक्षा करने, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

2000 प्रमू०, को तला. 62/19 बालिगन सरकुलर  
रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी ने पास 12-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुरीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

सो० :

प्रमुख आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब  
(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2153/एनवो/रेंज-3/कल०/85-

86--अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जिम्की सं० 2 है तथा जो हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सममान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बन्तरित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सममान प्रतिफल से, ऐसे सममान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिणी  
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय बाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विधित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) बन्तरण से हुए किसी भी लाभ की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
द्वारित से कभी करने या उक्त वर्ष में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता था/हिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :-

1. श्री लोधा मामिसेम प्रा० लि०

(अंतरक)

2. मै० दार्जिलिंग दयारस प्लांटेशन लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां कराई गईं।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बन्तरिणी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1457 वर्गफुट, पांच तल्ला, 2 हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता  
में सक्षम प्राधिकारी के पास 10-6-85 तारीख में रजिस्ट्री-  
करण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० लोधा गविस प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स० र० एन्टरप्राइजेस

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-2154/एक्यू/रेंज-III/कल०/85-

86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में  
सक्षम प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
25—516 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पांचतला 1457 बर्गफुट 2, हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता  
सक्षम प्राधिकारी के पास 10-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण  
हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

अल्प भाई. टी. एम. एस. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निवेश सं० ए० सी०-2155/एक्वि०/रेंज-3/कल०85-

86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38 लेक गार्डेंस एवं जो 32 डाक्टर  
दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसको द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस  
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
संश्लेषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वावड़, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की आवश्यकता के  
वाणिज्य में कमी करने या उक्त करने में अधिनियम  
के लिए; और/वा

(ख) एही किसी बाब का किसी धन या अन्य अस्तित्व  
को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किन्हीं नामों बाबों बाबों, छिपाने या अन्तरण  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार मूढ और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री विजय ठाकर चौबे

(अन्तरितों)

3. श्री अर्यानि कुमार भामा

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के संप्रसारण के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सर्गधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संप्रसारण के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
स्थित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसके प्रयुक्त बच्चों और बच्चों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अध्यायी

1200 वर्गफुट, 38, लेक गार्डेंस एवं 32 डाक्टर  
दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता-45 में सक्षम प्राधिकारी  
के पाम 5-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

1. मैसर्स ए० श्रीर ए० डेवलपमेंट्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्री विजय शंकर चौबे।

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्णय सं० ए० सी०-2156/एक्वि०/रेंज-III/कल०-/85-  
86--अतः मुझे, भोख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 38 लेक गार्डेंस तथा 32 दाईदर रहमान  
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1200 वर्गफुट प्लॉट नं० 11, चार तल्ला, 38 लेक  
गार्डेंस, और 32 डाकतार वाइधर रहमान रोड, कलकत्ता-  
45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-85 तारीख में  
रजिस्ट्रीकरण हुआ।

भोख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख 12-2-1986  
भोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-रेंज-III/कल०/1985-86-अतः

श्री, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 176 है, तथा जो सरन बोस रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सक्षम अधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
व्यक्ति के कमी करने या उक्त वर्णन में सुनिधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए या विधान के  
अनुसार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम :-

1. मैसर्स मङ्गल उद्योग

(अन्तरक)

2. मैसर्स सारसेन एण्ड टुबरो लिमिटेड।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3-ए, 1270 वर्गफुट, 176, सरन बोस  
रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2158/एक्यू०/रेंज-3/कल०/85-

86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके उपरान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 230-ए है, तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र  
बोस रोड़, कल्याता में स्थित है (और इससे उपाधक्ष अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-85

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पामा गम्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से किये नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) किसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
के विषय में आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
इकोनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया गया वास्तविक या, विधानों में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. मेसर्स नरसिंग दास कमंडो मिनियाम एन्टरप्राइजेस  
प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सामोत्रि देवी सगता एवं अन्य।

(अन्तरिणी)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समगंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा 'अभाह्मसाधन' के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और अर्थों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनसूची

आफिस ब्लाक नम्बर 2 एगारो तल्ला, 230-ए,  
आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी  
के पास 24-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2159/एक्यू.रेंज-III/कल०/85-

86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'संशुद्ध अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो लोयार रॉडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (जो इसका उदाहरण अनुसूची में प्राप्ति पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, प्रथम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के तहत, तारीख 10-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, एक द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भूत या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया हो या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार सहाय

(अन्तरक)

2. श्री ए० एफ० फरगुसन एन्ड कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कहते पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य की लिए आवश्यकियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य की संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे या कौनसे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यवस्था

2050 बंगफुट, नौ तला फ्लैट 5, लोयार रॉडन स्ट्रीट, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 10-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रमाण पाई, टी. एम्. एम्.

१. श्री विनीत कर्माचार्य एवं पत्नी

(अन्तर क)

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ के अधीन संचालना

2. श्री गि-य प्रवर्ग। श्री लक्षण सुमिति ।

(अन्वयिनी)

**आपका सफ़ाई**

**काशीनाथ, सहायक नायकर बाबूसा (निराकरण)**

अर्जन रेंज-3, कल्पकता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2160/एक्यू०/रेजि०-कल०/85-

86—अतः मूषो, शेख रईसुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है तथा जो अमेदानन्द रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० २० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया सीमा फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरिम एवं हार्ड किसी बात को वास्तव उक्त बाध-  
नियम से बर्धन कर वषों के अन्तरिम के दायित्व में  
कमी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए  
प्री/वा

(ब) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाला जाइए वा, डिजाले में कायका से धिए।

अतः एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग और 269-घ में, 'न', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगण, वर्णित :—

को यह सुचना जारी कर रहे हैं कि वे अपने क्षेत्रों में निर्धन कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त अभ्यास के अंशों के सङ्ग्रह में कौनों भी त्रुटि :-

(क) इस सूचना की प्रकाशन की आवश्यकता की तारीख से 45 दिन की अवधि का समाप्त होने तक जारी रखें। सूचना की तारीख से पहले दिनों की अवधि को भी अवधि कायम रहे असाध्य होती है जो कि तीसरे शब्दों के आधार पर यह कि एक ही अवधि समान

(ब) इस मृत्यु के राजपत्र में पंचाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर पोस्ट हो हिम-बद्ध किसी अन्य सर्वोच्च शक्ति अथवा स्वामी के पास निहित हो प्रमाण हो सके।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रतः सूची

दो नल्ला जमीन 2 एस० आर० ए० प्लॉट-8 छटाक-1 वर्गफुट  
32, बिडन स्ट्रीट, कलकत्ता एस० आर० ए० प्लॉट-3 के पास  
28-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ, दलिल सं०  
9401।

मात्र नईमुदीन  
नया प्राधिकारी  
नया नया नया (निरीक्षण)  
अर्जित पैसा-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1960

मोहर :

प्रारूप आई. डी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०/2161/एक्यू०/रेंज-III/कल०/85-

86--अनः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नी सं० 127-ए, है तथा जो मोतीलाल नेहरू  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
यन्त्र प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
और ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
रही किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
कार्यलय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाने चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री चिरंजिलाल पोद्दार

(अन्तरक)

2. कुमारी जसमीत कौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिद्ध  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दो तहफा प्लेट 700 वर्ग फुट, 127-ए, मोतीलाल  
नेहरू रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

सूचना नं० 269-न (1) की नवीन सूचना

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा  
269-न (1) की नवीन सूचना

### कार्यालय

कार्यालय, सहायक माधकर माधकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2162/एक्यू० आर०-III/कल०/85-86—

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन,

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) जिसमें इसमें  
सूचना नं० 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 22 है तथा जो जोधार रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-  
कारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए जम्मा की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
एक-द्वितीय से अधिक है और इसलिए (अनुसूची) की  
वर्गीकृति (वर्गीकृतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त व्यवसाय प्रतिफल के  
मासिक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुए किसी भाग की बावत, उक्त  
सूचना नं० 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी के  
साक्ष्य से कमी करने या उक्त सूचना में सूचित  
है कि; बा/बा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
संपत्ति, जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
लगे हुए हैं।

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—516 GI/85

1 श्रीमती चयश्री वतर्जी।

(अन्तरक)

2 डॉ० के० वासु एवं अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवाएं।

उक्त सूचना के अर्जन से संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में दी गई है,  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमस्ते

फ्लैट नं० 105, दो तला, 1320 वर्ग फुट, 22 जोधार  
रोड, सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-85 तारीख में रजिस्ट्री-  
कृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख 14-2-1986

मोहर :

**उक्त वाद-टी.एन.एच.**

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक भाषकर भाषक (निरीक्षण)**

अर्जन रैंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2163 एच.एच. आर०-III/कल०/85-86--अतः

मुख्य, शख नईमुहरीन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वालीगंज सजलर रोड स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाण-पत्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या किया जाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :-

1 मैसर्स मदमून उद्योग

(अन्तरक)

3 मैसर्स जमेन्द प्लान्ट कामीटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराए हैं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बन्धाय में दिया गया है।

**अनुसूची**

क्षेत्र-2819 ब० फु० प्लॉट नं० 4 सी और 4 डी।  
पता-- 20, वालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता रोड नं० 1  
10012पी/85 ता० 10-6-85 अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नईमुहरीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

महेश



प्रकाशक: डी. एन. ए. ए.

1 श्री रविन्द्र नाथ सरकार।

(अन्तरक)

2 मैसर्स क्रुक्कांक एण्ड को० लि०।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2164 एक्स० आर०-III/कल० 85-86—अंतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36/1 है तथा जो लाला लाजपत राय सरणी  
कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारियों के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 28 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
इतिहास के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
हो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) उपर्युक्त सं. 36/1 की धारा 269-ब के अधिनियम के अधीन कर देने के कारणों से  
वास्तव में कमी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु का व्यवसाय वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावद्वारा  
व्यतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्रवाहियां शुरू करवा दी हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाण्यकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कलकत्ता

प्लॉट नं० 6

पता—36/1, लाला लाजपत राय सरणी

क्षेत्र—2624 वर्ग फुट।

डीड नं० 1 11187 ता० 28-6-1985 अनुसार नि-  
बन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज-III, कलकत्ता-14

तारीख 14-2-1986

महेश्वर

प्रथम आई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2165 एफ्यू० आर०-III/कल 85-86--प्रतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 2 है तथा जो नरन्द्र चन्द दत्त सरजा, कलकत्ता में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० 2 ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुछ किसी बात की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का वास्तव में नहीं करने या उक्त करने में कृत्रिम के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जो किता जाना जा रहा था, लिखित में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती सीला बती देवी ननेरीवाला एवं अन्य।

(अन्तरक)

2 मैसर्स प्रीति कुमार शिवाल को० प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

नमूना

8973 वर्ग फुट जमीन 2 नरन्द्र चन्द दत्त सरजी कलकत्ता, सं० 2 ए०, कलकत्ता के पास 19-6-85 तारीख में रजिस्ट्री-कृत हुआ है।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती अग्रिता षटर्जी।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2166/एक्यू० आर०-3/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 69-ए है तथा जो प्रिंस आनवार साह  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियम तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी बात की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने से अन्तरण से  
बादिल से कमी करने या उसके बचने के सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य भास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, किमान से  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लॉट नं०—9

क्षेत्र—867 वर्ग फुट।

निबन्ध—डीड नं० 5187 ता० 19-6-85।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

नोट यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-2-1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रकट जाई टी. एन. एस्.-----

1. श्रीमती शोफालिका दत्ते।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

2. श्री असीम कुमार मिश्र।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कै यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2167/एक्यू० आर०-3/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19 है तथा जो जस्टिस द्वारका नाथ रोड़,  
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 27 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से ऐसे हयमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
अतिरिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिा :-

जमीन—2 क : 10 छः।

डोड नं० 5436 ता० 27-6-85 अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

भाषणक अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

अर्थन सचिव

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2168/एक्यू० आर०-3/85-86—अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

भाषणक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
छोटे पत्राक्षर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सूचना प्रेषित करी, यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो नारायण चन्द चौधरी रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वयान  
अधिकार के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दस्तावेज प्रतिकर से, ऐसे दस्तावेज प्रतिकर का  
मूल्य प्रतिकर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना दाय  
पत्रा प्रतिकर निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अन्तरक निहित  
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुए किसी दाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम की धारा 269-व के अधीन सूचना के लिए  
कमी करने या उचित करने में सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी दाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
के, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियम 2—

1. श्री सुधीन चन्द बनर्जी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति चट्टोपाध्याय।

(अन्तरिणी)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त उक्त उक्त सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त सभाओं और पक्षों का, या उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, नहीं बर्ण होगा जो उक्त अन्वय में बिक-  
रना है।

अनुसूची

अंशतः दो और अंशतः तीन तला मकान।

जमीन—3 क: 14 छ:।

निबन्ध—डोड नं० 8912 ता० 19-6-85।

शेख नईमुद्दीन

सहायक आयकर आयुक्त

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रकाश बाबू, डी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2169/एकमु० आर०-3/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 है तथा जो कुमारपास लेन, कलकत्ता  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11 जून, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्वेषित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना यह बाधा नया प्रति-  
फल निम्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कोषित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से कुछ किसी नाम की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
ने कभी कठुने या उच्च वृद्धि से वृद्धि के बिना  
कोषित/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भव या अन्य वास्तविक  
को बिना धारणीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुवर्धन अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया गया वास्तविक या, डिपॉजिट में वृद्धि  
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीकृत व्यक्ति, अर्थात् -

1. श्रीमती दीपाली मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री सुदीप्त कुमार घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करा हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
कृत्य की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी  
व्यक्ति द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा जो वास्तविक रूप से  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिगत:—इसमें प्रकृत वृद्धि और वृद्धि का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क के अन्तर्गत  
है वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

वो तला मकान।

क्षेत्र—1500 वर्ग फुट।

जमीन—3 क: 2 1/2 छ:

निबन्ध—डीड नं० 4894 ता० 11-6-1985।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

**अर्थ-टी.एन.एन. —————**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० एम्यु० आर०-3/85-86/2170— अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 176/14/123 है तथा जो रामपुर रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाना तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का भाग 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—516 GI/85

1. कुमारी पुष्पमयी बोस।

(अन्तरक)

2. कुमारी बेला दत्त गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा। अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

दो तला मकान।

क्षेत्र : 1300 वर्ग फुट।

जमीन : 4 क : 8 छ : 40 वर्ग फुट।

निबन्ध : डीड नं० 9072 ता० 24-6-1985।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रकाशक: टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राज्य कृषि

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2171/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरिन कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाव की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व को कमी करने या उससे बचने में सविधा  
में (अर्ज; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स रामगोपाल गार्नेटविला प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरक)

2. श्री अशकरम गुलगुलिया और अन्य।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नामवार—21 673 वर्ग फुट 1 तीन तला  
2 नरेन्द्र दत्त सरिन कलकत्ता-1।

सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारीख से रजिस्ट्री-  
कृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:



प्रारूप आई.टी.एन.ए.-----

1. मैसर्स रामगोपाल गानेदिवला प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरक)
2. श्री गोपाल चौकानी।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2172/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल ले लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव का किसी धन या अन्य वास्तवों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नामवार—4 370 वर्ग फुट, 2, नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रकाशनाई, टी. एन. एस. -----

1. मेसर्स रामगोपाल गानेदिवला प्रा० लिमिटेड।  
(अन्तरक)भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना2. कुमारी हेमलता पोद्दार।  
(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त संपत्ति के वर्जन की संबंध में कोई भी वादों :-

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2173/एक्यु० आर०-3/कल/85-86—अंतः

मुझे शेख नईमुद्दीन

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-  
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12 जून, 1985स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की जानकारी  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके सममान प्रतिफल से, ऐसे सममान प्रतिफल का  
संगत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (बंठपत्ती) कीट कीटपत्ती  
(व्यक्तिगतियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक पाया गया प्रति-  
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरक प्रियत में गण-  
निक कम से अधिक नहीं किया गया है :-(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधि-  
नियम की अधीन उक्त धारा के अन्तरक के अन्तर्गत में  
किसी वर्जन या उक्त वर्जन में सूचना के लिए  
कीट/वा

अनुसूची

(ख) इसी किसी बात का किसी वप का अन्य वास्तवों  
को, जिसे भारतीय वाप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
यह अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिक्षी द्वारा इकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए या, जिसे में  
सूचना के लिएयूनिट नम्बर--6, 359 वर्ग थफुट। 2, नरेन्द्र दत्त  
सरीन कलकत्ता। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985  
तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

## राजपत्र की एक प्रतः

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषक भाषक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2174/एक्यु० आर०-3/कल/85-86—अतः

मुझे शेख नईमुद्दीन

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारिर में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; नाउ/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-पार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेमर्स रामगोपाल गानेद्विला प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. मास्टर मुनिस वैद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नामवार—1ए, एक तना, 2, नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता। सक्षम प्राधिकारी के पास 14-2-86 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेखनईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी.

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2175/एक्यू०/आर०-3/कल/85-86 - अतः

मुख्य शेष नईमुहूर्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सराइन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में अंतर्पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाढ़ की बाढ़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं के, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति से अर्जित :—

1. मेसर्स रामगोपाल मानेडिवला प्रा० लि०, और अन्य (अन्तरक)

2. मेसर्स सिद्दी मागर कारपोरेशन। (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नामवार-3, तीन तला, 2 नरेन्द्र दत्त सराइन कलकत्ता। 307 वर्ग फुट। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

मुख्य नईमुहूर्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एच.एच.-----

1. मेसर्स राम गोपाल गानेदिबला और अन्य।

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. श्रीमती चेतना अग्रवाल और अन्य।

(अन्तरिती)

आर.ए. सुन्दर

कायबिल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2176/एचयू० आर०-3 कल/85-86 अतः  
मुझे श्रेष्ठ तईमुहूर्त

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरिन, कलकत्ता  
स्थित है (और इसमें जगज्ज अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मध्यम प्र-  
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके अथवा प्रतिफल से ऐसे अथवा प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बाई/बा

(ब) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्—

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम में अर्थात् 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होना को अर्थात् से दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नामवार -9 एक तला। 2 नरेन्द्र दत्त सरिन,  
कलकत्ता 279 वर्ग फुट, सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-  
1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

श्रेष्ठ तईमुहूर्त  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रकृष जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2171/एक्यू० आर०-3 कल/85-86---अतः

मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
घाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-  
कारी में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दयापूज्य सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में  
वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) वैसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
है, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मेसर्स राम गोपाल गानेदिवला प्राइवेट लिमिटेड और  
अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री चिरिमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नथोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

युनिट नामवार.—3 और 4 चार तला, 2; नरेन्द्र दत्त  
सरीन, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85  
तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

1. श्री जमीन चन्द्र छोटालाल जामोर एवं अन्य।

(अनारक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. दक्ष भि० भिमानी एवं अन्य।

(अनारक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2178/एन्यू आर०-3/००/85-86—अतः मुझे

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 57ए और 57 बी है तथा जो जो पद्मपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उतावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरता अधिपति के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
28—516 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समाप्त

जमीन — 10 आठ 8 छटाक एवं 45 वर्ग फुट, 57 ए और 57बी, पद्मपुर रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पत्र 26-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती गीता देवी सर्मा।

(अन्तरगत)

आतंक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स फनेक्स ट्रास्ट।

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सूचना, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2179/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अंतः

मुंबे, शेख नईमुद्दीन

आतंक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है तथा जो गुमेस्दम रोड, कलकत्ता स्थित है (श्रेष्ठ इलाके उपाखण्ड अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिनियम के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज प्रतिलिपि के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिलिपि के लिए अंतरित करने पर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित है कि उक्त अन्तरण का प्रयोग नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को बिना प्रांतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1957 का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधागा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचना देता हूँ—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नामवार—ई चार तला 825 वर्ग फुट। 10 गुस्फदय रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास पी०-26-0-85 तारीख में रेजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:



## प्रमुख भाई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स मदगुल उछोंग

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स लारसेन एवं डबरो लिमिटेड।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2131/एफ.ए.आर-3/कन/85-86—अनः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
(सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 176 है तथा जो सरन बोष रोड, कलकत्ता  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-  
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 26 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 2 ए, और 3 बी, 1700 वर्ग फुट एवं 1980  
वर्ग फुट 176, सरन बोष रोड, कलकत्ता। सक्षम प्राधि-  
कारी के पास 26-6-85 में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स सामन्त डेवल्पमेंट प्रिवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स रावि फिनांस कंपनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 2181/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/5 है तथा जो सरन बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 22 काठा 3 छटाक, प्लॉट नम्बर—बी, चार तला 2/5, सारन बोस रोड, कलकत्ता  
सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री-कृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 14-2-1986

मोहर :

हकूमत, टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स जी० आर० मखिजा एवं कम्पनी।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स निसपमा कापूर और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :-

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2182/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अंतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्त्री व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बराबर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 7बी है तथा जो किरन शंकर राय रोड  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

लक्ष्मीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायिष्ठ में कमी करने या उसमें बर्जन में सीमा  
कामए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आफिस नोटीस नम्बर—ई० और एफ० 470 वर्ग फुट  
चार तला। 7बी०, किरन शंकर राय रोड, कलकत्ता।

सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-85 में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

अन्य: भाग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर :

प्रकरण 'आर' टी. एन. एच.-----

1. मे.टी. हरिन्द हाउसिंग सोसायटी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती अनुराधा सोम।

(अन्तरिती)

नारायण सहायक

कायासद, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :-

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2183/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अतः

मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/46 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय सूक्ष्म प्राधि-  
कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में  
कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए  
कर या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

104 वर्ग फुट, चार तला 1/46 गरियाहाट रोड,  
कलकत्ता। सूक्ष्म प्राधिकारी के पास 26-6-1985 तारीख में  
रजिस्ट्रीकृत हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
उपायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

प्रथम भाग.टी.एन.एल.-----

1. श्री ए० अलगिरीस्वामी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नागलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 5/जू 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री. जिसकी सं० उड़मलै, दावापुरम रोड टी० एम० सं०  
22 वनाक संख्या 6 वार्ड डी है, जो तिरुपुर में स्थित है  
(श्री. इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय उड़मलपेठ-लेख में सं०  
1206/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाह्य में समाप्त हो गई हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान  
गया है।

## समसूची

भूमि और मकान —उड़मलै—तिरुपुर टी० एम० सं०  
22 वनाक सं० 6 वार्ड डी० मुनिगिपल वार्ड 6 उड़मलपेठ  
लेख सं० 1206/85।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

प्रमुख बाई.टी.एन.एस. -----

1. श्री के. प्रताप।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जोसेफ नामन और श्रीमती मिश्रीम जोसेफ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० 8/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला सं० 22, पुराना सं० 2ए, 'गोवा' शिवगंगा  
रोड नुगम्बावकम है, जो मद्रास-34 में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय थॉसन्डलेउम लेख सं० 300/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जून 1985

को एवम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापेक्षित मर्यादित का उक्त बाजार मूल्य,  
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना नवा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके एवम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवम्पत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार  
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान —22 पुराना -2ए) गोवा, शिवगंगा  
रोड नुगम्बावकम, मद्रास-34 थॉसन्डलेउम लेख सं० 300/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-2-1986

मोहर :

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 14/जून 1985—अन: मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

भाषक अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिवकी सं० 12 शिवगामिपुरम डा० राधाकृष्ण नगर  
फस्ट मैन रोड, है जो तिरुवन्मिपुर मद्रास 41 आर० एस०  
138/5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
शेरोपैठ उल्लेख सं० हिस्सा 514/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय भाषक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—516 GI/85

(1) श्री जे० विक्टर फेनिलान्।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सुसैराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिना  
पाया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 12 शिवगामिपुरम डा० राधाकृष्ण  
नगर फस्ट मैन रोड, तिरुवन्मिपुर मद्रास 41 आर० एस०  
सं० 138/5 हिस्सा शेरोपैठ लेख सं० 514/85 138/5 हिस्सा

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक :—7-2-1986

मोहर :—

राजपत्र, भा. सं. 1986, भा. सं. 8, भा. सं. 8

(1) श्री एम० सूर्य कुमार

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० मोहना

(अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 50 जून 1985—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गांधीनगर माणिकु मुदलियार स्ट्रीट है जो अडुमले पेट गांव में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडुमले पेट, विलेख सं० 1534/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेजानुसार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का अन्तरण, अन्तरण अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में शामिल में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान लेख सं० 1534/85 की शीट में दी हुई सम्पत्ति अडुमले पेट सं० लेख सं० 1534/85

श्री मती एम० सामुवेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:



प्रकाशक आर्.टी.एन.एस-----

(1) अटोरिड ट्रेडर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० एम० रामनाथन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० 55/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3953/2बी 1ए ए1  
है जो उड़ी में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के  
कार्यालय उदगमण्डलम् लेख सं० 593/85 में भारतीय  
रजिस्ट्री अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि 10122 एस० एफ० टी० भिन्न हिस्सा-2063  
एकर्स में आर० एस० सं० 3953/2बी 1ए ए1 ऊँ ऊँ  
उदगमण्डलम् लेख सं० 593/85

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-2-1986

मोहर :

**संक्षेप भाषा टी. एच. एच.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 56/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विधि  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० तिरुधूर पल्लुउम् कांगेयम्पालम् है जो  
कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रांग पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मुलूर लेख सं० 936/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वयान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
तुल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटु होने के अन्तरक के  
हाविले में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयान  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वेलु स्वामि गौडर और 12 अन्य  
(अन्तरक)

(2) कोयम्बतूर मार्केटिंग कमिटी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

कृषि खेती मुलूर तिरुधूर पल्लुउम् कांगेयम् पालयम्  
कोयम्बतूर लेख सं० 936/85

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती गारदा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० भास्तिमुत्तु गौडर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 59/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पोलाच्ची गस्पा पोलाच्ची वार्ड सं०  
4 टी० एस० सं० 92/2 है जो तिरुधूर में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री उती अधिनियम के कार्यालय पोलाच्ची  
लेख सं० 1110/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण त है किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान पोलाच्ची गस्पा पोलाच्ची सर्वे वार्ड सं०  
4 टी० एस० सं० 92/2 तिरुधूर पोलाच्ची लेख सं०  
1110/85

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 7-2-1986

मोहर :

प्रकट नार्ड.डी.एन.एत.-----

(1) श्रीमती गौरि माधवन् । (अन्तरक)

(2) श्री एल० तिलक चन्द ।

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 75/जून 1985—अनः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० एन० सं० 2150/2ए, 0.07 एकड़  
 कूनूर टाऊन है जो नीलगिरीस् में स्थित है (और इसमें  
 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय कूनूर लेख सं० 880/85 में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के  
 अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 इतिहास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि इस पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिणी  
 (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कतु होने के अन्तरक के  
 वास्तव में कमी करने या उसके बचन में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
 को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बताने :-

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन में सित  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 30 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

समस्त

भूमि और मकान एन० सं० 2150/2ए, 0.07 एकड़  
 कूनूर नीलगिरीस् कूनूर लेख सं० 880/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 7-2-1986

मोहर :

प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

(1) प्रसं चर्चा।

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) एन० दण्डभाषि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 76/जून 985--अ तः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर० एम० सं० 150/3ए, 150/4बी,  
157/1बी, 150/1ए, 157/1ए, 157/3ए, है तथा जो 157  
3बी, 164/3बी, 164/3सी 6.80 1/2 एकड़ में स्थित  
है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय कूनूर लेख सं० 915/  
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
वन्तह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
व्याख्या अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ने. मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्थानकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्ध 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्ध में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एम० सं० 150/3ए, 150/4बी, 157/  
1बी, 150/1ए, 2, 157/1ए, 157/3ए, 157/1बी,  
157/3बी, 164/3बी, 164/3सी, 6.80 1/2 एकड़  
कूनूर लेख सं० 915/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :-

प्रकृष बाई. टी. एन. एल.-----

(1) श्री रोलबट्टुरै।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दास बाटूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-

निर्देश सं० 82/जून 1985—अनः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/160-162 सिद्धापुदूर  
कृष्ण रामपुरम् गांव है तथा जो सर्वे सं० 13 के० के०  
नगर कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कोयम्बतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पक्ष में प्रतियोगिता से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया।  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और मकान टी० एस० सं० 10/160-162  
के० के० नगर सिद्धापुदूर कृष्ण राम पुरम सैठ सं० 13  
कोयम्बतूर कोयम्बतूर लेख सं० 28-2-1985।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० बी० नारायणस्वामिनायुडु ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० प्रह्लमुगम ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन में किए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश सं० 87/जून 85—अनः मुन्ने, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कुडम्पालयम् 96/12-72 है, जो कोयम्ब-  
नूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीयता अधिकारी के कार्यालय,  
पेरियनायकनपालयम् लेख सं० 1232/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जून, 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
संस्थित में किए जा सकेंगे।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुषंग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

भूमि और मलान कुडम्पालयम् कोयम्बनूर पेरियानकन-  
पालयम् लेख सं० 1232/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० आर० सीताराम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० आर० विद्यालक्ष्मी

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 89/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एम० सं० 560/1 बी, 560/1,  
561/डोर सं० 47 सं० 22/87 है, जो टी० एम० नं०  
12/77 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बतूर लेख सं० 2423/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित गैर वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और आर० सी० सी० मकान 47, सं० 22187/  
टी० एम० सं० 12/77 कोयम्बतूर, लेख सं० 2423/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सी० पी० नटराजन और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) वेदनायगम हास्पिटल प्राइवेट लिमिटेड की  
चेयरमैन एस० वी० बालसूत्रमणीयम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० 95/जून 85—अतः सुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तेलुगुपालयम् गांव आर० एम० पुरम वनाक सं० 10, वाई सं० 8 है, तथा जो टी० एन० सं० 51, हिस्सा सेट सं० 7, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें जायदद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं० 2501, 2502, 2503 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तेलुगुपालयम् गांव टी० एम० सं० 8/51 हिस्सा  
सेट सं० 7, कोयम्बतूर तालुक कोयम्बतूर लेख सं० 2501,  
2502, 2503/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस.

(1) श्री पी० एन० बालसुब्रमणियम।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी० आर० नारायणस्वामि।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० 97/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० लेख सं० 2564/85 की शेड्यूल में दी  
हुई संपत्ति है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें  
उपान्वत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 2564/  
85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

लेख सं० 2564/85 की शेड्यूल में दी हुई संपत्ति  
कोयम्बतूर, लेख सं० 2564/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती विल्लै सुवारास।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० हरीवन्द।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### प्राप्त सूचना

सहायक, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 102/ जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विवश करके का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एन० चेट्टी रोड, टी० नगर है तथा जो  
मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरती अधिधारी के  
कार्यालय टी० नगर लेख सं० 593/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
इसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का बहुत  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक बाधा नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में लगी करने या उसमें करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी रकम या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

अभि—जी० एन० चेट्टी रोड, टी० नगर, मद्रास-17  
टी० नगर, लेख सं० 593/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 103/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
स.मुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एन० चेट्टी रोड, टी० एस० सं०  
8633 हिस्सा है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लेख सं० 59485 में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन के अधीन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
छे लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैंने उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवानदास रेड्डी और श्रीमती यशोदम्भ्यार।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा हरिचंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भं.  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

भूमि, जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17।  
टी० नगर, लेख सं० 59485।

श्रीमती एम० स.मुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एच. ए-----

(1) श्री पी० ई० माह्यू ।

(अन्तररु)

(2) श्री हमीउ आइषा ।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## आवक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 104/जून-85—यतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 रंगनाथन स्ट्रीट टी० नगर है तथा जो  
मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उदावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय टी० नगर में लेख सं० 5-6-85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
में आम्त्यिक रूप से करीबत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 23 रंगनाथन स्ट्रीट टी० नगर  
मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 596/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 107/जून 1985—यश: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वेंकट नारायणा रोड टी० नगर मद्रास  
(17) है तथा जो मद्रास 17 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 606/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन जारी जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक मान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, अपने  
व्यवमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशियाँ, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में करी करने या उससे अपने में स्थिति  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ए० मीनाल और अन्य।

(अंतरक)

(2) केनारा बैंक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि वेंकटनारायणा रोड, टी० नगर, मद्रास-17, टी०  
नगर लेख सं० 606/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रश्न बाबू. टी. ए. इ.-----

(1) श्री पी० एस० पटेल ।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) में मधीन सूचना

(2) श्री जी० सरदारजन ।

(अन्तरिती)

मातुत वरुकात

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 112/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तामस रोड़ टी० एस० नं० 6553, ब्लॉक  
सं० 14 है तथा जो टी० नगर में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं०  
693/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जून 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तिवां  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31 -516 GI/85

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संघर्ष के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि—थापस रोड़, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर  
लेख सं० 693/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एन० श्रीनिवासन और  
श्री एस० उमाम हेस्वर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री पी० सी० मुहम्मद मुस्तफा ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 128/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 20, मदुरै वीरन कोइल स्ट्रीट, टी० नगर  
है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (और इसने उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 734/85 में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—20 मदुरै, वीरन कोइल स्ट्रीट,  
टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 724/85श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक : 7-2-1986  
सोहर :



प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती टी० जी० लक्ष्मी अम्माल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ए० वसन्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 134/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, नार्दन III स्ट्रीट, मन्दवेलिप्पाक्कम  
है तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपरोक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी  
के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 726/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 11, नार्दन III स्ट्रीट, मन्दवेलि-  
प्पाक्कम, मद्रास-28, मैलापुर लेख सं० 726/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 5-2-1986

मोहर :

प्राप्त बाई.टी.एल.एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेग सं० 43/जून 1985---प्रति: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, भास्करपुरम-मैलापुर है तथा जो  
मद्रास- में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय  
मैलापुर लेख सं० 801/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिसके भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किष्वा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुत्तु लक्ष्मी नागराजन और 6 अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० चन्द्रशेकरन और दूसरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 3, भास्करपुरम, मैलापुर, मद्रास-4  
लेख सं० 801/85

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 5-2-19) 6

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
का धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 154/जून 1985--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2423, स्कॉफोर्ट पार्टनर वेस्टेन नगर III स्ट्रीट उरुर गांव अड्यार, मद्रास-28 टी० एम० नं० 19 पुराना सं० 76/1 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अद्वितीय के कार्यालय अड्यार लेख सं० 1575, 1576/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री पी० ए० रागवाचारी और 4 अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पी० जे० कम्पनी पार्टनर पी० जे० पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

भूमि 2423, स्कॉफोर्ट पार्टनर वेस्टेन नगर III स्ट्रीट उरुर गांव अड्यार मद्रास-28 टी० एम० नं० 19 पुराना सं० 76/1 अड्यार। लेख सं० 1575, 1576/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

**अन्तर्गत धारा 1(1) के अन्तर्गत**

**अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-2, मद्रास**

**मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986**

**निर्देश सं० 166/जून 1985—अंतः मुझे, श्रीमती**

**एस० सामुवेल**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति बिसका उचित बाजार मूल्य :**

**1,00,000/- रु. से अधिक है**

**और जिसकी सं० है चिन्ता-1.64 एकर्स एस० सं० डी० 232/सी 234/2बी० डी० 239/18/1 कोन्तागिरी है जो गुलिस्तान 3 एकर्स सी० सर्वे सं० 1473/2, पुराना 251/बी कोन्तागिरी और "रोस बिन्डो" 2.11 एकर्स सं० 231/2 बी० 4 डी० 235 234/1ए/1ए में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 1745/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम 1903 (1903 का 16) के अर्जन तारीख जून 1985**

**को पुराना सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए वन्तरिख की गई है, और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंख प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे वन्तरण के लिए एक पाया या प्राधिकार, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-**

**(क) वन्तरण से हुई किसी या किसी भी वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल से कमी करने या उसके करने में सविधा के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भू या वन्त्र वास्तविकों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचोदनार्थ वन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया या या या किया जाता बाविल या, विधान में विधान के लिए;**

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को, सूचित :-**

**(1) दी टिथोसाफिकल सोसायटी ।**

**(अन्तरक)**

**(2) श्री एण्ड एजुकेशन फाउंडेशन**

**(अन्तरिणी)**

**की यह सूचना जारी करके पुराना सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।**

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :-**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पहले से समाप्त होती हो, के भीतर पुराना व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विहित में किए जा सकेंगे ।**

**ह अन्तरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।**

**अनुसूची**

**भूमि और मकान "हेक्लिफ भूमि 1.64 एकर्स, एस० डी० सं० 232/सी, सी सर्वे सं० 1454/3बी, सर्वे सं० 234/2बी, 239, 18, 1, कोन्तागिरी "गुलिस्तान" सर्वे सं० 251, बी कोन्तागिरी (3) रोस बिन्डोम (2.11 एकर्स सर्वे सं० 231, 2, बी-4, सर्वे सं० डी 235, 234, 1ए, 1ए और डी 70, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1745/85 कोन्तागिरी ।**

**श्रीमती एस० सामुवेल**

**सहायक प्राधिकारी**

**सहायक प्राधिकार आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-2, मद्रास**

**दिनांक : 7-2-1986**

**मोहर**

प्रकट प्राई.टी.एन.एच.-----

(1) डाक्टर के० एम० राज ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० जी० वेणुगोपाल ।

(अन्तरिती)

## प्राप्त प्रमाण

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० 182/जून 1985--अतः सुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, कस्तूरबा नगर I में रोड़, अड्यार  
है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय अड्यार लेख सं० 1661/85 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतर्गण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारित्य में कमी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 7, कस्तूरबा नगर I में रोड़,  
अड्यार, मद्रास-20 अड्यार लेख सं० 1661/85

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-2-1986

मोहर

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती एलिजाबेथ बर्गोसि ।

(अनारक)

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री ए. जोसेफ ।

(अनारक)

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

निदेश सं० 133/जून 1985-अंतः मुखे, श्रीमती  
एस० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21, कस्तूरबा नगर, III में रोड, अड्डार है तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अड्डार लेख सं० 1670/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तर्निहित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकर्ता अन्तर्निहित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार नो, नो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकान्तः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 21 कस्तूरबा नगर III में रोड, अड्डार, मद्रास-20 अड्डार लेख सं० 1670/85

एस० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज- 2, मद्रास

दिनांक 7-2-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती ई० सदाशो और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**सार्वजनिक सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निवेदन सं० 192/जून 1985-अंतः मूले, श्रीमती  
 एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक सं० 56 टी० एस० सं० 25, कोडामनाक्कम  
 है तथा जो प्लॉट सं० 8, 51, 48 स्ट्रीट अशोक नगर में  
 स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल  
 लेख सं० 568/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का  
 पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

[क] अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
 अधिनियम में वर्णित कर देने के अन्तरक से  
 क्षतिपूर्ति से किसी कर देने या उक्त करने में सुविधा  
 के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—516 GI/85

(2) श्रीमती थिल्ली तुक्काराम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
 अर्थात् कर देना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि पहले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

**समाप्त**

भूमि और मकान ब्लॉक सं० 56 टी० एस० सं० 25  
 कोडामनाक्कम प्लॉट सं० बी 51, 48 स्ट्रीट अशोक नगर,  
 मद्रास सेंट्रल लेख सं० 568/85।

एम० सामुवेल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जेन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986  
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एन.-----

(1) श्री शीशपाल सिंह कोहला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० 196/जून 1985 - अंतः सुझे श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन उक्त अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 53, कैथेड्रल रोड है तथा जो मद्रास-86 में  
स्थित है (और इसमें महाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल  
लेख सं० 593/85 में पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अंतर्गत तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनिः--

(2) श्री ए० ए० मोहिद्दीन बच्चा और 4 अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और संज्ञान 53, कैथेड्रल रोड, मद्रास-86 मद्रास  
सेंट्रल लेख सं० 593/85 ।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :



प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पी० एस० राघवन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 197/जून 1985—यतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12, जी० एम० कालोनी है तथा जो धारा  
एम० सं० 3847/12, 16, 17, 18 और 21 मद्रास-18 में  
स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में औः पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल  
लेख सं० 600/85 में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुधा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(2) श्री एस० लक्ष्मीकांत और

मैनेर एस० शेष कुमार,

रिप्रजेन्टिव आई फादर श्री एस० भवनारायण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—12, जी० एम० कालोनी, मद्रास-18  
मद्रास सेंट्रल, लेख सं० 600/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 5-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 199/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी का यह विरवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० 2/163 न्यू नं० 813, अण्णा भालै है तथा  
जो मद्रास-2 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
थोसन्डलैट्स लेख सं० 258/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
इस प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाया  
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किन्हीं कारणों से, जिनमें से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्री आर० के० गेतरासन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री मन्मुख एच० मुकैदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के  
लिए कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किन्हीं बातों से।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 2/163, न्यू नं० 813, अण्णा भालै,  
मद्रास-2, थोसन्डलैट्स लेख सं० 258/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर ।

इसमें बाध'टी.एन.एच.-----

(1) मेमर्स नॉमस ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स हाउस आरमेड (नील्सगिरिस) प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1996

निर्देश सं० 206/नून 1985-यतः मुझे, श्रीमती

एम० म.मुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2.60 एकड़ आर० एम० सं० 479/14 है तथा जो ऊँटी में स्थित है (और इसमें उभावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय उदगमण्डलम लेख सं० 526/85 में रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

नतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि—2.60 एकड़ आर० एम० सं० 479/14 आर० आद्वकण्ड गांव उदगमण्डलम लेख सं० 526/85 ।

श्रीमती एम० म.मुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-2-1986

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 207/मून 1985—अतः मुझे, श्रीमती

एस० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विषय में प्रत्येक इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 19/3/20, 21/1, 168/2, 391/10-21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391/8, और 391/9 है तथा जो 3.99 एकड़ में स्थित है (और हमसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिवारी के कार्यालय उदगमण्डलम लेख सं० 566/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कट्टे होने के अन्तरक के वायित्व से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) एस० एस० एच० प्रापर्टीज प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) मन्त ब्रूडोस् पब्लिक स्कूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पत्रपत्र में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि कम से कम्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :- इसमें प्रकृत सहायक और वहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और संपत्ति आर० एस० सं० 19/3, 20, 21/1, 168/2 391/10, 21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391/8 और 391/9 3.99 एकड़ उदगमण्डलम लेख सं० 566/85 ।

श्रीमती एस० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० एम० यज्ञनाथयणन् ।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एन० तंगवेल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 224/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती

एम्० एम्० तंगवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 1351/85 की श्रेष्ठता में दी गई सम्पत्ति है (और हमने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सत्यमंगलम् लेख सं० 1351/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य भास्तिता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लेख सं० 1351/85 की श्रेष्ठता में दी गई सम्पत्ति सत्यमंगलम्  
लेख सं० 1351/85 ।

श्रीमती एम० एम्० तंगवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

माहुर ५

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती एस० एस० जोषी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० नटराजन एन० तंगवेल ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 225/जून 85 --- अतः मुझे, श्रीमती एस०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी गैरप्राप्त जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अक्षरों नेगमन् गांव सत्यमंगलम् है तथा  
जो गोपनी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सत्यमंगलम् लेख सं० 1350/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सूची के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्री अक्षरों नेगमन् गांव सत्यमंगलम् कोयम्बतूर सत्य-  
मंगलम् लेख सं० 1350/85 ।

श्रीमती एस० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 62/जून-85--यतः, मूझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जी-19 इंडस्ट्रियल एस्टेट है, तथा जो 0480 एस०एफ०टी० मद्रास-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास-नार्थ लेख सं० 1819/85 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
33—516 GI/85

1. मैसर्स पालिमर्स एण्ड अलेक्जेंड्रा प्राइवेट्स

(अन्तरक)

2. मैसर्स यूनिटेक्स एक्सपोर्ट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्राही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान (फैक्ट्री शेड) जी-19 यूनिट इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बतूर, मद्रास-58, मद्रास उत्तर लेख सं० 1819/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 120/जून-85--अन०, मुझे, एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 1575/37880 अभिलेखि हिसा 92, जी०  
एन० चेट्टी रोड है, तथा जी० टी० नगर एन० सं० 85 टी०  
एन० सं० 7159 में स्थित है (और इसके उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 718/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गौतम ईश्ट कोण्ड कन्स्ट्रक्शन्स एण्ड इंडस्ट्रिज की पार्टनर  
श्री ए० एम० सैयद अब्दुल ग़फ़ार ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नूरजहान मक्की और मास्टर अराहद मक्की ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 1575/37880 अभिलेखि हिसा, 92, जी० एन०  
चेट्टी रोड टी० नगर, एन० सं० 85, टी० एन० सं० 7159,  
ब्लॉक सं० 117 टी० नगर लेख सं० 718/85।

एम० सामुवेल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

हस्ताक्षर :



अथवा आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास-6, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 122/जून, '85--यन: मुझे, एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1575/37880 अभिलेख हिस्सा-92 जी०  
एन० चेंद्री रोड है, तथा जी० टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित  
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, लेख सं०  
708/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स ईस्ट कोस्ट फ्लूटिकेशन एण्ड इंडस्ट्रीज की  
पार्टनर ए० एम० सैयद अब्दुल कादर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स राव अमारलस प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि 1575/47880 अभिलेख हिस्सा-92, जी० एन० चेंद्री  
रोड, टी० नगर, लेख सं० 708/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

**प्रत्यक्ष आय, टी. एन. एन. एन.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 127/85--यतः, मुझे, एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 92, जी० एन० चेट्टी रोड मद्रास-17 है, तथा जो टी० नगर में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, लेख सं० 720/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :-

1. मैसर्स ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्शन्स एण्ड इंजिनीयर्स पार्टनर  
श्री ए० एम० सैयद अब्दुल कादर ।

(अन्तरक)

2. श्री आदिन अमीर अखिल ट्रस्ट स्ट्रीट्स श्री ए० ए०  
मुस्तफा श्रीमती शमीम पाशा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि -- 1665/37680 हिस्सा (अभिन्न) टी० नगर  
गाँव ब्लाक 117, 92, जी० एन० चेट्टी रोड, मद्रास-17,  
टी० नगर, लेख सं० 720/85।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 140/जून, 85—यतः, मुझे एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
बदला 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, नाडू मुत्तु कुमरघ मुदली स्ट्रीट मैलापुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर,  
लेख सं० 704/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
हिसाब में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० रामनाथ दीक्षिधर

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० पार्थसारथी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—38, नाडू मुत्तु कुमरघ मुदली स्ट्रीट  
मैलापुर, मद्रास-4

मैलापुर, लेख सं० 704/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 144/जून, 85--यतः मुझे, एम० मामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसको सं० 104, डा० रंगाचारी रोड़, मद्रास-8 4.5  
ग्रौण्ड्स है तथा जो मैलापुर में स्थित है और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मैलापुर में लेख सं० 799/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० स्वामीनाथन और अन्यो

(अन्तरक)

2. श्रीमती अल्पम सुब्रामणियम और एस० सुमन्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अभि और मकान—104, डा० रंगाचारी रोड़, मद्रास-8  
मैलापुर लेख सं० 799/85।

श्रीमती एम० मामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

अध्याय 1. अध्याय 1. अध्याय 1.

(1) रामा वेंकट सुब्रह्मण्यम्।

(अन्तरक)

(2) एम० गविन्द्रम्।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० 151/जून 1985-अनः मुझे श्रीमती

एम० मामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवदास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तका उचित बाजार मूल्य ₹ 30,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिवजी सं० ग्रेड 3357.45 एम० एफ० टी० टी० एम० सं० 12/2 श्री नगर कालोनी है, जो गिण्डी वेंकट पुरम् गांव में स्थित है (श्रीर डीएन उगावट्ट अन्तर्गामी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1439/85 में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुप्राण

भूमि 111 हिस्सा वेंकटपुरम् गांव श्री नगर कालोनी गिण्डी टी० एम० सं० 12/2 हिस्सा और 2/2 3.35.7. 45 मैलापुर लेख सं० 1489/85

एम० मामुवेल  
श्रीमती एम० मामुवेल  
अक्षम प्राधिकारी  
राज्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986  
मोहर:



प्रकृत बाबू टी. एन. एस. -----

(1) एम० राजशेकरन् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) ए० बी० एस० मणि और श्रीमती राजेश्वरी  
सुब्रह्मनियम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 170/जून 1985—अतः मुझे श्रीमती  
एम० सामुवेल(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।और जिसकी सं० 127 (द्विष्मा) निरुवाक्षियूर है तथा जो  
मद्रास-41 में स्थित है और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मद्रास दक्षिण लेख सं० 1794/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जून 1985स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वगैरह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

यनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में करने या उसमें गणने में सूचिभा  
के लिए; और/यासूचि और मकान 127 (द्विष्मा) निरुवाक्षियूर  
मद्रास-41 मद्रास दक्षिण लेख सं० 1794/85(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए।श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-2-1986

34—516 GI/85

मोहर

इसका बाई. टी. एच. एच. ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1985

निर्देश सं० 171/नून 1985—प्रति: श्रीमती एम०  
सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 92, थार० के० मठ रोड है जो मेलापुर  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय  
मद्रास दक्षिण लेख सं० 1806/85 में भारतीय रजिस्ट्रार  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में  
सांस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) के० विजया, पावर एजेंट एम० मुकुंदमणियम्।  
(अन्तरक)

(2) बिन्दा राजगोपाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के  
साथ निहित में किया जा सकेगा।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सूचि-92, थार० के० मठ रोड, मद्रास, मद्रास दक्षिण  
लेख सं० 1806/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-II, मद्रास-8

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :



प्राकृतिक बाई.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 178/जून/1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39, वी० एन० दास रोड, पूम्बाक्कम्  
है जो मद्रास 2 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध  
अनुसूची में अर्जित पूर्ण रूप से धारित है), रजिस्ट्रार/अधिकारी  
में कार्यालय ट्रिप्लिकेन लेख सं० 461/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जगदाम्बाल शारदाम्बाल और वरदाम्बाल।

(अन्तरक)

(2) ए० पी० कार्लि मुक्त और अन्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू कराए गए हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्बन्ध  
जो भी के पास

निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

भूमि और रोड मकान—39, वी० एन० दास रोड, पूम्बाक्कम्  
मद्रास-2 ट्रिप्लिकेन लेख सं० 461/85।

एम० सामुवेला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

दिनांक 10-2-1986

मोहर

## एक नमूना अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 198/जून 1985—प्रति: मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन अधिम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 145 कोडम्बाक्कम् है रोड, आर० एस० सं० 189/6 है, जो तूम्बाक्कम् में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुचों में आर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय थोसन्डलेट्स लेख सं० 256/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी नुक़ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नुक़ या किसी नुक़ या अन्य नुक़ों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) संघ मोहिदीन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मालविका होटलस् प्राइवेट लिमिटेड।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्याकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और मकान 145, कोडम्बाक्कम् है रोड, मद्रास  
34 थोसन्डलेट्स लेख सं० 256/85

श्रीमती एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986  
मोहर:

प्रकाश बाई. टी. एम. एम. ....

1. श्री के० बी० राजगोपाल रेड्डी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एस० कमला

(अन्तरिती)

साहायक आयकर अधिकारी

अधीनस्थ, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 201/जून, 85--अतः, मुझे, एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को कि धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट (पहली फ्लोर) पार्सन कम्पलेक्स 121,  
है, तथा जो मौण्ट रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपाजिद  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, ऑफिस नैट्स लेख सं० 267/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
फल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तव-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने को अंतरक को  
दृष्टि में कभी करने या उसकी वजह में सविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाश-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा  
किया जाना चाहिए या विधान में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया

अनुसूची

फ्लैट (पहली फ्लोर) पार्सन कम्पलेक्स 121, मौण्ट रोड,  
मद्रास-6 में ऑफिस नैट्स लेख सं० 267/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एच.-----

(1) मालतो वार्थ सार्थी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मुलोचना वेंकट रामन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 174 जून 1985

अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मीन सं० प्लॉट सं० 279 टी० एस० सं० 73

14 पूरब स्ट्रीट कामराज नगर है जो तिरुवन्नियूर गांव मद्रास-41 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 1855/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 1f) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी जाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्ति से कभी करने या उक्त दण्ड में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हमें से सूचना के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान प्लॉट सं० 279 टी० एस० सं० 73, गांव तिरुवन्नियूर (कामराज नगर) 14 पूरब स्ट्रीट मद्रास 41 मद्रास दक्षिण लेख सं० 1855/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 11-2-1986

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एच.-----

(1) ए० देविकुडाक्षम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अध्ययमाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

निर्देश सं० 179/जून 1985-अतः मुझे श्रीमती  
एम० सामुवेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिनकी सं० 148 ओगियम् तोरैधाक्कम् गाँव है जो  
श्रीदापेट्टे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अड्यार लेख सं० 1608/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जून 1985

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्ध  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कभी करने या उससे बचने के विधि  
के लिए, शीर/या

भूमि सं० 148 ओगियम् तोरैधाक्कम् गाँव श्रीदापेट्टे  
तालूक ए० सं० 158/1वीं येगलपठ डिस्ट्रिक्ट अड्यार  
लेख सं० 1608/85

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में भविष्य  
के लिए

श्रीमती एम० सामुवेल  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ :-

दिनांक :- 11-2-1986  
मोहर :

इसका बाई. टी. एन. एच.

(1) श्रीमती लक्ष्मी।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स इन्सट्रुमेण्ट्स एंड कंट्रोल की पाटनस  
ट्री गेमस्वामि और 4 अन्यो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 184/जून 1985—अतः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 141, नेहरू नगर कोट्टिवाक्कम् गाँव में दपेट  
है जो येगलपट्ट एस० सं० 318/1 हिस्सा में स्थित है।  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडयार लेख सं०  
374/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,  
1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण निहित के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उचित करने में बाधना

अनुसूची

(ग) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रकट किये गए पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि प्लॉट सं० 285, 286, 331, 332 नेहरू  
नेहरू नगर 141 कोट्टिवाक्कम् गाँव 317/1 (हिस्सा) अडयार  
लेख सं० 374/85

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

दिनांक: 11-2-1986

मोहर:

रूप बाई. टी. एन. एव.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 197/जून, 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4 बी, जयम्मा रोड, मद्रास-18 में स्थित है  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं०  
622/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
रहित, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—516 GI/85

1. गिरिजा मोहन नायडु और 3 अन्य

(अन्तरक)

2. श्री ए० सायार भाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—4बी, जयम्मा रोड, मद्रास, सेन्ट्रल 18  
मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 622/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-2-86

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मेसर्स रोसा अपाटेमेंट्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. इण्डियन ह्यूम पाइप कम्पनी लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 189/जून, 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1700/42000 प्र भिन्न हिस्सा, 9 गोण्डरुस और  
1030 फीट आर० ए० सं० 1250 और 81/5, सं० 27  
गोपालपुरम (स्ट्रीट) गली I मद्रास-86 में स्थित है (और इससे  
उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 557/85 में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट-- 27, गोपालपुरम् पहली गली, मद्रास-86, मद्रास  
सेन्ट्रल/लेख सं० 557/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 11-2-86

मोहता :



इसका कोई, टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. पी० वी० भास्करन

(अन्तरक)

2. डा० एस० राजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाबूकत (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन् रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी-86

निदेश सं० 202/जून, 85---अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम० सं० 637/50, आर०एस० सं० 637/  
60 ब्लॉक सं० 36, पट्टा सं० 848 है, जो 95, वैकुण्ठ पुरम,  
पहली गली मद्रास-34 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
यौननडट्टलेख सं० 262/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व में कमी करने या उसमें वर्जन में प्रविष्टि  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—95, वैकुण्ठपुरम पहली गली नुगबाकम  
मद्रास-34 यौनडट्टलेख । लेख सं० 262/85।

एम० सामुवेल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन् रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 11-2-86

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन्. ए. -----

1. श्री जे० सुभानन्दम और अन्य

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी-86

निर्देश सं० 209/जून, 85-अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
अंतरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० नर्वे वार्ड सी-ब्लाक 35 डी, एम० 19 है, जो  
थोकनाथ गली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
ईरोड लेख सं० 3059/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

दतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. मेसर्स यार्ण मरचेंट्स एसोसिएशन  
की प्रेसीडेंट—भार० के० भार० सुभानियम  
चेट्टियार

(अन्तरिती)

या यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बालीव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आबकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 3059/85 की शेड्यूल में दी हुई सम्पत्ति—ईरोड;  
लेख सं० 3059/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-2-86

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ३२२२

(1) श्री पी० एस० रंगावतथन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद जमालुद्दीन ।

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 220/जून 85—अतः सुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्रम सं० 247 अलदीनाडु में स्थित है  
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अरन्डामपुलिकाडु  
लेख सं० 267/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि द्वापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिस्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित :-

उक्त व्यक्तियों के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पक्ष  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 247, अनाडी हाडु जैसाकि लेख सं० 267/85  
में दी हुई सम्पत्ति अरन्डामपुलिकाडु

श्रीमती . .

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रश्न बाई.टी.एम.ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० 223/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस  
में धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकाधिकार देने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिला सं० श्रीलंगारठ कम्पून पंचायत सराम मधुरा  
कामराज नगर है, जो पांडिचेरी में स्थित है (और इससे  
उनावद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
जर्नी अधिनियम के तहत, आसु नरै लेख सं० 1345/85  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, इसमें  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के दुरुपयोग के द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वास्तव में वास्तविक रूप से कथित में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० किरन्धरमूर्ति

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एन० मणि और अन्यो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि—मजूरा कामराज नगर, सटाम श्रीलंगारठ कम्पून,  
पांडिचेरी आसु नरै लेख सं० 1354/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रारूप नार्थ-डी.एन.एल. -----

(1) श्री एम० विरूपाक्ष रेड्डी

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) इसामिक मेन्टर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० 5/जून 85—अन: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की हमील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

श्रीर जिसकी सं० 111 बी ग्रीम्प रोड मद्रास 6, आर०  
एम० सं० 43/4 (हिस्सा) है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर  
इसके उरावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, योसुडलैठसु लेख सं०  
293/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन जून 85

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए गए गतियों।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साक्ष्य में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

प्लेट (3 फोर्) 111 बी ग्रीम्प रोड, मद्रास-6,  
योसुडलैठसु-लेख सं० 293/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसारण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

तारीख : 11-2-1986  
साहू :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० 119/जून 85—अन: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34, वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट टी० नगर  
है, जो मद्रास 17 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-तरी अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 644/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जून 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय र.य.कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
क, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तानु 4—

- (1) श्रीमती आर० आर० गोविन्दम्माणि  
(अन्तरक)
- (2) श्री सी० ए० बालु और एन० रवीन्द्रन्  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-34, वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-  
17, टी० नगर लेख सं० 644/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986  
सोहर.

प्रकट नाम: डी. एन. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज, 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 121/जून, 1985—अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 92 जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास  
17 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
टी० नगर लेख सं० 711/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी नाम की वास्तव., उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
राशिगत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

36—516 GI/85

1. मेसर्स ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्शनम् एण्ड इण्डस्ट्रीज पार्टनर्स  
श्री ए० एम० सैयद अब्दुल कादर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स मामन्पी फामिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछिताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदी

भूमि—1665/37380 पवित्र हिस्सा—92, जी एन०  
चेट्टी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 711/  
85।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज 2, मद्रास

दिनांक 11-2-1986

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रा, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 130/जून 85—अनः मुखे श्रीमती एम०

सामुबेल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 92 है, तथा जो जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरताधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 704/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

1. मेसर्स ईस्ट कोस्ट फ़ैब्रिकेशन्स एण्ड इन्डस्ट्रीज पार्टनर्स व० एम० सैयद अब्दुल्ला सादर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स हाजिमा ट्रस्ट और अन्य।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—92, जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 704/85।

श्रीमती एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986  
मोहर :



प्रारूप आर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 131/जून 85—अतः सुझे श्रीमती एम०  
समुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 92 जी० एन० चेन्नी स्ट्रीट, टी० नगर  
मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
टी० नगर लेख सं० 703/85 में, भारतीय रजिस्ट्रार अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्डस्ट्रीस पार्टनर  
श्री ए० एम० सेयद अब्दुल कादर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स युसुफ मुलैखा ट्रस्ट की ट्रस्टी एम० के० एम०  
जुनैद वासीन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 92, जी० एन० चेन्नी रोड, टी० नगर मद्रास-17  
टी० नगर लेख सं० 703/85।

श्रीमती एम० समुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा. डी. एन. एच. -----

1. श्री ए० सुन्दरम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 141/जून 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट ग्राउंड प्लोर 97 है तथा जो डा०  
रंगाचारी रोड मैलापुर मद्रास-8 में स्थित है (और इसे  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मैलापुर, लेख सं० 703/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से अभिवृद्धि किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

2. श्री एस० दरमन और श्रीमती विजयलक्ष्मी पशुपति।  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 97, डा० रंगाचारी रोड, मैलापुर मद्रास-4  
मैलापुर लेख सं० 703/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

**प्रत्यक्ष प्रदर्शन की सूचना**

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**कार्वांसब, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 142/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1, है, तथा जो भीमण्णा गार्डन है जो आर० एम० सं० 3638/7 मद्रास 18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर लेख सं० 695/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वस्तु की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तविक की कारिब में कमी करने या उक्त वस्तु में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वास्तु या किसी धन या अन्य वास्तवियों के जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बी० शारला देवी और दूसरे।

(अन्तरक)

2. श्री भवीर अहमद और श्रीमती मसीना बानूक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संक्षेपितकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिये गए हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान 3/1 भीमण्णा गार्डन, मद्रास 18, मैलापूर, लेख सं० 695/85।

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 169/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7, डोर सं० 22, टी० एस० सं० 14 और  
15 ब्लाक सं० 16 कस्टम्स कालोनी हास्पिटल रोड सहदापेट  
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण  
लेख सं० 1778/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्विगुण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित सूचना देता हूँ :—

1. श्री टी० राजमन्नार।

(अन्तरक)

2. श्री पी० डेविड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्धुधर्म

भूमि—प्लॉट सं० 7 डोर सं० 22 टी० एस० सं० 14  
और 15, ब्लाक सं० 16 हास्पिटल रोड, कस्टम्स कालोनी,  
सहदापेट मद्रास दक्षिण लेख सं० 1778/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रकाश बाबू, डी. एम. ए. —

1. मैसर्स ब्लू लगूना मोटर्स और प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

2. श्री ए० रमेश।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

अनुसूची, सहायक आयकर अधिनियम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 152/जून 1985—अतः सुझे, श्रीमती एम-सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती 1.52 सेन्ट्स एस० एफ० सं० 1/1 एफ है जो शोलिंगनल्लूर, गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय अडयार लेख सं० 1466/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष प्रतियोगिता से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीयतम उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) — उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वांछित था, स्थानों में सूविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि खेती— 1.52 सेन्ट्स एस० सं० 1/1 एफ० शोलिंगनल्लूर गांव अडयार लेख सं० 1466/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

यह सूचना, आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जारी की गई है। आयकर अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीयतम अधिनियमों, अधिनियमों

तारीख: 11-2-1986

मोहर:

प्रथम अक्षर 'डी. एम्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 150/जून 85—अतः मन्त्रे, श्रीमती एम०

सामुदेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साउथ बीच रोड, सन्थोम मद्रास 4 प्लॉट नं० 73  
मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-  
मैलापुर, लेख सं० 759/85 में भाततीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
इसके यह विश्वास करने का कारण है  
कि गथापरोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अतिरिक्त  
रकम एकत्र किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात का किसी धन या अन्य वास्तविक  
वस्तु, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अध्यादेशों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या जो किसी अन्य कानून या विधायक के  
अधीन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० वरदराजन।

(अन्तरक)

2. श्री असरक अली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्धन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना कहा  
है।

अनुसूची

भूमि—साउथ बीच रोड, सन्थोम, मद्रास-4 और० एस०  
सं० 4303 हिस्सा प्लॉट सं० 73 मैलापुर लेख सं० 759/85।

श्रीमती एम० सामुदेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 172/जून 85—आ: मुझे श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीम. जि.सं. सं० 204, है जो पश्चिम सी० ए० टी० नगर मद्रास  
35 में स्थित है (श्रीम. इन्ते उपायक अनुसूची में श्रीम. पूर्ण  
का में वर्णित है), एजिस्ट्री/प्रा. अधिकारी के कार्यालय मद्रास  
दक्षिण लेख सं० 1850/85 में भारतीय एजिस्ट्री/नगर अधि  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जारी की गई  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन अन्य कर्तव्यों के अंतरक में  
राशियाँ में कमी करने या उसमें बचने से सम्बन्ध  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का अन्तर्गत अधिनियम, या  
अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत  
प्रकारानुसार अंतरित होना प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सम्बन्ध  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अ. म. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37—516 GI/85

1. श्री आर० एम० वेंकटराव।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० निगामुदीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
सम्पत्ति करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिभूताधारी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

स्मि और मकान —प्लॉट सं० 204, पश्चिम सी० ए०  
टी० नगर मद्रास-35 मद्रास दक्षिण लेख सं० 1850/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, मद्रास

तारीख : 11-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० गोपालन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शोभा शेकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 173/जून 85—आ: मुं० श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० उन्नाविगाया कालोनी सालिग्रामम् है तथा जो सालिग्रामम् में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 1852/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और मकान उन्नाविगाया कालोनी, सालिग्रामम् मद्रास दक्षिण लेख सं० 1852/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

नोट: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 11-2-1986

मोहर :



प्रमुख बाह्य: टी. एन. एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 6/जून 85—अन: मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पैमाय सं० 762 सर्वे सं० 522/8 और  
एस० सं० 681 है, जो तुगम्बाकम् में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय थोसन्डलाइट्स लेख सं० 294/85 में, भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अन्यतम प्रतिफल का  
गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त वर्ष में दृष्टि  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, विधान में  
दृष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

1. श्री पी० ए० श्रीनिवासन्।

(अन्तरक)

2. डा० टी० मुनुस्वामी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि मात्र ही समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

भूमि और मकान एस० सं० 522/8, तुगम्बाकम्,  
मद्रास-34 थोसन्डलाइट्स लेख सं० 294/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986  
मोहर:

प्रकाश आई. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1986

निर्देश सं० 23/जन, 85—अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25, (नई सं० 32) है सुन्दरम् पिल्लै लेन की उत्तर में है जो पुरवावाकम् मद्रास 7 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरवावाकम् लेख सं० 4025/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जून, 1985)

यह धर्मागत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धर्मापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक के दावेदारों को कर देना या उससे बचने में सहायता के निम्नलिखित

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के निम्नलिखित

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती एस० लक्ष्मी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० ए० कांचन माला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा हो उभाप्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और माल—25, नयी सं० 33 सुन्दरम् पिल्लै लेन की उत्तर भाग में, पुरवावाकम्, मद्रास-7 लेख सं० 1025/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986  
मोहर:

प्रकृषु बाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 24/जून 85—अनः मुझे श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 1062/85 की शेड्यूल में दी गई  
सम्पत्ति है, जो मद्रास में

स्थित है (और इतने उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय पुरुषवाकम्  
लेख सं० 1062/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के बीच तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी नाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती डी० राजलक्ष्मी।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० शिवगुरुस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गद्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रतिसूची

लेख सं० 1062/85 की शेड्यूल में दी गई सम्पत्ति  
पुरुषवाकम् लेख सं० 1062/85।

(श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986  
मोहर :

प्रकाश नार्. टी. एन. एल.-----

1. श्री एस० वेम्बु।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मीनाक्षी त्रिथिवारन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
आयबार्हिदा करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी माहोप :-

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 29/जून 85—अनः मुझे एम० सामुवेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बराबरी समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 10 है, जो विरुगम्बाकम् गांव प्लॉट न०  
963 आर० एन. सं० 243/3 के० के० नगर में स्थित है (और  
इसमें उदावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय विरुगम्बाकम् लेख सं० 1528/  
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
प्राग निश्चित में किया जा सकेगा।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
तन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

प्रमुखी

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि--101, विरुगम्बाकम् गांव प्लॉट न० 963  
के० के० नगर विरुगम्बाकम् लेख सं० 1528/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस.-----

राज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाबल आचर आचर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 31/जून 85—अन: मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल

आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 900 वर्ग फुट है, जो अशोकनगर,  
मद्रास-83 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कोडम्बाक्कम लेख सं० 1642/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से है किसी आय की मात्रा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित  
में कमी करने या उससे अपने में विभाजित के लिए  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आचर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वादा प्रकट नहीं किया गया,  
या या किया जाना चाहिए या, लिखित में विवरण  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० आचरराज और श्री के० अच्युत रामराज।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती के० राजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्यूषी

प्लॉट 900 वर्ग फुट। (मल्लो) अच्युत, अशोकनगर  
मद्रास-83, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1642/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

राज्य आचर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

मोहर:

प्रकट आई.टी.एन.एस. ....

1. श्रीमती योगाम्बाल।

(अन्तरक)

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० ए० पेरियसामी।

(अन्तरिती)

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, द्वारा

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० 35/जू० 85—आ: मुझे निम्नी एम० रामुवेल,  
बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्हकी सं० प्लॉट 1175 वर्ग फुट का सं० 7  
टी० एन० सं० 54 है, जो पुनियूर में स्थित है (श्रीर इसमें  
उदाहरण अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाकम् लेख सं० 812/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जारी किया जा रहा है, 1985

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
नियमित रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

अनुसूची

प्लॉट —प्लॉट सं० 7, पुनियूर, कोडम्बाकम् लेख सं०  
1812/85।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

श्रीमती एम० रामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 12-2-1986

मोहर:

इसका बाई टी.एस.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) की अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एस० सामुबेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसको वक्ता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि—टी० एस० सं० 107 ब्लाक सं० 85  
है, जो कोयम्बेडुमें स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कोडम्बाकम् लेख सं० 1825/85 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वक्ता पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

38—516 GI/85

1. श्री पी० एस० विन्सन्ट।

(अन्तरक)

2. मेमर्स लंका लिंक यूनिट।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यूनन  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी मर्याद  
बल में ब्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकते हैं।

सम्बन्धीकरण:—इसने प्रमुख सबों और सबों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ण होगा जो इस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 107, ब्लाक सं० 85 कोडम्बाकम्  
लेख सं० 2825/85।

श्री मती एस० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

उक्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 41/जून 1985—आय: सुमे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचारण करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर त्रिगुणी सं० 111/111 प्लॉट सं० सी० 727, टी० एन०  
सं० 29 ब्लाक सं० 75 है, जो कोडम्बाक्कम् में स्थित है (श्रीर  
इसमें उल्लेख अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् लेख सं०  
1842/85 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और भले यह विचारण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नवा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यलय में कमी करने या उसने करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती एम० सुलोचना।

(अन्तरक)

2 श्री सोनै पीलुरंग मुदलियार।

(अन्तरिणी)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या अन्तर्गत अवधि में 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निवेशक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णः—इसमें प्रमुख सूचना की गई है, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही जर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान टी० एन० सं० 29, ब्लाक सं० 75,  
प्लॉट सं० 727, सं० 111, कोडम्बाक्कम्। लेख सं० 1842/  
85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986

मोहर :



## प्रथम भाग—टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 42/जून 85--अ. मुझे श्रीमती एम० सामुबेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है जो 48वां स्ट्रीट--अशोक नगर  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय  
कोडम्बाकम् लेख सं० 1858/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री एम० चिन्नस्वामी और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमुधा कंदस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--6, 48वां स्ट्रीट, अशोक नगर मद्रास।  
कोडम्बाकम् लेख सं० 1858/85।

श्रीमती एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती कोडाली विवेकवती।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती डी० भानुमति।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 101/जून 85—अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीरंजिकी सं० भूमि टी० एस० सं० 4693/1 टी है, जो  
टी० नगर-21 पार्थसारथिपुरम उत्तर उस्मान राड़ मद्रास-17  
में स्थित है (श्रीरंजिकी सं० उपायद्व अनुसूची में श्रीरंजिकी रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर  
लेख सं० 582/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से होतमवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अर्थ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;भूमि—सं० 21 पार्थसारथिपुरम, उत्तर उस्मान राड़,  
टी० नगर मद्रास-17—टी० नगर लेख सं० 582/85।श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 12-2-1986  
मोहर :

प्रमुख भाग, टी. एन. ए.

1. श्री एम० के० गोपाल कृष्णन्।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० उदयराज जैन और गुलाबचंद जैन और  
श्रीमती वसन्ता देवी।

(अन्तरिती)

महत्त्वपूर्ण सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 113/जून 85—अनः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43, है, जो बरकीट रोड टी० नगर, मद्रास  
17 में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी०  
नगर लेख सं० 692/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अन्तरित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के  
पात्र लिखित में दिये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 47) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

यह धारा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बीच :—

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

इसका धारा 2, टी. एम. एम. ए. 1985 का अंश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 116/जून 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1000 स्कवेयर फीट है, जो  
माम्बलम् में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमति में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
टी० नगर लेख सं० 666/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून  
1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० कृष्णन् ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० जयम् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

प्लॉट 1000 वर्ग फुट माम्बलम् टी० नगर लेख सं०  
666/85।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 126/जून 85—अन: सुखे, श्रीमती एम० सामुवेल्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 22 है जो निरुव्वेगडम् स्ट्रीट ( फ्लोर) फ्लैट है जो पश्चिम माम्बलम् में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 746/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जोड़ा/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० रामजय सास्त्रिगल।

(अन्तरक)

2. श्री एम० शिवकुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और रवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**जम्मा**

फ्लैट — 1 फ्लोर, निरुव्वेगडम् स्ट्रीट पश्चिम मद्रास-33 टी० नगर लेख सं० 746/85 माम्बलम्।

श्रीमती एम० सामुवेल्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986

महूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती एम० पर्वत वर्धनी, एम० विद्या और एम० प्रिया ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जी० सराजा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 155/जून 85—अन: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके द्वारा पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 88बी, पञ्चनाभा नगर IV स्ट्रीट एम० सं० 57/1 (हिस्सा) टी० एम० सं० 13/125 (हिस्सा) है, जो अरूर गांव में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अड्यार लेख सं० 1583/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई थी और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की हानि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से किन्हीं और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और महान 88बी, पञ्चनाभा नगर IV स्ट्रीट, एम० सं० 57/1 (हिस्सा) टी० एम० सं० 13/125 (हिस्सा) अरूर गांव अड्यार/लेख सं० 1583/85।

श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1986

मोहर :

प्रकाशक: श्री. एम. एल. एन.

- (1) श्री सी० एन० लक्ष्मी नारायण और दूसरे।  
(अन्तरक)
- (2) श्री आर० अण्ण मूर्ति।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 157/जून 1985—अनं मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 लार्ड गोविंददास रोड, नगर रोड,  
है जो ट्रिप्लिकन् में स्थित है (और इसने उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री अथवा अधिकारी  
के कार्यालय ट्रिप्लिकन् लेख सं० 440/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथामूल्य सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय राया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
में वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है—

(क) अधिनियम के द्वारा किसी काम की वसुली, उक्त  
अधिनियम के अधीन का देने के अन्तरक के कार्यालय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी काम या किसी धन या मूल्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरितीयों का प्रयोग नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39—516 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

संपूर्ण

भूमि और मकान न्यू सं० 14 लार्ड गोविंद दास नगर  
रोड, मॉण्ड रोड, आर० एम० सं० 2375/11, ट्रिप्लिकन् ट्रिप्लिकन्  
लेख सं० 440/85

श्रीमती एम० सामुवेल  
सहायक आयकर अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 12-2-1986

मोहर :





**इसका प्राप्ति, बी. एन. एन.****वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना****भारत सरकार****कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० 1/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'सूचना' इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० काटपाडि रोड, धर्मराजा कोर्टल रोड है जो तीर्थपालयम वेलूर उत्तर वेलूर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी जिसके कार्यालय वेलूर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में खयमान निफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें वे सुविधा के लिए

(1) आर० नरदराजन और।

(अन्तरक)

(2) बी० एन० वृष्णन ग्यौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**उक्त प्राप्ति के बचन के संबंध में कोई भी बायें :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बाय या हस्तबंदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की बाय, जो की बाय बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बायों और बायों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और संपत्ति सं० 233/2, काटपाडि रोड, (ए) धर्मराजा कोचिल स्ट्रीट, वेलूर उत्तर वेलूर (दस० सं० 2556/85)

श्री मती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2, मद्रास

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 3-2-1986  
मोहर:

प्रथम भाग, टी.एन.एस. 1986

(1) भारतीय डीएनन डीएनमें पाल।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) एस० रवीन्द्रन्।

(अन्तरिती)

## आवृत्ति सूचना

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 3/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 222, है जो सतुवावारी गांव  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
वेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया कि-  
कई दिग्भ्रमिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त  
अधिकारी के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक से कायम करने या कटौत करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविकों  
को, किन्तु भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्तु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, नहीं बर्न होना जो उक्त बन्धन से दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान प्लॉट सं० 222, सतुवावारी गांव  
वेलूर (दस० सं० 2542/85)

श्री मती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक: 10-2-1986  
मोहर।

प्राख्य आर्.टी.एन.एस.

(1) श्रीमती एस० सरयतम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्री पी० जयरामन् ।

(अन्तरिती)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

प्रत्यक्ष सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 9/जून 1985-अतः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधिनियम के अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। जो धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विवरण कहने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिस्त बाकायद मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 247/1ए, मेन्वेरी गांव में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजीस्त्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मेन्वेरी (दस सं० 703/85) में भारतीय राजीस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिस्त बाकायद मूल्य से कम के व्यवधान अधिनियम के लिए अधिस्त की गई है यदि मुझे यह निम्नांकित कारणों का कारण है कि सहायक अधिकारी को उचित ध्यान देना होगा, उसके व्यवधान अधिनियम से, ऐसे व्यवधान अधिनियम का उचित अधिस्त है और अन्यथा (अवस्था) अधिस्त अधिकारी (अन्तर्गत) के बीच ऐसे व्यवधान के लिए तब तक बाकायद अधिस्त निम्नांकित व्यवधान से उक्त व्यवधान अधिनियम में भारत-भित्त रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) व्यवधान से हुई किसी बाकायद बाकायद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के व्यवधान के कार्यालय से कभी कभी या कभी कभी से अधिस्त के लिए अधिस्त/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाकायद या किसी धन या अन्य -वास्तवों के, अधिस्त भारतीय बाकायद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अधिस्त अधिस्त प्रकट नहीं किया गया या या किया गया अधिस्त या अधिस्त से अधिस्त के लिए

उक्त अधिनियम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नांकित अधिस्त अधिस्त :-

को यह सूचना अधिस्त करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिस्त के लिए कार्यालयों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधिस्त के व्यवधान में कोई भी बाकायद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिस्त या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अधिस्त, जो भी अधिस्त बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अधिस्त-कृत किसी व्यक्ति द्वारा, अधिस्त अधिकारी के अधिस्त अधिस्त में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और मकान (वर्क शॉप) आर० एस० सं० 247/1ए, मेन्वेरी गांव मेन्वेरी तालूक, मेन्वेरी जिला (दस० सं० 703/85)

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

**प्राप्त बाधक अधिनियम, 1961**

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक बाधक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 13/जून/1985—अतः मुझे श्रीमती  
एम० सामुवेल

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 12/3, 12/1 मलैयास-  
पालैयास गांव है जो टासिपुरम् तालुक सेलम में स्थित है (और इसमें  
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय टासिपुरम् दस० सं० 1199/85  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधक में कमी करने या उद्धृत करने में सुविधा  
की प्रदान की जाये

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को किन्हीं भारतीय बाधक अधिनियम, 1922  
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
की प्रदान की जाये

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के वर्णित है—

(1) कन्दसामी गोन्डर और।

(अन्तरक)

(2) वी० श्रीनिवास गोपालन्।

(अन्तरिणी)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करता हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सर्वे सं० 12/3, और 12/1 मलैयास-  
पालैयास गांव टासिपुरम् तालुक (दस० सं० 1199/85)

एम० सामुवेल  
श्रीमती एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986

गोन्डर 3

प्रमुख आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

विदेश सं० 15/जू/1985—अनः मुखे श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 2913/C सं० 48 कैलास  
ममलैयम् है जो त्रिड्वेगोडु तालूका नेलम जिला में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय त्रिड्वेगोडु  
दस० सं० 1792/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कालियम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री गायत्री वाफिंग और चैकिल्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी की बात  
लिखित में कि ये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि और मकान टी० एम० सं० 29/2C-48 कैलासम  
पालैयम् त्रिड्वेगोडु तालूका (दस० सं० 1792/85)

एम० सामुवेल

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986

मोहर:

प्रकृष्ट आदेश टी.एस.एस. -----  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**  
**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 16/जून/1985---अतः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 163/4 कडमापुरम् गांव है जो तिट्टुचेगौडु सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय तिट्टुचेगौडु दम० सं० 1761/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) के० पी० सेगोहिन्दम।

(अन्तरक)

(2) श्री के० गोविन्दसामि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को बिना कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**समाप्त**

मुमि और मकान सर्वे सं० 163/43 कडमापुरम् गांव  
 तिट्टुचेगौडु सेलम (दम० सं० 1761/85)

एम० सामुवेल

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, म

दिनांक: 10-2-1986

मोहर

प्रकरण बाह्य. टी. एन. एस.-----

1. मेनलाम्मा

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

2. श्री. वेणुगोपाल कट्टी

(अन्तरिक)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 22/जून/85--प्रति: मुझे, श्रीमती ए. न.  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने  
का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य  
1,00,000/- रू. से अधिक है

श्री. निम्मी सं० सर्वे सं० 156, मियू सं० 71, नांगलूर  
गांव है, जो एकट्ट, पेन्डम में स्थित है (श्री. इससे उपाय  
अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, एकट्ट (दम० सं० 133, 85) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकद्वि प्रतिफल में आता है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से तब अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नीलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

40-516 CI/85

को यह सूचना जारी करने पश्चात् सम्पत्ति के अधिनियम के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति का हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 2-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

भूमि और मकान—सर्वे सं० 156, मियू सं० 71,  
नांगलूर गांव, एकट्ट, पेन्डम (दम० सं० 133, 85)।

ए. न. सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1986

सोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 24/जून/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विद्वान करने का  
कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और निम्नी सं० न्यू सर्वे डाई ई० ब्लाक 10, टी० एस०  
सं० 25, है, जो पञ्चवटी गाँव, सेक्टर में स्थित है (और  
इसमें आवद्ध अनुसूची में आने पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्री तारीखि परी से आयकर, जे० एस० आर० II  
सेक्टर (द्वारा सं० 672/85) में भारतीय रजिस्ट्री रण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
निम्नलिखित के निम्न अनुसूची की गई है और यह विद्वान करने  
करने का कारण है कि यथापर्यन्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ii) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवृत्त नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, स्थान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री आर० नागयणन और 2 अन्यें।

(अन्तरक)

2. श्री जी० ए० गुणशेकरा और 3 अन्यें

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में निम्नलिखित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या उक्त स्थान के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मान—न्यू सर्वे सं० ई० ब्लाक 10, टी०  
एस० सं० 25, पञ्चवटी गाँव, सेक्टर (द्वारा सं० 672/85  
और 673/85)

एम० सामुवेल  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 10-2-1986  
मोहर:



प्रमुख आर्.टी.एन.एस.-----

1. श्री के. वी. श्रीमणिगम और

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री डी. देवराज

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश नं० 23/बू/85—प्रति मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीर निजी सं० न्यू डोर सं० 42, 42-ए, न्यू टी० ए०  
सं० 88, है, जो वार्ड एच० नं० 53, टाडगपट्टी, सेलम में  
स्थित है (प्रोपर्टी उपायुक्त अनुमूर्ति में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है), एलिजाबेथ प्रियारी के अधिनियम, टाडगप्टी  
(दस० सं० 1847/85) में एलिजाबेथ अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,  
1985का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का  
एकद्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रणी (अन्तरिणियों) के बीच एम० अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
गणनात्मक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या(ख) एम० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अर्वाध या तत्समर्थी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन का अर्वाध, जो भी  
अर्वाध बाध में समाप्त होता है, 30 भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यापिकाधारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

कानून

भूमि और मकान-डोर सं० 42, 42-ए, न्यू टी०  
एस० सं० 88, वार्ड "एच०", नं० 53 (दस० सं०  
1847/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1986

८:

प्रकाश आदि, टी. एम. दूध, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 27/जून/85 -अतः शुभ, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 42, 42-ए, यू टी० एम०  
सं० 88, बार्ड "एच" है, जो बार्ड 53, पल्लपट्टी उत्तर,  
गुण, तेलुगु में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिभार के कार्यालय  
टाइगपट्टी (दस० सं० 1848/85) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरित (अन्तरित)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में आवश्यक रूप से अन्तरित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दाय्य के अन्तरण के  
शायद में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के  
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० बी० घर्मलिंगम और

(अन्तरक);

2. श्री पी० सीतारक्ष्मी

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पाश लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 42, 42-ए, यू टी०  
एम० सं० 88, बार्ड 53, बार्ड "एच", पुडुकोट्टी सं० 2-  
"ई" डिब्रीवन, 3R, बार्ड, टाइगपट्टी सेनम। (दस० सं०  
1848/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

1. श्री एम० गोपाल

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री एम० अर्तागाटी

(अन्तर्गति)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

विधि: सं० 28/जू/85—आ: मुने, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री: वि.टी. जे. सं० 60/2-बी०, अन्नानपट्टी है,  
जो मद्रास में स्थित है (आ: इति उत्तराधुनी में  
आ: पूर्ण का पं. दर्ज है), निम्नलिखित अधिकारी के  
कार्यालय, वाडनाट्टी (आ: सं० 1879/85) में, भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की रचना, या उक्त  
अधिनियम, के अधिनियम (1) के मा. की रचना  
है, वही अर्थ होगा, या इन शब्दों का अर्थ  
होगा है।

अनुसूची

कृषि भूमि; जे. सं० 60/2-बी०, अन्नानपट्टी गांव,  
सेलम (जे. सं० 1879/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

हृदय दाई. टी. एम. एच.

1. श्री के० डी० अ०० जनार्धण श्रीर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० सुब्रमण्य चट्टीयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

विदेः सं० 29/तू/85—अ० मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर तिरुकी सं० टी० ए० सं० 30/1, 2, सेलम है  
तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर तिरुकी ए० ए० उन्मुक्ती  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित धारिता  
के अधीन, डाइग्रेडी (इ० सं० 1975/85) में, भारतीय  
अन्तरिती अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 24 जून 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं है, गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० ए० सं० 20/1, 2, सेलम (इ० सं०  
1975/85)।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री पी० अर्जुनादि गोड्डर अर्ज

(अन्तरित)

2. श्री वी० एम० मुडगेल्ल

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 30/जू/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 146/3, जागीर अम्मापालैयम है  
तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सूरामंगलम (दस्ता सं० 1137/85) में, भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 7-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण  
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 146/3, जागीर अम्मापालैयम, सेलम  
(दस्ता सं० 1137/85)।

श्रीमती एम० सामुवेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 10-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. डाकघर श्री० सुवर्णसिन्हा श्री० धार प्रत्येक।

(अनारक)

2. श्रीमती श्री० विनायकसिन्हा।

(अनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1936

विदेश सं० 42/जू/85—आ: मुने, श्रीमती एस० सामुद्रिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत इससे सम्बन्धित उक्त अधिनियम के अन्तर्गत

269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकृत निरीक्षण को यह सूचना दी जा रही है कि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीमती एस० सामुद्रिक डी० सं० 33, वेन्कटेश्वर स्क्वायर स्ट्रीट, पेडुनायक पेठ है, जहाँ जहाँ टाऊन, मद्रास में स्थित है (श्रीमती एस० सामुद्रिक के अधीन पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तथा निरीक्षण के अधीन, उक्त मद्रास में सं० 192/85) में भारतीय निरीक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अन्तर्गत तारीख जून, 1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से ऐसे इच्छमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करने या उससे बचने के अन्तरण के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत धन, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति के अधीन:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आब।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अन्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्ताक्षर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के आदेश के अन्तर्गत किया जा सकेगा।

यदि उक्त अधिनियम और पदों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डी० सं० 33, वेन्कटेश्वर स्क्वायर स्ट्रीट, पेडुनायक पेठ, जहाँ टाऊन, मद्रास (सं० सं० 192/85)

एस० सामुद्रिक

सहायक आयकर अधिकृत निरीक्षण

सहायक आयकर अधिकृत निरीक्षण (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, मद्रास

तारीख: 7-2-1936

की:

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० 45 जून 85-अन: मुंबे, श्रोमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं० मुल्ला साहिब स्ट्रीट, मद्रास-  
79 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुमोचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मोकारपेट द० सं० 286/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

41-516 GI/85

1. श्री जे० सामरचन्द चोडिया और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री जी० के० तुलसी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 12, मुल्ला साहिब स्ट्रीट,  
मद्रास-79 (द० सं० 286/85)।

एम सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

मोहर:

**राज्य बाई-डी.एन.एच.**

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1987

निर्देश सं० 47/जून/85--अनः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 51, वदियन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकारपेट, द० सं० 305/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाधा तथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० दि मद्राग प्रोग्रसिव यूनियन।

(अन्तरक)

2. श्री ए० डी० आरमुगम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सन्दीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण-खोर सं० 51, वदियन स्ट्रीट, मद्रास (द० सं० 305/85)।

एम० सामुवेल  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

संकेत:



प्रकृष बाई, टी. एन. एल. एल. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० 48/जून/85—अतः मुज, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 30, वाल्टाक्स रोड, मद्रास-79  
है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाधि अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सीकारपेट द० सं० 314/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निर्मानिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी कर देने या उससे बचने के इच्छा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित है—

1. श्रीमती आर० जानकी।

(अन्तरक)

2. श्री एल० गोरिण्णकर और जी० कमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बचपे :—

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्मीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों कीट पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 30, वाल्टाक्स रोड,  
जार्ज टाउन, मद्रास-79 (द० सं० 314/85)।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 4-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 57/जून/85--अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 80 है, तथा जो गेन्गु रेड्डी,  
रोड, एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, द० सं० 652/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभी यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्रित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती सरोजिनी राजा ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० अब्दुल जबार ।

(अन्तरिक्ती)

3. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
चित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 80, गेन्गु रेड्डी रोड,  
एगमोर, मद्रास- ) (द० सं० 652/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकृष बाई. टी, एन. ए. ए.-----

1. श्री बी० लक्ष्मीपति और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० गणेशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1986

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बातें —

निर्देश सं० 60/जून/85—अन. मंज, श्रीमती एम०

मामुवेल,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किसे जा सकेंगे

श्री जयश्री सं० डोर सं० 18, नॉरोजी स्ट्रीट, मद्रास-31  
है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पेरियमेट द० सं० 680/85 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
नारीख जून, 1985

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूिमधा  
के लिए; और/वा

भूमि और निर्माण डोर सं० 18, नॉरोजी स्ट्रीट,  
मद्रास-31 (द० सं० 680/85)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूिमधा  
के लिए;

एम० मामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-2-1986

माहुर :

प्रत्येक बाईं ओर एक एक

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 66/जून/85—अन: मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

क्षयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० डी० सं० 4, उज्जैनी स्ट्रीट, अयनावरम  
है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अन्ना नगर, द० सं० 2171/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से ऐसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कभी करने या उचित करने में क्षति  
की किस्म;

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
को सिद्ध; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—

1. श्री एम० सी० कुण्डुस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री पी० मेलवित चन्द्रदास जाफरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जानकारी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही बर्त होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डी० सं० 4, उज्जैनी स्ट्रीट, अयनावरम  
मद्रास (द० सं० 2171/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्री ए० जन्मुग मंडलिया और

(अन्तरक)

2. श्रीमती चि० दावजियानी (उर्फ) चि० तगम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 69/जून/85—अतः मुझे, श्रीमती एस०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 19, वेल्लाला स्ट्रीट, अमि-  
न्जिकट्टे, मद्रास-29 में है तथा जो मद्रास में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस०  
सं० 2219/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथास्तः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 19, वेल्लाला स्ट्रीट,  
अमिन्जिकट्टे, मद्रास-29 (दस० सं० 2219/85)।

एस० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रत्यक्ष बाध, टी. एच. एच. - - - - -

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक बाधकर

कार्यालय, सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० 70/जून/85—अनः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
ग्राम जिसकी सं० आर० एम० सं० 121, कोयम्बटूर  
गांव है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्राम हमारे उपायुक्त  
अनुसूची में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अन्ना नगर, द० सं० 2290/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
गौर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता चाहिए या क्रिया में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री पी० वांडवेल

(अन्तरक)

2. श्री जी० बी० श्रीनिवासन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए,  
कथुन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकारी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अपूरणी

भूमि—आर० एम० सं० 121, कोयम्बटूर गांव (द०  
सं० 2290/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, मद्रास

तारीख: 6-2-1986  
मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 73/जू/85—आ: मुं०, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट न० 1020, दिल्लिवाकम, अन्ना  
नगर है जो आ. में स्थित है (अर्थात् आ. उदाहरण अन्तर्गामी  
में आ. पूरे का आ. अर्थात् है), आ. की अधिपति के  
कार्यालय, आ. आ. सं० 2334/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के  
अधीन, तारीख जू, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को न हो; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के ग्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री एफ० माता देवारा

(अन्तरक)

2. श्री बगवन्त तुमसीदास सागपाल और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या गतसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिख कर आने पर।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट न० 1020, आ. आ., अन्ना नगर, विक्रम-  
वाकम, मद्रास (सं० सं० 2334/85)।

एम० सामुवेल

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, मद्रास

नोट: 8. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

42—516 CI/85

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

प्रकृ. भार. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० 84/जू/85—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
असके पञ्चम 'संशोधन अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ (1) में अधीन सूचना देने का निश्चय करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 778, पामरली लाई रोड, मद्रास है तथा  
जो मद्रास में स्थित है (जो इससे उल्लेख अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के  
कार्यालय, पेरिफेरल रोड सं० 715/85 में भारतीय रेडिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून, 1985  
को निर्धारित तारीख से अधिकतम मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक में वह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) अंतरक से उक्त किसी आय की बाबत, उक्त  
को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथादि 2—

1. श्रीमती श्रीमती हीरावन्दा और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री रेंज हीरावन्दा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां बंगला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहायताधरणा के पार  
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रस्तुत शर्तों में पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के धारा 269-घ में परिभाषित  
है, उक्त उक्त सूचना में उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निम्नलिखित — गैर सं० 7-ए, 7वीं फ्लोर,  
सं० 778, पामरली लाई रोड, मद्रास (सं० 715/85)

एम० सामुवेल  
आयकर प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मद्रास

तारीख : 6-2-86  
मोहर :



(2475)

(संक्षिप्त-विवरण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

सबसे संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांजा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण—ऑर सं० ४, वेतायुडु आचार्य स्ट्रीट,  
कौमलेखदलपेट, मद्रास-२ (ऑर सं० ७४१/३५)।

एम० सामूखेल  
राक्षस प्राधिकाारी  
सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण)  
अर्जुन रोज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकाश काई. बी. एम. एस. -----

1. श्री एम० सी० जी० राममूर्ति और अन्य  
(अन्तर 5)
2. श्री सीनी मंहुस्मर।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 89/जून/85—अतः सुभे, श्रीमती एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
श्रीर निदेश सं० डोर सं० 4, वेनायुडु आचारी स्ट्रीट,  
कोमलेश्वरनपेट है, जो मद्रास-2 में स्थित है (अतः इसका  
उल्लेख अनुसूची में प्राप्ति पूर्ण का निरूपित है), निम्नलिखित  
अधिनियमों के अधीन, धारा 269-ब (1) सं० 742/85  
में भारतीय निम्नलिखित अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अभाव  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उचित अंतरण (अंतरण) का उचित अंतरण का  
वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अंतरण (अंतरण) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अधिनियम में प्रासंगिक  
रूप से प्रभाव नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत रूप से :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शिकायत :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी शक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
शक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

श्रीर श्रीर निर्माण—डोर सं० 4, वेनायुडु आचारी  
स्ट्रीट, कोमलेश्वरनपेट, मद्रास-2 (द० सं० 742/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तिथि: 7-2-1986  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. आ: पं० विमलकुमार और अन्य ।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. आ: एन० सुतु आचारी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मुम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

को यह सूचना जारी करके एनोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

निदेश सं० 90/जून/85--अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना का तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एनोक्स  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिनका सं० डोर सं० 58, अरुनाचल नायकन स्ट्रीट,  
है, तथा जो चिन्ताद्विपेट, मद्रास-2 में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुज्ञा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटियंस; ए० सं० 752/85  
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जून, 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तांतरण का वाक्य  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को एनोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवा प्रतिकूल से, ऐसे अथवा प्रतिकूल का  
पक्ष प्रतीति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एनोक्स अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आम्तिरक रूप में अधिगत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

भूमि और निर्माण डोर सं० 58, अरुनाचल नायकन  
स्ट्रीट, चिन्ताद्विपेट, मद्रास-2 (ए० सं० 752/85)।

(ख) किसी बाधा या किसी धन या अन्य धातुओं  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें के  
सुविधा के लिए;

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

तारीख: 7-2-1986

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. एच. - - -

1. श्रीमती एन० मोराबाई

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्रीमती बी० सरोजिनी और

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 92/जून/85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'निरक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब (1) अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक 5, वाई एल०, डि० सं० 16,  
17, 17-ए, और 17 बी है, जो कार स्ट्रीट, सेलम में  
स्थित है (और अपने उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिारों के अधिनियम, सेलम  
(द० सं० 1683/85) में, भारतीय रजिस्ट्रार अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में आत्मोचित रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अ  
शायद या अन्य कारणों से उक्त अन्तरण में  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान - ब्लाक 5 वाई "एल०" और सं०  
16, 17, 17-ए और 17-बी: कार स्ट्रीट सेलम--  
(द० सं० 1683/85)।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 10-2-1986  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती एम० रामदेवी

(प्रत्यक्ष)

2. श्री एम० नैणामलै श्रीराम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 93/जून/85---अतः मुझे, श्रीमती एम०

रामदेवी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसको सं० सर्वे सं० 918, सेलम है, जो मद्रास में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, सेलम  
(दफ० सं० 1584/85) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-85को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण हैकि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दिये पाये गये प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित वास्तियों, अर्थात् :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत रूप पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में जो  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भी ग्राह्यगत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अहित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिस्वाधिका के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का अर्थ उक्त  
अधिनियम, के अन्वये 20 के अन्वये मान्य  
है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--डोर सं० 183, फस्ट ग्राहाहारम,  
सेलम, (दफ० सं० 1584/85)।एम० रामदेवी  
रक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-2-1986

सोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री जी० गोपाल कृष्णन और ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० पी० नटराजो मुदलियार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

दिनांक सं० 9/जून/85—प्रति: सुभे, श्रीमती एम०  
रामोण,

आय 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
संशोधन किया गया है) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना के लिए विश्वास करने का  
आदेश दिया गया जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 100,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० टी० एन० सं० 194, 195, 196, कण-  
कट्टी, सेलम है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और  
इसे उपावृद्ध पत्रों में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार की अधिपति के कार्यालय, सेलम में (दस्ता सं०  
1553/85) में, भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 10) के अर्जित, तारीख 13-10-1985

आयकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वप्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—कणकट्टी स्ट्रीट, सेलम (दस्ता सं०  
1553/85)।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

एम० सामुवेद  
सहायक आयुक्त  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
इसमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

**बम्बई, टी. एम्. एल.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई-7075/85-86---अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० कार्यालय सं० 38, जो, 4थी मंजिल,  
ताडदेव एयर कन्डीशन्ड मार्केट, बम्बई-34 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब बाधा नया प्रति-  
फल दिखानेवाला उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी बाधा की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्फ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या जिसका बाधा बाधित या, जिसमें  
प्रतिफल में लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

43—516 GI/85

1. श्री अशोक कुमार अजमेरा और श्रीमती कांचनदेवी  
अजमेरा।

(अन्तरक)

2. नार्य बाम्बे जयसिन्हा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरिकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 38, जो, 4थी मंजिल, ताडदेव एयर-  
कन्डीशन्ड मार्केट, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6640  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
26-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17-2-1986

मोहर :

अध्याय 2, टी. एम्. एस्. अधिनियम, 1961

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7085/85-86—प्रतः मुझे,  
निहार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 64, जो, मातृ मंदिर, 18वीं  
मंजिल, मातृ मंदिर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०,  
प्लॉट नं० 278, सर्वे नं० 654, ताडदेव, बम्बई-7 में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख  
27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में दस्तावेजिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दान से बचकर के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अनुसरण  
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अश्विका चंदा लाल झवेरी और मुकेश चंपकलाल  
झवेरी।

(अन्तरक)

2. श्री भूपेन्द्र चंपकलाल झवेरी और धनंजय चंपकलाल  
झवेरी।

(अन्तरिस्ती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उक्त अवधि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उक्त सम्पत्ति के हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोइस्ताज़ादी के साथ  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 64, जो, मातृ मंदिर, 18वीं मंजिल, मातृ  
मंदिर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 278,  
सर्वे नं० 654, ताडदेव, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6650/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निहार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 17-2-1986

मोहर:



प्रमुख कार्य. टी. एन. एच.

1. श्री प्रफुल्ल जेठालाल फुरिया।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री विमलेश कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7073/84-85--अन: मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 121, जो, 1वीं मंजिल,  
इमारत-अर्जन सविन इंडस्ट्रियल इस्टेट, 9 मम्तारेन्हुस  
रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,  
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,  
में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे ?

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
दिया गया तथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, के प्रति :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों 93  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृत-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

माला नं० 121, जो, 1वीं मंजिल, इमारत-अर्जन सविन  
इंडस्ट्रियल इस्टेट 9, मम्तारेन्हुस रोड, माझगांव, बम्बई-10  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6638/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
26-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17-2-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर अधिकारी**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7084/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 15, जो, बेसमेंट में, इमारत क्रिएटिव्स इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एम० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, ऑफ लोअर परेल, डिवीजन बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-6-1985

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को हासिल में कमी करने या उससे बचने में श्रद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था/है या, जिन्होंने में श्रद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. मेमर्स यास्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. मेमर्स मनिश टेक्सटाईल्स कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

यूनिट नं० 15, जो, बेसमेंट में, इमारत क्रिएटिव्स इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एम० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, ऑफ लोअर परेल, डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6649/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17-2-1986  
मोहर :

प्रकरण जारी. टी. एन. एच. -----

1. मे० गढ़ा एण्ड नहर आमोसियेट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स डेल्टा प्रिंटिंग।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7077/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० यूनिट नं० 286, जो, 2री मंजिल, गढ़ा  
एण्ड नहर इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क,  
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 27-6-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित होने का प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्ग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्पन्नवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में होत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षतक्षणी के  
पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 286, जो, 2री मंजिल, गढ़ा एण्ड नहर  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6642/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17-2-1986

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एस. -----

1. श्री बीरमती मेघजी सागर

(अन्तरक)

मायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष सहायक मायका अधिनियम (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7081/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

मायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला सं० प्लेट नं० 20, जो, 5वीं मंजिल, त्रिलोक  
इमारत, न्यू त्रिलोक को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी प्लॉट  
नं० 3-बी, सादन माटुंगा स्कीम नं० 6, रोड नं० 24  
सायन, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इमारत उपावृद्ध अनुसूची  
में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिल्ला करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,  
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का वंश  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाका बचा प्रति-  
फल विमोचनित करने के उक्त कारण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण का हुआ किसी बाय की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या लब्ध करने में सुविधा के लिए  
कीर/म।

(ख) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य व्यक्ति  
को, जिन्हें भारतीय मायका अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, किया जाने में  
प्रतिष्ठा के लिए;

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची  
में, श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाब :—

2. डा० सुरेश एच० दफ्तरी और सरोज एच० दफ्तरी  
(अन्तरिकी)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जे भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-25 में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 20, जो, 5वीं मंजिल, त्रिलोक इमारत  
न्यू त्रिलोक को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं०  
3-बी०, सायन माटुंगा स्कीम 6, रोड नं० 24, सायन  
बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/6646/  
85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. गहा एण्ड नहार एसोसिएट्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

2. मैमर्स एक्सक्यूटिव्ह इंटरप्राइजेस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-1/37ईई/7076/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 287, जो 2 रा मंजिल, गहा एण्ड  
नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल  
बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है  
दिनांक 27-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिती :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्घोष्टाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 287, जो 2 रा मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/6641/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 27-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 17-2-1986  
मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. शहा एण्ड नहार एसोशिएट्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मिस्टम सिन्थेटिक्स (इंडिया)

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/7079/85-86—अन: मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 250, जो 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारा नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन रखी स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का संछद्म प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 250, जो 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/6644/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 17-2-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट, रैंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

निदेश सं० आई-1/37/ईई7078/85-86—अतः सूत्रे

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 267, जो 2 रो मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूच में अ० पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 27-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) तदर्थ से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आधार पर कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) जो किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाब में

44-516 GI/85

1. गहा एण्ड नहार एसोशिएट्स

(अन्तरक)

2. मैक्स जैन अर्बर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में उक्त अधिनियम :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मान्य होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्वीकृति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 267, जो 2 रो मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूच: जैसा कि सं० आई-1/37/ईई/6643/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज I, बम्बई

दिनांक : 17-2-1986

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/7080/85-86-आय: दुसे  
निसार बम्बई,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विद्वान करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका मालिकाना नं० 2, जो 8 वीं मंजिल, पटेल टावर,  
बर्ल, कैम्पा, कोला-मंगलूर, बी० जी० खेर रोड, बम्बई-18 है  
तथा जो बम्बई 18 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूच में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय, आयकर  
अधिनियम, 1961 के धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सहायक आयकर अधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 27-6-1985का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों  
का निष्ठापूर्वक करणीयता के अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या निष्ठापूर्वक करणीयता के अधिनियम, 1922  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष अधिवेश घोष और  
श्रमती मि. सुभाष घोष।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर सर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।सत्यापन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 8 वीं मंजिल, पटेल टावर, बर्ल, कैम्पा, कोला  
मंगलूर, बी० जी० खेर, रोड, बम्बई-18 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि नं० सं० आई-1/37ईई/6651/84-85  
और जो सहायक आयकर अधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 27-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अम्ब

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-I, बम्बई

दिनांक 17-2-1986

मोहर :



प्रमाण साई. टी. एन. एस. -----

1. श्री बाबूलाल धनाज भाई पटवा ।

(अन्तरगत)

2. श्री विजया बाब लाल शाहा ।

(प्रतिस्ति)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37ईई/7082/85-86—अतः मुझे

निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वत् करने  
का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका सं० फ्लैट नं० 601 जो 6डी मंजिल, मुल्ता प्रिमायसेस को-ऑप  
सोसायटी लि०, द्वार० द्वार० ठकुर मार्ग 254  
बी० जी० खेर मार्ग मालबार हिल, बम्बई-6 है तथा जो  
बम्बई-6 में स्थित है (अर्थात् इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण  
रूप से वर्णित है) अर्थात् जिसका प्राधान्य अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अन्तर्गत बम्बई द्वारा, दिनांक 27-6-1985  
के कार्यालय में रजिस्ट्रार है दिनांक 27-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तविक  
रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्तमान में किसी कर के अन्तरक के अन्तरण  
के लिए, अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी अन्य आस्तियों का, निम्नलिखित में उचित  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
को, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि में  
सूचना की मायान से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यात्मिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यहाँ वही होंगे, जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 601 जो 6डी मंजिल, मुल्ता प्रिमायसेस को-ऑप  
हाउसिंग सोसायटी लि०, द्वार० द्वार० ठकुर मार्ग, 254,  
बी० जी० खेर मार्ग मालबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/6647/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 27-6-1985  
को रजिस्ट्रार किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

दिनांक 17-2-1986  
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/7072/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० वायलिय प्रिमायसेस नं० 61, जो 6ठी मंजिल,  
ए-विंग, इमारत-मिन्न कोर्ट, 224, नरोमन प्वाइंट, बम्बई-21  
है, तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूचा  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अन्तर्नामा शायद  
अधिनियम, 1961 का, धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 26-6-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहते थे, या उक्त अधिनियम के अधीन  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री श्याम सुन्दर टिब्रेवाला (हि० अ० कु०) ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमता सुश्रीदेवी दुर्गाचन्द बोत्रा ।  
(अन्तरिती)
3. मैसर्स डी० सी० बोत्रा एण्ड कम्पनी ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अन्तरण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति में किसी अन्तरण;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थापित करी के गण  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 61, जो 6ठी मंजिल, ए-विंग,  
इमारत मिन्न कोर्ट, 224 नरोमन प्वाइंट, बम्बई-21 में  
स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि सं० अई-1/37ईई/6637/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 26-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 17-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6951/85-86—अतः मुझे,  
निहार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपय में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 1050,  
दादर (प०), बम्बई जो चाल के साथ बम्बई में स्थित है  
(प्रो० इलाहाबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका प्लॉट नं० 1050, दादर (प०), बम्बई द्वारा, दिनांक 17-6-1985  
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है दिनांक 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
आमन्त्रिक रूप से अधिकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आवृत्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री मोतीलाल विश्राम रामनाथकर, श्रीमती प्रफुल्ला  
सिना टेल्लस, अर्ज—श्रीमती प्रफुल्ला कोहेली  
जिबिल ए शिरोडार अर्ज मोतीलाल रामनाथकर  
और राजेन्द्र एम० रामनाथकर।

(अन्तरक)

2. जयन्त टिपणस कन्सल्टेंट्स, प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 1050, दादर (प०),  
जो चाल के साथ बम्बई में स्थित है

अनुसूचा जैसा कि सं० आई-1/37ईई/6518/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 17-6-1985  
के रजिस्ट्री किया गया है

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित हूँ—

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

(‘अन्तरः’)

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक: 10 फरवरी, 1986

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निष्का सं० जमाना का हिस्सा जो इसारत के साथ, इंडस्ट्रियल इस्टेट, लाय बाग, प्लॉट नं० 11ए, औरिस ० एस० नं० 50 (अंग), परेय निवरर डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपायध अनुसुचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक 15-6-1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रुटिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मालूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगतिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तुत है, रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से करके कराने या अन्य प्रकार से कराने का अधिकार प्राप्त है।

अनुसूचा जैसा कि विलेख सं० बाम 1855/81 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 15-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

का तथा किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
का, जिसमें सम्पत्ति का हस्तान्तरण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अन्तर्गत किया गया है।

या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिवारो

सहायक प्रायस्कर श्रावण (निरोक्षण)  
प्रार्जन रोज I, बम्बई

अतः उच्च, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की प्रवृत्ति  
में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को  
क प्रयोग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम—

दिनांक : 10-2-1986

मोडर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एस. -----

बायकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-जा/5239/85-86—अतः मुझे

निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० खुला जमान वा हिस्सा प्लॉट नं० 748  
दरबार माटुंगा इस्टेट नया सर्वे नं० 1183 सं० एस० नं०  
559/10 जो इमारत के साथ मिस्त्र इमारत माटुंगा  
डिीन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-तः  
अधिकार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रारण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
प्रतिफल के अन्तर्गत या उसमें वर्णन में सम्पत्ति

(ख) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. (1) श्री एन० एच० पारेख,  
(2) श्री एच० एस० पारेख,  
(3) श्री डॉ० एन० मिस्त्रा और  
(4) श्री एच० बी० मिस्त्रा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जयदाप दन्तदृक्शन कंपनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत और  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पत्र  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वादों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० वाम 1949/81 और जो उप-  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 5-6-1985 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

दिनांक : 10-2-1986  
मोहर ।

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1,

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7034/85-86—अतः सुमे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

10/- रु में अधिक है

और जिसका औद्योगिक गाना नं० 6, जो 105, चंपलाल  
उद्योग भवन, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसे आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
का ख के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्टर्ड है दिनांक 24-6-1985

को पश्चात्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या जिसका अन्तरण चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
को अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियम :—

1. के० पोस्टलाल गिरधर लाल अण्ड कम्पनी  
(अन्तरक)
2. श्री अशोक जे० शहा  
(अन्तरिती)
3. अन्तरक।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगियों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक गाना नं० 6, जो 105, चंपलाल उद्योग भवन  
सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6000/85-86  
और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज 1,

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6819/85-86—अतः मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 13, जो 1 ली मंजिल, गोल्ड मोहर इमारत, 174, शामलदास गांधी रोड, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

45—516 GI/85

1. श्रीमता देवयाना जगमोहन दास गोराडिया ।  
(अन्तरक)
2. श्री दयानन्द गिरधरलाल, पंडया, और श्रीमती पद्मावती दयानन्द पंडया ।  
(अन्तरिती)
3. अन्तरक ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कमरा नं० 13, जो 1 ली मंजिल, गोल्ड मोहर इमारत 174, शामलदास गांधी रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6276/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्रमाण: आई. टी. एन. एन. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6769/85-86—अन: मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० फ्लैट नं० 1-सी, जो पहली मंजिल, 70  
पोचखानवाला रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका उदाहरण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-  
क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्टर्ड है दिनांक 1-6-1985

उक्त स्थिति में उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
का अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. लक्ष्मणशिना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरक)
2. आयुक्त मुमिता देवी ओ० बगारीया  
श्री राजेन्द्र बगारीया और  
श्री जगदीश प्रसाद बगारीया  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:- इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदित

फ्लैट नं० 1-सी, जो 1<sup>ला</sup> मंजिल 70, पोचखानवाला  
रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6235/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-2-1986  
मोहर।



प्रत्यक्ष आदेश, टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7024/85-86:—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, ज्ञान अपार्टमेंट, ए-इमारत, काशि-  
नाथ घुख रोड, आफ गोखले रोड, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका सारांशमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 घ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 24-6-1985

यह प्रमाणित किया जाता है कि उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने का उद्देश्य बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पर्याप्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुनील वि० टिकेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र मुलजी शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 12वीं मंजिल, ज्ञान अपार्टमेंट, ए-इमारत,  
काशिनाथ घुख रोड, आफ गोखले रोड, प्रभादेवी, बम्बई-28 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/6590/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

माहुर :

प्रथम भाग.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/7027/85-86—अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 403, जो 4थी मंजिल, मार्कर  
मैन्शन, प्लॉट नं० 623, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 24-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य मास्त्रियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित शर्तियों, बर्खास्त :—

(1) मेसर्स सुपर इंजीनियर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती होमाई बुर्जोर मेहता और  
श्री बुर्जोर बी० मेहता।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 403, जो 4थी मंजिल, मार्कर मैन्शन, प्लॉट  
नं० 623, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/6593/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइल बरकत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37ईई/7033/85-86--अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक माला नं० 7, जो 105 चंपकलाल उद्योग भवन, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
रिखी (अन्तरिखियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
यों, यों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

(1) के० पोपटलाल गिरधराल एन्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निना बी० शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बन्धन है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक माला नं० 7, जो 105, चंपकलाल उद्योग  
भवन, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ईई/6599/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/6846/85-86—अ.1: मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० ब्लाक नं० 17-बी/1, जो सायन मिथी  
कालोनी, सायन (प०) बम्बई-22 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन  
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख  
6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरेंद्र कुमार आय, चंदारानी, अरविंद आय,  
चंदारानी, कांतीलाल आय, चंदारानी, दिलीप आय,  
और प्रदीप कुमार आय चंदारानी।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कांती लाल शहा और  
श्रीमती आशा सुधीर शहा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

ब्लाक नं० 17-बी/1, जो सायन, मिथी कालोनी, सायन  
(पश्चिम) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/6302/85-86  
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986  
मोहर :

अध्यापक डॉ. एन. एन. —————

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ की अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/6316/85-अतः मुझे श्री निहार अहमद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन पक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 203, जो 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० बी० ए० रोड, लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच लगे अन्तरण के लिए वह तय किया गया प्रतिशत निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अधिनियम के अनुसूचीक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूची में सूचीकृत किसी आय को प्राप्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की जातिगत से कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियतकृत व्यक्तिगतों, को सूचित :—

(1) श्रीमती सीधू बी० धोटे ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दत्तानाथ वेअरहाउसिंग एजेन्सी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(यदि व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) मेसर्स पटेल हाउसिंग फायनान्स एन्ड कन्सल्टिंग प्रा० लि० ।

(यदि व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## अनुसूची

युनिट नं० 203, जो, 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० बी० ए० रोड लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/6273/85-और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ।

निहार अहमद  
पक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रकाशित: आई.टी.एस.एच. १९८६-१९८७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6792/85-86—प्रति: मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 261 जो छोटी मंजिल इमारत नं०  
2, सिंधु सेवा समिति नगर, कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित है  
(और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक सं० आई किसी आय की मात्रा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या कमसे कम करने के सूचना के लिए;  
सिद्धांत

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम एम० जाधवानी और  
श्री भगवान एम० जाधवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम वि० पंजाबी और,  
श्रीमती पूर्णा वि० पंजाबी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 261, जो, छोटी मंजिल, इमारत नं० 2, सिंधु सेवा  
समिति नगर, सायन-कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सू० आई-1/37-ईई/6195/85-  
86 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है । ।

निसार अहमद  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 7-2-1985.

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एम. एम्.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री शशिकांत वि० घोंड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6800/85-86—प्रति: मूझे.

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 254, जो, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल  
स्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कार्यालयालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
एसे वक्ष्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

46—516GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 254, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल  
इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6258/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986.

माहूर :

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री प्रभाकर लाल डी० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर जी० भट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० आई०-1/37/ईई-6812/85-85—अतः मझे;

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1450, जो, इमारत नं० 62,  
एम० आई० जी० कालोनी, आदर्श नगर, बम्बई-25 में स्थित  
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1480, जो, इमारत नं० 62, एम० आई० जी०  
आदर्श नगर, बम्बई 25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37/ईई/6270/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :



## प्रथम भाग, टी.एन.एस-----

(1) श्री जयप्रकाश जे० चावला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

सं० आई-1/37ईई/6791/84-85—अतः मुझे, निसार  
अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, महावीर  
अपार्टमेंट, नारायण नगर, सायन-चुनाभट्टी, बम्बई-22  
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिस पर नारायण आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अत्यल्प प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री अतुलकुमार एन० पारेख और प्रकाशकुमार  
एम० पारेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल, महावीर अपार्टमेंट  
नारायण नगर सायन बम्बई, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6194/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986.

मोहर :

प्रकट. आई. टी. एच. एच. एच.

(1) श्री रजनी एक्स० देसाई ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० रमेश शेट्टी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6413,85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 4, जो पश्चिम को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी ए-विंग, काशिनाथ ध्रुव रोड, बम्बई-28 में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, विम्बईस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाभ्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 4, जो, ए-विंग, पश्चिम को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी, काशिनाथ ध्रुव रोड, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6327/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया गया है।

निसार अहमद,

सक्षम प्राधिकारी.

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986.

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एच. - - -

(1) श्री कान्तिनलाल के. ठक्कर ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री धनेश एन. दोशी और श्रीमती सरला एन.  
दोशी ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7042/85-86—अतः मझे,

निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास पाने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 62, जो, छठी मंजिल, चित्रकूट,  
18/9, आर० ए० किवडाई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित  
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
पाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 62, जो, छठी मंजिल, चित्रकूट, 18/9, आर०  
ए० किवडाई रोड, बडाला, बम्बई-31, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6608/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद,  
सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986.  
मोहर ।

प्रकाश जाई. टी. एन. एल. - - - - -

(1) श्री प्रभाकर जी० भट ।

(अनुराग)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पुट्टोर के० कमथ ।

(अनुराग)

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6813/85-86:—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1340, जो इमारत नं० 46 एम०  
आय० जी०, आदर्श नगर, वर्ली बम्बई-25 में स्थित है (और  
इससे उपाय अन्तुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 न के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बाध/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवें बताई —

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी को  
प्राप्त निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1340, जो, इमारत नं० 46, एम० आईजी  
आदर्श नगर, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैगा क्र० सं० आई-1/37-ईई/6271/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर ।

प्रकरण भाई. टी. एन. एम. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6802/85-86—यतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-59, जो यूक्रेम इमारत, बडाला,  
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कार्यालयालय आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है। और इसे यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की मात्रा उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में पयोजसार्थ रजिस्ट्री द्वारा उक्त नहीं किया  
गया था या जिसका उचित बाजार मूल्य उक्त अधिनियम में  
सविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री बलराम एन० शैकदानी

(अन्तरक)

2. श्री एम० पीटर

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

4. श्रीमती० मोहिनी बी० मकधानी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का पदार्थ, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-59, जो, यूक्रेम इमारत, बडाला, बम्बई में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6260/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ई ई/7653/85-86---यतः, मुं०,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, वेस्ट  
ह्यू, जामे जमशेद रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (और  
इससे उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और  
जिसका अंगारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 25 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अंगारनामा  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन :--

1. श्री मनी आर० गिम्ब्री और पेमी आर० गिम्ब्री  
(अन्तरक)
2. श्री माणेश एच० पटेल और श्रीमती जस्मिन एच०  
बिलिमोरिया  
(अन्तरिती)

यदि उक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
आयकर लगा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्देश्य, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 51, जो, पांचवीं मंजिल, वेस्ट ह्यू, जामे जमशेद  
रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6618/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री टी० रविन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7065/85-86—यतः, मझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16-ए, जो संजय सोसायटी, बंगला  
केमिकल्स के सामने, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख;  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 25 जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47—516 GL/85

2. श्री टी० सत्त्विकानन्दम्

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 16-ए, जो, संजय को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी  
लि०, बंगला केमिकल्स के सामने, प्रभादेवी, बम्बई-25 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/ 6630/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रारूप जारी टी. एन. एस. २२२

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37 ई ई/6780/85-86—यतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, दि प्रभादेवी सुहृद को-ऑप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, 581, गोखले रोड (दक्षिण),  
बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-  
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि वहा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त से कमी करने या उससे बचने में छिपाने  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दत्तात्रय आर० जोशी

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ एस० जोशी और श्रीमती वनीता बी०  
जोशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, दि प्रभादेवी सुहृद को-ऑप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, 581, गोखले रोड, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० अई-1/37-ई ई/6246/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----  
 भाषापर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ई ई/7069/85-86—अता: सुझे,  
 निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लेट नं० 1 जो नायगरा बुडहाउस रोड  
 कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर  
 अधिनियम 1961 की धारा क ख के अर्जन बम्बई स्थित सक्षम  
 प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख 25 जून 1985  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान  
 प्रतिफल के लिए बन्दरिस्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
 पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी  
 (अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरक के लिए एक राया या प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुए किसी बाव की बाव, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व  
 में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी एक या अन्य बावियों  
 को, जिन्हें राष्ट्रीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रभावार्थ बन्दरिस्त हुआ प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए था, जिनके से  
 सुविधा के लिए;

1. श्री ज्योतिन्द्र मेहता ।  
(अन्तरक)
2. श्री सदाशिव राजू अंचन  
(अन्तरिणी)
3. श्री एस० राजू अंचन, श्री एन० एस० जारोगा, माडेल  
 प्लेट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० ।  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री काली एस० सुनतोके  
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
 की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन की बिना  
 कार्यवाही को करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
 तक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किया या करने।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है ।।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो, नायगरा बुडहाउस रोड, कुलाबा  
 बम्बई-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई ई/6634/85-86  
 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985  
 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

तारीख :- 7-2-1986  
 मोहर ।

**व्यय भाई.टी.एन.एल.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7021/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें परंपरागत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 42-जो मित्तल कोर्ट ए-विंग नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल विम्बिलिडित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें नें सूचना के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स गोपीनाथ इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन (अन्तरक)
2. मैसर्स अम्पी एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)
3. अन्तरक और अन्तरितीयों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी मार्गदर्शक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्धक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्तृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 42, जो, मित्तल कोर्ट ए-विंग, 4 थी मंजिल नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6587/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर।

प्रमुख बाई-टी. एन. एन. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7023/85-86—यतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०

कार्यालय प्रिमासेस नं० 41, जो मित्तल कोर्ट ए विंग, नरीमन  
पाईंट बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बयारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 ब, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।  
दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायरेष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स गोपनाथ इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स अम्पी एजेंसिज प्रायवेट लिमिटेड।  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरितीयों।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कार्यालय प्रिमासेस नं० 41, जो मित्तल कोर्ट, ए-विंग  
4थी मंजिल, नरीमन पाईंट बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई/1/37-ईई/6589/

85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :—7-2-19886  
मोहर :—

प्रकृष बाई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० अई/1/37-ईई/7039/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायस नं० 604-ए जो  
छठा मंजिल निरंजन इमारत मैरान ब्राइव्ह बम्बई-2 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय  
में है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 का धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है दिनांक 24-6-  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वृक्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक  
होती किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित है—

(1) मेसर्स फरबोटोप प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मधु एल मेहरा और श्री के० मदनलाल मेहरा।  
(अन्तरिती)(3) अन्तर को० और श्री कृष्णा एम० मेहता।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) श्री मती मधु के० मेहरा  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति कुंमे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्धुपत्नी

कार्यालय प्रिमायस नं० 604-ए जो छठा मंजिल  
निरंजन इमारत 99 ब्राइव्ह बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूचा जिसकी क्र० सं० अई-०/37-ईई/6605/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
24-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण०)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर।

**प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7060/85-86—अनु:

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 5, जो, 8वीं मंजिल, और गाडी पार्किंग जगह नं० 28, आर्काडिया 195 नरीमन पॉइंट बम्बई, 21 है स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे व्ययभान प्रतिफल से, ऐसे व्ययभान प्रतिफल का गन्दा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अर्नेस्ट जॉन एण्ड कंपनी प्रायवेट लि०। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० रत्ना शेणॉय और श्रीमती जय श्री शेणॉय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 5, जो, 8वीं मंजिल, आर्काडिया और गाडी पार्किंग जगह नं० 29, 195, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6625/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

महर :

**प्रमुख भाषा, टी. एच. ए. ए.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० आई-1/37-ईई/6798/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गैरेज नं० जी 5, जो इमारत नं० 1, नवयुग नगर फ़ोर्जेंट हिल रोड, ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा फ़ाट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हिको जे० पटेल और श्री शेख एच० पटेल ।  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती हंसा पी० गणाना और श्री प्रविण कुमार के० गणाना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाईयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गैरेज नं० जी-5, जो इमारत नं० 1, नवयुग नगर फ़ोर्जेंट हिल रोड, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/6256/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुहरमल उधायम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6801/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 एफ जो मलबार अपार्टमेंटम नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 एफ, जो, मलबार अपार्टमेंटम, नेपियन सी रोड, बम्बई-6, में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी क्र० सं० आई/1/37-ईई/6259/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7009/85-86-अन

मुझे निम्नार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमासेस नं० 209, जो नीलकंठ  
इमारत, मरीन ड्राइव, बम्बई-2, में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मामितियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहे या छिपाने में  
से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दलीप आर० लल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सी० मिस्त्री।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधोप-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमासेस नं० 209, जो नीलकंठ इमारत,  
98 मरीन ड्राइव बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/6575/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :



इसमें भाग लेने वाले हैं।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6917/85-86—अतः

मुख्य, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11बी, 12बी, मंजिल, पर जो होचेस्ट हाउस 4, गैरेज में साथ बम्बई-21 में स्थित है। (और इससे उसका अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका तत्सम्बन्धी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 13-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के दायित्व में कमी करने या उक्त दायित्व में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार करने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) धिक्क्यूरीटी ट्रेडिंग सिंडीकेट प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) आसोसिएटेड बेअरींग प्रायवेट कंपनी लि०।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपे-बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

संज्ञाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमासेस नं० 11 और 12, मंजिल, पर जो होचेस्ट हाउस नरीमन पॉइंट 4 गैरेज में साथ बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6486/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

माहुर :

मूल्य बाई० टी० एन० सु०—

(1) मूकूंद वी० वरेरकर।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) से बचीप कृपा

(2) डा० सतीश पी० वाये और श्रीमती स्मिता  
एस० वागे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1988

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6867/85-86—अ०:

मुखी निसार अहमद

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति चितका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 31 जो प्रभा मंदीर को आ० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, पी० बालू मार्ग प्रभा देवी, बम्बई-25  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करा जा कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि कोई भाव की बावत, उक्त अधि-  
नियम से बचीप कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कभी कटने या उससे बचने से क्षति के लिए;  
कीर/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, का  
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था। किन्तु से  
क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 31, जो प्रभा मंदीर को आ० हाउसिंग  
सोसायटी पी० बालू मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6416/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक  
4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, बम्बई

दिनांक :-10-2-1988

मोहर :

प्रत्यक्ष, बाई, टी. एन. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (चिपडिग)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निवेश सं० आई/1/37-ईई/6848/85-86—अंतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 19, जो तल माला टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लॉट नं० 248 (ए) वरली बम्बई-18 में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मती हुरनाम कौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पेंडेडाइज ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन द्वारा भागीदारा एन० के लालीवाला निवेश एन० लाली वाला और जयेश एन० लाली वाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के माह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्वय 20-ब में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 19 जो तलमाला टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लॉट नं० 248 (ए), सदाम कालु अहरे मार्ग और वरली रोड, का जंक्शन प्लैकमो के पिछे वरली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/63041 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत :-

दिनांक :- 10-2-1986  
मोहर :-

बक्य भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6765/85-86—अतः

मुखे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, जो 6ठी, मंजिल, चित्रकूट आर० ए० किडवाई रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सुभाषचंद्र के० भंबारी और अविनाश सी० भंबारी।

(अन्तरक)

(2) श्री कांतीलाल के० टक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 62, जो 6ठा मंजिल चित्रकूट, 18/9, आर० ए० किडवाई रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6231/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आर्ट. टी. एन. एस.-----

(1) श्री तपरायणदास जो ब्रियानी।

(अन्तरक)

(2) श्री पो० बी० रामन।

(अन्तरिनी)

(3) अन्तरिनी।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6804/85-86--यतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 315, जो 3री मंजिल बाम्बे मार्केट अपार्टमेंट्स, ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है। (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पचा गया अतिरिक्त, निम्नीयित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक रूप से लिखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुए किसी काम की वस्तु उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें सन्तर्पण से सुविधा की दिष्ट; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तरक :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके अधीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:- इसने प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही कर्म होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 315, जो, 3री, मंजिल, बाम्बे मार्केट अपार्टमेंट्स ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची नैपाकी सं० सं० अई-1/37-ईई/6262/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-2-1986  
मोहर :-

सूचना क्र. डी. एन. ए. - 1/37-ईई/6782/85-86-अतः

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6782/85-86-अतः

मुझे निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो तल माला, गूलशन आबाद इमारत, फॉकलैन्ड रोड, बम्बई-7 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 268 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तयित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शीर्षक में करी करने या इससे बचने से मुक्ति के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रक्षा की जाए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार यह, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) मेसर्स अरीस्टो, कन्स्ट्रक्शन प्रायवेट लि०।  
(अन्तरक)
- (2) श्री अणुरूप हबीब सिनापारा श्री अब्दुल्ला आय० चौधरी और श्री युनूस यूसूफ जगरालह।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी बाधा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तादारी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो, तल माला, गूलशन आबाद इमारत, फॉकलैन्ड रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6248/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :—10-2-1986

मोहर :—

प्ररूप वाच<sup>क</sup>. टी. एन. एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सचन

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निरिक्षक)

अर्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० अर्क-1/37-ईई/7535/85-86-अतः

सन्ने तिभार अहमद

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० औद्योगिक माला नं० 8, जो चंपकमाल उद्योग भवन सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका नाम चादिए था, छिपाने में सविधा में पकड़;

अतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार  
 न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन नियुक्त व्यक्ति, बर्खास्त है—

49-516 GI/85

(1) के० पोपटलाल गिरधरलाल एण्ड कम्पनी।  
(अन्तरक)

(2) श्री भरत जे० शाहा ।

(अन्तरिती)

( 3 ) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभागे में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि लम्बे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

औद्योगिक गारुप नं० 8, 105, चंपकलाय उद्योग  
भवन, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी क्र० गं० अर्द्ध-1/37-ईई/6601/  
85-86 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद

नाक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक :- 10-2-1986

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) नारायणदास बी० भाटीया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) प्रविण प्रेमजी धनानी और त्रेमलता पी० धनानी।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7031/85-86--अनः

मुझे निम्नार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नकी सं० फ्लैट नं० 21/20-बी०, जो शंकर कृपा  
प्लॉट नं० 201, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है। (और  
इसमें उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21/20-बी०, जो, शंकर कृपा, प्लॉट नं०  
201, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6597/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 10-2-1986

मोहर :-



रक्षक बार्ड.टी.एन.एच.-----

(1) दिनांक 29 जून 1985 और अन्य।

(अन्य)

(2) मेजर्स रमेशचंद्र हजाराज एण्ड कंपनी।

(अन्य)

(3) कुमार ट्रेडिंग कंपनी (2) सुखीबाई छगनलाल

(3) फतेचंद राख, (4) रमेश राख, (5)

भूखाना एच० शाहा और (6) रमेश एच० शाहा

(वह व्यक्ति जिसका अधिभाग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर ब्यवहार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-जी/5235/85-80-अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एच० सं० 1715, भूलेश्वर डिविजन,  
दादीशेठ अगवारी रोड, बम्बई में स्थित है (और  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), पर जी०  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त व्यक्तियों के उचित बाजार मूल्य में कम की दरवाजा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसवें भाग प्रतिफल से ऐसे दसवें भाग प्रतिफल से  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निर्धारित अनुबंध से उक्त अन्तरण  
लिखित में दर्शाया गया है कि उक्त अन्तरण किया गया है।

(क) अन्तरण में दर्शाए किसी और की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
कार्यालय में अभी करने या उसके बचाने में सूचना  
के लिए और/या

अनुसूची

(ध) इसी किसी रूप या किसी नए या अन्य भास्तिथी  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, धिमानों में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
4. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके सूचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या लिखित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञेयतापूर्ण के पाठ  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची जिसकी विवेक सं० बॉम 260/78 और जो  
उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

रक्षक प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-2-1986

साहू:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5236/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० 1191, आयकर विभाग बम्बई में स्थित है (और इसमें उगावट अनुसूची में और पूर्ण प से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्ति में कमी करने या उसके बचने में इतिहास के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इब्राहीम मोहम्मद कासकर।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद फारुज मोहम्मद इब्राहीम कुरेशी।

(अन्तरिती)

(3) भादुत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी खिलेख सं० ब्रॉम 1560/79 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमाज अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) पंजवन लाल शिवभाई पटेल।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5237/85-86--अनः

मुझे निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,09,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अटैचमेंट्स नं० 603, जो, 6ठा मंजिल,  
 पंचशिल सी० रोड, जिसका सी० एस० नं० 1729 फोर्ट  
 डिविजन, चर्चगेट है तथा जो बम्बई में स्थित है (आप इसमें उदाहरण  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्री तथा अधिपति  
 के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 जब निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाव की वापस, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, बिना भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 या या किया जाना चाहिए था, छिपान में संबंध  
 के लिए;

बतल जाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) श्री प्रमोद अमरीतलाल पंजानी,  
 श्रीमती इन्दू पंजानी,  
 और प्रमोद अमरीतलाल पंजानी (हि.अ.कु.) ।  
 (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक और उनका परिवार।  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची नं० की विलेख सं० बीएम 1243/81 और जो  
 उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1985 को  
 रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 10-2-1986

मोहर:

नमन बाई, डी. एन. एन. -----

माधुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

नमन बाई

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-1/37-जो/5240/85-86--अतः

मुखे निसार अहमद

माधुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० नं० 6ण/661 मलबार चंबाला  
हिन डिजिटल सी० एन० नं० 1275 मेघधनुष, 5 फोर्जेट,  
डिन रोड, बम्बई-35 में लिया है (और इनका उपायुक्त  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 जून 1985

का, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। चूंकि मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल है, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
एक प्रतिलिपि अधिक है और बंदरक (अंतरणों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए एक  
रक्का नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कर्मगत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से पूर्व किसी भाग की धारणा, जिसमें  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के धारणा  
के अन्तर्गत या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भू या अन्य धारणाओं  
को, जिन्हें भारतीय माधुकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकाशनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री मती दहीबाई देवकरन सोधा।

(अन्तरण)

(2) श्री रोहित बी० प्रजापति।

(अन्तरित)

(3) श्री मती विजया लक्ष्मी मोहनलाल पारीख।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कार्यवाही कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या अन्तर्गत के व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
धारणा में कोई भी धारणा प्रकाशित

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाभारी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

अनुसूचा जैसाकि विलेख सं० 163/82 और जो उपरजिस्ट्रार  
बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।

निसार अहमद

सहायक आयकर अधिकारी

(निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, बम्बई

दिनांक 10-10-2-1985

मोहर:

प्रत्यक्ष शक्ति की शक्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन गणना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश आई-1/37-जी/5241/85-86—अंतः मुझे, निम्नार

अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग की अधीन गणना अधिनियम की धारा 269-ग के  
कारण है कि उक्त अधिनियम, जिसमें 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीम. जिसकी सं. 10/जी/5241/85-86 के साथ, श्री  
रोड, नया राम मोहन राय मार्ग, निम्नार से 1344, श्री 1345, निम्नार निम्नार, बम्बई में है तथा जो  
बम्बई में स्थित है (श्रीम. द्वारा उपायुक्त अनुसूची में श्रीम.  
पूर्ण रूप से वर्णित है). श्रीम. जिसकी कार्यालय आदर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन गणना  
स्थित स्थान अधिकारी के कार्यालय में स्थित है तारीख  
10 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त व्यवसाय प्रतिफल से, एवं व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
राश्ट्रविक रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई ऐसी बात की दावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक को  
बाजित में करी करने या उसमें उक्त में सुविधा  
के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
का 11 या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हूँ—

1. श्री रामकृष्ण गोविंद दांडे और श्री विनायक गोपाल  
दांडे और।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सायदाबेन सुरेष्कुमार पारेख।

(अन्तरिती)

3. भाडून।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाक्षेप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जाँचकी विलेख सं. 901/82 और जो,  
उप-निर्देशक बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निम्नार अहमद

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-2-1986

मोहर:

प्रमुख आइ.टी.एन.एस.

1. श्री विमलका एम. वसिगनी।

(अन्तरित)

2. श्री अन्जली अब्दुल रसाल मोहम्मद कासिम और श्रीमती मेहकनिसा अन्जली अब्दुल रसाल।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

भिर्देश सं० आई-1/37-जी/5242/85-86—अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० रजिस्ट्रार दिवाका नं० 23, 2री मं०  
वेलाभाई स्ट्रीट सी० एम० नं० 1709, भायखना डिविजन, बम्बई  
है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वापस है), रजिस्ट्री (तथा अधिलारी के  
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम सं० वाम सं० 1641/82 और  
जो उक्त रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 6-2-1985 को रजिस्टर्ड  
दिया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1 बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37जी/5243/85-86—अनः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिल्ह की सं० खुला जमीन का हिस्सा प्लॉट नं० 7,  
क्वीन्स रोड इस्टेट, सी० एस० नं० 1792, फोर्ट डिब्रिज,  
बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 5 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करने या उससे बचने की सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

50—516 GI/85

1. श्री गुणचर फीरेस कराई।

(अन्तरक)

2. मेसर्स विमल पेन्डस प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. भाइनः

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० बाय 2165/82 और जो  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखः 10-2-1986

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5244/85-86—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिवकी सं० खुला समीप का हिस्सा, जो हमारा के  
साथ जिवकी सं० एच० नं० 4056, भलेश्वर डिविजन,  
मौजाना अलाव रोड़ (डं. ला रोड़), बम्बई है, जो बम्बई  
में स्थित है (श्रीर का उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिपति के कार्यालय बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 14 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री श्री विठ्ठलदास, गोकुलदास भगवानदास,  
हरीनाथ मावजी समीप कल्याणदास मुलजी  
काठजिया और चन्दास बल्लभदास मारीवाला  
(अन्तरक)

1. (1) श्री हरीनाथ जे० त्रिवेदी।
- (2) श्रीमती महानक्षमी एच० त्रिवेदी।
- (3) श्री बाली एच० त्रिवेदी।

- (4) श्रीमती कुलदासा के० त्रिवेदी।
- (5) श्री शिवाजी के० त्रिवेदी।
- (6) श्री हेमंत के० त्रिवेदी।
- (7) मास्टर अर्जुन के० त्रिवेदी।
- (8) मास्टर राहुल के० त्रिवेदी।
- (9) श्री पी० ए० च त्रिवेदी।
- (10) श्रीमती मनोरमा पी० त्रिवेदी।

- (11) श्री मुकेश पी० त्रिवेदी।
- (12) श्री रोहित पी० त्रिवेदी।
- (13) श्री चेतन पी० त्रिवेदी।
- (14) श्री घनशाम एच० त्रिवेदी।
- (15) श्रीमती मुधुना जी० त्रिवेदी।
- (16) श्री जानंद जी० त्रिवेदी।
- (17) श्री महेंद्र एच० त्रिवेदी।
- (18) श्रीमती भानुमती एम० त्रिवेदी।
- (19) मास्टर जयेश एम० त्रिवेदी।
- (20) श्री रजनीश एच० त्रिवेदी।

- (21) मास्टर प्रांजन आर० त्रिवेदी।
- (22) मास्टर पार्थ आर० त्रिवेदी।
- (23) श्री भास्कर एच० त्रिवेदी।
- (24) श्रीमती भारती बी० त्रिवेदी।
- (25) मास्टर आशिष बा० त्रिवेदी।
- (26) श्री राजेंद्र एच० त्रिवेदी।
- (27) श्रीमती निवेदिता आर० त्रिवेदी।
- (28) मास्टर निरख आर० त्रिवेदी।
- (29) श्री लक्ष्मीशंकर जे० त्रिवेदी।
- (30) श्रीमती इच्छाबेन एल० त्रिवेदी।
- (31) श्रीमती मंजुना आर० त्रिवेदी।

- (32) श्री भूपेश आर० त्रिवेदी।
- (33) श्रीमती समन आर० त्रिवेदी।
- (34) श्री अनील एल० त्रिवेदी।
- (35) श्रीमती गिता ए० त्रिवेदी।
- (36) श्री हंसा एच० त्रिवेदी।
- (37) मास्टर हिरेश एच० त्रिवेदी।
- (38) मास्टर धरमेश एच० त्रिवेदी।
- (39) मास्टर कानिक एच० त्रिवेदी।
- (40) श्रीमती वाशा पी० त्रिवेदी।
- (41) मास्टर भिक्ज पी० त्रिवेदी।

- (42) श्रीमती श्योति जी० त्रिवेदी।
- (43) मास्टर भावेश जी० त्रिवेदी।



- (44) श्रीमती जयश्री के. त्रिवेदी।  
(45) मास्टर कलापी के. त्रिवेदी श्री।  
(46) मास्टर त्र्यम्बक के. त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

### 3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 1845/83 और जो, उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं. आई-1/37-जी/5245/85-86—अतः मुझे

निशार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी.एस.सं. नं. 3857, भद्रपुर डिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मैसर्स मेटल डिस्ट्रीब्यूटर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गलन्ट होल्डीन्ज प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं. 2129/83 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

**द्रूपत आर्जुन एन.एस.-----**

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं अई-1/37-ईई/5246/85-86-- अतः

मुझे, निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इधक पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 3ई/755, मबलार हिल  
डिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जून,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
से कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

नबः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लिलाधर प्राणजीवन पटेल और आनंद सिंहजी  
कात सिंहजी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हिरनाक्षी डी० कृपलानी और पुष्पा डी०  
कृपलानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अर्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अर्धि, जो भी  
अर्धि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किष्ट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्धारा 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

अनुसूची जसाकी विलेख सं० बांम 2224/83 और जो  
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

अध्यक्ष, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी 247/85-86---अतः मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 3ई/755, मलबार हिल डिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधिन, तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

1. श्री लिलाधर प्राणजीवन पटेल और आनंद सिंहजी ब्रखतसिंहजी।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जन एच० खिलनानी, भारत एच० खिलनानी, कुमारी लिला खिलनानी और कुमारी इंदीरा खिलनानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयां।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० बॉम 2245/83 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी15248/85-86—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिराका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं सी एस नं० 68 माडवी डिविजन नारायण धर्मास्ट्रट बम्बई-3 में है तथा जो बम्बई में स्थित है इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार वम्बई के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार वम्बई अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रभों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विशारुभाई शामजीभाई मेहता।

(अन्तरक)

2. मेसर्स इंडस्ट्रियल मिनरल एण्ड कैमिकल्स कंपनी प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. भाइत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जद के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुपत्ति

अनुसूची जैसाको विलेख सं० बांम 2808/79 और जो उस रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5249/85-86--अतः मुझे  
निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2, 83, मांडवी विधिपत्र,  
125, भारादण धरु स्ट्रिट नागपुरी, बम्बई-2 है तथा जो  
बम्बई-3 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीधर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 27 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवहार्य  
प्रतिफल के लिए अन्वेषण की गई है और यहाँ वह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार्य प्रतिफल से ऐसे व्यवहार्य प्रतिफल के  
एक प्रतिफल से अधिक है और बरकरार (अंतरक) और अंतरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बायल में कमी करने या उससे बचने में संधिदा  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, लिखित में दर्ज  
नहीं किया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कैप्टन रामलाल जामजीभाई बहा।

(अन्तरक)

2. मैक्स इंडस्ट्रियल भिमारुख एण्ड कैमिस्ट्स कंपनी  
प्रायवेट लि०।

(अन्तरिकी)

3. भाइल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची नैपाकी विनेख सं० याम 2857/79 और जो  
उा रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5250/85-86—अतः मुझे,  
निगार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 683, मांडवी डिविजन,  
425 नारायण धरू नागवेवी, बम्बई-3 है तथा जो बम्बई-3 में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 27 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
द्विगुण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-

1. श्री रंगनिदास जामजीभाई मेहता।

(अन्तरण)

2. मैसर्स इंडस्ट्रियल मिनेरल्स एण्ड केमिकल कंपनी  
प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० वॉम 2858/79 और जो  
उ। रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्ट्रार  
द्वारा किया गया है।

निगार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5251/85-86—अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जो, सिताराम पोदार, रोड, जिसकी  
सी० एस० नं० 2291, भुलेश्वर डिवाजन, बम्बई है, तथा  
जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 19 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51—516 GI/85

1. श्री तारायणदास जाधवजी रूपारेल।

(अन्तरक

2. श्री अनंतकुमार राधारामन मित्तल।

(अन्तरिती)

3. भाइत।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० वांम 766/1980 और जो  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर कु

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-जी/5252/85ब-8।—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सभा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एन० न० 1243 मलेध्वर डिविजन,  
शामसेट्ट स्ट्रीट, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में एजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28  
जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या, अधिनियम :—

1. श्री द्वारकादास रामदास डंग्रा।

(अन्तरक)

2. श्री पुष्पकुमार मोहनलाल कासन।

(अन्तरिती)

3. भाड़न।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्ति या वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विज्ञापन सं० बांम 732/81 और जो  
उप-विभागाध्यक्ष, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को एजिस्ट्री  
दिया गया है।

निसार अहमद

सभा प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :



प्रमुख कार्य, डी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आवक प्रत्यक्ष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5255/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एम० नं० 764, मांडवी डिविजन,  
बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा  
आयकर की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 जून, 1985  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्माणाधीन उद्देश्यों के उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से पहले किसी अन्य को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन धारु होने के अन्तरक के  
शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय का किसी पत्र या अन्य दस्तावेजों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पश्चात् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्माणाधीन व्यक्तियों, अधीन।—

1. श्री अशोक मोहम्मद मोदीन और अन्य।  
(अन्तरक)
2. जामद मोहम्मद।  
(अन्तरिती)
3. भादूत।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची के तहत विलेख सं० बी 1223/84 और जो उप  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री शरद आर० षेठ।

(अन्तरक)

2. दिनेश बी० देसाई।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके द्वारा में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6939/85-86--प्रतः मुझे,  
निवार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 269, जो, 2री मंजिल, इमारत  
नं० 6, दिब्रेली आम्बेडकर नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी  
लि० बरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 14 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए धन पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुए किसी धन की वापस, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) उसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 269, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 6, दि  
बरेली आम्बेडकर नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०,  
3/52, आम्बेडकर नगर, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।  
अनुसूची जैसा कि क्र० सी० अई-1/37-ईई/6507/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निवार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

प्रमाण आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती दुर्गादेवी बाबूराम शुक्ला और श्री सुखराम-  
दाम मेहता।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

2. श्री गोपाल परशराम शर्मा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6963/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1102, जो 11वीं मंजिल राँक  
थूह डाकघाट रोड मासगाँव बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-  
10 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 17 जून  
1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित सङ्ख्येय से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1102 जो 11वीं मंजिल राँक थूह डाक-  
घाट रोड मासगाँव बम्बई-10 में स्थित है।अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6539/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/6/  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

उक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 29-1-1986

मोहर:

अथवा आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7037/85-80—अतः मुझे,

निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 1ली मंजिल इमारत  
नं० 1 सुमेर टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशा रोड, माझगांव  
बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और इसमें  
उत्पन्न आयपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ) और जिसका  
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 24 जून 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुस्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से ऐसे अथवा प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक) और  
अन्तरिती (अन्तरितिकी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की बाधा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स सुमेर आसोमिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री शांतीलाल मुलचंद।

(अन्तरिती)

3. बिल्डर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाधा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105 जो 1ली मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर  
टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6603/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: - 29-1-1986

मोहर:

प्रमुख आई. टी. एन. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6978/85-86-—अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 303, जो, अजय सचिस इंडस्ट्रि-  
ट्रस्ट, अर्जरवाड़ी (बी), हसनाबाद के सामने, ए०  
मन्कारेन्स रोड, मासगांव, बम्बई-10 है, तथा जो बम्बई-10  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका कार्यालय आरक्षण अधिनियम 1961  
की धारा 269ब, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 10 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स प्रेस्टिज इंजिनियरिंग वर्क्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स लाईट फाफ्टस।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमार्ग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 303, जो, सचिस इंडस्ट्रियल इस्टेट, अर्जर-  
वाड़ी बी", हसनाबाद के सामने ए० मन्कारेन्स रोड,  
मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6545/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 29-1-1986

मोहर :

प्रकृष जाई.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7038/85-86---अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लट नं० 1002, जो, 10वीं मंजिल,  
इमारत नं० 1, मुमर टावरम, लव लेन, गेट मोतीशा रोड,  
माझगांव, बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और  
दसमें उत्तावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूचक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाष या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमरॉ मुमर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. म स्टार प्रियांक पारस जैन। द्वारा (उनके पिता और  
पालक श्री पारस जैन)

(अन्तरिती)

3. बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 1002, जो, 10वीं मंजिल, इमारत नं० 2 1,  
मुमर टावरम, लव लेन, गेट मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-  
10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6604/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-1-1986

मोहर :

**राज्य वाणिज्य वि. प्र. प्र. अधिनियम**

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**कारण सूचना**

कार्यालय, महायुक्त आयकर कक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7048/85-86—अर्ज: मुक्त,

निम्न अहमद

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिठ्ठे इच्छा**  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० कार्यालय नं० 503, जो 5वीं मंजिल मजिस्ट्रेट गार्डिंग सेंटर, 144, जे० एस० एम० रोड, बम्बई-4 है, तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (और हमने उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बजार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

52—516 GI/85

1. श्री माणिक मोहनजी नारंग।

(अन्तरक)

2. मेमर्न एम० जैलेज एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तरम्पत्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी भी प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कार्यालय नं० 503, जो 5वीं मंजिल, मजिस्ट्रेट गार्डिंग सेंटर, 144, जे० एस० एम० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

और जिसकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6614/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-85 को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-1-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मेमर्या अर्जित इंटरप्रानिसेस।

(अन्तरक)

2. मेमर्या माटम उद्यान (मालिका-हेमंत एम० माटम)  
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जित रेंज-1, बम्बई

दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7102/85-86-—अतः मुझे  
निम्नलिखित महमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका न० युनिट न० 203, जो, अर्जित इंस्टिट्यूट  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
इस्टेट, एम० एम० रात रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।  
अतः निम्नलिखित आधारेण आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 28 जून, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;युनिट न० 203, जो, अर्जित इंस्टिट्यूट  
इस्टेट, 61, एम० एम० रात रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित  
है।अनुसूची नमूना सं० आई-1/37-ईई/6467/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।निम्नलिखित महमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
नगर, कार्यालय  
अर्जित रेंज-1, बम्बईअतः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती राजबे। एच० गहू।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री मोहम्मद युसूफूद्दीन।

(अन्तरक)

भारत का राजपत्र

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6941/85-86---अतः सूत्रे,

निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 25, जो, तल माता, ग्रेन्ट रोड  
पार्किंग मार्केट को-ओपरेटिव लि०, मौला गौकत अली रोड, बम्बई-  
8 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त इन्तु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा,  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 14 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखर में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य जातिवा  
को चित् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें से सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-ग की उपधारार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25, जो, तल माता, ग्रेन्ट रोड पार्किंग मार्केट  
को-ओपरेटिव सोसायटी लि०, मौला गौकत अली रोड, बम्बई-  
8 में स्थित है।

अनुसूची जेसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6509/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 29-1-1986

मोहर.

सकल कार्य. टी. एच. एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6997/85-86---अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 201, जो 2री मंजिल, मुरली  
घर चेंबर, 352, गिरगांव रोड, बम्बई-2 है तथा जो बम्बई-2  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 जून, 1985  
को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किमान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जित :—

1. श्री बलवंत सिंह जगतसिंह और श्री कर्तार सिंह  
जोधसिंह।

(अन्तरक)

2. मेसर्स बंदलाल गोविंदराम द्वारा भागिदार---गोविंद  
राम जमीयतमल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्देश्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय सं० 201, जो, 2री मंजिल, मुरलीधर चेंबर,  
352, गिरगांव रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6563/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-  
85 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 29-1-1986

मोहर :

अथवा भाग 2 टी. एच. एच. 2-1-1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6783/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलट नं० 208, जो, 2री मंजिल, कैलाश अपार्टमेंट, 293, बलासिम रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 1 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए सम्पत्ति की यह है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
एक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब  
पता क्या प्रतिफल दिखानेवाला अनुसूची में उक्त अन्तरक  
प्रतिफल से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बंद के अन्तरक के  
वास्त से कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी पद या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नायकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वारा बनाई  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया बाह्य या किसी के द्वारा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मास्टर मोहमद फिरोज (पालका—श्री मोहमद  
इसक सलिम और श्रीमती अप्सरा सलिम।

(अन्तरक)

2. श्री अबुलफकर ए० बक्शी और श्रीमती रफीया ए०।  
बक्शी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाव में समाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बन्धु स्थावर के  
बाद निहित से कि या बचने।

संकीर्णकः—इसमें प्रकट बर्तों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

फलट नं० 208, जो, 2री मंजिल, कैलाश अपार्टमेंट,  
293, बलासिम रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैमाका क्र० सं० आई-1/37-ईई/6249/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-1-1986

मोहर:

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री इस्माईल भाई ई० शेख।

(अन्तरक)

2. डा० सरदार अहमद अन्सारी और डा० (आमतों)  
जगत अमरीन सरदार अन्सारी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6836/85-86---अतः मुझे,  
निसार अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, जी, एम्बेसी अपार्टमेंट,  
बेलामिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269घ, ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 6 जन, 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य कारित्यों  
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अन्तरणों अधिति :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 42, जी, 4था मंजल, एम्बेसी अपार्टमेंट,  
बेलामिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है।अनुसूची जैसा की फ० सं० आई-1/37-ईई/6292/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 29-1-1986

मोहः

प्रत्यक्ष भाई ही एम. एम. एम.

(1) श्री मुलतान अहमद।

(अन्तरक)

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अजीज अब्बास भाई।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

(3) स्टर्लिंग इन्टरप्राइजेस।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

(4) स्टर्लिंग इन्टरप्राइसेस।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1986

निदेश सं० अई०-1/37 ईई/6852/85-86--अतः

मुझे, निसार अहमद,

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के साथ  
कार्यवाहियां कर रहा है।

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आकार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1206, जो 12 वीं मंजिल,  
अब्दुल हुसैन पोर्टिया अपार्टमेंट, बेलागिन रोड, बम्बई में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका करगणना आयकर अधिनियम,  
1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री के तारीख 4 जून,  
1985

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में स्थावर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तहत  
लिखित में किए जा सकेंगे।

के वर्तमान सम्पत्ति में उचित आकार मूल्य से कम के सम्बन्ध  
प्रतिफल के लिए उत्तरदायी की गई है और यहाँ वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आकार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, उचित सम्बन्ध प्रतिफल का पक्ष  
उत्पन्न में अधिक है और उत्तरक (अन्तरकों) और उत्तरिणी  
(उत्तरिणियों) के बीच पूर्ण सम्बन्ध के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम विधि  
के वास्तविक रूप में अभित नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अवसर में हुई किसी एक की वरत उक्त  
अधिनियम की धारा 20-क के अध्याय में  
नियमित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 1206, जो 12वीं मंजिल, अब्दुल हुसैन  
पोर्टिया अपार्टमेंट, बेलागिन रोड, बम्बई में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भव या भू-सम्पत्तियों  
को, जिसमें आरक्षित आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ उत्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिखित में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई/6401/  
85-86 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4  
जून, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

धारा 269-ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम  
की, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, उक्त अधिनियम अधिनियम, अर्जन रेंज-1

तारीख : 29-1-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती निरूपमा एम० कोटेचा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री किरीट पी० शहा ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/7029/85-86--अतः

मुझे, निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18 है तथा जो तीमरी मंजिल, एकता को अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18 है तथा जो तीमरी मंजिल, प्लॉट नं० 160, एकता को अपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/6595/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 जून, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहोर :

53-516 GI/85

प्रत्येक भाग, बी, एन, एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर, आयकर अधिनियम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6970/85-86-अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 18 जो नल माला पाकीझा  
मार्केट ग्रेन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आयुक्त में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 18-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
विवरण के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्त दायित्व प्रतिकूल से ऐसे दायित्व प्रतिकूल से अधिक है और उत्तरक (अंतरक) और उत्तरक  
(अन्तरिक) के बीच ऐसे उत्तरक के लिए एक पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उत्तरक को उत्तरक  
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है

(क) उत्तरक से हुई किसी भाग की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के उत्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य संपत्ति को  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्राधान्यार्थ उत्तरक द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या उत्तरक के  
विषय में किया

उक्त भाग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उत्तरक  
को, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री लुईस दाउद आगबोटवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री शावेर एम० तापीया।

(अन्तरिक)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रकट भागों और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

दुकान नं० 18, जो नल माला पाकीझा मार्केट, ग्रेन्ट  
रोड, बम्बई 7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6537/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
18-6-1985 को रजिस्ट्री लिया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 29-1-1986

मोहर :



अन्तर्गत अधिनियम

(1) श्रीमती पार्वतीबाई जी लालमयानी।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल आर० शहा।

(अन्तरिती)

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7098/85-86—अतः

मुझे, निदेश अहमद,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो तल माला, शिवसागर  
इमारत वरली बम्बई-18 में स्थित है (और इनमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा पड़ा  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित है  
वास्तविक रूप से काचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा को बाधक उक्त  
अधिनियम के अधीन उक्त धारा के अन्तरक के  
वास्तविक से कभी धारण या उक्त धारण से क्षति  
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी बाधा या धन या अन्य वास्तविकों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
क्षति का कारण बनने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धारण के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धारण के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम से कम हो जाती है, को भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धारण करने की बाधा  
निश्चित हो जाए या सकोने।

निरीक्षण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो तल माला शिवसागर, वरली हिल  
इस्टेट को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अब्दुल गफार  
रोड, वरली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-1/37-ईई/6663/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बम्बई अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7095/85-86—अतः

मुझे, निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, तल माला विजय सदन  
इमारत, डा० बी० ए० रोड, दादर टी० टी० बम्बई  
14 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 28-6-  
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती मंगला बी० मोरे डा० विनायक बी० मोरे,  
और विलास बी० मोरे।

(अन्तरक)

(2) मोहन बी० अगरवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त सूचना जारी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो तल माला जो विजय सदन इमारत  
डा० बी० ए० रोड, दादर टी० टी० बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6659/  
85-86 और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को पूर्वावस्था सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान प्रतिफल के लिए उत्तरदायी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववस्था सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतराकी) और अंतरिणी (अंतरिणीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

**स्पष्टीकरण :—** इससे स्पष्ट है कि जहाँ जहाँ पढ़ा जा रहा है वहाँ पर उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**प्रतुसुषी**

फ्लैट नं० 107, जो 1वीं, मंजिल, मंगल कुंज बी०, प्लॉट नं० 2 माउंट प्लेयट रोड, बम्बई-6 में स्थित है अनुसूची जैनाकी क्र० सं० जई-1/37-ईई/6317/85-86 और जो सक्षम प्राधिकाारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 7-2-1986  
मोहर :

प्रथम बारह टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7006/85-86—अतः

मु० निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० क्लॉक नं० बी-201, जो विकास अपार्टमेंट्स, ए० जी. पवार लेन नं० 2, घोडपदेव, चिचपोकली क्रॉस, रोड, बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगरता आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी धारा की धारा उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में  
कभी करने का उद्देश्य करने में सुविधा के लिए;  
कारण/का

(ख) एबी किसी धारा या किसी धारा का अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया वाला आदि या, डिपान में सुविधा  
के लिए;

जैसे, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तर्गत  
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, प्रकट है—

- (1) श्री जयवंतकुमार एस० उपाध्याय।  
(अन्तरक)
- (2) श्री मोहित कुमार एम० हरावत।  
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आलोच है—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
अब लिखित में किसे या कर्तव्य।

सम्बोधन.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्लॉक नं० बी 201, जो विकास अपार्टमेंट्स, अनन  
गणपत पवार लेन नं० 2, घोडपदेव, चिचपोकली क्रॉस  
रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्रम० सं० आई-1/37-ईई/6572/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 7-2-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती उर्वशी जे० झवेरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री भोगीलाल आर० शहा, श्रीमती सरोजाबेन आर० शहा और श्री विरल बी० शहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/7022/85-86—अम : मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी 45वां 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104/ए, जो, चन्द्रलोक ए-इमारत, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल में, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार करने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकृत व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

फ्लैट नं० 104/ए, जो, चन्द्र भुवन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चन्द्रलोक ए-इमारत, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6588/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्माण सं० ईई-1/37-ईई/6811/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० हमरा नं० 14, जो पहली मंजिल, कहन नगर  
सोसायटी, एन० सी० के.ए. रोड, दादर, बम्बई-400025 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कग के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उसमें वृद्धि में परिवर्तन के लिए  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मेरे, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल बी० मोदी

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलाबेन बी० शहा और विजय बी० शहा  
(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रत्यक्ष

हमरा नं० 14, जो पहली मंजिल, कहन नगर हाउसिंग  
सोसायटी, 271/293, एन० सी० के.ए. रोड, दादर, बम्बई-  
25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/38-ईई/6269/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर।

अन्तर्गत बाह्य टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/6901/85-86—यतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 505, जो, पांचवीं मंजिल,  
टावर डी, महाविदेह नगर, विक्टोरिया रोड, माझगांव, बम्बई-10  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे  
वर्णित है), और जिसका पारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 12 जून, 1985

की प्रयोजित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रयाप्त्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण है कि किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
राशियत में कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यता  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या बिना जाना चाहिए था, लिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात्—

54—516 GI/85

1. श्री लालचन्द छगनलाल फाउंडेशन

(अन्तरक)

2. श्री रमनलाल एच० मलचन्दजी

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्रयोजित सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
अव्यवहारिता करता है।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रयोजित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अवधि

फ्लैट नं० 505, जो, पांचवीं मंजिल, सी० एस० नं० 587,  
माझगांव डिजीजन, टावर-डी, महाविदेह नगर, विक्टोरिया  
रोड, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/6472/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रकाशक, सी. एन. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7070/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-ए, जो तल माला, गीता भवन सी० इमारत, 93 भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है), (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका दायरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कट के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अन्तरितियों) के बीच गये अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बाध की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर्य में कमी करने या उसके बर्ष में क्षति के लिए;

(ब) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) बाबू वी० पणिगाल।

(अन्तरक)

(2) रघुवीर एम० खंडेलवाल।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्ष के अन्त, कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5-ए, जो तल माला, गीता भवन सी० इमारत, 93 भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० सं० अई-1/37-ईई/6635/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर



प्रकाश जाई.टी.एन.एच.-----

(1) मेसर्स जयवंत डेव्हलोपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम ए० दिवान।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई-6994/85-86-अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '00,000/- रु. से अधिक है'

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, 13वीं, मंजिल, जयवंत को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, दादरकर कपाउंड तुलसीवाडी शाहदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 20-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इशमान प्रतिफल से, ऐसे इशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

अनुसूची

(क) अंतरक से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शक्ति से कमी करने या उससे बचने में सक्षम के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यता का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 2, जो, 13वीं, मंजिल, जयवंत को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, दादरकर कपाउंड, तुलसीवाडी शाहदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6560/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-2-1986

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एन. एस.

(1) श्री टी० एन० श्री निवासन।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रामसूदर गुरेजा और श्रीमती नीलम ओ० गुरेजा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिनियम

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अध्यापक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7, फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6822/85-86—अठः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसे सं० फ्लैट नं० 13, जो शरणागती, 2री मंजिल फ्लैट रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल से कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को या उनके द्वारा, अर्थात्

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, शरणागती 2री, मंजिल, फ्लैट सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-1/37-ईई/6278/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप नार्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6868/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके शर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट 25/414, जो इंडस्ट्रियल को०  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत नं० 20 टेरेस  
लैन्डींग बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारानामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधिन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
दिनांक -4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भगवती जी० महरोवी।

(अन्तरक)

(2) पंडीक मेडोका।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 25/414, जो इंडस्ट्रियल को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, टेरेस लैन्डींग इमारत नं० 20  
वरली बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6417/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक -7-2-1986

मोहर :-

प्रकाशक: डी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ई/7090/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 68, जो, इमारत सी०, हायवे  
अपार्टमेंट्स, 6ठी, मंजिल सायन (पूर्व), बम्बई-22,  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका पुराना नाम आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

दिनांक 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्तके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की, वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्जन -----

(1) एल० एस० अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्र जी० टक्कर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्धाहस्ताक्षरी के द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 68, जो, इमारत सी० हायवे अपार्टमेंट्स,  
6ठी, मंजिल, सायन, (पूर्व), बम्बई-22, में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० सं० आई-1/37-ई/6655/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 7-2-1986  
मोहर

प्रत्यक्ष बाई, टी. एम. एच. -----

(1) अर्जेंटिना: डेटा-प्रॉजेक्ट।

(अन्तरक)

(2) मेमो हरीभाई वी. देसाई।

(अन्तरित)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, महायुक्त बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंटिना: रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

दिनांक सं० आई-1,37-ईई/6552/85-86-अतः

मुझे, निम्न अधिनियम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और निम्न सं० यूनिट नं० 6, और 7, जो तन माला  
यूनिट नं० 4, वेसमेंट में अर्जेंटिना इंडस्ट्रियल इस्टेट परेल  
बम्बई-12 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची पूर्ण में  
का से वर्गीकृत है), और निम्न कालासामा प्रायकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित  
सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक  
9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथियारों को करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
कीजना के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 6, और 7 जो तन माला और यूनिट नं० 4,  
वेसमेंट, में अर्जेंटिना इंडस्ट्रियल इस्टेट 61, एस० एस० राधा  
रोड, परेल बम्बई-12 में स्थित है।

प्राप्त नैसर्गिक क्र० सं० आई-1,37-ईई/6552,  
85-86 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
19-6-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्न अधिनियम  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
महायुक्त बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंटिना: रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:

प्रश्न नं० टी. एन. एच.-----

भा.रा. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

दिनांक सं० आई-1/37-ईई/6182/85-86—प्रतः

मुझे, निम्न अधिसूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 इमारत नं० 11, टेजगी को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि०, समर्थ नगर, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तमाल प्रतिफल का समुदाय प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित नै वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक व ह्रास किसी भाग की वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कार होने के अन्तरक से शायद ही कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचीबद्ध है—

(1) श्री प्रदीप जी० पालेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मती कुसुम बा० आगारे।

(अन्तरिती)

(3) राजन बा० आगारे।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ओ इमारत नं० 11, वि टेनन्ट्स को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, समर्थ नगर, चुनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6182/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अधिसूचना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रमुख कार्य.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6860/85-86—अतः

मुख्य निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1109, जो इमारत ए, भागनारी को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन कॉलेज रोड, चुनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है (और इसने उपावृत्त  
पञ्चुची में और पूर्ण का से वर्गित है,) और जिसका  
कगलतासा आदेश अधिनियम 1961 की धारा 269  
ब, ख के अर्थात् बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्टर्ड है दिनांक 4-6-1985

का पञ्चुचा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
धरतापय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
को धरती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/

(ख) किसी जमा या किसी धन या अन्य दायित्वों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची 1 के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

50—516 GI/85

- (1) श्री मती आनंदकुमारी आर० घाचला।  
(अन्तरक)  
(2) श्री हसमुख के० दोर्था।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1109, जो, इमारत ए, भागनारी को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन कॉलेज रोड, चुनाभट्टी  
बम्बई-22, में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6410/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक:—7-2-1986

मोहर:

इसका भाग, टी. एम. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6874/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 4थी, मंजिल, कूबर  
बिल्डिंग, खारेष्ट रोड, दादर पारसी कॉलनी, बम्बई में स्थित  
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। दिनांक  
12-6-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिकल से, ऐसे समान प्रतिकल के  
एक प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाधा तथा शीत-  
कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह धर्म के अन्तरक के बाविल  
में किसी कारण से इससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, जिसमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

(1) डी० एन० दरीवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री नोरोस ड० पंथाकी और श्रीमती कूमी  
एन० पंथाकी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की बाधा से 30 दिन की अवधि, के भी  
अधीन बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रिखी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के बाध  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:-इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
है वही पक्ष होगा जो उन पक्षों में विभा  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 4थी, मंजिल, कूबर बिल्डिंग, खारेष्ट  
रोड, दादर पारसी कॉलनी, बम्बई, सर्वे नं० 561/10  
पाटुंगा डिविजन बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नैसाकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/6307/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:



वर्ष: 1986-87 एन. एन. एन.

(1) मेसर्स संजय इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

(2) श्रीमती मीना जे० बाघनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6862/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 43 जो 4थी मंजिल, अनील अपार्टमेंट्स कॉलोनी गल्ली, दादर बम्बई-28 में स्थित है (और इसमें जमाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अद्यतनाय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) की रजिस्ट्री (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन की संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) संदर्भ में है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक रूप से कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी पद या अन्य वास्तविक अर्थ, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 43, जो 4थी, मंजिल, अनील, अपार्टमेंट्स, कॉलोनी गल्ली दादर बम्बई 28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6412/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6824/85-86-अतः

मुख्य, निज़ार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० बी०-3, जो तलमाला, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, 13, जी० डी० आंबेकर रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है (और इसका उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण का प अधीन है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंभीर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नटवरलाल एच० मिसत्री।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स केवलानी एण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

युनिट नं० बी-3, जो तलमाला, श्रीराम इंडस्ट्रियल इस्टेट 13, जी० डी० आंबेकर रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6280/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निज़ार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गोपालदास के० पंजाबी।

(अन्तरक)

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भारती एन० लनेजा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6865/85-86-अंतः

मुखे निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधिनियम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर विजली सं० 506 जो 5वीं मंजिल, भागनारी को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डॉन कॉजवे रोड, चुनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है (यहां इसमें उक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण का निवेश है), श्रीर निम्नलिखित कारणवशात् अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-6-1985

का पुनर्वास सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए संभावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एकद्व प्रत्यक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के समय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्यमान से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है--

(क) उक्त सम्पत्ति में निम्नलिखित बाजार मूल्य, उक्त अधिनियम के अधीन बाजार मूल्य से अधिक में उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एकद्व प्रत्यक्ष में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के समय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्यमान से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है--

(ख) इसी किसी शेष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिमां के सुविधा के लिए;

न०. धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधाएं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 506, जो 5वीं, मंजिल, भागनारी को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डॉन कॉजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र० सं० आई-1/37-ईई/6414/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निर्माण अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुधीर डायमंड्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/7087/85-86-अंतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलाको सं० फ्लैट नं० 2, जो 13वीं, मंजिल, पटेल टॉवर बरली कला कोला कंपाउंड, बी० जी० खैर रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर द्वारा उदाहरण अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर निम्न कथारामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित नवम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंग्रे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाए में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 13वीं, मंजिल, पटेल टॉवर बरली कला कोला कंपाउंड बी० जी० खैर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जिलाको सं० सं० आई-1/37-ईई/6652/85-86 या श्रीर जिला प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
नवम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रमुख बाह्य. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6803/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० बी-503, जो, विनास इमारत, अनंत गणपत पावर लेन और चिचपोल्ली क्रॉस रोड का जंक्शन, भायखळा, बम्बई-27 में स्थित है (श्रीर उक्त अधिनियम अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिनका उपाध्याय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरम्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरम्यान प्रतिफल से, ऐसे दरम्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतर्गामी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाण की लागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायत्व के दायित्व में कमी करने या उक्त बाण के भुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बाण या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या विणन में किया है लिए।

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री शांतोलाल एच० गंजार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के दायत्व में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुगुण व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिये गए हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी/503, जो, विनास इमारत, अनंत गणपत लेन और चिचपोल्ली क्रॉस रोड का जंक्शन, भायखळा, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची नैवार्थिक क्र० सं० आई-1/37-ईई/6261/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

**एक बार टी. ए. ए. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6789/85-86—अतः मुझे,

निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लेट नं० बी/602, जो, विकास इमारत,  
अनंत गणेशन पावर लेन और चिक्पोली काय रोड का  
जंक्शन, भायखना, बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-अ के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 4 जून, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तर्गत सूची में किसी भी नाम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे धन में सुविधा के लिए;  
दिए गए।

(ख) ऐसी किसी भी वस्तु या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तर्गत् सूची प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गों :-

1. श्री आर० टी० मेहता इन्टरकॉन्टिनेंटल कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री पद्मावती बी० त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन से प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन से प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति के हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठापित की जा  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० बी/602, जो, विकास इमारत-बी, 602 संजिल,  
अनंत गणेशन पावर लेन और चिक्पोली काय रोड का  
जंक्शन, भायखना, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जिनकी सं० सं० आई-1/37-ईई/6192/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

1. श्री आनंद पी० जाधव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चेतना आर० शहा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6797/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० एफ० जी० 9, जो तल माला,  
इमारत नं० 1, नवयुग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०,  
फोर्जेट हिल रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करार-  
नाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख  
4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

56—516 GI/85

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० एफ०/जी० नं० 9, जो, तल माला, इमारत  
नं० 1, नवयुग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फोर्जेट  
हिल रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6255/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रत्यक्ष बाई, टी. एन. एच. नं. 269-ख

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आकांक्षित, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6878/85-86—अनः मुझे,  
निसार अहमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं० फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, अनूज  
अपार्टमेंट्स, आगस्ट क्रांती मार्ग, गवालिया टेक, बम्बई-30  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका कालानामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 12 जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य का विवरण  
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अभाव में कमी करने या उससे बचने में त्रुटि  
के लिए; और/वा

(ग) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
त्रुटि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

1. श्रीमती सरीना एस० कोठारी, रेखा एस० जैन और  
मंजय एस० कोठारी।

(अन्तरक)

2. श्री मेवंतीलाल एस० पारेख, श्रीमती मंजूला एस०  
पारेख, जिनेश एस० पारेख और बी.एल. एस०  
पारेख।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो, अनूज अपार्टमेंट्स, 2री मंजिल,  
आगस्ट क्रांती मार्ग, गवालिया टेक, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6311/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहरः



प्रश्न बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/6988/85-86—अतः सुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका प्लॉट नं० 102 जो अनूज अपार्टमेंट्स, 1 ली मंजिल आगस्ट क्रांती मार्ग बम्बई-36 में स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961, की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19 जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कुमारी सुजाता एम० कोठारी, श्री मनसुखलाल एम० कोठारी (पिता और पालक—सोनल एम० कोठारी और अन्य)।

(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप आर० शहा, श्रीमती सुभद्रा आर० शहा धिरेन आर० शहा उमेश आर० शहा और धिनेश आर० शहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 102, जो, अनूज अपार्टमेंट्स, 1 ली मंजिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6554/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

अन्तर्गत आने वाली बातें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6851/85-86--अतः मझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 220, जो, 2री मंजिल  
टी० बी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 248(ए), सुदाम  
कालू अहरेरे मार्ग और वरली रोड का जंक्शन, वरली, बम्बई-  
1 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4 जून,  
1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति  
में कमी करने या उक्त अन्तरण से सूचना के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तुको  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधि-  
नियम अन्तर्लिखित उद्देश्य के अन्तर्गत  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया या  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विरेश एन० सालीवाला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स क्यू० एम० एस० कलर प्रोसेसर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनौद्देशिकता के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 220 जो, 2री मंजिल, टी० बी०  
इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लॉट नं० 248(ए), सुदाम कालू अहरेरे  
मार्ग और वरली रोड का जंक्शन, ग्लेक्सो के पीछे वरली,  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जाँच की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6400/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

अग्रज सरकार

सहायक, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6817/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विभागाधीन भाषा मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए० जो, 1ली मंजिल, ए-विंग,  
पुरुषोत्तम टावर्स, आफ गोखले रोड, (दक्षिणी), दादर, बम्बई-  
28 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6  
जून, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाषा मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि वक्तव्योक्त सम्पत्ति का उचित भाषा  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, है वह अवमान प्रतिफल का  
कम से प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) बन्तरण से हुई किसी भाषा की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाषा या किसी भाषा या अन्य भाषाओं  
के, बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के वर्णन :-

1. मेसर्स ठाकूर कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन शंकर वर्दे और कुमारी लक्ष्मी एम० वर्दे।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12-ए, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, पुरुषोत्तम  
टावर्स, आफ गोखले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई-28 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6274/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

**प्रथम भाग. टी. एन. ए. -----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6989/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, अनूज अपार्टमेंट्स  
2री मंजिल, आगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
पीछे ऐसे अन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
स्वक्षेप से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से अभिष्ट  
गहों किया गया है :—

(क) कन्सल्ट सं० द्वारा किसी भाग की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन का जन्म जास्तिवां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चेतन एम० कोठारी धरमेश एम० कोठारी,  
अमीनशा एम० कोठारी (पिता और पालक मदन  
लाल एम० कोठारी, और मदनलाल  
एम० कोठारी, हि० अ० कु० ।

(अन्तरक)

2. श्री मयूर आर० मेहता, समीर आर० मेहता और  
विमिश आर० मेहता।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 202, जो, अनूज अपार्टमेंट्स, 2री मंजिल,  
आगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6555/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई अद्वारा दिनांक 19-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6934/85-86—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० नं० 32 जो 3रा मंजिल आरत इमारत  
ताडदेव रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूच.  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 14 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)

1. मेसर्स मित्रल वन्स्टेशन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री राजेंद्र कुमार बैद और श्री अमता बसंता देवा  
सेठीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहेस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 32 जो 3रा मंजिल आरत इमारत सं०  
एस० नं० 380 ताडदेव रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6502/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर :

प्रमुख कार्य : टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बाबू (निराकरण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6858/85-86—अतः मुझे,  
निसार ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लेट नं० 106 जो सहकार निवास दि  
मांडेल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 20, ताडदेव रोड़  
ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपायय अनु-  
सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यान्वयन  
भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी धार की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सहित्य में कभी कभी या उक्त कथने में अधिभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय धार-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगशाला  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में कथित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अंबालाल जी० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री हितेश मनहरलाल शहा और मिना पंकज शहा।

(अन्तरित)

3. मेसर्स अपमा सोसायटी नारायणपूर, ग्रहमदाबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 2) क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 106 जो, 3रा मंजिल सहकार निवास दि  
मांडेल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 20, ताडदेव रोड़,  
ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूचि जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6408/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-2-1986

मोहर :

प्रकट भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6778/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पत्रावली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि सहायक आयुक्त जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फौट्टो युनिट नं० 320, जो, मिलन इंड-  
स्ट्रियल इस्टेट, वाटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है (और  
इससे वास्तविक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कथारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सश्रम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्टर्ड है। तारीख 1 जून, 1985

का पत्रों में सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई

है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रति-  
फल से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है  
और अंतःक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संक्षेप  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकारानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
धन या निष्ठा लाया जा रहा है, छिपाव में सुविधा  
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

57—516 GI/85

1. मेसर्स साय एजन्सीज।

(अन्तरक)

2. मेसर्स लिशास आर्टिस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में बिना  
कार्यवाही करने देता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सहायक आयुक्त में लिखित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फौट्टो युनिट नं० 320, जो, मिलन इंडस्ट्रियल स्टेट  
कॉटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० अई-1/37-ईई/6244/85-  
86 और जो सश्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. मेसर्स टोडा इंडस्ट्रियल प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिंदु पारस शेट।

(अन्तर्लिखित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6480/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'आय अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सूचना के द्वारा उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- के अधिक है।

और जिसका सं० कार्यालय नं० 203, जो, व्यापार भवन, 49, पं० डिपेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में उक्त सूचना से बर्गीकृत है) और जिसका ब्यवहारना आता है अधिनियम, 1961 का धारा 269-घ कार्यालय के अधीन सूचना द्वारा उचित प्राधिकारी के कार्यालय में भविष्य में दिनांक 1 जून, 1985

का पत्राचार आता है। उक्त सूचना के द्वारा उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उक्त सूचना की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सूचना के द्वारा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्लिखित (अन्तर्लिखितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया है। उक्त सूचना, विस्तारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में उक्त सूचना की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारणों से करी करने या उसमें बचने में सुविधा मिलेगी और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्तारित उद्देश्य में, अन्तर्लिखित :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सूचना सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 203, जो, 2री मंजिल, व्यापार भवन, 49, पं० डिपेलो रोड बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6333/85-86 और जो उक्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6883/85-86--अतः भवे,  
नितार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,00,000 रुपये का है।

और निम्न सं० सं० 15, जो, गरीब नं० 24, संशोधित  
को-आर० हाउसिंग सोसायटी, वरली संकेत, बम्बई-18 में  
स्थित है और इसमें उदाहरण स्वरूप में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है और जिसमें उदाहरण स्वरूप में प्रतिनिधित्व 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि उदाहरणोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निरा बिना उक्त श्रीमती बिना श्रीमती।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती संदीप चोप्रा।  
(अन्तरितों)

3. मेसर्स न्यू स्टर्लिंग इंजिनिअरिंग कंस्ट्रक्शंस।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिता।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

पन्ना नं० 15, जो, गरीब नं० 4, संशोधित को-आर०  
हाउसिंग सोसायटी, वरली संकेत, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6315/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नितार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986  
मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त करकाय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6768/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवशता करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अरजितकी सं० फ्लैट नं० ई-6, जो ब्लाक नं० 2, मिरमन्शन  
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 29 बी, सायन  
माटुंगा स्किम नं० 6, सायन, बम्बई-22 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रारंभ रूप से वर्गीकृत है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जून, 1985

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बसा पक्का  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एम० एस० सबनानी और श्री बी० एस०  
सबनानी।

(अन्तःक)

2. श्री जी० एल० जैन।

(अन्तःक)

3. अन्तरिणी।

(वह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भाग में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ई-6, जो, 4थी मंजिल, मिरा मन्शन को-आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि० प्लॉट नं० 29 बी, सायन माटुंगा  
स्किम नं० 6, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/6234/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986  
मोहर:

प्रमुख बाई-टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6850/85-86--अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 219, जो, 2री मंजिल, टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 248 (ए) सुंदाम कालू अहेरे मार्ग, और बरली रोड का जंक्शन, बरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के किन्हीं प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में रुचिका के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को पिछले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जयेश एन० लातिवाला।

(अन्तरक)

2. मेसर्स क्यू० एस० एस० कलर प्रोसेसर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाह्यतापूर्वक के पास निवास में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 219, जो, 2री मंजिल, टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 248 (ए), सुंदाम कालू अहेरे मार्ग और बरली रोड का जंक्शन, रैकसो के पोटे, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6306/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अर्दे-1/37-ईई/6849/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्न सं० बेसमेंट यूनिट नं० 23, जो, टी० वी०  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, सुदाम कालू अहरे मार्ग और वरली रोड  
का जंक्शन, बम्बई-18 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, द्वारा के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अमिता मोहितो महाजं।

(अन्तरक)

2. मेतसे क्यू० एन० एन० इन्व्हेस्टोर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्टाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बेसमेंट यूनिट नं० 23, जो, टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट,  
सुदाम कालू अहरे मार्ग और वरली रोड का जंक्शन, बम्बई-  
18 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अर्दे-1/37-ईई/6305/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

अर्थ: बाई. टी. एन. एन. -----

1. श्री नंदलाल एवम् चावला।

(अन्तरक)

2. मेसर्स पायल इंटरप्रायजेस।

(अनास्तितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6947/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 503, जो, 5वीं मंजिल,  
व्यापार भवन, 49, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित  
है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 17 जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कमी करने या उन्हें बढ़ाने के सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके सूचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
निम्नलिखित :-

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, व्यापार भवन,  
49, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6514/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-2-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7002/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, जो, तल माता, माटुंगा कमल-  
कुंज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 582, जामे जमशेद  
रोड, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है (और इससे उभावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारा-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के  
अधीन बम्बई विभाजन राजपत्रों के तारीख में रजिस्ट्री  
है, तारीख 21-जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. श्रीमती कमलावती एम० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमलाबेन बी० शेठ और श्री प्रविण बी०  
शेठ।

(अन्तरिणी)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभाषण के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्विगुण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

फ्लेट नं० 11, जो तल माता, माटुंगा कमलकुंज को-  
ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० 582, जामे जमशेद रोड,  
माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/6568/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मेनमें आर० टी० कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री तुषार बी० त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6720/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी/603, जो 6ठी मंजिल विकास  
इमारत, अनंत गणपत पवारलेन और चिचपोकली क्रॉस रोड  
का जंक्शन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब,  
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 4 जून, 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दख्खान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दख्खान प्रतिफल से, ऐसे दख्खान प्रतिफल का  
एक प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सृजिभा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

58—516 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में बधा परिभाषित  
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० बी-603, जो, 6ठी मंजिल, विकास इमारत,  
अनंत गणपत पवार लेन और चिचपोकली क्रॉस रोड का  
जंक्शन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है।अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37-ईई/ 6193/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7-16/85-86--अतः मर्जे,  
निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 201, जो, अनूज अपार्टमेंट, आगस्ट  
क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 22-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का धर्म के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्या  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
माना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :-

1. श्री संवन्तीलाल एच० पारेख, श्रीमती संजूभा एच०  
पारेख, जितेश एम० पारेख और विनय एम०  
पारेख।

(अन्तरक)

2. राजेन्द्र रामलाल बारोट और हंसा आर० बारोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 201, जो, अनूज अपार्टमेंट, आगस्ट क्रांति मार्ग,  
2री मंजिल, गवालिया टन्क, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6-82/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:



**एकम बाई टी एन एच**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेदन सं० आई-1/37-ईई/6825/85-86—यतः मुझे,

मिस्र अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, अनुज अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6 जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जस्मिन एम० कोठारी, अनुज एम० कोठारी, मोहनलाल एम० कोठारी (पिता और पालक—मोहनलाल एम० कोठारी, हि० अ० कु०)।  
(अन्तरक)

2. श्री प्रफुल एम० बोरा और श्रीमती हर्षा पी० बोरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने ही किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लेट नं० 101, जो, अनुज अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० आई-1/37-ईई/6281/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

मिस्र अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

**व्यवस्थापक आयुक्त, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**सहायक आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6949/85-86—यतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लेट नं० 52, जो, 5वीं मंजिल, शिल्पा अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 4, 5 और 14, माटुंगा डिविजन, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क्र (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती फिलू आर० सोनावाला।

(अन्तरक)

(2) डा० मेहरू एच० करामवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोद्घातकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लेट नं० 52, जो, 5वीं मंजिल, शिल्पा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 4, 5 और 14 माटुंगा डिविजन, एम० एम० जी० ए० मार्ग, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6516/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रथम भाग टी. एच. एच.---

(1) अमीत इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स हेमांग प्रिन्टर्स।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7100/85-86—यति: मुझे,  
निगार अहमद,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० युनिट नं० 301, जो, 3री मंजिल, अमीत  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, परेल, बम्बई-12 में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 28 जून, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 303, जो, 3री मंजिल, अमीत इंडस्ट्रियल  
इस्टेट 61 एच० एच० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6665/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निगार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986  
मोहर :

प्रथम भाई, टी. एन. सु.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6999/85-86-अतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं० 11, जो प्लॉट नं० 254, किंगज्वे  
हाउस, फलन्क रोड, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है  
(और इसमें उभावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 21 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिबान  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० आर० जाधव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता पमला वासनदाती।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11 जो, प्लॉट नं० 254, किंगज्वे हाउस,  
फलन्क रोड, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० अई-1/37-ईई/6565/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा  
दिनांक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एम.एच.-----

(1) श्री राजेन्द्रकुमार पंडे सघरी।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

(2) श्री गो.मचंद उन्मचंदजी और श्री राजेन्द्रकुमार उन्मचंदजी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहीवां कइया है।

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6828/85-86--यतः मुझे, निम्नानुसार,

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसका सं० फ्लैट नं० 501, जो, निम्नाचल, 5वीं मंजिल, मोती शा लेन, भायखणा, बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कदमनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन कम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 13 जून 1985

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होने के उक्त अधिनियम में दिया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 501, जो, निम्नाचल, 5वीं मंजिल, मोती शा लेन, भायखणा, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6497/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नानुसार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:

**रूप आर्.डी.एन.एन.**

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6834/85-86—यतः मुझे, निसार अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, शिवा शैला को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, हेन्स रोड, बरली नाका, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतः-एक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या क्रिया माना जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स राजेश मोटर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश आर० शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधोप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, इमारत शिवा शैला को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, हेन्स रोड, बरली नाका, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6280/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेगर्ग साई मिहं निलडर्ग।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती. लक्ष्मी एम. बांदिबडेकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6956/85-36-यन., मुंबे,  
नि.मार्. अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो तल भावा, ए-विंग,  
इमारत तोडणकर घाडी में, ओल्ड प्रभादेवी रोड, बम्बई-25  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) और जिसका स्थावरतामा आधारित अधिनियम,  
1961 का धारा 269-क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

फ्लैट नं० 1, जो, तल भावा, ए-विंग, इमारत तोडणकर  
घाडी में, ओल्ड प्रभादेवी रोड, मोनापूर लेन, बम्बई-25 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6522/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

नि.मार्. अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का अनुसूचि  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

59—516 GI/85

दिनांक 7-2-1986

मोहर





प्रकरण आई. टी. एन. एच. 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6390/85-86—यतः, मुझे;

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 40, जो 4थी मंजिल, ताडदेव एअर-कंडिशनड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कतारामा गारुड अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्टर्ड है, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री रतिल डी० भट्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलम दामोदरदास शहा।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक है जब किसी जाय की भावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अधित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
दिया जाए और/या

(ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें से  
सुविधा के लिए।

कार्यालय नं० 40, जो, 4थी मंजिल, ताडदेव एअर-  
कंडिशनड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6461/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अन्य जहाँ सक्षम प्राधिकारी की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-2-1986

मोहर :

**प्रश्न क्र. 101 एच. एच.**

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**प्रश्न क्र. 101 एच. एच.**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

विशेष सं. अई-1/37-ईई/4931/85-86—यतः, मुझे निम्नार्थ अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट नं. 506, जो घरम पैलेस, 100-103, हुजेस रोड, गामवेवी, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है। तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए बन्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तारिती (अन्तारितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब बाधा नष्ट प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निर्धारित न वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से है कि किसी बाध की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त धारा के अन्तरक के अन्तर्गत से कभी करार या उक्त धारा से अन्तरक के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बाध या किसी बाध या अन्य बाधों को, जिन्हें भारतीय बाध-कट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता-बाना बाधित था, विधान के अधीन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत धारा 269-ब (1) के अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तिगत धारा 2—

1. श्रीमती जयदेवी चिमन्तल बाबेला और श्री चिमन्तल बबेरभाई बाबेला।

(अन्तरक)

2. मेमर्न विजिगस्टोन्स (भागादार — श्री संदीप डी. कोठारी और श्री पंकज एन. कोठारी)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की बाध या उत्पत्ती व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की बाध, जो भी बाध बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगत में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अन्तर्गत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादनी के साथ निहित में किया जा सकेगा।

सन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 506, जो, घरम पैलेस, हुजेस, रोड, गामवेवी बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ईई/6324/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार्थ अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37/ईई/6996/35-86-यन; मुझे

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० क्रमांक नं० 3, जो 2री मंजिल, हिमालय  
हाउस, 79, पलटा रोड, बम्बई-1 में स्थित है (और इसमें  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख  
क के अधीन बम्बई द्वारा सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है। तारीख 20 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाकद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गंगादाम प्रागजी मेहता।

(अन्तरक)

2. मेमर्स शाश्वत ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रमांक नं० 3, जो 2री मंजिल, हिमालय हाउस, 79,  
पलटा रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37/ईई/6562/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:

**प्रथम भाग: श्री. एन. एन. एन.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

तम्वई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6455/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 302, जो, कार्नेलियन, 104, आगस्ट क्रांति मार्ग, केम्प कालोनी, बम्बई 36 में स्थित है (और इसमें आबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका संपत्तिकार सक्षम प्राधिकारी अधिनियम 1961 धारा 269-घ के अधीन प्रत्यक्ष स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 17 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विहित में भारतीयक रूप में अधिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की धारणा, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के कारण के दृष्टिकोण से नहीं करने या करने करने से दृष्टि के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु का प्रत्यक्ष वाणिज्यिक मूल्य, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्यक्षमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्ष नहीं किया गया या या किया गया प्रत्यक्ष या, जिसने से दृष्टि के लिए;

मतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री. गैलेश चारु चारीडिया, श्रीमती, मिना एस० चारीडिया, और श्रीमती निमलाबेन चारु चारीडिया।

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप कुमार टी० गहा और श्रीमती आणा डी० गहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

**को यह दृष्टि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में विश्व कार्यालयों करता है।**

**उक्त सम्पत्ति के अर्थ में संबंध के कोई भी कारण :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 302, जो, कार्नेलियन, 104, आगस्ट क्रांति मार्ग, केम्प कालोनी, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची नैसर्गिक क्र० सं० अई-1/37-ईई/6523/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

- अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्णय सं० आई-1/37-ईई/6976/85-86--अनः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 27 और 28, जो, 2री  
मंजिल, हनुमान इमारत, नाखोडा स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कारगत्तमा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में प्रविष्टा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविष्टा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) भद्रा चिमनलाल रणछोड़दास।

(अन्तरक)

(2) सुरेश चुनीलाल भद्रा और नरेंद्र सी भद्रा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवश्यक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के  
राम निमित्त में किया जा सकेगा।

आज्ञाकारण :—इसमें प्रयुक्त सबी और कर्त का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 27 और 28 जो 2री मंजिल हनुमान  
इमारत दि आगोपिण्डन ऑफ दी हनुमान इमारत प्रिमाय-  
सेन ओनर्स प्रावोटेड लि० नांवाकाथा नाखोडा स्ट्रीट बम्बई-3  
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-1/37 ईई/6543-85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज-1 बम्बई)

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई/137 ईई/7101/85/86--अन: मुझे  
निम्नार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ते इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० यूनिट नं० 207 जो अमीन इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, 61 एम०ए० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में बंसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) इस किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक  
वस्तु, जिसका आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) के अधीन सक्षम प्राधिकारी, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा उचित बाजार मूल्य  
पाया या किया जाना चाहिए था, जमाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :—

(1) अमीन इंडस्ट्रियल

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर लेखराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बाद के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बाद के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 207, जो, 2री मंजिल, अमीन इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, 61, एम०ए० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-1/37-ईई/6666/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 6-2-1986  
मोहर :

प्रमाण ग्राह्य टी.एन.एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अन्तर्गत

**भारत सरकार****कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1 37-ईई/6995/85-86--अतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, एम्पायर  
इस्टेट इमारत, केम्पस कॉर्नर, बम्बई-36 में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य,  
उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का  
पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की निम्न, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके अर्थों के प्रविष्टि  
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी मन या अन्य व्यक्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के  
सिद्धांत के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

60—516 GI/85

(1) श्री विमला आरोरा।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश एम० शहा, जितेंद्र एम० शहा, श्रीमती  
निर्मलाबेन जे० शहा, श्रीमती रूपल मुकेश शहा,  
कुमारी नीता एम० शहा और श्रीमती आनृति  
जे० शहा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अमृत

फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, बी-ब्लॉक, एम्पायर  
इस्टेट इमारत, केम्पस कॉर्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/6581/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-2-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) नक्षत्रद्विगिता को-ऑर्ग० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री त्रिविक्रम जे० बनारसिया, श्री अमर प्रताप जे० बनारसिया और श्रीमती शारदा बनारसिया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6770/85-86--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1-डी, जो, 1ली मंजिल, 70,  
पोचखानवाला रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निगों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1-डी, जो, 1ली मंजिल, 70, पोचखानवाला  
रोड, वरली बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची के तहत क्र० सं० आई-1/37-ईई/6236/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-2-1986

मोहर :



प्रकरण आर.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एंजोनी सममन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) श्री चंद्रशेखर बी० छेडा और श्रीमती हेमा सी०  
छेडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6818/85-86—अतः सुखे,  
निसार ग्रहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका प्लॉट नं० 1429, जो, इमारत नं० 56,  
एम०आय०जी० आदर्श नगर को-ऑप० सोसायटी, प्रभादेवी,  
बम्बई-25 में स्थित है (और इनमें उल्लेख अनुसूची में  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पञ्चदशमा  
अंश प्रतिशत 1981 की धारा 269-ग के अधीन  
पञ्चदश प्रतिशत पञ्चदश के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 6-6-1985।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उचित करने में प्रविष्ट,  
जो निम्नलिखित है :(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिका के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1429, जो, इमारत नं० 56, एम०आय०जी०  
आदर्श नगर को-ऑप० सोसायटी, प्रभादेवी, बम्बई-25 में  
स्थित है।अनुसूची नैमाकी क्र०स० अई-1/37-ईई/6275/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6828/85-86---अतः मुझे,

निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, जो, 3री मंजिल, अनील  
अपार्टमेंट, कॉलेज गल्लो, दादर, बम्बई, में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कथनानुसार आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के समक्ष में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-6-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाक  
भवा संतुलन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी धन की राशि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके दायित्व में छूट का के लिए;  
अधिक

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकोष्ठार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया गया जाहिए या जियावे में  
सूचना के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ है—

(1) मेसर्स मंजथ इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदु पी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्ज के लिए  
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्ज के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में निर-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में लिख आ सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 31, जो, 3री मंजिल, अनील अपार्टमेंट,  
कॉलेज गल्लो, दादर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-1/37-ईई/6285/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रकाशित की गई।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1988

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6844/85-86—अतः सुभे,  
निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 119, जो, भारत इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और  
इसमें प्रभावशाली अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
अतः जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुभे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्राधान्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) रामसन्त स्वर्ण प्रोडक्ट्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) वेमा अपारेल्स अण्ड मर्कन्टाइल प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गाला नं० 119, जो, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टी० जे०  
रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6300/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1988  
मोहर :

प्रत्यक्ष अर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एस. भी. गंधा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिक)

(2) श्रीमती कस्तुरी बरदराज जायक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/8599/85-86 ---प्रत. मुझे,  
नियंत्रक प्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, वृंदावन,  
सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
वर्तमानमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
काय के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से काय नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग-  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, वृंदावन, 274, सायन  
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-1/37-ईई/8093/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियंत्रक प्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) मेसर्स सिने स्टुडियो।

(अन्तर 6)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नमिमबानू ख्यालबाइत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6831/85-86—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, निककंड  
अपार्टमेंट, जी० पास्ता रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका अंशरनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, बर्थात :—

फ्लैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, निककंड अपार्टमेंट,  
गोकुलदास पास्ता रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी सं० आई-1/37-ईई/6287/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985  
को रजिस्टर्ड दिया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :

प्रकृष बाई-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइत बडुकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6866/85-86—अतः सुने,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1106, जो, भागनारी को-  
ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन काँजवे रोड, चुना-  
भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता था/है या, छिपाये में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, यो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री एन० एच० चेलानी।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर आर० शेट और श्री जयंतीनाथ आर०  
शेट।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1106, जो, भागनारी को-ऑप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, डंकन काँजवे रोड, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ईई/6415/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/7063/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो 3री मंजिल जयवंत  
अपार्टमेंट्स दादरकर कंपाउंड तुलसीवाडी ताडदेव रोड,  
बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
25-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण बिबित में  
शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
— को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
61—516GI/85

(1) मेमसें जयवंत डेव्हलोपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जमनादास टी० पारेख और श्रीमती हेमांगिनी  
टी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाबत :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
जमाित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो 3री मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट्स  
दादरकर कंपाउंड तुलसीवाडी ताडदेव रोड, बम्बई-34 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/6628/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 6-2-1986

मोहर :

प्रमाण पत्र टी. एन. एल. -----

(1) श्री वनपालीदास एच० मिस्त्री ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोर्विन वि० केवलानी, हि०स०कु० और श्री गिरीश आर० केवलानी ।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करा हों।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6823/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० बी-1 जो, तल माला, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, 13 जी०डी० आंबेकर रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वारंतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्ममान प्रतिफल से ऐसे धर्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्राव्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में मिलवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाबस्ताधारी के पास निश्चित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को श्राव्यिक में करी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

यूनिट नं० बी-1, जो, तल माला, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी०डी० आंबेकर रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/6279/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहर :



**अध्यापक, टी. एन. ए. ए.**

(1) मेसर्स सेन्चुरी इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

(2) श्रीमती निर्मला शिवबहादुर सिंग।

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

**कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6904/85-86—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, भवानी कॉम्प्लेक्स बी-इमात, भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण प्रतिफल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से होने वाली आय की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने से अन्तरक की वास्तविकता में कमी करने या सबसे अधिक से अधिक की जाय। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंचित प्रमाण चाहिए था, छिपाने से बचाया जा सके।

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

**सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में पक्षों की वाक्यांश :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, भवानी कॉम्प्लेक्स बी, भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-1/37-ईई/6475/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-2-1986  
मोहर।

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ए०आर०आई०बी०/37ईई/20192/85-86—

अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, नीलधारा बिल्डिंग, बोरीवली  
(पू०) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख  
1 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्त-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या छिपा जाना चाहिए था. छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश एन० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री बालूराम आर० विभवक्रमा और अन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ रहेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, नीलधारा बिल्डिंग, देवीदास रोड बोरी-  
वली (पू०) बम्बई अनुसूची जैसाकी क्र०सं० ए०आर०/  
IV/37-ईई/20192/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी;  
बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 4, बम्बई

तारीख : 15-1-1986

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 31st January 1986

No. A.19014/2/86-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri Jit Singh, a permanent Grade I officer of the C.S.S. and officiating as Deputy Secretary on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1986.

The 13th February 1986

No. A.32013/2/85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. R. Mani, Senior Research Officer (Language) (Rs. 1100—1600) in the Office of the Union Public Service Commission, to hold the additional charge of the higher post of Joint Director (Examination Reforms) (Rs. 1500—2000) in addition to his own duties as Senior Research Officer (Lang.) in the Commission's office w.e.f. 10-2-1986 till a regular appointment to the post is made.

2. The pay of Shri Mani for the duration of the additional charge will be regulated in accordance with FR 49(i).

M. P. JAIN  
Under Secretary (Admn.)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG.,  
ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES  
AND PENSION

(DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING)  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 5th March 1986

No. A-31016/3/83-ADI(DPC)—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Scientific Officers (Gr. II) CFSI/CBI in substantive capacity in that grade with effect from the dates mentioned against each:-

Sl. Name No.	Date of confirmation tion
S/Shri	
1. K.S. Chhabra . . . . .	12-12-80
2. S.C. Mittal . . . . .	10-6-82
3. Rup Singh . . . . .	10-6-82
4. G.D. Gupta . . . . .	2-8-82
5. C.M. Patel . . . . .	6-12-82
6. M.C. Johri . . . . .	29-4-84
7. V.K. Goyal . . . . .	7-5-85

No. 1-22/85-CFSL.—The President is pleased to appoint Dr. M. C. Johri, Sr. Scientific Officer, Gr. II (Physics), Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi as Sr. Scientific Officer, Gr. I, (Photography) in the Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi in a temporary capacity w.e.f. the afternoon of 10th January, 1986 until further orders.

No. A.31016/17/81-AD I(DPC)—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Scientific Officers (Gr. I) CFSI/CBI in the substantive capacity in that grade with effect from the dates mentioned against each :-

Sl. Name No.	Date of confirmation tion
S/Shri	
1. Dr. G.R. Prasad . . . . .	12-12-80
2. Dr. R.K. Bhattacharya . . . . .	1-4-81
3. K.V. Sambasiva Rao . . . . .	10-6-82
4. Dr. S.R. Singh . . . . .	29-4-84

K. CHAKRAVARTHI  
Dy. Director (Admn.)  
C.B.I.

New Delhi-3, the 4th March 1986

No. 3/44/85-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Balwant Singh Negi, Dy. Supdt. of Police an officer of the Himachal Pradesh State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in CBI (Punjab Cell)/Chandigarh with effect from the forenoon of 11th February, 1986 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE  
Administrative Officer (E)  
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 27th February 1986

No. O.II-1761/82-Estt.(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Pradhan, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from forenoon of 31-1-1986 for a period of two months or till the post is filled in by the regular incumbent, whichever is earlier.

No. O.II-2003/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manzar Afaq as JMO in the CRPF on ad-hoc basis from 30-1-86 to 7-2-86.

No. O.II-2003/85-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Manzar Afaq as General Duty Officer, Grade-II (Dy SP/Coy Commander) in a temporary capacity in the CRPF with effect from the forenoon of the 8th February, 1986 till further orders.

The 28th February 1986

No. P.VII-1/81-Estt.-I, Vol.-V.—Reference this Directorate General, Notification of even number, dated the 16th March, 1983.

2. The date of taking over charge in respect of Shri B. S. Rathore, Dy. SP at serial No. 67 of the notification is amended to read as 28-10-1981, instead of 10-1-1982.

No. O.II-1812/83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Girish Chandra, GDO Grade-II of 23 Bn, CRPF with effect from the afternoon of 31-1-1986 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (TS) Rules, 1965.

No. O.II-1971/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 24-1-86 F.N. for a period of two months or till the recruitment is made to the post on regular basis, whichever is earlier.

The 7th March 1986

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis from 10-2-86 to 18-2-86.

M. ASHOK RAJ  
Assistant Director (Estt.)

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th March 1986

No. E-28017/10/84-Pers.II-424.—Shri Vijay Singh, an officer of the BSF, on deputation to CISF as Assistant Commandant (Vice Principal) in Recruits Training School, CISF, Deoli (Rajasthan), expired on 23rd February, 1986. He is struck off from the strength of CISF with effect from the forenoon of 24th February, 1986.

Sd./- ILLEGIBLE  
Director General/CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd March 1986

No. 11/5/84-Ad.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) and who were initially appointed as Deputy Director of Census Operations on ad-hoc basis as per details mentioned against them, to the post of Deputy Director of Census Operations in the Office of the Registrar General, India, on regular basis in temporary capacity with immediate effect until further orders. The Headquarters of these officers will be at New Delhi :

S. No.	Name of Officers	Date from which initially promoted as Deputy Director of Census Operations on ad-hoc basis	Notification Number and date under which promoted ad-hoc
	S/Shri		
1.	R.P. Tomar	31-3-80 (AN)	11/102/79-Ad.i dated 28-4-1980
2.	M.K. Ahuja	2-5-80 (FN)	11/102/79Ad.I dated 23-5-80
3.	V.P. Rastogi	31-3-80 (FN)	11/102/79-Ad.I dated 28-4-80
4.	A.K. Biswas	27-3-80 (FN)	11/102/79-Ad.I dated 26-4-80

V.S. VERMA,  
Registrar General, India

## DIRECTORATE OF O&amp;M SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 28th February 1986

F. No. 36/10/82-AD/DOMS-6208.—On his attaining the age of Superannuation, Shri K. A. Hariharan, Junior Analyst, Staff Inspection Unit, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi and presently working on deputation as Additional Assistant Director in this Directorate relinquished the charge of Additional Assistant Director in the

Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi on the afternoon of 28th February, 1986.

S. M. CHICKERMANE,  
Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

## CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 5th March 1986

No. Admn.I/O.O. No. 407.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri M. L. Verma, a permanent Audit Officer of this office, presently working as Welfare Officer, will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, 1986. His date of birth is 22nd March, 1928.

Sd./- ILLEGIBLE  
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) II,  
BIHAR  
(LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi-2, the 27th February 1986

No. L.A. Admn.I/Estt.I(I)-Pro forma-Prom-3866.—The Accountant General (Audit) II, Bihar, Ranchi has been pleased to give pro forma promotion to Shri Raghu Prasad Sharma, S.O. (A) of L.A. Wing now on deputation to commercial Audit to officiate as Assistant Audit Officer with effect from 1st November, 1985 (F.N.) under next below rules in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.

D. MUKHERJEE,  
Examiner of Local Accounts,  
Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)  
J & K SRINAGAR

Srinagar, the 18th February 1986

No. Admn.I/A&E/85-86/60(22) 4911.—The Accountant General (J&K) has been pleased to appoint Sh. M. L. Razdan, a permanent (S.O.) to the post of Accounts Officer in the pay scale of (Rs. 840-40-1000-EB-40-1200) in an officiating capacity with effect from 25-11-1985 (A.N.) till further orders. Sh. M. L. Razdan, will rank next to Sh. Yog Ji Dassi, (A.O.) in the officiating Accounts Officer's Cadre.

A. K. SHARMA,  
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 6th March 1986

No. 7295/A.Admn/130/82-85.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders, from the date noted against each:-

Sl. No.	Name & Designation	Office in which serving	Date from which appointed
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	R.N. Bandyopadhyay, A.A.O.	On deputation with the Deptt. of Science &	10-2-86 (Pro'forma) promotion

1	2	3	4
		Technology, Technology Bhawan, New Delhi.	
2.	K. K. Mazumdar	Director of Audit (Ordnance Factories), Calcutta)	10-2-86

B.S. TYLE,  
Joint Director of Audit,  
Defence Services.

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT**  
**OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110 066, the 27th February 1986

No. AN/I/1688/5/I.—The President is pleased to appoint Shri S. Swaminathan, an officer in Level-I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th February, 1986, until further orders.

R. B. KAPOOR  
Additional Controller General of Defence Accounts  
(Administration)

**MINISTRY OF DEFENCE**  
**INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE**  
**ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta-1, the 4th March 1986

No. 12/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri G. Bhattacharya, IDAS, Controller of Finance, Ordnance Factory Board retired from service w.e.f. 28th February, 1986/AN.

V. K. MEHTA,  
DDGOF/Estt.

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS**

New Delhi, the 27th February 1986

IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1520/85-ADMN(G)1713.—On attaining the age of superannuation, Shri Amrik Singh, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-1-1986.

SHANKAR CHAND,  
Dy. Chief Controller of Imp. & Exp.  
for Chief Controller of Imp. & Exp.

**MINISTRY OF TEXTILES**  
**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 28th February 1986

No. 37(6)/Est-I/86/871.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st January, 1986 and until further orders, Shri P. C. Jain, as Deputy Director (Chemical Processing) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

ARUN KUMAR,  
Textile Commissioner

**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)**

New Delhi, the 28th February 1986

No. 34/15/83-Admn-I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. D. Francis, Deputy Director (Northern

Region), in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, retired from Government service, with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

NEERA YADAV,  
Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS**

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 14th February 1986

No. A-6/247(521).—Shri S. B. Paul, Permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and Officiating Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service on the afternoon of 31st December, 1985 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI,  
Dy. Dir. (Admn.)  
for D.G. of S&D.

New Delhi-110 001, the 26th February 1986

No. A-6/247(580).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Pandey, Deputy Director of Inspection (Met.) Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Met. Branch) as Director of Inspection, Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A' on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 8th January, 1986 and until further orders.

2. The ad-hoc promotion of Shri S. K. Pandey, will not bestow on him any claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of Seniority in that grade for eligibility for promotion and confirmation etc.

3. The appointment of Shri S. K. Pandey as Director of Inspection, Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A' is subject to the outcome of the three L.P. Gas No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and writ Petitions No. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Annad. Deputy Director of Inspection in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court.

4. Shri S. K. Pandey, Dy. Director of Inspection (Met.) at Tatnagar on ad-hoc promotion, assumed charge of the office of the Director of Inspection in Calcutta Inspection Circle at Calcutta on the Forenoon of 8th January, 1986 on temporary transfer basis for a period not exceeding 180 days.

No. A-17011/98/76/A-6.—Shri J. K. Ghosh, Permanent Assistant Inspecting Officer (Textiles) and officiating Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection N.I. Circle, New Delhi has retired from service on the afternoon of 31st January, 1986 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI,  
Dy. Dir. (Admn.)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA**  
(KHAN VIRHAG)

**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 5th March 1986

No. 1540B/A-22014(2-0/S)/81/19B.—Shri B. K. Bose, STA (Survey) Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.C.I. as Officer Surveyor in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-401-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the Forenoon of 31-12-85, until further orders.

No. 1557B/A-32013(2-SO)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri G. C. De, Officer Surveyor, GSI on promotion to the post of Survey Officer in the same department on Pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-1-1986, until further orders.

A. KUSHARI,  
Director (Personnel)  
Geological Survey of India

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd March 1986

No. A-19011(376)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. M. Shambharkar, Assistant Research Officer, Indian Bureau of Mines is appointed to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon 13-2-1986.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines.

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 28th February 1986

No. 4-161/78/Estt.—On attaining the age of superannuation Shri Himansu Nag, Statistician, has retired from Govt. service with effect from the afternoon of 28th February 1986.

P. C. DUTTA,  
Superintending Anthropologist

#### DIRECTORATE GENFRAI : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th March 1986

No. 18/121/85-S.IV.—Consequent upon his promotion Sh. K. R. Ramamoorthy, Senior Engineering Assistant has assumed charge of the post of Assistant Engineer in Ugraha Doordarshan Kendra, New Delhi on 18-10-85(FN).

No. 17/4/86-SIV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed the charge of the posts of Assistant Engineers at different offices of All India Radio and Doordarshan from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name	Station/Office	Date of joining
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Satpal Singh	AIR Jalandhar	31-12-85 (FN)
2.	Pyare Lal	CE (North Zone)	30-12-85 (FN)
3.	C. Kharbanda	Do.	10-1-86 (FN)
4.	J.K. Pant	Do.	30-12-85 (FN)
5.	Smt. Chander Kanta	CE (R&D)	24-12-85 (FN)
6.	K.S. Singh	AIR, Suratgarh	1-1-86 (FN)
7.	A.C. Khurana	HPT, AIR, Aligarh	20-1-86 (FN)
8.	N.K. Mondal	AIR, Ranchi	30-12-85 (FN)
9.	D.U. Sarma	AIR, Visakhapatnam	18-1-86 (FN)
10.	D.R. Rao	AIR, Jeypore	30-1-86 (FN)
11.	N.C. Dutta	DDK, Kurseong	2-1-86 (FN)
12.	S.N. Choudhary	LPTV, Gangtok	29-1-86 (FN)

1	2	3	4
13.	H.S. Govindarajan	AIR, Bangalore	5-2-86 (FN)
14.	Bhupinder Singh	DDK, Jalandhar	30-1-86 (FN)
15.	S.R. Hardikar	DDK, Nagpur	1-2-86 (FN)
16.	B.C. Hazarika	DDK, Dibrugarh	17-2-86 (FN)

B. S. JAIN,  
Dy. Director of Administration,  
for Director General.

#### SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 3rd March 1986

No. A.22012/4/83-CGHS.I.—Consequent upon his transfer from C.G.I.S. Delhi to Central Government Health Scheme, Calcutta, Dr. A. K. Dey, relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of the 14th January, 1986 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Calcutta with effect from the forenoon of the 24th January, 1986.

No. A.12025/3/84-CGHS.I(Pt.).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sh. K. K. Kapoor to the post of Administrative Officer in Central Govt. Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 3rd February 1986.

The 5th March 1986

No. A.12025/3/84-CGHS.I(Pt.).—Consequent upon his appointment to the post of Administrative Officer under Central Govt. Health Scheme, Calcutta Sh. S. G. Gupta relinquished the charge of the post of Asstt. Depot Manager under Central Govt. Health Scheme, Bombay on the Afternoon of 7th February, 1986.

T. S. RAO,  
Dy. Dir. Admn. (CGHS)

#### DELHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 13th December 1985

#### ORDER

No. 6-1/83-Vig.—WHEREAS Shri Nathi Lal, Mate was chargesheeted under Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965 vide chargesheet memo No. 6-1/83-Vig. dated 21-2-83 on the following charges :—

"That the said Shri Nathi Lal while functioning as Mate in D. M. S. has been absents himself from duty unauthorisedly without prior permission/sanction of the competent authority with effect from 25/1/82 onwards. He is thus charged with absents himself from duty unauthorisedly w.e.f. 25/1/82 onwards without prior permission & sanction of the competent authority which acts are unbecoming of a Govt. Servant and are in violation of CCS (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS Shri Satya Kam was appointed E.O. who has submitted his reported dated 20/8/85 (copy enclosed) in which the charge of remaining unauthorisedly absent from duty has been established against Shri Nathi Lal, Mate. The undersigned agree with the findings of Enquiry Officer that Shri Nathi Lal Mate has remained unauthorisedly absent from the duty. Shri Nathi Lal had not attended the enquiry proceedings on the following dates in spite of being despatched to him directing him to attend the inquiry proceedings. The following notices

were sent to him but received back with the remarks of the Postal Authorities :—

Date of Notice	Date of Hearing	Remarks of the Postal Authorities
1. 19-9-83	27-9-83	Regd. A.D. with the remarks that the "Intentionally avoided to take delivery".
2. 15-2-84	28-2-84	In spite of repeated visits the receiver was not available at his residence.
3. 16-1-85	30-1-85	No person of this name lives in the villages.
4. 16-4-85	25-4-85	No person after this name lives in the village. Address out of station for unknown period
5. 26-5-85	15-7-85	Intentionally avoided to take delivery.

After careful consideration of the facts on record and the Inquiry Report as aforesaid the undersigned agrees with finding of E.O. and has come to the inescapable conclusion that Shri Nathi Lal, Mate is not interested in government service and therefore he is not a fit person to be retained in govt. services. It is clear from the facts and circumstances of this case that on certain occasions he was not available at his last known address on Postal and some occasions he deliberately avoided to receive the notice from Postal Authorities. He is, therefore, found guilty of the charge.

Now, therefore, in exercise of the Powers under Rule 11 of the CCS (CC&A) Rules, 1965 the undersigned, for good and sufficient reason imposes the penalty of Compulsory Retirement from service on Shri Nathi Lal, Mate.

DIPAK JAIN  
Dy. General Manager (Adm.),  
Disciplinary Authority

Shri Nathi Lal, Mate  
S/o Shri Sohan Lal.

Address :—

1. D-192  
Raghubir Nagar,  
New Delhi-27.

2. Village—Nongaon.  
P.O. Ramgarh,  
Distt. Alwar (Rajasthan).

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 6th February 1986

Ref. No. DPS/41/10/85-Adm/1576.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. N. Kandpal, a permanent Store-keeper to officiate as a Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 26-12-1985 (FN) to 15-2-86 (AN) in the same Directorate vice Shri M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave.

The 3rd March 1986

Ref. No. DPS/2/1(20)/83-Adm/1442.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

Energy appoints Shri Suresh Shantaram Prabhu Zante, a permanent Upper Division Clerk and officiating Asst. Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- from 26-11-85 (F/N) to 28-2-86 (A/N) in the same Directorate.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer.

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 24th February 1986

No. NFC/PAR/0703/388.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/2950 dated November 23, 1985, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- on ad hoc basis is extended upto 22-5-1986 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI  
Manager, Personnel & Admn.

#### DEPARTMENT OF SPACE (ISRO SATELLITE CENTRE)

Bangalore-17, the 24th February 1986

No. 020/1(15.2)/86-Est-I.—Director ISRO Satellite centre is pleased to appoint Shri B. S. Nagesh Rao to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of November 7, 1985 in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

H. S. RAMADAS  
Administrative Officer-II.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th February 1986

No. A-32013/10/85-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. S. Krishnan, Director of Airworthiness to the grade of Dy. Director General in the Civil Aviation Department with effect from 11-11-83 on notional basis since Shri Krishnan actually took over the charge of the post of Dy. Director General w.e.f. 21-2-86 (F/N), the monetary benefits shall be payable w.e.f. the 21-2-86 (F/N). (Authority :—Ministry of Transport Deptt. of Civil Aviation letter No. A-32013/28/85-VE dated 21-2-86).

J. C. GARG  
Jt. Director of Administration,  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 20th February 1986

No. A-32014/7/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants (at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650-1200/- on regular basis with effect from January 28, 1986 and until further orders :—

Serial No. Name

- | 1. | 2.                |
|----|-------------------|
|    | S/Shri            |
| 1. | N. S. Miyan       |
| 2. | Shital Singh      |
| 3. | M. M. Chakraborty |
| 4. | H. N. Adhikari.   |
| 5. | M. M. Chakraborty |
| 6. | V. R. Sharma.     |

1. 2.

7. P. K. K. Nair.
8. O. P. Khurana.
9. J. S. Saib.
10. K. R. Narasimhan.
11. P. S. Narayanan
12. S. V. Patnaik.
13. G. C. Chhabra.
14. Jagir Singh.
15. K. Velayudhan II.
16. K. Muthukrishnan.
17. K. Velayudhan I.
18. P. Y. Khadikar.
19. J. B. Sonar.
20. K. Narayanan.
21. Surjit Singh.
22. D. Bhattacharya.
23. S. C. Sood I.
24. H. R. Ranjan.
25. S. D. Kumar.
26. B. S. Parmar.
27. S. C. Sood II.
28. S. K. Khanna.
29. P. K. Kapoor.
30. M. P. Chauhan.
31. J. N. Nag.
32. J. S. Deal.
33. Nand Kishore.
34. P. K. Chanda.
35. S. K. Chanda.
36. Yagub Khan.
37. J.S. Saxena.

V. JAYACHANDRAN  
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 7th March 1986

No. A 12025/1/84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. N. Dwivedi to officiate as Airworthiness Officer in the scale of pay of Rs. 700—1300 with effect from 3-2-1986 (FN) until further orders.

Shri S. N. Dwivedi is posted in the O/o the Director of Airworthiness, Safdarjung Airport, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE,  
Dy. Dir. of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS CENTRAL EXCISE

Bangalore-1, the 27th February 1986

No. 1/86.—In exercise of the powers conferred by me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the Assistant Collector of Central Excise to exercise within their respective jurisdictions the powers of Collector's under 173H of Central Excise Rules, 1944.

SUKUMAR SHANKAR,  
Collector

Nagpur, the 4th March 1986

No. 4/86.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector Central Excise, Shri P. R. Joshi Senior Superinten-

dent Group 'A' Central Excise has assumed the charge as Assistant Collector Central Excise Nagpur on 16-2-86.

R. K. AUDIM,  
Deputy Collector (P & E)

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 27th February 1986

No. 3-737/86-Estt.(M).—Shri H. L. Verma is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.e.f. 31-1-86 (FN).

The 5th March 1986

No. 3-738/86-Estt.(M).—Shri N. C. Gera is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.e.f. 7-2-86 (FN).

S. K. DAS  
Chief Engineer & Member

#### MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT TOWN & COUNTRY PLANNING ORGANISATION

New Delhi-110002, the 5th March 1986

No. A-12026(9)/85-TCPO/Admn.—The Chairman, Town & Country Planning Organisation is pleased to appointment Smt. Urmila Datta, Research Assistant to the post of Assistant Economist (G.C.S. Gr. B Gazetted) w.e.f. 21-2-86 (FN) until further orders.

B. C. SHYNGLE  
Administrative Officer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 7th March 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint the following nominees of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions.

1. Shri B. K. Chakravarti—2-1-86.

2. Shri Navneet—23-1-86.

They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their appointment.

PRITHVI PAL SINGH  
Deputy Director of Administration

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 27th February 1986

No. 22/2/86-Admn.I(B).—In partial modification of this office notification No. 127/86 F. No. 22/2/85-Adm.I(B), dated the 11th February 1986, the date of appointment of Shri B. C. Joshi may please be read as 31-1-1986 instead of 30-1-1986.

R. SHESHADRI,  
Under Secy.  
for Chairman



MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Garden Cities & Home Crafts Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 14311/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Garden Cities & Home Crafts Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Movie Makers Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24681/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Movie Makers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
B.B.G. Engineering Industries Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 26682/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B.B.G. Engineering Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
A.M. Electronics Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 33742/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of A.M. Electronics Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
P.A. Management Consultants Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21517/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P.A. Management Consultants Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ranchi Tools Manufacturing Co. Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24522/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ranchi Tools Manufacturing Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Banarsilal Jhunjunwala Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21067/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Banarsilal Jhunjunwala P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Biological Supply Concern Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21059/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Biological Supply Concern Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
K. L. Basu Co. (Steels) Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 25095/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of K. L. Basu & Co. (Steels) P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ideal National Development Syndicate Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 14275/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ideal National Development Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Philip & Co. Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 19108/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Philip & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Planters Guide & Supply Co. Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 10468/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Planters Guide & Supply Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Temple Nursing Home Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 30587/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Temple Nursing Home Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ajmeri Company Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ajmeri Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bengal Stationary Co. Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24284/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Stationary Co. P. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kanaipur Development Concern Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27343/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kanaipur Development Concern Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Aladro Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 23842/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aladro Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bhowmick Agencies Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the Bhowmick Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Adivasi Mines & Industry Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 30636/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Adivasi Mines & Industry Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Chowringhee Press, Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27410/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chowringhee Press Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Ganga Sagar Rice Mills Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 18572/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ganga Sagar Rice Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Glamour Publicity Private Limited*

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24231/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Glamour Publicity Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,  
Addl. Registrar of Companies  
West Bengal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1673/1985-86.—Whereas,  
J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown covered Car Park full in Building No. A+B at Ground floor, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
75—516GI/85

(1) M/s Kundan Associates,  
Builders & Promoters,  
11 Rahul Apartments,  
Shankershet Road,  
Pune-2.

(Transferor)

(1) Shri Kundanmal  
Zumbarlal Kataria,  
11 Rahul Apartments,  
Shankershet Road,  
Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godwon and covered car park full, in Building No. A+B at ground floor at Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1673/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 10-1-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Janakpuri Sahkari Greh Nirman Samity Ltd.,  
Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chandradip Singh alias Dashai Singh  
s/o late Shri Yadunandan Singh,  
At & P.O. Doulatpur,  
P. S. Gourichak, Dist. Patna

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-1201/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
thana No. 9, touzi No. 227, khata No. 316, plot No. 825  
situated at mouza Sadikpur-yogi, P. S. Kankarbagh, Dist.  
Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
at Vaishali on 26-6-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Land measuring 2146 sq. ft. situated at Sadikpur-yogi,  
P.S. Kankarbagh, Dist. Patna and morefully described in deed  
No. 5003 dated 26-6-85 registered with D.S.R. Vaishali.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely,—

Date : 13-2-86.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Syam Nandan Roy of  
Bhoba Tola,  
Mubarakpur, Patna

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Adhunik Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1190/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Plot No. 2054P, 2067P, 2061P, 2059P, 2697, Khata No. 503, 506, 50 , 516, 518 Tauzi No. 16, Thana No. 40 situated at (Not mentioned in the 37G form) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 117 decimals situated at (Not mentioned in the 37G form) Patna and morefully described in deed No. 8766 dated 17-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-86.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1191/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing thara No. 105 khata No. 312, khasra No. 2718 situated at mouza Digha-kalan, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vaishali on 19-6-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Thakur Singh  
s/o late Mahabir Singh  
Vill. Dighi-Kalan,  
P.O. & P. S. Hajipur, Dist. Vaishali. (Transferor)
- (2) Shulabh Sahakari Gidh Nirman Samity Ltd.,  
Hajipur Dist. Vaishali, through its secretary  
Sri Vajendra Kumar Srivastva (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha situated at mouza Dighi, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali and more fully described in deed No. 4850 dated 19-6-85 registered with D. S. R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

(1) Shri Laxmi Niwas Ram  
S/o Ramji Ram of New Dak Bunglow,  
Road, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Dr. Raj Kishore Sinha  
S/o Late Sadhu Saharan Sinha of Marachi,  
P.S. Pun-Pun, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. III-1192/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Holding No. 646/506(old), Circle No. 13, plot No. 588,  
touzi No. 10723, Holding 506/53 (new) situated at Janak  
Kishore Road, Moh. Kadamkuan, P. S. Dist. Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the  
Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New  
at Patna on 19-6-85.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or;(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 5 katha 10 dhur situated at  
Janak Kishore Road, Moh. Kadamkuan, Dist. Patna and  
morefully described in deed No. 4367 dated 19-6-85 register-  
ed with D. R. S. Patna.DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 13-2-86.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1193/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. S. No. 482, Khata No. 270, 476, 35 & khasra No. 2685 (old) 3838 (new) 2665 (old) 3837(new) situated at Paigamberpur, P. S. Kanti, Dist. Muzaffarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 19-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shri Ram Raj Singh  
s/o late Kirit Singh  
at Surheria,  
P. S. Dawat, Dist. Rohtas,  
at Present Brahmpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Rajib Ranjan,  
Sri Ranjan & Priya Ranjan  
s/o Ram Ashra Prasad Singh,  
At Birpur, P. S. anti, Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha situated Paigamberpur, P. S. Kanti Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11747 dated 19-6-85 registered with D. S. R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.  
Seal :



## FORM I.T.N.S.

(1) Purbhi Ashok Nagar Sahakari Greh Nirman Samity Ltd. through its secretary Sri Bimla Nand Pd. Purbhi Ashok Nagar, Kankrabadh Patna.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

(2) Intra Prasta Sahakari Greh Nirman Samity Ltd. through its secretary Sri Baidya Nath Singh, Khajanchi Road, Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1194 Acq-85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 227, khata No. 227, P. S. No. 14, Khesra No. 122 & 123 situated at P. S. Alamganj Dist. Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 10-6-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 95 decimals situated at P. S. Alamganj, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4065 dated 10-6-85 registered with D.S/R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-86.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1195/ Acq '85-86.- Whereas, I, DURGHA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. thana No. 2, khata No. 241, touzi No. 5123, plot No. 2369 situated at mouza Mainpura, P. S. Shrikishnapuri, Dist. Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 27-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Surajmani Devi  
W/o Ramakant Sharma  
At & P. O. Amahara,  
P. S. Bihta,  
Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Gupta  
w/o Sri Saroj Kumar Gupta  
At Gandhi Path,  
Mithapur,  
P. S. Gandanibagh,  
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha situated at mouza Mainpura, P.S. Shrikishnapuri, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4589 dated 27-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGHA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1196/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 705, holding No. 223, ward No. 5, present holding No. 364, ward No. 8 situated at Malviya Road, Dist. Hazaribagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hazaribagh on 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

64-516GT/85

- (1) Suwalal Gangwal  
s/o Babu Ganga Bux (deceased of  
Boddom Bazar,  
Hazaribagh. (Transferor)
- (2) Smt. Ginia Devi  
w/o Sri Bhouri Lal Jain of  
Boddom Bazar,  
Hazaribagh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 katha 12 dhur 4 dhurki situated at Malviya Road, Hazaribagh and morefully described in deed No. 8479 dated 3-6-85 registered with D.S.R. Hazaribagh.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1197/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 762, (Part), holding No. 722/401, Ward No. 2 Circle No. 6 situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 18-6-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Gagan Sahakari Greh Niman Samity Ltd.  
thorough its secretary  
Md. Reyazuddin Khan,  
resident of Grant Hotel Premises,  
Fraser Road,  
P. S. Kotwali,  
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Chander Bhan Gupta  
S/o Sri Sohan Lalji Gupta,  
resident of 204, Patliputra Colony,  
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Entire flat No. 405 on the 4th floor of "Gagan Apartments" measuring 1056 sq. ft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4318 dated 18-6-85 registered with D. S. R. Patna.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1198/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing plot No. 762, holding No. 722/401(new), 316 (old), ward No. 2, circle No. 6, situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 4-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the deflection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gagan Bahukari Gish Nirman Samity Ltd., Patna  
through its secretary Md. Reyazuddin Khan,  
resident of Grand Hotel Premises  
P. S. Kotwali,  
Dist. Patna.

(Transferor)

(1) Sri Ramawatar Rongta  
S/o Sri Matadin Rongta,  
resident of New Dak Bungalow Road,  
P. S. Gandhi Maidan,  
Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 21 being part of the ground floor of 'Gagan Apartments' measuring 302 sq. ft. situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3926 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1199/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGAS PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. property having a fair market value exceeding Thana No. 161 khata No. 177, Khesra No. 1143 situated at mouza Dhanouti-Habibullah, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vaishali on 4-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tapeswar Singh Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its Secretary Sri Pramod Kumar Singh, At-Khopi, P. S. Jandaha, Dist. Vaishali (Hajipur). (Transferor)

- (2) Smt. Urmila Devi w/o Jai Prakash Singh At-Dharahara, P.O. Karhasi, P.S. Dinara, Dist. Rohtas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3900 sq. ft. situated at mouja Dhanouti-Habibullah, P. S. Hajipur Dist. Vaishali and more fully described in deed No. 4340 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA

Patna-800001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1200/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey plot No. 328, touzi No. 26, khata No. 42, thana No. 12 situated at mouza Kumharar, P. S. Sultanganj, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopikant Pathak,  
Secretary of Upkar Sahakari Greh Nirman Samity  
Ltd., Patna. (Transferor)
- (2) Shri Ranjit  
s/o Bishwanath Pd.  
Vill. Daudbigha,  
P.O. Rajendra Nagar, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. situated at mouza Kumharar, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4669 dated 13-6-85 registered with D. S. R. Vaishali (Hajipur.).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 13-2-86.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1202/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGHA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 762 (part), holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6 situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name :—

- (1) Gagan Sahakari Greh Nirman Samity Ltd., through its Secretary Md. Reyazuddin Khan, resident of Grand Hotel Premises, Fraser Road, P. S. Kotwali, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) Shyam Lal Lakhmani and Deyanand Lakhmani sons of Sri Ganesh Mall Lakhmani, resident of Kathal Bari, P. S. & Dist. Darbhanga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 506 on the floor of "Gagan Apartments" measuring 1059 sq. ft. situated Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3925 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1203 / Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. G. No. 406, Block No. I, ward No. 9, holding No. 89, (new), 286 (old), khata No. 155, khesra No. 389 (new), 803 (old) situated at Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 13/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Bujhawan Das alias Gyan Mohan Das  
S/o late Ghathu Das of  
Saraiyaganj,  
Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Kaushal Kumar Mashakhara  
S/o Shri Matadin Mashakhara of  
Purani Bazar,  
Gudari Road,  
Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 sq. ft. situated at Moh. Saraiyaganj, J. S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11260 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1204/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGHA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 24, touzi No. 5234, khata No. 104, plot No. 384 situated at Mainpura-Shankar, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, N. Delhi at Patna on 26/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babu Sheodewan Singh  
S/o late Babu Ram Lakhan Singh,  
at Chamarichak,  
P. S. Danapur,  
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Budhijivi Sahakari Grih Nirman Samity Ltd.,  
Danapur  
through its secretary Shri Ritan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha 10 dhur situated at Mainpura Shankar P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4545 dated 26-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. IT-1205/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. S. No. 402, Khata No. 1067, Khesra No. 604, 605, 606, Holding No. 533 situated at Moh. Brahmpura, P. S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Muzaffarpur on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

65-516 GI/85

(1) Shri Shyam Chandra Prasad  
S/o Late Bigan Sah of  
Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Brij Bihar Prasad  
S/o Shri Yadav Chandra Prasad of  
Brahmpura, P. S. & Dist.  
Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 3 katha 6 dhur situated at Moh. Brahmpura, P.S. & Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 11239 dated 13-6-85 registered with D. S. R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-3-1986

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

(1) Shri Bimla Sharan Singh  
S/o Late Shri Jitu Singh,  
At Rupaspur,  
P. S. Danapur,  
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.,  
New Market,  
Patna,  
through its Secretary  
Shri Upendra Prasad Sah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. III-1206/Acq./85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Touzi No. 5559, thana No. 20, khata No. 426, Khesra No.  
418 situated at Mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer at  
Vaishali on 19-6-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transferor  
and/orb) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 9½ decimals situated at Mouza Dhanout,  
P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed  
No. 4878 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Vaishali  
(Hajipur).DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, PatnaNow, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
person, namely :—Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1207/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. touzi No. 5359, thana No. 20, chata No. 426, khesra No. 418 situated at mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the name of the Registering Officer at Vaishali on 19/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bimla Sharan Singh  
S/o Late Shri Jitu Singh,  
At Rupaspur,  
P. S. Danapur,  
Dist. Patna,  
(Transferor)
- (2) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.,  
New Market,  
Patna,  
through its Secretary  
Shri Upendra Prasad Sah,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9½ decimals situated at Mouza Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in D. O. No. 4863 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1203/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGAPRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 20, Survey plot No. 413 situated at mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 21-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity L.d.,  
New Market,  
Patna,  
through Secretary,  
Shri Upendra Prasad Sah.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Keshari Devi  
D/o Late Ram Sunder Bhagat,  
At-Kaithi,  
P.S. Kachwan,  
P.O. Narsariganj,  
Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9½ decimals situated at mouza Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4878 dated 21-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hazi-pur).

DURGAPRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF / INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1209/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 20, Plot No. 418 situated at Mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 21-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.,  
New Market,  
Patna,  
through Secretary,  
Shri Upendra Prasad Sah.

(Transferor)

- (2) Shri Phagu Bhagat  
S/o late Ram Briksh Bhagat,  
At-Kalthi,  
P. S. Kachwan,  
Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9½ decimals situated at mouza Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 4878 dated 21-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hazi-pur).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-121Q/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 - and bearing Khata No. 16 (old), 409 (new), Khesra No. 2959 situated at mouza Chakbagh Madakakar, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parmanand Sah  
S/o Shri Ram Rang Shah,  
At Lawapur,  
P. S. Mahnar,  
Dist. Vaishali (Hajipur). (Transferor)
- (2) Hajipur Nagarpalika,  
Ward No. 14 Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.,  
Hajipur through its Secretary  
Shri Suresh Prasad Singh,  
At-Chakbagh Madakakar,  
P. S. Hajipur,  
Dist. Vaishali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 15 dhur situated at mouza Chakbagh Madakakar, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali and more fully described in deed No. 4951 dated 24-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1211/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. S. No. 406, Block No. 4, ward No. 9, H. No. 89 (new) 286 (old) Khata No. 155, Khesra No. 389, Khesra No. 803 (old) situated at Moh. Saraiyaganj, P. S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 13/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bujhawan Das alias  
Shri Gyan Mohan Das  
S/o Shri Chathu Das  
of Saraiyaganj,  
Muzaffarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Chabil Kumar Mushakhara alias  
Rajesh Kumar Mashakhara  
S/o Sri Matadin Mashakhara  
of Purani Bazar,  
Gudari Road,  
Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 2.2 sq. ft. situated at Moh. Saraiyaganj, P.S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11245 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1212/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. S. No. 406, ward No. 9, block No. 3 holding No. 89 (new) 286 (old), Khata No. 155, Khesra No. 389 old No. 803 situated at Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarpur on 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bujhawan Das alias  
Shri Gyan Mohan Das  
S/o Late Shri Charan Das  
of Saraiyaganj,  
Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Chabil Kumar Mashakhara alias  
Shri Rajesh Kumar Mashakhara,  
S/o Sri Matadin Mashakhara  
of Purani Bazar,  
Gudari Road,  
Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 sq. ft. situated at Moh. Saraiyaganj, P.S. & Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 11256 dated 13-6-85 registered with D.S.R., Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal:

## FORM 11NS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1213/Acq/85-86.—Whereas, I, **DURGA PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 406, ward No. 17, holding No. 287, Khata No. 83, khata No. 296 situated at Moh. Kalyani, Brahmtoli, P. S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarpur on 15-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—516GI/85

(1) Smt. Kushum Agarwal  
W/o late Ramesh Prasad Agarwal  
of Moh. Kalyani,  
Brahmtoli,  
Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sāroswati Devi  
W/o late Ram Kumar Jagan,  
2. Smt. Kiran Devi  
W/o Shri Arjun Kumar Jagan  
of Gajadhar Choudhary Lane,  
Saraiyaganj,  
Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 0.13.12 decimal situated at Kalyani, Brahmtoli, P.S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11445 dated 15-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

**DURGA PRASAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1214/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P.S. No. 406, Block No. 2, Ward No. 9, H. No. 89 (new), 286 (old), Khat No. 143, Kherra No. 389 (new) 803 (old) situated at Moh. Saraiyaganj of P.S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 12-6-1985 for a consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bujhawan Das alias Gyan Mohan Das,  
S/o Shri Lathia Das,  
of Saraiyaganj, Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Kaushal Kumar Mashakbura  
S/o Sri Matadin Mashakbura  
of Purani Bazar, Gudani Road,  
Muzaffarpur. (transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 sq. ft. situated at Moh. Saraiyaganj, P.S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11251 dated 12-6-1985 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1215/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar Patna,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Portion of Plot 9/1/2/22 (P) situated at Mouza Bhuda  
Sub-Registry and the District of Bhambad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registrar General at  
Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely:—

- (1) M/s. Sahajanand Engg. Works Pvt. Ltd.,  
Kind Edward Road,  
Sewree, Bombay-400015.

(Transferor)

- (2) Shastri Nagar Co-operative Housing Society Ltd.  
Shastri Nagar Dhanbad (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 257.5 kathas with structure situated at  
Mouzas Bhuda Sub-Registry and district Bhambad and more-  
fully described in deed No. P-507 dated 6-6-85 registered  
with the Joint Sub-Registrar IV, Bombay (Bandra).

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1216/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGHA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 445 Khata No. 216 (Sub-Plot No. 4/B) situated at Village Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rattan Singh Channa  
S/o Late Harbans Singh Channa  
2. Shri Balbir Singh Channa  
of Shukla Colony, Hinoo,  
P.S. Doranda, Ranchi.

(Transferor)

- (2) Shri Pramod Paswan  
S/o Shri Dip Narain Ram  
of Village & P.O. Digha  
P.S. Digha, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq.ft. with building situated at village Hinoo, P.S. Doranda Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 6826 dated 25-6-85 registered with the D.S.R., Ranchi.

DURGA PR SAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1217/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGAS PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 754 & 755 H. No. (New) 833 Ward No. 1 situated at Ashok Path Radium Road, Ranchi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 11-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Samundri Devi  
W/o Shri Ram Sakal Singh  
alias Ram Sakal Ram  
of Dhurwa, P.S. Hatia, Dist. Ranchi. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sarla Jain alias Sarla Devi Jain  
W/o Dr. Punam Chand Jain  
2. Smt. Shanti Devi Jain  
W/o Shri Manik Chand Jain  
both of Ashok Path Radium Road,  
P.S. Lalpur, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 5 dhur with building situated at Ashok Path Radium Road, Ranchi, and morefully described in deed No. 6333 dated 11-6-1985 registered with the D.S.R., Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986  
Seal:

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1218/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Plot No. 455, Khata No. 77, Ward No. 1, Plot No. 3084 situated at Mauza Sonari Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Alomoni Devi  
W/o Late Bechu Lohar,  
of Sonari P.S. Sonari Town Jamshedpur,  
Dist. Singhbhum. (Transferor)
- (2) Shri Braj Kishore Singh  
S/o Late Dhanpat Singh  
of Regd. No. 5, H. No. 172,  
New Layout, Sonari, Town Jamshedpur,  
Dist. Singhbhum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2261 sq.ft. with building situated at Mauza Sonari, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 4168 dated 6-6-1985 registered with the Sub-Registrar at Jamshedpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1219/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 204, Khata No. 69, Plot No. 308, Plot 309 situated at village Madhukam P.S. Ranchi Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any movable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Moha Horo,  
S/o Shri Gunga Munda  
R/o Siram Toli, Ranchi  
P.S. & Dist. Ranchi.

(Transferor)

- (2) Shri Bishwanath Agarwal  
alias Bishwanath Kedia  
S/o Late Mohan Lal Agarwal  
R/o Upper Bazar, Town Ranchi,  
P.S. Kotwali Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 0.71 acres situated at village Madhukam P.S. Ranchi, Dist Ranchi and morefully described in deed No. 6519 dated 14-6-1985 registered with the DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1220/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2699/B situated at Village Baragain No. 184 Dist. Ranchi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 18-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Sri Devesh Srivastava,  
Hazrat Ganj Lucknow  
at present P.S. Sukhdeo Nagar REHAL  
Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Miss Seewa Danwara  
D/o Shri Ramlal Danwara,  
Kadru Road, P.S. Argora,  
Dist. Panchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 75½ decimals situated at village Baragain No. 184 Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 6702 dated 18-6-1985 registered with the DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Sent :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1221/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar Patna,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Khowal No. 424 R.S. Plot No. 234/886, H. No. 2154A,  
Ward No. VIII-C, situated at 60 Booty Road,  
Bariatu, P.S. Bariatu, Ranchi-9  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ranchi on 8-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

67—516GI/85

- (1) Mrs. Quamrunessa Murshed  
W/o Mr. M. G. Murshed  
of 26 Aga Mohali Street,  
P.S. Park Street, Calcutta-16 and  
Mrs. Sabia Noor  
W/o Mr. S. M. Noor  
of 7 Tanti Bagan Road  
P.O. Baniapukur Cal. 14 at present  
at 60 Booty Road, Bariatu Ranchi-9  
through their Attorney Syed Ali Zafar.  
(Transferor)
- (2) M/s. H1 Grade Trading Co. (P) Ltd.,  
at 1A, Paaditia Road, Cal. 29  
through its A/c & Adm Officer  
Sri Prasant Kr. Srivastava  
of 60 Booty Road, Ranchi-9.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 22 katha 11 chhataks with building  
situated at 60 Booty Road, Bariatu P.S. Bariatu, Ranchi and  
more fully described in deed No. 6261 dated 8-6-1985 regis-  
tered with the BSR, Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1222/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Khewat No. 4/31, R.S. Plot No. 234 '887, Holding  
No. 2154-A, Ward No. VII situate at  
60, Bootu Road, P.S. Bariatu, Dist. Ranchi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ranchi on 8-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) 1. Shri Syed Ali Mazhar  
2. Shri Syed Ali Azhar  
3. Shri Syed Ali Zafar  
All Ss/o Late Abdul Hakim  
of 60 Bootu Road, Bariatu,  
P.S. Bariatu Dt. Ranchi  
at present @A Ostager Lane Calcutta  
through their attorney Syed Ali Zafar  
Vendor No. 3,

(Transferor)

- (2) M/s. Hitek Industries (Bihar) Ltd.  
at 60, Bootu Road, Ranchi,  
through its Accounts Officer,  
Prasant Kumar Sinha  
of 60 Bootu Road, Ranchi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 27 katha 6 chhatak with building situated  
at 60, Bootu Road, P.S. Bariatu, Dist. Ranchi and more fully  
described in deed No. 6260 dated 8-6-1985 registered with  
the DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1223/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Plot No. 455 Khata No. 77, Ward No. 1 Plot No. 3085 situated at Mouza Sonary, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Alomoni Devi  
Wd/o Late Bachu Lohar,  
of Sonary, P.S. Sonary,  
Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum. (Transferor)

(2) Shri Bijay Kumar Singh  
S/o Sri B. K. Singh  
of Road No. 5 H. No. 172,  
New West Layout, Sonary,  
P.S. Sonary, Town Jamshedpur  
Dist. Singhbhum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 3267 sq.ft. with building situated at Mauza Sonary, Town Jamshedpur Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 4235 dated 10-6-85 registered with the Sub-Registrar Jamshedpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1224/Acq/85-86.—Whereas, I,  
DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S.P. No. 1646 Khata No. 439 Plot No. 22 situated at Mauza Shahzadpur P.S. Danapur Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Patna Ucha Nayayalaya Yuva Adhibakta Grih Nirman Sahyog Samati Ltd., Patna through Pashupati Nath Jha, Secretary.  
(Transferor)

(2) Smt. Lata Agarwal  
W/o Shri N. K. Agrawal,  
Nageshwar Colony, Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4735.5 sft, situated at Mauza Shahzadpur P.S. Danapur Dist. Patna and morefully described in deed No. 1 9385 dt. 28th June, 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BIHAR  
BORING CANAL ROAD  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1225/Acq/85-86.—Whereas, I,

DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey Plot No. 455, New Plot No. 3085, Khata No. 77 Ward No. 1 situated at Bouza Sonari, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Alomoni Devi  
W/o Late Bachu Lohar  
of Sonary, P.S. Sonary,  
Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum. (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Singh  
S/o Shri B. K. Singh,  
Rd. No. 5, H. No. 172 New Westlayout,  
P.S. Sonary, Town Jamshedpur,  
Dist. Singhbhum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 3085 sqft. situated at Mauza Sonary, Town Jamshedpur Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 4234 dated 10-6-85 registered with the Sub-Registrar Jamshedpur.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1226/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 445 Khata No. 216 (Sub Plot No. 4/B) situated at Village Hinoo, P.S. Doranda Distt. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 26-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rattan Singh Channa  
S/o Late Harbans Singh Channa  
2. Shri Balbar Singh Channa  
S/o Shri Rattan Singh Channa  
of Main Road, Hinoo P.S. Doranda,  
Distt. Ranchi,

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Kumari,  
D/o Shri Parsuram Pashwan,  
of Qr. No. B/735/II, Jaggannath Nagar,  
P.S. Jagannathpur,,  
Distt. Ranchi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. ft. with building situated at Vill. Hinoo, P.S. Doranda Distt. Ranchi and morefully described in Deed No. 6876 dated 26-6-85 registered with the D.S.R. Ranchi.

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1227/Acq/85-86. -Whereas, I, **DURGA PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 445 & 446 of Khata No. 216 & 217 respectively (Sub Plot No. 4/B-1) situated at Village Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh Channa  
S/o Late Harbans Singh Channa  
2. Smt. Balbir Singh Channa,  
S/o Shri Rattan Singh Channa  
of Shukla Colony, Hinoo P.S. Doranda,  
Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kumari  
D/o Shri Parsuram Paswan  
of Qr. No. B. 735/II Jagannath Nagar  
P.S. Jagannathpur  
Distt. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq ft with building situated at Vill. Hinoo, P.S. Doranda Distt. Ranchi and morefully described in Deed No. 6796 dated 24-6-85 registered with the D.S.R., Ranchi.

**DURGA PRASAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1228/Acq./85-86.—Whereas, I, **DURGA PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Plot No. 455 Khata No. 77, Ward No. 1, Plot No. 3085 situated at Mauza Sonari Town Jamshedpur, Distt. Singhbhum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Alomoni Debi,  
Widow of Late Bachu Lohar,  
of Sonari P.S. Sonari, Town Jamshedpur,  
Distt. Singhbhum. (Transferor)
- (2) Shri Ajay Kumar Singh  
S/o Shri B. K. Singh,  
of Road No. 5, Holding No. 172,  
New Layout, Sonari, Town Jamshedpur,  
Distt. Singhbhum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3049 sq. ft. with building situated at Mauza Sonari, Town Jamshedpur, Distt. Singhbhum and more fully described in Deed No. 4/69 dated 6-6-85 registered with the Sub-Registrar at Jamshedpur.

**DURGA PRASAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

BIHAR, BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. II-1229/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Circle No. 293 (Old 230) Ward No. 2, M.S. Plot No. 651 situated at Mohalla Jamal Road, P.S. Kotwali Distt. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bibi Shamsia  
W/o Shri Sayad Nasrul Huda  
R/o Jamal Road, P.S. Kotwali  
Dist. Patna-800012.  
Smt. Bibi Kamrunisha  
W/o Sayad Kamrujama Rizwi (S. Q. Rizwi),  
Patliputra Colony, P.S. Patliputra,  
Patna.  
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Narain Singh  
S/o Shri Prabhul Narayan  
2. Shri Mithilesh Kumar Singh  
S/o Shyam Narain Singh  
3. Smt. Tara Singh  
W/o Mithilesh Kumar Singh  
All R/o Kadam Kuan,  
Dist. Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 5 katha situated at Kadam Kuan, Jamal Road, P.S. Kotwali Dist. Patna and morefully described in Deed No. I 8415 dated 10-6-1985 registered with the Registrar of Assurance at Calcutta

DURGA PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bihar, Patna

Date : 13-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/47734/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12 New No. 12/16 situated at Edward Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar vide Document No. 696/85-86 dated 1st June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. B. A. Hameed,  
The City Civil Judge,  
Bangalore for and on behalf of  
Mr. B. A. Hameed  
16, Edward Road, Civil Station,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. R. A. Jalcel,  
12B/16 First Floor  
16, Edward Road, Civil Station,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 696/85-86 Dated 1-6-1985)

Property No. 12, New No. 12/16 Edward Road, Civil Station, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/47647/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 12 (Old) New No. 15 situated at Someswara Koil Street, Ulsoor, Bangalore-560008 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 1010/85-86 dated 12-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. C.R. Lakshminarayana Setty,  
No. 30, Narayanapillai Street,  
Civil Street,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. B. S. Sunanda  
No. 14-84/A Temple Street,  
Sandur, Bellary District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1010/85-86 Dated 12-6-1985)

Property bearing Municipal No. 12 (old) New No. 15 at Someswara Koil Street, Ulsoor, Bangalore-560008.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date: 10-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/48092/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. 1923/1961 and No. 93 situated at Bannur T. Narasipur Taluk, Mysore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bannur under Document No. 749/85-86 dated 29-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Indira Theatre,  
Bannur T. Narasipur Taluk,  
Mysore Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Raghavendra & Co.,  
Excise Contrator,  
Namballi, Yerandur Tq.,  
Mysore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 749/85-86 dated 29-6-1985).

Property bearing No. 1923/1961 and No. 93 measuring  
184+205 84+94

$$\frac{184+205}{2} \times \frac{84+94}{2}$$

Bannur, T. Narasipur Taluk, Mysore District.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 10-2-1986  
Seal:

FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Shri T. D. Srinivas,  
1144, Block HAL II Stage,  
Bangalore-560038.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 47735/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1144 situated at HAL-II Stage, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 710/85-86 dated 3-6-1985 for an amount of consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Dr. B. Viquar Azeem  
Abudabi (UAS) By his father &  
General Power of Attorney Holder  
Mr. M. A. Basheer,  
11/1, Lakshmi Road, Shanthinagar,  
Bangalore-560027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 710/85-86      Dated 3-6-1985)

Property bearing No. 1144 Block No. H. HAL-II Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/958.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D1, D2, Flat No. 311, Najafgarh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at IAC ACQ.III, New Delhi on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shivlok Properties,  
Addinathshree House,  
Opp. Super Bazar, Con. Circus,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Kumar Nanda,  
173, Raja Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. D1, D2, Flat No. 311, Shivlok House-II, Najafgarh Road, Comm. Complex, New Delhi.

Area—354 sq. ft. approx.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :



## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/956.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-4/15, Jhandewalan Extension situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC ACQ.III, at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ashoka Builders,  
E-2/6, Jhandewalan Extension,  
New Delhi-55.

(Transferor)

(2) Mr. R. L. Malik,  
R/o B-1/16, Janakpuri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. M2 on Mezzanine floor, at E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 7-2-1986  
Seal:

## FORM 11A

(1) Shri Jagmohan Manelani,  
70, Daya Nand Nagar,  
Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Jain,  
R/o 3379, Tri Nagar,  
New Delhi-35.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 7th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/6-85/E-85/963.— Whereas,  
I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
36, out of Khasra No. 81 & 89, Village Bindapur,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the office of the IAC ACQ.III,  
at New Delhi in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of : —

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

1/2 portion of Plot No. 36, out of Khasra No. 81 and  
89, Village Bindapur, Abadi known as Uttam Nagar, New  
Delhi-59—Land measuring 100 sq. yards.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/7-85-962.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36, out of Khasra No. 81 & 89, Village Bindapur, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC ACQ.III, at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
69—516 GI/85

(1) Shri Jagmohan Manelani,  
70, Daya Nand Nagar,  
Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kapoor,  
RZ. B-29, Siaram Park,  
Uttam Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 portion of Plot No. 36, out of Khasra No. 81 and 89, Village Bindapur, Delhi State, Abadi known as Uttam Nagar, Block R Extension on Najafgarh Road, New Delhi-59, Land measuring 100 sq. yards.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
Delhi/New Delhi

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Sunder Lal Khurana,  
25, Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mahinder Krishna Gupta,  
1095, Uggar Sain Street, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/951.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
C-33, Preet Vihar, situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of  
1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III,  
New Delhi in June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. C-33, Preet Vihar, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely :—

Date : 13-2-86  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Krishna Tiwari w/o Sh. G. D. Tiwari,  
F-58, Green Park, New Delhi-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

(2) Mr. Surender Arora, Chaman Lal Sharma, HUF &  
Mrs. Rani Arora,  
M-15, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/953.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing No. 39-B, on U. G. 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 39-B, on Upper Ground 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Under Construction.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-86  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/947.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing A-22, Nirman Vihar, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal Duggal,  
F-1407, Laxmi Bai Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Ram Niwas Aggarwal (HUF), 207-A, Patparganj, Delhi. Sita Ram Aggarwal (HUF), 197-A, Patparganj, Delhi. Gopal Krishan Aggarwal (HUF), 212-A, Patparganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A-22, Nirman Vihar, Delhi-92, 360 sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House,  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
Delhi/New Delhi

Date : 7-2-86  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/950.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-204 & A-205, 5, Bhikai Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhai Swinder Singh,  
4/23, B, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Dutt & Sunil Dutt,  
s/o Shri R. B. Dutt,  
B/L-93, Anand Vihar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-204 & A-205, 5, Bhikai Cama Place, New Delhi measuring 800 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-86

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/948.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 766, A/3, New Rohtak Rd., Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Rishi Pooja Builders (P) Ltd.,  
6/4792, Chandni Chowk,  
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Dr. Pratibha Handa w/o Dr. Vijay Handa C/o  
Dr. Shanti Devi,  
1061, Bazar Chitli Qabar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 766 A/3, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 1099 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-86  
Seal:



FORM I.T.N.S.-----

- (1) Smt. Ganeshi Devi,  
r/o 32-A, 'N' Block,  
Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

- (2) Sh. Ramesh Lal,  
D-17, Model Basti, New Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/953-A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32-A, 'N' Block Vishnu Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

100 yds. plot 32-A 'N' Block, Vishnu Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 7-2-86

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/946.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-9, D102, Milan Complex, Najafgarh Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shivlok Properties,  
Addinathshree House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Meen Raja & Master Abhis Bali Raja,  
w/o & s/o Sh. Ashok Raja respectively,  
r/o Road No. 10, Plot No. 13, East Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I-9, Shivlok House-II, D1, D2, Milan Complex, Najafgarh Road, New Delhi. Area 361, sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 7-2-86  
Seal :

## FORM ITNS

NO ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85[957].—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 112-A, Plot No. D-2, Najafgarh Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

70-516GT/85

(1) Shrivlok Properties,  
Addinathshree House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s. Trend Setters (India)  
through Mrs. Neelam Malhotra,  
26/1506, H.S. Nalwa St., Kirti Bagh,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the said Inspected :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

112-A, at plot D1-D2, Najafgarh Rd., Comm. Complex,  
New Delhi, Area 250 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE[6-85]959.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 115-A, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Shanti Saxena,  
A-6, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. R. S. Nagpal & Mr. Virinder Chopra  
18/8-A, Double Storeyed Flats,  
Prem Nagar, P.O. Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 115-A, 1st floor, Measuring 11 sq. ft, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986  
Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shilok Properties (P) Ltd.  
Addinathshree House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neelam Sapra,  
W/o Mr. V. K. Sapra  
r/o N-24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/945.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
111, D1, D2, Najafgarh Road, Comm. Complex situated at  
New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of  
1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in  
June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
15 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 111, plot No. D1, D2 Najafgarh Road Comm.  
Complex, New Delhi, Area 354 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/944.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 211, plot No. D1, D2 Najafgarh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shilok Properties  
Addinathshree House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Neelam Sapra,  
r/o N-24, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

211, plot No. D1, D2 Najafgarh Road, Commercial Complex, New Delhi, Area 354 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/954.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 171, Bldg. No. 9, Bhikaji Cama Palace situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) N. L. Khanna & Sons (H.U.F.),  
Katra N. L. Khanna, 363/D-II  
Vinay Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Urvashi Masson  
W/o Mr. Vinod Masson,  
505, Daffodila, Pali Hill Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 171 (On first floor), Building No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. 30% of this shop now stands transferred from H.U.F. to Mrs. Urvashi Masson. Area 160 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acy.III/37EE,6-85/955.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 217, at No. 9, Bhikaji Cama Palace situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) by the Office of the I.A.C. Acqui.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Premier Mills Ltd.  
Premir House, A.T.D. Street,  
Race Course, Coimbatore-641018.

(Transferor)

- (2) M/s. Vaidialingam & Co.,  
8, Nizamuddin East,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 217, at No. 9, Bhikaji Cama Place,  
New Delhi. Area approx 494 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/943.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 212-A, D1D2, Najafgarh Road Comm. Complex situated at New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shivlok Properties  
Addinathnagar House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi,  
(Transferor)

- (2) Mrs. Dulari Patra,  
r/o 702-B, Poonam Apartments  
Shiv Sagar Estate A. O. Road,  
Worli, Bombay-18.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

212-A, Shivlok House-II, at D1, D2 Najafgarh Rd. Comm. Complex, New Delhi. Area 250 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Harbans Lall  
19, Alakhnanda 'B' Kalkaji,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Rai 19, Alakhnanda 'B', Kalkaji.  
New Delhi-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/949.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 626, at 9, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 626, at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi (under Construction). Sixth floor (335 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date: 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2142/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000- and bearing No. 25, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of Registering Officer at J.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
71—516GI/85

(1) Kalna Investors Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Sri Gopal Das Tandon.  
2. Smt. Prem Kumari Tandon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2591 sq. ft. at 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19. Registered before J.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/Cal/137/85-86 dated 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Kalna Investors Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Sri Nirmal Kumar Agarwal.  
2. Smt. Navin Kumar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2143/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, bearing No. 25 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 26-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

1650 sq. mts. land at premises No. 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EF/Acq. R-III/186/85-86 dated 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. A &amp; A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Sri Ashok Kumar Sood,  
2. Sri Vijay Kumar Sood,  
3. Smt. Neera Sood.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2144/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 38 situated at Lake Gardens, Calcutta-45, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

## EXPLANATION

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8 on the Ground floor at premises No. 38, Lake Gardens, Calcutta-45 Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/160/85-86 dated 24-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. A &amp; A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpavati Sood.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2145/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000- and bearing No. 38, Lake Gardens, 32 Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 5-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1123 sq. ft. Flat No. 23 on the 2nd floor at premises No. 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/110/85-86, dated 5-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sri Ashok Kumar Sood,
2. Sri Vijay Kumar Sood,
3. Smt. Shanno Devi Sood,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Kailash Chand Modani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2146/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 38, Lake Gardens, 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at Premises No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, measuring approx. 1200 sq. ft. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/AcqR-III/Cal/109/85-96 dated 5-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. A &amp; A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Kumari Meghna Sood (Minor),  
Represented by : Her father Sri Mukesh Sood.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2147/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. D. Rahaman Road, Calcutta-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1122 sq. ft. Flat No. 20 on the 1st floor at 38, Lake Gardens and 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/161 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-86  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2148/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. Rahaman Road, Calcutta-45 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Ashok Kumar Sood,  
2. Sri Vijay Kumar Sood,  
3. Smt. Shanno Devi Sood.

(Transferor)

- (2) Kumari Meghna Sood (Minor),  
Represented by her father Sri Mukesh Sood.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at Premises No. 38, Lake Gardens & 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/Cal/162/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-86  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Vidyavati Gupta and  
S. C. Agarwala (H.U.F.),  
2. Satish Chandra Agarwala & Family (H.U.F.),  
(Transferor)
- (2) Ganeshdas Ramgopal.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2149/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4A situated at Lala Lajpatrai Sarani, Cal.-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Cal. on 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C having an area of 1141 sq. ft. on 1st floor at premises No. 4A, Lala Lajpatrai Sarani, Cal.-20. Registered before I.A.C. Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/115/Cal/85-86 dated 5-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-86  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2158/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 230A situated at Acharya Jagadish Ch. Bose Rd., Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

73—516G1/85

(1) M/s. Murugadas Confectionery Enterprises Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) 1. Smt. Savitri Devi Rungta, 2. Smt. Sneh Prabha Todi  
Nominated : M/s. Everest Commercial Corporation.

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office block No. 2 having an area of 500 sq. ft. on the 10th floor at premises No. 230A, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Cal. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 377P Acq.R-III/165/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-86  
Seal :

## FORM ITN

(1) Sh. Ashok Kumar Sahai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A.F. Ferguson &amp; Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2159/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5 situated at Lower Rawdon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Cal. on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

One flat on the 9th floor measuring 2050 sq. ft. at premises No. 5, Lower Rawdon Street, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/120/Cal/85-86 dated 10-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-86  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dilip Kumar Das &amp; Ors.

(2) Shiv Parvat Jan Kalyan Samity.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2160/Acq.R-III/Cal/85-86 —Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Abhedananda Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.A., Calcutta on 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

2 storeyed building measuring 2 K-8 ch. 1 sft. at 32, Beadon Street, Calcutta. Regd. before S.R.A., Calcutta on 28-6-85 vide Deed No. 9401.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Chiranjilal Poddar.

(2) Miss Jasmit Kaur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2161/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 127-A, situated at Motilal Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 12-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

1st floor flat measuring 700 sq. ft. at 127-A, Motilal Nehru Road, Cal-29, Regd. before IAC, Acq. R-III, on 12-6-85 vide 37E/Acq. R-III/8/Cal/85-86 dated 12-6-1985.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property on the issue of this notice under sub-section 269D(1) of such apparent consideration and that the persons, namely :—

Date : 14-2-1986.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Jay Sree Banerjee.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. D. K. Basu.  
2. Mrs. Sari Basu.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2162/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 22 situated at Dover Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor measuring 1320 Sft. at 22, Dover Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III/Cal/vide 37EE/Acq.R-III/119/Cal/85-86 dated 5-6-85.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date : 14-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) Joint Plant Committee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

## CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2163/Acq R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20 situated at Ballygunge, Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property or aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

2819 Sq. ft. flat No. 4C & 4D on 4th floor at 20, Ballygunge, Circular Road, Calcutta Regd. before SRA, Calcutta on 10-6-1985 vide Deed No. 10012.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date : 14-2-1986.  
Seal :



FORM ITNS-----

(1) Late Mr. Lath Sarkar.

(Transferor)

(2) Chundeshank &amp; Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2164/Acq. R-III/Cal/85-86 --Whereas, I,

SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36/1 situated at Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R.A., Calcutta on 28-6-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the transfer to pay tax under the Said Act in  
(11 of 22) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the 2nd floor at 36/1, Lala Lajpat Rai  
Sarani, Calcutta measuring 2624 sq. ft. Regd. before S.R.A.,  
Calcutta on 28-6-85 vide Deed No. 11187.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date: 14-2-1986.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Lilavati Devi Ganeriwalla &amp; Ors. (Transferor)

(1) Preeli Commercial Co. P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2165/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

8973 sq. ft. area of Land at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before S.R.A. Calcutta on 19-6-85 vide Deed No. 10616.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Arpita Chatterjee.

(Transferor)

(2) Mr. Kallol Kumar Sarkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2166/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 69-S situated at Prince Baktiar Shah Road, Cal-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 having a covered area about 867 sq. ft. on 1st floor at 69-S, Prince Baktiar Shah Road, Calcutta-33, Regd. before SRA, Alipore, vide Deed No. 5/87 dated 19-6-85.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sephalika Dutta.

(Transferor)

(2) Sri Ashim Kumar Mitra.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2167/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19 situated at Justice Dwarakanath Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore under registration No. 5436 dated 27-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2 Cottahs 10 chittuks land at 19 Justice, Dwaraka Nath Road, Calcutta-20. Regd. before S.R. Alipore, vide deed No. 5436 dated 27-6-85.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986.  
Sd/ :

FORM ITNS—

(1) Sri Sudhir Chandra Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Chattopadhyey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2168/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Narayan Chand Chowdhury Road, Cal-42 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly two & partly three storied building containing an area of 3 Cottahs 14 Chitaks land with a tenant on ground floor at 4, Narayan Chandra Chowdhury Road, Cal-42. Regd. before S.R.A. Cal. on 19-6-85 vide Deed No. 8912.

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date : 14-2-1986.

Seal :

**FORM TINS**

(1) Smt. Deepali Mukherjee,

(Transferor)

(2) Sudipta Kumar Ghosh.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2169 Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18 situated at Kumar Para Lane, Cal-42 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Alipore on 11-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Two Storeyed building having a covered area about 1500 sqft. on each floor together with 3 Cottages & 2½ Chittas Land at 18, Kumar Para Lane, Cal-42. Regd. before S.R. Alipore on 11-6-85 vide Deed No. 4894.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986.  
Seal :

SHEIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

## FORM ITNS—

(1) Miss Puspamoyce Bose,

(Transferor)

(2) Miss Bela Dutta Gupta,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2170/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176/14/123 situated at Raipur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Two storeyed building having a covered area about 1300 Sft. on each floor comprising of an area about 4 cottahs 8 chittacks and 40 Sft. lying at 176/14/123 Raipur Road, Calcutta Regd. before S.R.A., Calcutta on 24-6-1985 vide Deed No. 9072.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2171/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated Narendra Dutta Sarani, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office No. 37EE/Acq.R-III/152 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ms/ Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Sri Ashkaren Gulgulia,  
Sri Joyprakash Gulgulia,  
Smt. Poonam Gulgulia.  
Sri Ramlal Gulgulia. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Unit No. 21 having an area 673 Sft. on 2nd floor at 2, Narendra Dutta Sarani Calcutta-1, Regd. before IAC, Acq R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/152/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Ramgopal Ganatewal Pvt. Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Steegopal Chokany (HUF).  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2172/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 2 situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 141/Cal/85-86 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 4, 370 Sft. at 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/141/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Hemlata Poddar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2173/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/144 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 10 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so disclosed which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 6, Basement floor 359 Sq. ft. at 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC, Acq.R-II, Calcutta vide 37EE/144/Acq.R-III/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Manish Baid.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2174/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/143 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
75—516GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 1A-Ground floor, 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.-R-III/143/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. & Ors.  
(Transferor)(2) M/s Siddhi Sagar Corporation.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2175/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/140 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 3, 2nd floor at 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, 307 Sq. ft. Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/140/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM FINS

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. & Ors.  
(Transferor)(2) Smt. Chetna Aggarwal and  
Smt. Pawan Bansal.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2176/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/149 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 9, Ground floor, 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, 279 Sq. ft. Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/149/Acq.R-III/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. and  
Smt. Lilawati Devi Ganeriwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Mrs. Gayatri Chirimar,  
2. Mrs. Manjushree Chirimar,  
3. Mrs. Uma Chirimar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2177/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Ch. Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JAC, Acq.R-III, Calcutta on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that Unit No. 3 & 4 on 3rd floor at 2, Narendra Ch. Dutta Sarani, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/Cal/153/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM FINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2178/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 57A & 57B situated at Paddapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. Navin Chandra Chhotatalal Zaveri,
2. Mr. Narendra Chhotatalal Zaveri,
3. Mr. Yogendra Chhotatalal Zaveri,
4. Mrs. Sarda Laxmi Das Zaveri,
5. Mr. Yashwant Chhotatalal Zaveri,
6. Mr. Kirit Popatlal Zaveri.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Daksha V. Bhimani,
2. Mr. Pares V. Bhimani,
3. Miss Priya Bhimani,
4. Mr. Nitin V. Bhimani,
5. Mr. Yatin V. Bhimani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with the pucca brick built building constructed thereon by measurement an area of 10 Cottahs 8 Chittaks and 45 Sft., at premises No. 57A and 57B, Paddapukur Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37PB/Acq.R-III/176/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Gita Devi Sharma.

(Transferor)

(2) M/s Phoenix Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2179/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 'E' on 3rd floor having an area of 825 Sft. and Servant quarter No. 5 on ground floor having an area of 55 Sq. ft. together with a car parking space No. 21 at 10, Gurusaday Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/178/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :



FORM 11743

(1) M/s. Midgul Udyog.

(Transferor)

(2) M/s Larsen and Toubro Limited.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2180/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A & 3B having an area of 1700 Sft. and 1980 Sft. at 176, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/183/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Samsen Development Private Limited.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Ranchi Finance Co.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2181/Acq.A-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5 situated at 5, 1st Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 22 Cottahs 3 Chittaks and a flat No. B on the 3rd floor at premises No. 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/179/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM TINS— —

(1) M/s G. R. Makija &amp; Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Miss Nirupama Kapoor,  
2. Miss Anupama Kapoor and  
3. Master Arjun Kapoor,  
All minors children of Shri S. K. Kapoor.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2182/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7B situated at Kiran Shankar Roy Road, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One office space No. F & F. Total Superbuilt area of 470 Sq. ft. on 3rd floor at 7B, Kiran Shankar Roy Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/182/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
76—516GI/85

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2183/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/46 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Haripada Housing Society.

(Transferor)

(2) Mrs. Anuradha Shome.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

104 Sq. ft. 3-roomed flat on 3rd floor at 1/46, Gariahat Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/175/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Calcutta

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 5/June-85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Udumalai, Derapuram Road, T.S. No. 22 situated at Block No. 6, Ward 'D' Thiruppur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udumalpot/Doc. No. 1206/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri A. Alagirisamy,  
S/o Arunachalam Achariar,  
18, Old Agraharam St.,  
Udumalai.

(Transferor)

(2) Smt. Nagalakshmi,  
W/o Pattabichettiar,  
125, B. P. Koil St., Udumalai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

LAND: and building; Udumalai, Thiruppur. T. S. No. 22, Block No. 6, Ward 'D' Municipal Ward 6. Udumalpot/Doc No. 1206/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986  
Seal:

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1986

Ref. No. 8/June-85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Door No. 22 (Old 2-A) 'Shoba', Shivaganga situated at  
Road, Nungambakkam,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
in the office of the Registering Officer  
at Thousandlights/Doc. No. 300/85 on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri K. Pratap,  
No. 1, CIT Colony,  
1st Cross St.,  
Mylapors, Madras-4.

(Transferor)

- (2) Sri Joseph Thomas, and Mrs. Minnis Joseph,  
6, 16th Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respec-  
tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 22 (Old 2-A) 'Shoba',  
Shivaganga Road, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 300/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 5-2-1986

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 14/June-85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 12, Sivagamipuram, Dr. Radhakrishna situated at Nagar, First Main Road, Tiruvanniyur, Madras-41 (R. S. No. 138/5 part)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Saidapet/Doc. No. 514/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri J. Victor Fonolon,  
12, Sivagamipuram Dr. Radhakrishna Nagar,  
Madras-41. (Transferor)
- (2) Sri F. Susairaj,  
18, Lazarus Church Road,  
Madras-28. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : No. 12, Sivagamipuram, Dr. Radhakrishna Nagar, 1st Main Road, Tiruvanniyur, Madras-41 R. S. No. 138/5 part. Saidapet/Doc. No. 514/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 50/June-85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Gandhinagar, Manikamudaliar St., situated at  
Udumalaipottai village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Udumalpet/Doc. No. 1534/85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri M. Suryakumar,  
S/o S. A. Muthukumaran chettiar,  
103-C, Manikamudaliar St., Gandhinagar,  
Udumalai.  
(Transferor)
- (2) Smt. S. Mogana,  
S/o M. Soundararajan,  
B-18, P. Vidyasagar St., Gandhinagar,  
Udumalai Town.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Property as specified in schedule to  
Doc. No. 1534/85 Udumalpet/Doc. No. 1534/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 55/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R.S. No. 3953/2B1A1 A1 of situated at Oetacamund Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 593/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Adorit Trades P. Ltd.,  
1432, 17th Main Road, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

- (2) Mr. N. S. Ramanathan,  
507, Vonna Vihar,  
17-A, Flank Road. Sion.  
Bombay-400 022.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 10, 122 ft. divided share in the common land of 2.63 acres in R.S. No. 3953/2B1 A1 A1 of Oetacamund town. Uthagamandalam/Doc. No. 593/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Sri Velusamy Gaunder, and 12/others,  
Kangayampalayam village,  
Palladam Taluk, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 'Coimbatore Marketing Committee'  
No. 1841, Trichy Road, Coimbatore Town.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 56/June-85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. Tirupur Palladam, Kangayampalayam, situated at  
Coimbatore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Sullur/Doc. No. 936/85 on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Agri Land—Sullur, Tirupur Palladam, Kangayampalayam  
village, Coimbatore Sullur/Doc. No. 936/85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
other assets which have not been or which ought to  
be disclosed by the transferee for the purposes of  
the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or  
the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal ;

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 59/June-85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Pollachi, Gaspa Pollachi, situated at Ward No. 4, T. S. No.  
92/2, Thiruppur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Pollachi/Doc. No. 1110/85 on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
77—516G1/85

- (1) Smt. Sarada, W/o Subramaniam,  
S. S. Koll St., Pollachi.  
(Transferor)
- (2) Sri K. Nachimuthu Gounder,  
S/o Kumarasamy Gounder,  
Sadayagoundan pudur,  
Kullakkapalayam village, Pollachi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Pollachi, Gaspa Pollachi, Surey Ward  
No. 4, T. S. No. 92/2, Thiruppur.  
Pollachi/Doc. No. 1110/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 75/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 2150/2A, 0.07 acres in situated at Coonoor town Nilgiris. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 880/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gowrie Madhavan, W/o K. Madhavan,  
No. 3, Eighth St.,  
Dr. S. Radhakrishnan Salai,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri L. Tilokchand,  
S/o Loonkaran,  
30/K.5, Balaclava,  
Coonoor-2,  
Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : S. No. 2150/2-A—Extent : 0.07 acres in Coonoor Town, Nilgiris, Coonoor.  
Coonoor/Doc. No. 880/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 76/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 150/3A, 150/4B, 157/1B, 150/1A2, 157/1A, 157/3A, 157/1B, 164/3B, 164/3C—6.80½ acres. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 915/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri G. Prasanchan,  
S/o Sri L. Goolabchand,  
'Kalyankunj', Balacclaa,  
Coonoor-2.

(Transferor)

(2) Sri N. Dhandapani,  
S/o Sri Nataraja Nadar,  
Quail Hill, Coonoor-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land R. S. No. 150/3A, 150/4B, 157/1B, 150/1A2, 157/1A, 157/3A, 157/1B, 157/3B, 164/3B, 164/3C. 6.80½ acres of land. Coonoor/Doc. No. 915/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 85/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 10/160-162, Sidhapudur situated at Krishnarayapuram Village Site No. 13, K. K. Nagar, CBE, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2812/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Selvadurai, S/o Late T. Viswasam, and Vasantha Selvadurai, No. 10, K.K. Nagar, Sidhapudur, Coimbatore-44. (Transferor)
- (2) Shree Das Bhattar, S/o Late Ghanshyamdas Bhattar, 104, Balaji Nagar, Avaram Pulayam Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : T.S. No. 10/160-162, K. K. Nagar, Sidhapudur, Krishnarayapuram, Site No. 13, CBE Coimbatore/Doc. No. 2812/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 87/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kurudampalayam, 96/12 72 situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam/Doc. No. 1232/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. V. Narayanasami Naidu,  
S/o Vengadasami Naidu,  
Cathanoor, Palladam,  
(Transferor)
- (2) Sri A. Shanmugam, W/o S. V. Alagappan,  
Alagasan Road 8/B/5, 7A, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land Kurudampalayam, Coimbatore and Building:—  
SRO Perianaickenpalayam/Doc. No. 1232/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 89/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing

G. B. No. 560/48, 560/1, 561 situated at D. No. 47

22187/T. S. No. 12/77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) to the office of the Registering Officer  
at Coimbatore/Doc. No. 2423/85 in June 1985for an amount of consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
twenty per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri N. R. Sitaram,  
S/o N. Ranganatha Iyengar, 20, Bharathi Park,  
Cross Road, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) Smt. P. R. Visalakshmi, W/o V. Periannan,  
P. K. N. House, Viswanathapuram, Ramanatha-  
puram, P.O., Pudukottai.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land : with R.C.C. building, D. No. 47, Asst. No.  
22187/T. S. No. 12/77 part, Coimbatore/Doc. No. 2423/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 95/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Telungupalayam village, R.S. Puram, Block No. 10, ward  
No. 8, T. S. No. 51 part, SITE No. 7, situated at Coimbatore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore (Doc. No. 2501, 2502, 2503/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

- (1) Sri C. P. Natarajan  
S/o Sri C. R. Palaniappa Chettiar,  
Chettipalayam village,  
Coimbatore.
2. Sri Vijayakumar  
S/o Sri C. P. Ramasamy,  
Chettipalayam village,  
Coimbatore.
3. Sri Senthil Kumar  
S/o Sri C. P. Ramasamy,  
Chettipalayam village,  
Coimbatore.

(Transfer r)

- (2) Vedanayakam Hospital Pvt. Ltd.,  
Rep. by Chairman, S. V. Balasubramanian,  
Bashyagaralu Road,  
R. S. Puram,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette, or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in the Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Telungupalayam Village : T. S. No. 8/51 part,  
Site No. 7, Coimbatore Taluk.

Coimbatore (Doc. No. 2501, 2502, 2503/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS**

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 97/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Property as specified in schedule to Doc. No. 2564/85 situat-  
ed at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore/Doc. No. 2564/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri P. N. Balasubramanian  
S/o Sri K. E. Narayanasamy Naidu,  
168, Avanashi Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri C. R. Narayanaswamy,  
S/o Sri Ramaswamy,  
245, Avanashi Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

**THE SCHEDULE**

Property as specified in schedule to Doc. No. 2564/85,  
Coimbatore/Doc. No. 2564/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

(1) Smt. Tillai Tukaram,  
W/o Tukaram,  
20, Venkatesh Nagar,  
Madras-92.

(Transferor)

(2) Sri L. Harichand,  
No. 1, Sterling Avenue,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. 102/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able Property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
G. N. Chetty Road, T. Nagar situated at Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
at T. Nagar/Doc. No. 593/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefore by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 593/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
78—516GI/85

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 103/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. N. Chetty Road, T. S. No. 8633 part, Block No. 114 situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 594/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Bhagwandas Reddiar and  
Smt. Yashodamma,  
No. 48, Venkatanarayana Road,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Harichand,  
No. 1, Sterling Avenue,  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land : G. N. Chetty st., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 594/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 104/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 23, Ranganathan St., T. Nagar, situated at Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in office of the Registering Officer at  
T. Nagar, Doc. No. 596/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Mr. P. E. Mathew,  
No. 26, First Main Road,  
CIT Nagar,  
Madras-35.

(Transferor)

- (2) Sri Hameed Aysha,  
No. 10, Davidson St.,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 23, Ranganathan St., T. Nagar,  
Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 596/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 107/June,85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having bear fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Venkatanarayana Road, T. Nagar, situated at Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 606/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. S. Meenal and others,  
No. T/34/2, Basant Nagar,  
Madras-90,

(Transferor)

- (2) Canara Bank,  
Hq. Bangalore,  
Circle Office,  
No. 563/1, Mount Road,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venkatanarayana Road, T. Nagar, Madras-  
17.  
T. Nagar/Doc. No. 606/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 112/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thomas Road, T.S. No. 6553, Block No. 14 situated at T. Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 693/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. S. Patel,  
No. 26, Balaji Avenue, II st.,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri G. Varadarajan,  
No. 83, Bazullah Road,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land Thomas Road, T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 693/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM 11NS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 128/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Madurai Veeran Koil St., T. Nagar situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 734/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri N. Srinivasan and  
Sri S. Umamageswar,  
20, Madurai Veeran Koil St.,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

- (2) Sri P. C. Mohd. Mustaffa,  
88, Podala Vigneswarar Koil St.,  
Rayapuram,  
Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 20, Madurai Veeran Koil St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 734/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 6-2-1986  
Seal :



## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 134/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, Norton 3rd St., Mandavelipakkam situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 726/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. T. G. Lakshmi Ammal  
W/o Sri N. R. Mahalinga Iyer,  
Plot No. 42, Door No. 13, New No. 11,  
Norton III st.,  
Mandavelipakkam,  
Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Vasantha  
W/o Sri A. M. Arumugem,  
251, Linghi Chetty St.,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 11, Norton 3rd St., Mandavelipakkam, Madras-28.  
Mylapore Doc. No. 726/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 143/Junc, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, Bhaskarapuram, Mylapore situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 801/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Muthulakshmi Nagarajan and 6 others,  
No. 3, Bhaskarapuram,  
Mylapore,  
Madras-4.

(Transferor)

- (2) Mr. S. Chandrasekaran and another,  
120, Sullivan Garden St.,  
Mylapore,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 3, Bhaskarapuram, Mylapore, Madras-4.  
Mylapore/Doc. No. 801/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 154/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. 2423 sq. ft. in Pontier Venkatesa Nagar, III St., Urur village, Adayar, Madras-28, T. S. No. 19, Old No. 76/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc No. 1575, 1576/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
79—516GI/85

(1) Sri P. A. Raghavachari and 4 others,  
7, Ist, Cress St.,  
Karpagam Gardens,  
Madras-20.

(Transferor)

(2) M/s. Peejay Company,  
Partner : P. J. Shah,  
13, Arcot Mudali St.,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : 2423 sq. ft. in Pontier, Venkatesa Nagar, III St., Urur village, Adayar, Madras-28, T. S. No. 19, Old No. 76/1.  
Adayar/Doc. No. 1575/85, 1576/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 166/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being 'High Cliff'—1.64 acres S. No. D.232/C, 234/2B, D.239/18/1, Kotagiri; Building 'Gulistan'—3 acres Resurvey No. 1473/2 (Old 251/B) Kotagiri and Building 'Rose windows, 2.11 acres No. 231/2 B/4, D.235 234/1A/1A D.70 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1745/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Theosophical Society,  
Adyar,  
Madras-600 020.  
(Transferor)
- (2) Sri Krishna Educational Foundation,  
Kotagiri,  
The Nilgiris.  
(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 'High Cliff'—Land 1.64 acres in S. No. D.232/C (Resurvey No. 1454/38) Survey No. 234/2B (Resurvey No. 1456/7) Survey No. D-239/18/1 (Resurvey No. 1456/6B) Kotagiri.

'Gulistan'—(Sargunam villa) Survey No. 251/B (Resurvey No. 1473/2) Kotagiri.

'Rose Windows' (2.11 acres in Survey No. 231/2 B/4 Resurvey No. 1453/6 Survey No. D.235 (Resurvey No. 1457) Survey No. 234/1A/1A (Resurvey No. 1456/2A) and Survey No. D70 (Resurvey No. 1514)—Kotagiri.

Madras Central/Doc. No. 1745/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600006, the 4th February 1986

Ref. No. 182/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 7, Kasturba Nagar I Main Road situated at Adyar,  
Madras-20  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Adyar/Doc. No. 1661/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Dr. K. M. Raj,  
No. 1, Second Street,  
Sait Colony, Egmore,  
Madras-600 008.

(Transferor)

(2) Sri P. G. Venugopal,  
21, Venkatakrishna Iyer Road,  
Mandaveli,  
Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respec-  
tive persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 7—Kasturba Nagar, I  
Main Road, Adyar, Madras-600 020.  
Adyar/Doc. No. 1661/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 4-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 183/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro-  
perty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 21, Kasthuri Bai Nagar, III Main Road, situated at  
Adyar, Madras-20.(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Adyar/ Doc. No. 1670/85 in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
said that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Elizabeth Verghese,  
No. 12, 4th Main Road,  
Nehru Nagar,  
Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri A. Joseph,  
son of Late Sri C. K. Joseph,  
No. 93, A. K. Swamy St.,  
Kilpauk;  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 21, Kasthuri Bai Nagar,  
III Main Road, Adyar, Madras-20.  
Adyar/Doc. No. 1670/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 192/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 56, T. S. No. 25, Kodambakkam, Plot No. B-51, 48th st., Ashok Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 568/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. E. Kamakshi and others,  
18, 3rd St., Abhiramapuram,  
Madrass-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Thillai Thukkaram,  
20, Venkatesh Nagar,  
Madrass-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Block No. 56, T. S. 25 of Kodambakkam Plot No. B-51, 48th St., Ashok Nagar,  
Madrass Central/Doc. No. 568/85.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madrass-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 196/Tunc, 85.—hereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 53, Cathedral Road situated at Madras-86  
(and more particularly in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Madras Central/Doc. No. 598/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Sri Shishpal Singh Kohli,  
No. 8, State Bank St.,  
Madras-2.

(Transferor)

- (2) Mr. A. A. Mohideen, Batcha,  
2. Mr. A. A. Kamal Batcha,  
3. Mr. A. A. Ahmed Batcha,  
4. Mr. A. A. Anwar Batcha,  
all residing at No. 18, 4th st.,  
Gopalapuram,  
Madras-600 086.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 53, Cathedral Road,  
Madras-6.  
Madras Central/Doc. No. 598/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 6-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sri P. S. Raghavan,  
No. 12, G. S. Colony,  
Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri S. Lakshmikanth and Minor  
Sri S. Sesh Kumar,  
Represented by father  
Mr. S. Bhavanarayana,  
13 Gopalkrishna Road,  
Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 5th February 1986

Ref. No. 197/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12, G.S. Colony, Madras-18 situated at R.S. No. 3847/12, 16, 17, 18 MDS. 18 and 21 Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 600/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 12, G. S. Colony, Madras-18.  
Madras Central/Doc. No. 600/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 199/June, 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the 'immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 163, New No. 813, Anna Salai situated at Madras-2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Thousandlights/Doc. No. 258/85 in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely : —

(1) Sri R. K. Sethuraman,  
7-A-27, Arul Padayachi,  
Nollithope,  
Pondicherry-5.

(Transferor)

(2) Thiru Mansukh H. Sukhaiad,  
No. 41, Venkatachala Mudali St.,  
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 2/163, New No. 813,  
Anna Salai, Madras-2.  
Thousandlights/Doc. No. 258/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Juhl Thomas Trust,  
Weed Stock Palace,  
Ootacamund.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS**

Madras-600 006, the 7th February 1986

(2) M/s. Hotel Ormate (Nilgiris),  
Private Limited,  
310, Veer Sevarkar Marg,  
Bombay-28.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 206/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2.60 acres R.S. No. 479/14 of situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 526/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
80—516GI/85

**THE SCHEDULE**

Land 2.60 acres R. S. No. 479/14 of Ootacamund Rural village,  
Uthagamandalam/Doc. No. 526/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 207 June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. Nos. 19/3, 20, 21/1, 168/2, 391/10, 21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391 and 391/9—Extent : 3.99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 566/85 June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. S. H. Properties Pvt. Ltd.,  
Sophia College,  
Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) St. Jude's Public School,  
Arani Palace,  
Stone House Hill,  
Ootacamund-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

## THE SCHEDULE

Land and Building : R. S. Nos. 19/3, 20, 21/1, 168/2, 391/10, 21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391/8 and 391/9 3.99 acres.

Uthagamandalam/Doc. No. 566/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri S. S. Yagnanarayanan, s/o S. R. Subramanian,  
Rajannamalaipuram, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri K. N. Thangavel, s/o Akkarai Nagamun,  
Sathyamangalam Taluk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 224/June 85.—hereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Property as specified in schedule to Doc. No. 1351/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sethyamangalam/Doc. No. 1351/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1351/85  
Sathyamangalam/Doc. No. 1351/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 225/June 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Akkarai Nagamum village—Sathyamanglam situated at GOPI (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sethyamangalam/Doc. No. 1350/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. S. S. Janaki, d/o Sri Subramanian Iyer, 11, 6th Main Road, Rajaannamalaipuram, Madras. (Transferor)
- (2) Sri N. Natarajan, N. Thangaval, Akkarai Negamum, Kovaimalai P.O. Sathyamangalam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Akkarai Nogamum village, Sathyamangalam, Coimbatore. Sathyamangalam /Doc. No. 1350/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date: 7-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 62/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. 19, Unit Industrial Estate, Madras 58 Extension 9480/sft, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1819/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) M/s. Polymers and Allied Products,  
G-19, II Main Road, Indl. Estate, Madras 58.  
(Transferor)
- (2) M/s. Unitex Exports, Plot No. 4664-A,  
Door No. 96-W, Block Anna Nagar,  
Madras-600 040.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building : (Factory shed) G-19, Unit Industrial Estate, Ambattur, Madras-58. Madras North/Doc. No. 1819/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 120/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. 1575/37880th undivided share Door No. 92, G. N. Chottery Road, T. Nagar, S. No. 85, T.S. No. 7159, Block No. 17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 718/85, on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. East Coast Constructions & Industries,  
Partner : Mr. A. M. Sayed Abdul Cader,  
No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road,  
Madras-6. (Transferor)
- (2) Mrs. Noorjehan Mecci, 2, Master Arshad Mocci,  
80/1, Ranofi Rao, Road, Basavangudi,  
Bangalore-560 004. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 1575/37880th Undivided share situated in Door No. 92, G. N. Chottery Road, T. Nagar, S. No. 85, T.S. No. 7159, Block No. 117 T. Nagar/Doc. No. 718/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 122/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 1575/37880th undivided share in Door No. 92, G. N. Chetty Road, T. Nagar, MDS. 17. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 708/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

107—506 G1/85

(1) M/s. East Coast Constructions & Industries,  
Partner: A. M. Sayad Abdul Cader,  
No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. East Apparels P. Ltd.,  
55, Ramanujakudam St., Old washermanpet,  
Madras 21

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 1575/37880th undivided share in Door No. 92, G. N. Mhetty Road, T. Nagar T. Nagar/Doc. No. 708/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10 2 1 86  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 127/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 92, G. N. Chetty Road, Madras 17 T. Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 720/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. East Coast Constructions & Industries,  
Partner: Mr. A. M. Sayed Abdul Cader, No. 8,  
Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.  
(Transferor)

- (2) Aadin Aamir Aakhil Trust, Trustees,  
1. Mr. A. A. Mustafa, s/o Mr. Syed Maqdhoom  
Ashrat, 2. Mrs. Shameem Pasha w/o Mr. Azceez  
Pasha, No. 11, Shafi Mohd. Road, Rutland Gate,  
Madras-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 1665/37680th share (Undivided ) in T. Nagar Village, Block No. 117, Door No. 92, G.N. Chetty Road, Madras-17, T. Nagar/Doc. No. 720/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 140/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., situated at Mylapore, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 704/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri M. Bamanatha Dikshithar, No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., Mylapore, Madras-600 004. (Transferor)  
(2) Sri M. S. Parthasarathy, No. 19, Chitrakulam North St., Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., Mylapore, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 704/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
81—516G1/85

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 144/Jun 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 104, Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4 Extent of sits : 4.5 grounds (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 799/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri M. Swaminathan, 2. Mrs. Gomathi Swaminathan, 3. M. S. Aswin, 4. M. S. Bharath, Mylapore House, 104, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-600 004. (Transferor)  
(2) 1. Mrs. Kalpakam Subramaniam, 2. S. Sumanth, 102, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-600 004. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 104, Dr. Rangachari Road, Madras-4, Mylapore/Doc. No. 799/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 151/June 85.—Whereas, I, MRS. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Site: 3357.45 sft, at T.S. No. 12/2, situated at Srinagar Colony, Guindy, Venkatapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1489/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri Rama Venkatasubramaniam,  
No. 21D-219, 'SAKET', New Delhi-110 017.  
(Transferor)  
(2) Sri S. Ravindran, No. 41, Sankarapuram,  
Mylapore, Madras-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Site : Plot No. 111 part, situated in Venkatapuram village, Srinagar colony, Guindy, T.S. No. 12/2 part and 2/2 part of extent of 3357.45 sq.ft. Mylapore/Doc. No. 1489/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 163/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1 in 25 feet property road situated at Poomagal street, Paimash No. 126, Block No. 3, R.S. No. 173 T.S. No. 118 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1700/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. R. Daisy, 406, Street 6th sector  
K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferor)

- (2) Sri Laxmi Technocrafts Pvt. Ltd.  
rep. by its Managing Director, Sri K. Narayanan,  
A-46, Hindu Colony, Nanganallur, Madras-61.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 1, Poomagal St., Paimash No. 126, Block No. 3, R.S. No. 173 T.S. No. 118, Eakkattu Thangal village. Madras South/Doc. No. 1700/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri M. Rajasakharan, No. 15, LIC Colony,  
Dr. S. Radhakrishnan Nagar, Madras-41.  
(Transferor)
- (2) Sri A.V.S. Mani and Smt. Rajeswari Subramanyam,  
No. 83/2, ICF East Colony, Madras.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 170/June 58.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 127 (Part), Thiruvannmiyur, situated at Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1794/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: No. 127 (Part), Thiruvannmiyur, Madras-41. Madras South/Doc. No. 1794/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Mdras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 171/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 92, R. K. Mutt Road, Madras situated at Mylapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1806/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. K. Vijaya, w/o S. Ganapathiraman, Power Agent, M. Subramaniam, s/o R. Mahalinga Iyer, No. 12, Rani Annadurai St., R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

- (2) Smt. Brinda Rajagopal, w/o R. Rajagopal, No. 14, Station Border Road, Chrompet, Madras-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Site : Door No. 92, R. K. Mutt Road, Madras, Madras South/Doc. No. 1806/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 178/June 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

39, V. N. Dass Road, Pumpakkam

situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 461/85 on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagadambal,  
39, V. N. Dass Road,  
Madras-2.  
Smt. Saradambal,  
12, Thasilva Road,  
Arakanam iDst.  
Smt. Varadambal,  
39, V. N. Dass Road,  
Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

- (2) Sri A. P. Kali Muthu,  
39, V. N. Dass Road,  
Madras-2.  
Sri A. P. Karuppasamy,  
39, V. N. Dass Road,  
Madras-2.  
Sri A. P. Kaliyaraj,  
19, Vaduga Theru, Railadi,  
Mayavaram, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 39, V. N. Dass Road,  
Pumpakkam, Madras-2.  
Triplicane/Doc. No. 461/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 198/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
145, Kodambakkam High Road, R.S. No. 189/6  
situated at Nungambakkam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 256/85  
on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri Syed Mohideen,  
No. 145, Kodambakkam High Road,  
Madras-34.

(Transferor)

- (2) M/s. Meenalavika Hotels Pvt. Ltd.,  
144, Kodambakkam High Road,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 145, Kodambakkam High  
Road, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 256/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Sri K. V. Rajagopal Reddy,  
2/D Block 1st floor  
Paran Residential Complex,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) Smt. S. Kamala,  
50, Cathedral Road,  
Madras-86.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 201 June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat (1 floor) Paran Complex-121,  
situated at Mount Road, Madras-6  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 267/85  
on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect to any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

82—516GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat (1 floor) in Paran Complex, 121, Mount Road, Mad-  
ras-6.  
Thousandlights/Doc. No. 267/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 174/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 279, T.S. No. 73, 14th East Street, Kamraj Nagar,  
situated at Tiruvanmiyur village Madras-41  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Madras South/Doc. No. 1855/85  
on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Mrs. Malathy, Parthasarathy  
W/o Mr. Parthasarathy,  
B-1, Ayodhya,  
Madras-28.

(Transferor)

- (2) Mrs. Sulochana Venkataraman,  
148, Greater Kailash, Part-II,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Plot No. 279, T.S. No. 73, Tiruvanmi-  
yur Village (Kamraj Nagar) 14th East Street, Madras-600041  
Madras South/Doc. No. 1855/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February

Ref. No. 179/Junc 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
148, Oggiam Theraipakkam Village  
situated at Saidapet Taluk.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Adyar/Doc. No. 1608/85  
on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri A. Devakadathsham  
S/o Arumal Nayakam,  
No. 6, Erran Street, Verery,  
Madras-600007.

(Transferor)

(1) Smt. Iyyammal  
W/o Kemiappa Naicker,  
No. 1/51, Post Office Street,  
Oggiam, Theraipakkam Village,  
Madras-96.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : No. 148, Oggiam Theraipakkam village, Saidapet  
Taluk, S. No. 158/1B Chingloput district/18.

Adyar/Doc: No. 1608/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February

Ref. No. 184/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 141, Nehru Nagar, Kottivakkam situated at Village, Saidapet Chingleput Dist. S. No. 317/1st Part (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 374/85, on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Lakshmi,  
68, Ulsser Road,  
Bangalore-8. (Transferor)
- (2) M/s. Instruments and Controls,  
By Partners : D. Ramasamy 4 others,  
173, Thambu Chetty Street,  
Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land—Plot No. 285, 286, 331 and 332, in Nehru Nagar, 141, Kottivakkam Village, 317/1 part, Adyar, Doc. No. 374/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 187/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4B, Jayamma Road, Madras-18 situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 622/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Grijja Mohan Naidu and 3 others,  
4B, Jayamma Road, Teynampet,  
Madras-18.

(Transferor)

- (1) Smt. A. Sayar Bai  
W/o Anraj Jain,  
75, Nalhamuthu Naikar Street,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 4B, Jayamma Road, Madras-18.  
Madras Central Doc. No. 622, 85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2 1986  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 189/Jun 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1700/42000 undivided share of 9 grounds and 1030 sq. ft. R.S. No. 1250/2 and 81/5 No. 27, Gopalapuram, 1st street, situated at Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 557/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rosy Apartments,  
4, Khadar Nawz Khan Road,  
Madras-6.

(Transferor)

- (2) M/s. Indian Hume Pipe Co. Ltd.,  
16, Sixth Street, Gopalapuram,  
Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site and flat at No. 27, Gopalapuram first street, Madras-86.  
Madras Central/Doc. No. 557/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 202/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
S. No. 637/50 Now R.S. No. 637/60, Block No. 36, Pattn  
No. 848 Door No. 95, Vaikunthapuram Second Street, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 268/85  
on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :

(1) Sri P. V. Baskaran,  
95, Vaikunthapuram II<sup>nd</sup> Street,  
Nungambakkam,  
Madras-34.

(Transferor)

(2) Dr. S. Rajah,  
117, Narasingapuram Street,  
Gugai, Salem-636006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 95, Vaikunthapuram II St.,  
Nungambakkam, Madras-34.  
Thousandlights/Doc. No. 262/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 209/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Ward C, Block 35, T.S. 19, Chokkanatha Veedhi, D. No. 9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 3059/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri J. Sudhanantham, and others,  
75, Thirunagar,  
Erode. (Transferor)
- (2) M/s. Yarn Merchants Association,  
President,  
R. K. R. Subramaniam Chettiar,  
Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in Schedule to Doc. No. 3059/85.  
Erode/Doc. No. 3059/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 220/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, bearing a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.S. No. 247, Aladikadu  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Erandampulikkadu/Doc. No. 267/85  
on June, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

82A—516GI/85

- (1) Sri P. S. Ranganathan,  
S/o Srinivasa Iyer,  
Sri R. Baskaran,  
Sri R. Roguraman,  
S/o Ranganathan,  
No. 6, Ashok Nagar,  
Madras.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Jamahudeen  
S/o Sheik Abdul Kadu,  
At Kadar Ibrahim, Rajendrapuram, P.O.  
Arantangi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 247, Aladikadu, Property as specified in schedule to  
Doc. No. 267/85.  
SRO. Erandampulikkadu : Doc. No. 267/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986

Seal :

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS**

.Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 223/June 85.—Whereas, I.  
MRS. M. SAMUEL.

1. The said immovable property being Section 269B of the Income Tax Act, 1961 of 1961 (hereafter referred to as the Act) was reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chulagantham Road, Bangalore, Sarana Widang Masana, erpam, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozhukarai/Doc. No. 1715/85 on June, 1985

On June, 1968, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Kircenchenamourty  
S/o R. Balakiranchmamane  
No. 64A, Pondicheery-11 (Kamaraj Nagar).  
(Transferor)
- (2) Sri V. N. Many  
S/o Late Nagalingampillai,  
Smt. M. Kalavady  
W/o V. N. Many,  
Both residing at South Africa,  
No. 69, Willow Drive Portkel,  
1, Nehru Nagar, Villa Jegam,  
Pandicherry.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Hadura Kamaraj Nagar, Saram Oulgaret Com-  
mune, Pondicherry.  
Ozhukarai/Doc. No. 1345/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri M. Thirunavukkarasu,  
No. 1, First Link Road, CIT Colony,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Islamic Centre  
No. 4, Madhar Sahib Street,  
R. N. Palayam, Vellore,  
North Arcot Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 5/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
111-B, Greame Road, Madras-6, No. 43/4 (Part)  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
is liable to be acquired under the Acquisition Act 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 293/85  
on June, 1985.

For an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat: (III floor) Door No. 111-B, Greame Road, Madras-6.  
Thousandlights/Doc. No. 293/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 119/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. 34, Venkatarama Ayar Street, T. Nagar  
situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 644/85 on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. R. Govindammal,  
No. 37, Venkatarama Ayar Street,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Sri C. A. Bales  
No. 6, Burkit Road,  
T. Nagar, Madras-17.  
Sri N. Ravindran,  
No. 11A, Soundararajan Street,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land : No. 34, Venkatarama Ayar Street, T. Nagar,  
Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 644/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/935.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31, A.G.C.A. Co-op. House Bldg. Society Ltd. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

83—516GI/85

- (1) P. P. S. Kohli,  
90/18, Malviya Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Kusum Aggarwal and  
Smt. J. Aggarwal,  
r/o A-7, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 31, AGCR Co-op. House Bldg. Society Ltd., now known as AGCR Colony, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/937.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 103, Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

- (1) M/s. Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi,

(Transferor)

- (2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-1,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi,  
Area 390 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/936.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 102, Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction, or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-1,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 102, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi.  
Area 39A0 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/942.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 504, Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 504, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi.  
Area 492 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/938.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 301, at Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi. Area of flat 470 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-1,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/939. -Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 204, Yusuf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 204, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi.  
Area 522 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986

Seal :

FORM RNS

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-1,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/940.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 401, Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 401, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi.  
Area of flat 470 sq. ft.

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/941.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 407, Yusuf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Skipper Towers (P) Ltd.,  
22, Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. Sanjay Bansal,  
s/o Shri S. P. Bansal,  
B-15, Greater Kailash-1,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, Plot No. 12 at Yusuf Sarai, New Delhi.  
Area 320 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

- (1) Shri Gurcharan Singh,  
S/o S. Gurbax Singh,  
R/o V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi.  
(Transferor)
- (2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd.,  
V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref No. DBS/8/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
Land measuring 3 bigha 18 biswas situated at Village Singh-  
pura, Sub Tehsil Dera Bassi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Dera Bassi in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

84—516GI/85

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 18 biswas at V. Singhpura, Sub  
Tehsil Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale  
deed No. 735 of June, 1985 of the Registering Authority,  
Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/50/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 3310, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Guru Datta Sharma,  
s/o Shri Bhanda Ram Sharma,  
H. No. 80 R. A. Bazar, Ambala Cantt.,  
through his general power of attorney  
Shri Ashok Kumar Bansal,  
s/o Shri B. L. Bansal,  
Managing Director of Model Builders (P) Ltd.,  
r/o H. No. 17, Sector 10-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Tarlochan Singh,  
s/o S. Prabh Dayal Singh and  
Smt. Ravinder Kaur,  
w/o S. Tarlochan Singh,  
r/o H. No. 126A Sector 30, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3310 Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 254 of June, 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/52/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House No. 322 situated at Sector 35A, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

(1) Smt. Malvinder Saran Kaur,  
D/o Shri Balu Saran Singh Toor,  
House No. 322, Sector 35A, Chandigarh,  
(Transferor)

(2) Smt. Neena Verma,  
w/o Shri P. K. Verma and  
Shri P. K. Verma,  
s/o Shri Madan Gopal,  
r/o H. No. 508, Sector 10, D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 322, Sector 35A, Chandigarh. (The property  
as mentioned in the sale deed No. 265 of June, 1985 of the  
Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/57/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
House No. 58, situated at Sector 33A, Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the transferors and transferees has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269-D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) Smt. Savitri Gupta w/o Late Shri P. C. Gupta,  
Shri Krishan Kumar Gupta,  
s/o Late Shri P. C. Gupta,  
through his general attorney Smt. Savitri Gupta,  
w/o Late Shri P. C. Gupta,  
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.  
Shri Ajay Kumar Gupta s/o Late Shri P. C. Gupta,  
through his general attorney Smt. Savitri Gupta,  
w/o Late Shri P. C. Gupta,  
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.  
Shri Ashok Kumar Gupta s/o Late Sh. P. C. Gupta,  
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.  
Miss Ranjan Gupta D/o Late Shri P. C. Gupta,  
through her attorney Shri Ashok Kumar Gupta,  
s/o Late Shri P. C. Gupta,  
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.  
(Transferor)

- (2) Shri Sarb Dial Singh,  
s/o Late S. Shamsher Singh,  
for self and as father and natural Guardian of  
Master Prabhjeet Singh Minor,  
s/o Shri Sarb Dial Singh,  
r/o H. No. 39, Sector 2A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 58, Sector 33A, Chandigarh. (The property as  
mentioned in the sale deed No. 297 of June 1985, of the  
Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/58/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 814, situated at Sector 18A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Ganga Singh S/o S. Shanker Singh,  
r/o H. No. 556, Sector 11, Chandigarh,  
through his special attorney Smt. Resham Rani,  
w/o S. Ganga Singh,  
r/o H. No. 556 Sector 11, Chandigarh.  
(Transferor)

- (2) S. Balbir Singh and S. Gurbax Singh,  
ss/o S. Sawaran Singh,  
r/o B-2-58, Naraina, Industrial Area Phase I,  
New Delhi-28,  
through S. N. Sawaran Singh,  
s/o S. Puran Singh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 184 Sector 18A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 298 of June, 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Col. Gurdev Singh,  
s/o Late Shri Sohan Singh Pannu,  
r/o H. No. 529, Model Town, Jalandhar,  
Punjab.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/59/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1010, situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Col. Birinder Singh Chimni,  
s/o Late Major General B. S. Chimni,  
Karta of HUF consisting of  
Col. Birinder Singh Chimni,  
Smt. Swarnjeet Chimni,  
w/o Col. Birinder Singh Chimni,  
Shri Vikramjeet Singh Chimni,  
s/o Col. Birinder Singh Chimni,  
through Col. Birinder Singh Chimni,  
as Karta of HUF, and all  
r/o C-595, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1010, Sector 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 300 of June 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/66/85-86.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 336, situated at Industrial Area Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or assets  
moneys or other assets which have not been so  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Gian Kaur W/o Shri Sujan Singh,  
Shri Kanwaljit Singh,  
Shri Jagjit Singh,  
Shri Gurcharan Singh and  
Shri Manohar Singh,  
ss/o Shri Sujan Singh,  
all r/o H. No. 1396 Sector 228, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Neelam Rani w/o Shri Subhash Chand,  
r/o H. No. 1110, Sector 18-C,  
Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) M/s Maha Laxmi Industrial Corpn.,  
Plot No. 336 Industrial Area,  
Chandigarh.  
(Persons in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 336, Industrial Area, Chandigarh. (The property  
as mentioned in the sale deed No. 329 of June 1985, of the  
Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/71/85-86.—Where, I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 270 situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Yog Raj Bahly (Retd.),  
s/o Shri Durga Prasad Bahl,  
r/o B-36, Vishal Enclave (Rajouri Garden),  
New Delhi,  
through his general attorney Mrs. Shankri Devi,  
w/o Chaudhry Rattan Singh,  
r/o II. No. 1252, Sector 43B,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Chaudhry Rattan Singh,  
s/o Shri Roora Ram,  
r/o H. No. 1252, Sector 43B, Chandigarh,  
now at H. No. 270 Sector 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 270 Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 354 of June 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/72/85-86.---Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing House No. 1023 situated at Sector 19B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Manmohan Krishan Sood  
r/o Late Shri Bhagwan Chand Sood,  
r/o 565 Sector 18B, Chandigarh.  
Shri Madan Lal Sood,  
s/o Late Shri Bhagwan Chand Sood,  
r/o H. No. 150, Model Town, Panipat,  
Distt. Karnal,  
through General Attorney,  
Shri Manmohan Krishan Sood,  
Smt. Kailash Sood,  
d/o Late Shri Bhagwan Chand Sood,  
r/o 51, Man Singh Wala, Dehra Dun,  
through General Attorney,  
Shri Manmohan Krishan Sood,  
Smt. Santosh Sood,  
d/o Shri Bhagwan Chand Sood,  
Head mistress, Govt. Girls Basic High School,  
Naura Teh. Nawanshehar Distt. Jalandhar,  
through General Attorney,  
Shri Manmohan Krishan Sood,

(Transferor)

- (2) Shri Roshan Lal Mittal,  
s/o Shri Panna Lal,  
r/o SCF No. 13, Sector 19C, Chandigarh.  
Shri Ravi Garg,  
s/o Shri Ram Nath,  
r/o SCF No. 13, Sector 19C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1023 Sector 19B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 356 of June 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--  
85-516G1/85

Date : 10-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. KHR/14/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land measuring 8 Kanals situated at Vill. Sohana Teh.  
Kharar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Kharar in June, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Col. Sucha Singh  
S/o Sh. Arjan Singh,  
R/o 2562 Sector 35C,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Gold Kee Farms  
Vill. Sohana Teh. Kharar,  
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals at Vill. Sohana Teh. Kharar  
Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No.  
1718 of June 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. SOL/5/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 435 sq. m. along with old 3 Storey building, Land Kh. No. 78/1 and 70/1, situated at Lower Bazar, Solan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Himmat Singh (Son)  
Gobinder Kaur (wife)  
Amrit Kaur and  
Manoranjan Kaur (daughters) of  
S. Gurbax Singh  
S/o Sh. Gajan Singh and  
Smt. Sham Kaur  
W/o Gajan Singh,  
R/o 14-Civil Lines Patiala,  
Punjab.

(Transferor)

- (2) Sh. Jashpal Rai  
S/o Sh. Jagat Ram,  
Smt. Darshana Kumari Rai  
W/o Sh. Jashpal Rai,  
R/o Solan near P.O.  
Solan, H.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 435 sq. m. alongwith old 3 Storey building Land Kh. No. 78/1 and 70/1, Lower Bazar, Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 332 of June, 1985 of the Registering Authority Solan, H.P.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. SOL/6, 85-86.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 5B, 8B situated at Vill. Shamti Teh. &amp; Distt. Solan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Solan in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Devi  
Wd/o Sh. Ram Rattan,  
R/o Sirinagar,  
Pargana Bharauli Khurd,  
Teh. Kandaghat, Distt. Solan, H.P.  
through her General Attorney  
Sh. Kanti Sarup Mehta  
S/o Sh. Padam Singh,  
R/o Sirinagar, Teh. Kandaghat,  
Dist. Solan, H.P.

(Transferor)

- (2) Farm Scientists Housing Co-operative Society Ltd.,  
Nanni Teh. & Distt. Solan H.P.  
through Dr. J. R. Thakur its President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 8 Biswas at Vill Shamti Teh. & Dist. Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 333 of June, 1985, of the Registering Authority Solan.)

JOGINDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDEI/249/65-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-20-1195/11 situated at Sarabha Nagar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income or capital gains arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or capital gains or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property in the office of the said Officer under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Tarlochan Kaur W/o Gurdial Singh  
Dugri Road Model Town,  
through Shri Hari Krishan s/o Attar Chand,  
Janta Nagar Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Varsha Kotchhar W/o Shri Divinder Kumar,  
r/o 11-I, Sarabha Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms "income" and "capital gains" are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-20-1195/11, Sarabha Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the said deed No. 4516 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CID/49/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1026, situated at Sector 37B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. P. Batra s/o Shri Amir Chand Batra,  
r/o H. No. 131 Sector 23A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Harmohan Singh Chawla, HUF,  
s/o Shri Sahib Singh  
r/o H. No. 18, Sector 8-A  
Chandigarh,

(Transferee)

- (3) Shri S. K. Sharma  
Major Shorie both r/o H. No. 1026,  
Sector 37B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1026 Sector 37B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 252 of June, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM IIS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. KHR/16/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothi No. 252, situated at Phase 4, Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sangat Singh s/o Shri Gulab Singh  
r/o H. No. 603, Phase 3-B-1,  
Mohali Teh. Kharar,  
as General Attorney Smt. Balwinder Kaur  
w/o Shri Tarsem Singh  
r/o H. No. 163 Phase 7, Mohali,  
Teh. Kharar Distt. Ropar,  
as General Attorney Shri Rajbahadur Singh  
s/o Shri Jasbir Inder Singh  
r/o H. No. 1105 Sector 8, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Jagmohan Singh and Surinder Singh  
ss/o Shri Gurbachan Singh  
r/o 252 Phase. 4, Mohali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 252, Phase 4, Mohali Teh, Kharar.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1805 of June 1985 of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM I.T.N.3.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/6/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. B-2/439/1, Anandpur Satsang Ashram, Opp. Sant Nagar Bhupinder Nagar Road situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Sarup Dhand s/o Shri Katam Chand Dhand r/o H. No. B-2/439/1, Anand pur Satsang Ashram, Opp. Sant Nagar, Bhupinder Nagar Road, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Shri Surjan Singh S/Sh. Harminder Singh, Gurnam Singh ss/o Sh. Avtar Singh r/o Vill. Dittpura Jattan Teh. Nabha Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-2/439/1, Anandpur Satsang Ashram, opp. Sant Nagar, Bhupinder Nagar Road Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1925 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. FTA/4/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 207 Kanal 11 Marla, situated at Vill. Mehdipur Teh, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Krishan Mohan, Roopinder, Virinder and Satish, ss/o Shri Gopal Chand Advocate, r/o Sanauri Gate, Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Jukhbir Singh, Sahib Singh ss/o Shri Dalip Singh, Shri Dalip Singh s/o Shri Fauja Singh r/o Vill. Rasulpur Zoraa Teh. and Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 207 Kanal 11 Marla at Vill. Mehdipur Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1826 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/5/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Land measuring 64 Kanals, situated at Vill. Mohadipur Teh. Patiala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) to the office of the Registering Officer Patiala in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Krishan Mohan, Roop Inder, Vir Inder Satish ss/o Late Shri Gopal Chand Advocate r/o Sanauri Gate Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Hari Singh, Misra Singh Zana Singh ss/o Shri Rup Singh S/Shri Satgurun Singh, Satpal Singh, Bhaurur Singh ss/o Shri Udhey Singh all r/o Vill. Zandi Teh. Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 64 Kanals at Vill. Mohadipur Teh. Patiala. (The property as mentioned in the said deed No. 1864 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-1-1986  
Sd/-



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. NBH/2/85-86.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Land measuring 76 Kanal 18 Marla, situated at Vill. Alipur Teh. Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Lachhmi Devi wd/o and Late S. Surinder Kumar s/o Sh. Rajinder Kumar, Vinod Kumar ss/o Shri Wazir Chand r/o Vill. Alipur Teh. Nabha and Kamal Devi D/o Shri Wazir Chand r/o Vill. Alipur Teh. Nabha through General Attorney of Shri Surinder Kumar.

(Transferor)

- (2) Shri Piara Singh s/o Shri Nihal Singh and Jagdish Singh, Ajit Singh ss/o Shri Piara Singh Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh and Gurdial Singh, Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Karnail Singh, Hardev Singh ss/o Shri Inder Singh all r/o Vill. Payal Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever is the least period; and

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 76, Kanal 18 Marla at Vill. Alipur Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1313 of June 1985 of the Registering Authority Nabha).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/9/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 79K 11M situated at Vill. Mohadipur Teh. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Krishan Mohan, Rup Inder Singh, Virinder Singh and Satish ss/o Late Sh. Gopal Chand Advocate, r/o Sanauri Gate atiala through attorney Shri Sri Ram s/o Shri Bhagwan Singh r/o Mohalla Surgran, Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmam Singh, Nek Singh, Bhan Singh, Amrik Singh ss/o Shri Bakhtawar Singh R/o Vill. Mohadipur Teh. Patiala and S/Shri Sham Lal, Chandu Ram ss/o Shri Gopal Das; r/o Vill. Lohgarh, Teh. Dhabwali Dist. Sirsa (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 79K 11M, at Vill. Mohadipur Teh. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 2230 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Darshan Singh S/o S. Gurbax Singh  
V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi, (Transferor);
- (2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd.  
Singhpura, S. Tehsil Dera Bassi. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. DBS/4/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. Land measuring 3 bighas 18 biswas situated at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 18 biswas at V. Singhpura, Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 733 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITN-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/7/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 and measuring 18 biswas situated at V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh s/o S. Narinder Singh  
R/o Dera Bassi as General Attorney of  
S/Sh. Mohan Lal, Manohar Lal, Jai Gopal,  
Madan s/o Shri Matu Ram R/o V. Mubarakpur,  
Sub-Tehsil Dera Bassi. (Transferor)
- (2) M/s Haryana Mac Fub (P) Ltd.  
V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 18 biswas situated at V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi (The property as mentioned in the sale No. 755 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Ajmer Singh S/o S. Jagdish Singh  
V. Singhapura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(Transferor)

(2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd.  
V. Singhapura, S. Tehsil Dera Bassi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/10/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 3 bighas 19 biswas situated at V. Singhapura, S. Teh. Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 19 biswas at V. Singhapura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 732 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Gurbax Singh S/o S. Ganda Singh,  
R/o V. Bhankarpur, Sub Tehsil Dera Bassi.  
(Transferor)
- (2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd.  
Singhpura, S. Tehsil Dera Bassi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/11/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 14 bighas 4 biswas situated at V. Singhpura, S. Tehsil Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June 1985, to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 4 biswas at V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 731 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

- (1) S. Jaswinder Singh S/o S. Gurbax Singh,  
V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi. (Transferor)
- (2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd.  
V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. DBS/9/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Land measuring 3 bighas 19 biswas situated at V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
87—516GI/85

Land measuring 3 bigha 19 biswas at V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 734 of June 1985 of the Registering Authority Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/220B/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 kanal 154 marlas situated at V. Dheri, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parkash Singh S/o S. Gurmej Singh  
R/o V. Dheri, Tehsil and Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Baljit Raj Dev Singh  
S/o Shri Avtar Singh r/o H. No. 2183,  
Mushtak Ganj, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 154 marlas situated at V. Dheri Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3818 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/220A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 8K 15½M situated at Vill. Dheri Teh. & Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely:—

- (1) Shri Parkash Singh S/o S. Gurmej Singh  
r/o Vill. Dheri Teh. & Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Anand Dev Singh s/o S. Avtar Singh  
r/o Vill. 2183 Mustak Ganj Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanal 15½ Marla at Vill. Dheri Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3636 of June, 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/222/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 6 Kanals situated at 15½ Marla, situated at Vill. Dheri Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parkash Singh s/o Shri Gurmej Singh  
r/o Vill. Dheri Teh. & Dist. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh s/o S. Avtar Singh  
r/o W.Z.A. 14, Malik Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8 share of land 6 Kanals 15½ Marla at Vill. Dheri Teh. and Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4132 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/221/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 and 6 Kanals 15 $\frac{1}{2}$  Marla, situated at Vill. Dheri Teh. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parkash Singh S/o Shri Gurmej Singh,  
Vill. Dheri Teh. and Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Amrit Dev Singh s/o Sh. Avtar Singh  
W.Z.A-14, Malik Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8 share of Land 6 Kanals 15 $\frac{1}{2}$  Marla at Vill. Dheri, Teh. and Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3919 of June 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./6322.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. N-32, situated at Saket Nagar Colony, Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Bhagwandas,  
2. Jagdish s/o Shri Jhamaklalji Manwani,  
r/o 34 Maglam Building,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Yeshvardhan s/o Shri Krishna Chopra,  
r/o 215 Saket Nagar,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. N-32, situated at Saket Nagar Colony Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq'n./Bpl./6323.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House constructed on plot No. 345, situated Saket Nagar, Indore (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajwantibai w/o  
Smt. Rajwantibai Motwanti,  
r/o Saket Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rajwantibai w/o  
Smt. Rajwantibai Motwanti,  
r/o Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
must be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Any expressions and explanations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 345 situated in Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F.No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./6324.—Whereas I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 107,

situated at Anoop Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bharti Ben w/o  
Shri Ashwani Kumar Joni,  
r/o 4. Rajmahal Colony,  
Manik Bagh Road,  
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shyamsunder s/o Murlidharji Biyani,  
2. Suresh Kumar s/o Murlidharji Biyani,  
r/o 21/1 North Raj Mohalla,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 107, situated at Anoop Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, BhopalDate : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Refm No. IAC/Acq./Bpl./6325.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 33, situated at Kesherbagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

88—516/85

- (1) 1. Smt. Shyamabai wd/o  
Late Shri Shivdayal Sahu,  
2. Shri Om Prakash s/o  
Late Shri Shivdayal Sahu,  
Indore.  
Both r/o 11, Hemson Colony,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Rameshchandra Mittal s/o  
Shri Mishrilalji Mittal,  
r/o H. No. 21, Udaipura,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 33, situated at Kesherbagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Buildg  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)**

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6326.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 7 situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sitabai w/o Shri Chaturbhuj Ji Gupta,  
R/o 40, Kalali Mohalla, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlabai w/o Shri Ghanshyamdasji Gurwani,  
R/o 30, Chandan Bhawan, Chhoti Gwal Toli,  
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

House bearing municipal No. 7 is situated at Murai Mohalla, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6331.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 50 situated at Ksheer Sagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mehraj Mohammed s/o Shri Taj Mohammed Chowdhery,  
R/o Dulshah ki-gali, Ujjain.  
(Transferor)

(2) Dr. Paraschand Shrimal s/o Shri Ramchandraj Shrimaol, through attorney Shri Ramchand s/o Shri Nihulaji Shimal R/o 16, Mahakal Marg, Ujjain.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. 50 situated at Ksheersagar Colony, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Vithaldas s/o Shri Gordhandas Mahajan,  
R/o Madhavnagar, Freeganj, Ujjain.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Chamanlalji,  
R/o Dasherai Maidan, Madhav Nagar, Ujjain.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6332.—Whereas, I,  
P. SRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House No. 1/12660 (Old) No. 98 (New) 1/2 portion situat-  
ed at Nazar Ali Marg, Ujjain.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ujjain on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 1/1266 (Old) No. 98  
(New) is situated at Nazar Ali Marg, Ujjain. This is the  
immovable property which has been described in F. No. 37-G  
duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl./6327.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House bearing Municipal No. 43/46 situated at M. T. Cloth Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Radhabai w/o Shri Rajendrakumar,  
R/o Juna Pitha, Main Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash s/o Nandkishoreji,  
R/o 109, M. T. Cloth Market, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 43/46 situated at M. T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6328.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal House bearing No. 3/3 situated at Subash Marg, Indore Darwaja, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Smt. Mariambai d/o Shri Hakimuddin R/o Golamandi Bakhali, Ujjain through attorney Shri Hakimuddin s/o Ibrahim R/o Golamandi Bakhali, Ujjain.

(Transferor)

- (2) Smt. Fatnabai w/o Shri Tayabali Bhai and Smt. Zubeda Bai w/o Shri Abdeali Bhai R/o Chatri Chowk, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 3/3 situated at Subash Marg, Indore Darwaja, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohammed Sharif w/o Shri Nabi Rasool Ansari, R/o Madhavnagar, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tangam Menon w/o Shri Vijaya Gopalan Menon, R/o Sakhipura, Ujjain.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6329.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing

House No. 5 (New) situated at Ghatkarpar Marg (Back side Road), Madhavnagar, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 5 (New) situated at Ghatkarpura Marg (Back side Road), Madhavnagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash Agarwal s/o Shri Jammalalji,  
R/o 108, Dashera Maidan, Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Dr. Shabir Hussain s/o Shri Abade Ali; 2. Smt.  
Jaya Bano w/o Dr. Shabir Hussain,  
Both R/o D. N. Road, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6330.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 7 situated at Azad Nagar, Ujjain  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ujjain on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7 is situated at Adarsh Nagar, Ujjain. This is  
the immovable property which has been described in F. No.  
37-G only verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. I.C./Acqn./Bpl./6333.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as "the Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agr. land survey No. 127 situated at Village Dalpura, Distt. Dhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardarpur on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

89—516GI/8\*

- (1) Shri Bharat Kumar s/o Shri Babulalji,  
R/o Rajgarh. (Transferor)
- (2) Shri Adinath Rajendra Jain Sewatamber Padi Chate-  
rbiale Trust Tithi Mohankheda Distt. Dhar through  
Manager Shri Mangilal s/o Shri Nathaji Mahajan  
R/o Dhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land having Survey No. 127 situated at village Dalpura, Tehsil Sardarpur. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Dated : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6334.—Whereas, I, V. P. SIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 254 situated at Village Bairagarh, Tehsil and Distt. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mohni Bai w/o Shri Balmukund Khandelwal R/o 118, Jai Prakash Marg, Dewas through attorney Shri Gulab s/o Laxminarian R/o Chegaon Makan Tehsil Khandwa (presently R/o Dewas). (Transferor)
- (2) Shri Balakdas s/o Shri Kulus Singh Kalota R/o Indore (Minor) through Mother Smt. Lilabai w/o Shri Kalus Singh R/o Gandhinagar, Sant Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land having Survey No. 254 situated in village Bairagarh, Tehsil and Distt. Dewas. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal



## FORM ITNS

- (1) Smt. Mohnibai w/o  
Sri Balnukund Khandelwal,  
r/o 118 Jai Prakash Marg,  
Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th February 1986

- (2) Shri Saidas s/o Shri Kalusingh Kalota (Minor)  
through father Shri Kalusingh s/o  
Shri Gangaramji,  
r/o Gandhinagar,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. JAC/Acq./Epl./6335.—Whereas I  
V. P. SIRIVASTAVA  
being the Competent Authority under Section 29B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Land Survey No. 296,  
situated at Village Bairagarh Tehsil and Distt Dewas.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Dewas on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land survey No. 296, situated at village Bairagarh, Tehsil  
and Distt. Dewas. This is immovable property which has  
been described in F. No. 37-G duly verified by the trans-  
feree.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM INS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6336.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Survey Nos. 297, 298, 299 and 254, situated at Village Bairagarh, Tehsil and Distt. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohanibai w/o  
Shri Balmukund Khandelwal,  
r/o Dewas through attorney Shri Gul behand,  
s/o Laxminarain Khandelwal,  
r/o Chegaoan,  
Distt. Khandwa.

(Transferor)

- (2) Smt. Lilabai w/o Shri Kalusingsh Kalot ,  
r/o Gandhinagar Santmarg 218,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land having survey Nos. 297, 298, 299 and 254, situated in village Bairagarh, Tehsil and District Dewas. This is the immovable property which has been described in No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6337.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 7 on plot No. 21, situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Madanlal s/o Chogalalji Gandodiya,  
r/o Neemuch Cantt. (M.P.).  
(Transferor)
- (2) Shri Lal Singh s/o Mangusinghji Gahlot,  
New Bank of India, (Clerk-cum-Cashier),  
r/o Neemuch Cantt. Presently, resident of  
Bhilwada (Rajasthan).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 7 on plot No. 21 situated at Neemuch Cantt. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6338.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVAbeing the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "said Act") have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Plot No. 22 situated at Shankar Nagar, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore in June 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—(1) Shri Yakub S/o. Shri Ibrahim Bohra,  
R/o 495, M.G. Road,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Arvind S/o. Shri Rajmal Porewal,  
R/o 42/1, Nihalpura,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Shankar Nagar, Indore. This is the  
immovable property which has been described in F. No. 37-G  
duly verified by the transferee.V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
BhopalDate : 4-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6339.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No. Land Survey No. 2261 situated at Badnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badnagar in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kanyas Bai W/o Shri Giridharji, Gungabai W/o. / Babaramb, Ganga ram S/o. Shri Sewaji Narsingh S/o. Sewaji Mohanlal S/o. N. rainji, Kamlabai W/o. Shri Giridharji, (Transferor)  
(2) Shri Bhenulal (2) Shri Amblaram S/o. Shri Mangilal R/o Badnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of publication of the respective persons which ever is shorter; and  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to them in Chapter

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 2261 situated in Badnagar. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date: 5-2-1986.  
Seal;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6340.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 52-A, situated at Udyog Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chandraprakash S/o. Gopkishan (2) Dinesh Kumar S/o Shri Gopalkishan Maheshwari (3) Babulal S/o. Devkaranti Soni All R/o 55, Shardanand Marg, Indore.

(Transferor)

- (2) Anand Kumar Jain & Sons (HUF) karta Shri Anand Jain (2) Ku. Santosh D/o. Kishanlal then 17 years through p. n Kishanlal S/o. Gendulal (3) Ku. Kiran D/o. Shri Kishanlal (4) Ku. Rekha D/o. Shri Kishanlal 14, years through guardian Kishanlal All R/o 24/2, Malhar Ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 15 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 52-A, situated in Udyog Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No.-37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 7-2-1986,  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6341.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Municipal House bearing No. 3/2 situated at Subash Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—

90—516GI/85

- (1) Smt. Musmat Pizzabai D/o Shri Hakimuddin Bhai Kanchwala through attorney Shri Hallimu-lla Bhai S/o. Shri Haji Ibrahim Bhai Kanchwala,  
R/o. Golamandi Bakhai,  
Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Fatimabai W/o. Shri Tayabbhai Kanchwala,  
2. Zubedabai W/o. Shri Abdeali Bhai Kanchwala,  
Both R/o Chatri Chowk,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 3/2 situated at Subash Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 7-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6342.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land S. No. 860 situated at Kasba Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vidisha on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhotelal S. o. Shri Umraosingh Kushwha,  
R/o Vidisha.  
(Transferor)
- (2) Manas Siksha Samitti Vidisha through Secretary Shri Ram Krishna Sharma S.o. Chhoteramji Sharma,  
R/o Vidisha.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land S. No. 860 situated at Kasba Vidisha.  
This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 4-2-1986.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6343.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land Survey No. 784/5 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Champalal S/o. Shri Hiralalji Lodha,  
R/o Mhow Distt. Indore.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bajab Tempo Ltd. Akrudi Poona (M.S.)  
A-Public Ltd. Company through Project Director  
Shri K. D. Balal,  
Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land having survey No. 784/5 situated at Mhow Cantt. This is the immovable property which has been described in F. No.37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 5-2-1986.  
Seal :

## FORM 11NS

(1) Shri Anam Singh (2) Diwansingh  
S/o. Shri Raghunathsingh R/o Sankal Kheda,  
Distt. Vidisha.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vishnukumar S/o. Shri Hirasingh Thakur,  
R/o Ramnagar,  
Vidisha.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6344.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 115 situated at Ram Nagar Ward No. 17, Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 115 situated in Ramnagar Ward No. 17, Vidisha. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1986.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6345.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. House situated at Village Godarpura, Onkareshwer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 10 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Manoharlal S/o. Ramnath Chokse Jaiswal, R/o Onkareshwer, Teh. Khandwa.  
(Transferor)
- (2) Shri Mayaram S/o. Shri Manglu, (2) Asharam S/o. Dashrath, (3) Mansharam S/o. Manglu, (4) Shivram S/o. Manglu, (5) Atmaram S/o. Kanhiya, (6) Mojilal S/o. Mangilal, (7) Rajan S/o. Murari, (8) Laxman S/o. Devchand, (9) Motiramji S/o. Mangilal, (10) Devaji S/o. Kanwarji, (11) Kashiram S/o. Murar No. 1.2.3.4. chirwa No. 5, Nalva No. 6 Anjangaon, No. 7.8.9. and 11, Bhagwanpura.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House situated in Godarpura, Onkareshwer, Teh. Khandwa. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferees.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 5-2-1986.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6346.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. House constructed on plot No. 56-C situated at  
Karamchari Colony, Dewas  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Dewas in June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Shri Govind Kumar S/o. Shri Chaganlal Soni,  
R/o 85, Karamchari Colony, Dewas.  
2. Sabistan Khan S/o. Shri Abdul Rehman Khan,  
R/o Chudi Bakhali,  
Dewas. (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Kumar S/o. Shri Babulal Sharma,  
R/o 68, Lala Lajpatrai Marg,  
Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respect persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 56-C situated at Karamchari  
Colony, Dewas.

This is the immovable property which has been described  
in F. No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 5-2-1986.  
Seal :

FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref No IAC/Acq./Bpl./6347.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 14 situated at Mun Palace Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Mahalakshmi Chaudhary S/o. Shri Babulaji Chaudhary,  
R/o 4/8, Vithleshwarji Market,  
M. T. Cloth Market,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri. Mahendra Kumar Joshi S/o. Shri Subash-chandraji Joshi,  
R/o Chandrabhaga June, Indore 16/1,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 14, situated in Mun Palace Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in T. No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th January 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6348.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Part of House No. 103 situated at Vijya Road, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than twenty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal Rakhal Agarwal,  
R/o 103, Vijya Road,  
Dewas.

(Transferor)

- (2) Shri Om Prakash  
S/o Shri Ramchandra  
R/o 103, Vijya Road,  
Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 103 situated in Vijya Road, Dewas. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G only verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 4-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS-

(1) Shri Rahul Kumar  
S/o Haqiqatrai Agarwal  
R/o 80, Anoop Nagar  
Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Bindings Wire (Pvt.) Ltd.,  
Through Managing Director  
Shri Om Prakash  
S/o Shri Radhakishan Dhut,  
R/o 207, Usha Nagar,  
Indore.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th January 1986

Ref. No. AR II/37EE/21757/85-86.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House bearing Municipal No. 1301  
situated at Bhagirathpura, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

House bearing Municipal No. 1301 situated is Bhagirath-  
pura, Indore. This is the immovable property which has been  
described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

51—516GI/85

Date : 11-21986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Accs./Bpl./6350.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have after referred to as the said Act), have come to believe that the immovable property, being a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000, situated at Rajesh Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the amount of consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truth stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which are not to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prakash Chandra  
S/o Shri Ganpatilal Verma  
Through attorney  
Shri Ganpatilal Verma  
R/o 23, Rajesh Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hitendra  
S/o Khomji Daria,  
R/o 21, Prince Yeshwant Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 23 situated in Rajesh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 11-21986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Arqn./Bp./6351.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural Land Survey No. 784/5 situated at Mhow Cantt, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Champalal  
S/o Shri Hiralal Lodha,  
R/o Mhow Teh. Mhow Distt.  
Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Kinetic Honda Motor Ltd.,  
7/1 New Palasia, Indore  
Through project Director  
Shri K. D. Ballal,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used in this notice are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land having Survey No. 784/5 situated in Mhow Cantt. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6352.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old Grand land H. No. 1881, 1882 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at situated at Kotla Bhakhali, Mhow, Distt. Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mishrilal  
S/o Shri Mohanlal  
1031 Chota Bazar,  
Mhow.
2. Shri Nandlal  
S/o Shri Mishrilal  
1031 Chota Bazar,  
Mhow.
3. Shri Bhagwandas  
S/o Shri Mishrilal  
R/o 6, Janki Nagar,  
Indore.
4. Shri Devikishan  
S/o Shri Mishrilal  
R/o 10, Samand Nagar,  
Indore.
5. Shri Mohanlal  
S/o Shri Mishrilal  
1031 Chota Bazar,  
Mhow.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shanibai  
W/o Shri Ram Chandra
2. Shri Mohanlal  
S/o Shri Ramchandra
3. Shri Murlidhar  
S/o Shri Ramchandra
4. Shri Ram Chand  
S/o Shri Ramchandra  
All R/o H. No. 1881,  
82 Kotla Bhakal, Mhow Distt.  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Old Grand Land bearing H. No. 1881, 1882 situated at Kotla Bhakhali, Mhow. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferees.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Ackn./Bpl/6353.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 12 Block No. V situated at Industrial Ward, Dhamtari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Kesarlal, Bharatlal Lakhanlal  
Sons of Shri Panchamlal  
2. Shri Nanakram  
S/o Shri Chandulal and  
3. S/Shri Makhanlal & Ramkrishana  
Sons of Shri Foolchand,  
All R/o Kareli, Tehsil Dhamtari,  
(Transferor)
- (2) Shri Hariram Mahawar  
S/o Shri Giansiram Mahawar  
R/o Dhamtari Dist. Raipur,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12, Block No. V is situated in Industrial Ward, Dhamtari. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6354.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing Municipal No. 3/1 situated at Subash Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of 1961 (43 of 1961).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Km. Salambai D/o Shri Hakimuddin  
R/o Golamandi Bakhal,  
Through attorney  
Shri Hakimuddin  
S/o Haji Ibrahimji Kanchwala,  
R/o Golamandi Bakhal,  
Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Musmat Fatimabal  
W/o Shri Tayabbhai Kanchwala,  
2. Smt. Musmat Zubedabai  
W/o Shri Abdeali Bhai Kanchwala,  
Both R/o Chattri Chowk,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 3/1 situated at Subash Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 4-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOJAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

(1) Shri T. S. Devangan,  
R/o Mobin Mansion, J. E. Road,  
Raipur,

(Transferor)

(2) Smt. Uma Devi Thakkar  
W/o Shri Hiralal Thakkar,  
R/o Budhapara,  
Raipur,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./6355.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Plot No. 8 situated at Jal Bihar Colony, Telibanda, Raipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said Instrument of  
Transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 8 situated in Jal Bihar Colony, Telibanda, Raipur.  
This is the immovable property which has been described in  
F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

Date : 11-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6356.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. tPlot No. 63 situated at C-Sector Inderpuri, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunderdas, Samtani  
S/o Shri Dayaldas,  
R/o 40, Betwa Apartments,  
Bhopal. (Transferor)
- (2) M/s. Siscon Consultant, Bhopal  
Through Partner  
Smt. Santosh Chhokar  
W/o Shri G. N. Chhokar,  
D/o Shri Pyarelal,  
R/o E-2/160 Area Colony,  
Bhopal. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 63 situated in C-Sector Inderpuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajeev Khurana  
S/o Shri R. L. Khurana,  
R/o H.I.G. 138 E-Arera Colony,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Datta  
S/o Shri Shri Ram Dutta,  
R/o 45 Rajdev Colony, Baresia Road,  
Bhopal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6357.—Whereas, I,  
V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Lala Lajpatrai Colony, Raisen Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Plot No. 2 situated in Lala Lajpatrai Colony, Raisen Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

92—516GI/85

Date : 11-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6358.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Khasra No. 10/2, situated at Village Fatehpur, Teh. Huzur, Distt. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Smt. Musmat Ku. Paiveen Jehan d/o  
Shri Shafi Ullah Sahib,  
r/o Village Fatehpur,  
Teh. Huzur,  
Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ahmed Khan s/o  
Shri A. Gaffar Khan Sahib,  
r/o Village Nariyal Kheda,  
Distt. Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land having khasra No. 30/2 situated in Village Fatehpur Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills Bhopal.

Date : 11-2-1986  
Seal :



**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./6359.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 233 situated at A-Sector Shahpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tara Singh s/o  
Gurudev Singh,  
r/o 20, Idgah Hills,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Ramswaroop Shrivastava s/o  
Kishan Gopal Shrivastava r/o  
1/311-1100 Quarters,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House constructed on plot No. 233, situated in A-Sector Shahpura, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6360.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing municipal No. 645/10, situated at Rani Durgawati Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Laxmibai Gaur w/o  
Shri Vishwanath Singh Gaur,  
r/o 645 Gada, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Hardyanarain Tiwari s/o  
Shri Rambhadra Tiwari,  
r/o Dixitpura, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing municipal No. 645/10, situated at Rani Durgawati Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6361.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 6/34, situated at Sadar Bazar, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rampyari w/o Gurubachan Singh Saluja,  
r/o Sadar Bazar,  
Sagar. (Transferor)
- (2) Shri 1. Nandlal, 2. Rajkumar s/o  
Shri Pawan Kumar, Hariyani,  
r/o Sadar Bazar,  
Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6/34, situated in Sadar Bazar, Sagar. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-2-1986  
Sd :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6362.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 11, situated at D-Sector Jamalpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaggit Singh Saluja s/o  
Shri Preamsingh Saluja,  
r/o House No. 11, Gali No. 6, Amir Ganj,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Manohar s/o Shri Pinjomal,  
r/o 172 Sindhi Colony,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 11, situated in D-Sector Jamalpura, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6363.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 23, situated at B-Sector Koha-fiza, Bhopal (and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajesh Vinani s/o  
Shri Kedarnathji,  
r/o H.I.G.-483 Arera Colony,  
Bhopal .

(Transferor)

(2) Shri Bahazuddin Ansari s/o  
Shri Moinuddin Ansari,  
r/o Mansab Manzil, Karbla,  
Bhopal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 23, situated in B-Sector Koha-fiza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-2-1986  
Seal :

**FORM FINE****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-32/Acq-R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Gouripore 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at R.A. (Cal.) in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rubber Products Moulding Co.  
9-A, Beehulal Road, Calcutta-46. (Transferor)
- (2) Shri Paritosh Dey,  
Nabajiban Co-operative Colony, P.O. Bisherpara,  
Dum Dur, 24-Pgs, (Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land : 4 share of 12-Bighas 13K-6Ch-2 sft.  
Address : Mouza-Souripore, P.S. Airport, Dt. 24-Parganas.  
Deed No. No. : 8669 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-33/Acqn. R-IV/Cal/85-86].—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. at Gouripur, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. (Cal.) in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Rubber Products Moulding Co.  
9-A, Bechulal Road, Calcutta-46.  
(Transferor)
- (2) Sri Nityananda Dey,  
Nabajiban Co-operative Colony,  
P.O. Bisharpara, Dum Dum, 24-Parganas.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land:  $\frac{1}{4}$  share of 12 Bighas 13 cottahs 6 chittaks 2 sq. ft.  
Address : Mouza-Gouripore, P.S. Airport, Dt. 24- Parganas.  
Deed No. : 8668 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, RAJI AHMED KIDWAI ROAD,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Injar (India) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-110/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Gopiram Agarwal.
2. Keshoram Agarwal.
3. Gourang Agarwal.
4. Paikshit Kr. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 15 & 15A, at Vidhata Apartment, 23A/76B, Diamond Harbour Road, Block-E, New Alipore, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-II, Cal on 12-6-85 vide SI No. 10 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, RAHIMUDDIN KIDWAI ROAD,  
Calcutta-700 016

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Subhendulal Das.

(Transferor)

(1) Shri Harek Chand Agarwal.

(2) Smt. Shakuntala Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-III/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

More or less 4 cottahs land with building situated at AA-22, Sector-I, Salt Lake City, Calcutta-64. Registered before I.A.C. Acq. R-II, Cal on 24-6-85 vide Sl. No. 15 of 1983-86.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
Acquisition Range-II, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-112/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 98/4 situated at Banerjee Para Road, Behala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Alak Kr. Chakraborty of 19, Ram Swarup Khettry Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Shri Alak Kr. Mallick of 98/4, Banerjee Para Road, Behala, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

2 cottahs 7 chittacks land with building situated at 98/4, Banerjee Para Road, P.S. Behala, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 4-6-1985 vide S. No. 5 of 1985-86.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-113/R-II Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 852 situated at Lake Town, Calcutta-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at L.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Krishna Jalani,  
2. R. S. Khandelwal, H.U.F.  
3. Kamlesh Khandelwal.

(Transferor)

- (1) Mrs. Mamta Poddar.  
(1) 1. Mrs. Mamta Poddar.  
2. Sri Animesh Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A & B on the 1st floor situated at Plot No. 852, Lake Town, Calcutta-89, Registered before Competent Authority on 3-6-85 vide Sl. No. 4 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016.

Date : 10-2-1986  
Seal:

FORM ITNS-----

(1) Shri Suresh Chandra Roy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Calcutta Medical Research Institute.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1986

Ref. No. AC-115/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing 36B situated at New Road, Alipore, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 22-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th part or share of land measuring area 21 Cottahs 40 sft. at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. T 9036 of S.R.A. Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016.

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chandra Roy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Madeka &amp; Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1986

Ref. No. AC-116 R-II/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36-B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R.A. Calcutta on 22-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th part or share of land measuring area 21 Cottahs 40 Sft. at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 1 9035 of S.R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hopes Manufacturing Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2125/Acq. R-III/Cal/85-86.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-III, Calcutta on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1141 Sq. ft. Office space No. 1 on 4th floor at 'Vasundhara' 2, 7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/177/85-86 dated 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2126/Acq. R-III/Cal 85 86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R.A., Calcutta on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

94—516GL 85

- (1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Hibiscus Projects Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1003 Sq. ft. Office space No. 4 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-11165 dated 29-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Kanika Memorial Trust.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2127/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S. R. A., Calcutta on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1148 Sq.ft. Office space No. 8 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 8234 dated 28-5-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986

Seal :



FORM ITNS—

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Gaurav Surana (Minor) through father  
Shri Paras Chand Surana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2128/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 29-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

997 Sq.ft. Office space No. 4 on 4th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Cal-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-111666 dated 29-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bengal Construction.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2129/Acq. R-III/Cal-85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1062 Sq. ft. Office space No. 3 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Registered before Sub-Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. 1-11163 dated 28-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hibiscus Projects Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2130/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta, on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1061 Sq. ft. Office space No. 5 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-11162 dt. 28-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd. (Transferor)  
 (2) M/s. A. K. Commercial Company. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2131/ Acq.R-III/Cal/85-86 —Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. R-III Calcutta on 10-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1003 Sq. ft. Office space No. 4 on 5th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/130/Acq. R-III/Cal/85-86 dt. 10-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
 Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
 Seal :

FORM ITNS————

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. A. K. Commercial Company.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2132/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1062 Sq. ft. Office space No. 3 on 5th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal. No. 37EE/129/Acq. R-III/Cal/85-86/ dactd 10-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2133/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 230A, situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Nursingdas Condominium Enterprises Private Limited.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Sekhsaria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Block No. 1 having an area of approx. 775 Sq. ft. on 10th floor of the building "Chitrakoot" at premises No. 230A, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FF/Acq. R-III/163/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sri Ashok Kumar Sood,  
2. Sri Vijay Kumar Sood &  
3. Smt. Shanno Devi Sood.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2 Smt. Pushpavati Sood.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2134/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, Lake Gardens, situated at 32, Daudar Rahaman Road, Calcutta-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
Q#-51601/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at premises No. 2, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, measuring approx. 841 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III Cal/III/85-86 dated 5-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Sent :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2135/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. 64, situated at Southend Park, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C. Acq. R-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Migra Private Limited.                        | (Transferor) |
| (2) Mr. Bibhas Chandra Datta & Mrs. Shobha Datta. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A residential flat measuring 985 Sq. ft. being flat No. 32 on the 4th floor at premises No. 64, Southend Park, Calcutta-29, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/155 Acq. R-III/Cal/85-86 dated 24-6-85.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Migma Private Limited.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kanta Kumari Jain,  
2. Smt. Sadhana Jain &  
3. Sri Anant Jain.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2136/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39/1, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III Calcutta on 26-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

A residential flat measuring approx. 1015 Sq. ft. being flat No. A6 on 6th floor being premises No. 39/1, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/134/85-86 dated 26-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Slab Builders.

(Transferor)

(2) Shri Pijush Kanti Kundu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. 2137/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 253E, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece & parcel of land being premises No. 235E, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Tollygunge, Calcutta, admeasuring more or less 3 cottahs 14 chittaks 24 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.-R-III/164/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2138/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas 1, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 182, situated at Gariahat Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at I.A.C., Acq. R-III Calcutta on 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Mr. Raghuvansh Lal Kapur.  
2. Mrs. Saroj Kapur.

(Transferor)

- (2) Veekay Properties Pvt. Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that Flat No. 5-B on the 5th floor of the building under construction at 18/2, Gariahat Road, Calcutta-19. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/118/Cal/85-86 dated 5-6-85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

(1) Damodar Ropeways & Construction Co. (P.) Ltd.  
(Transferor)

- (2) 1. Smt. Dropadi Devi Roongta,
2. Smt. Indu Roongta,
3. Sri Mahendra Kumar Runkte,
4. Sri Arun Kumar Rungta,
5. Sri Rajnikant Rungta.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2139/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A flat measuring 2201 sq. ft. on 4th floor at Premises No. 2, Rowland Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/117/Cal/85-86 dated 5-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 14-2-1986  
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s A &amp; A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Kailash Chand Modani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2140/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 32 situated at Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, (and more fully describe in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C. Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1200 sq. ft. Flat No. 21 at 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/108/Cal/85-86 dated 5-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Khan Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Kanak Maitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Mr. Bhupatrai Nanalal Shah,  
2. Mrs. Rama Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

NO. 2141 A-q.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 3A situated at Madhab Chatterjee Street, Calcutta-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 24-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 2-B having a covered area about 656 sq. ft. together with proportionate share of land at 3A, Madhab Chatterjee Street, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FF/Acq.R-III/158/Cal. 85-86 dated 24-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
64, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-11

Date : 14-2-1986  
Sgnl :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

aMdras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 121/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.92, G. N. Chetty Street, T. Nagar,  
situated at Madras-17(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 711/85  
on June, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

96—516 GI/85

(1) M/s. East Coast Constructions & Industries,  
Partner :  
Mr. A. M. Sayad Cadar,  
No. 8, Habibullah Avenue,  
Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Mamanji Family Trust,  
Trustee, Mr. M. A. Mohamad Sirajudeen,  
No. 81, Godown Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : 1665/37880 undivided share of interest in land at  
No. 92, G.N. Chetty Street, T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 711/85

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Date : 11-2-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.8.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 130/Junc 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. 92, G. N. Chetty St., T. Nagar situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Doc. No. 704/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. East Coast Construction & Industries  
Partner, A. M. Sayed Abdul Cader,  
No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Hajima Trust, M/s. Thahseen Trust,  
M/s. Zainab Salma Trust, Trustee,  
Mr. K. T. M. S. Abdul Cader, No. 5, Moores  
Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 92, G. N. Chetty St., T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 704/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Dated: 11-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 11th February 1986

Ref. No. 131/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 92, G. N. Chetty Road, T. Nagar, situated at Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 703/85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. East Coast Constructions & Industries, Partner, Mr. A. M. Sayed Abdul Cadar, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6. (Transferor)
- (2) M/s. Yusuf Zulaika Trust, Trustee, Mr. S. K. M. Junaid Yaseen, No. 4, Moores Road, Madras-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 92, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 703/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Dated: 11-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 11th February 1986

Ref. No. 141/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat-Ground floor No. 97, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4, situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore/Doc. No. 703/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. Sundaram, No. 13, Sringoli Mutt Road, R. K. Nagar, Madras-600 028, (Transferor)
- (2) Sri S. Dharman and (2) Smt. Vijayalakshmi Pasupathy, No. 6, 10th St., Nandanam, Madras-35 (address for No. 2) Address: for No. 1, No. 420, 12th Cross Sadasiva Nagar, Bangalore-560 080. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. Ground floor at No. 97, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4.  
Mylapore/Doc. No. 703/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Dated: 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 11th February 1986

Ref. No. 142/Junc/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and  
bearing No. 3/1, Bhoomanna Garden, Madras-18,  
situated at R. S. No. 3638/7  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Mylapore/Doc. No. 695/85

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. B. Sarala Devi and another,  
No. 3, Bhoemanna Garden St., Madras-18.  
(Transferor)
- (2) Mr. Basheer Ahmed, and Mrs. Maseena Baneek,  
No. 2, Mirza Hyder Ali Khan St.,  
Madras-18.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. 3/1, Bhoemanna Garden, Madras-  
18,  
Mylapore/Doc. No. 695/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Dated: 11-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrass, the 11th February 1986

Ref. No. 150/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No. South Beach Road,  
Santhome Madras-4 situated at  
Plot No. 73, Madras-4.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Mylapore/Doc. No. 759/85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri S. Baradarajan,  
Big St., Kilsatbamangalam,  
Vandavasi Taluk,  
North Arcot Dist. (Transferor)  
(2) Sri Asrak Ali,  
103, Karpagam Avenue, Madras-103. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
used in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land—Extent: 1800 sq. ft. in South Beach Road,  
Santhome, Madras-4 R. S. No. 4303 part, Plot No. 73.  
Mylapore/Doc. No. 759/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Dated: 11-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) M/s. Blue Lagoon Motels and Properties  
P. Ltd., 40, Gandhi Mantap Road,  
Kotturumam, Madras-85.

(Transferor)

(2) Sri A. Ramesh, 12, Adayar Club Gate Road,  
Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 152/June 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural land 1.52 cents situated at S. E. No. 1/1F, in Sholinganallur village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1466/85, in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land—1.52 cents in S. No. 1/1F in Sholinganallur village.  
Adayar/Doc. No. 1466/85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Dated: 11-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

MADRAS-600 006, 11th February 1986

Ref. No. 169/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7, Door No. 22, T. S. No. 14 and 15, situated at Block No. 16, Customs Colony, Hospital Road, Saidapet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1778/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. Rajamannar, S/o T. Nagarajulu, and another, 176, Suryanarayana Chetty St., Royapuram, Madras-13.

(Transferor)

- (2) Sri P. David, S/o Ponniah Konar, No. 27, Customs Colony, Hospital Road, SAIDAPET, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land: Plot No. 7, Door No. 22, T. S. No. 14 & 15, Block No. 16, Hospital Road, Customs Colony, Saidapet. Madras South/Doc. No. 1778/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 11-2-1986.

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, 11th February 1986

Ref. No. 172/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 204, West CIT Nagar, situated at Madras-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 1850/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

97—516 GI/85

(1) Sri R. S. Venkatsan,  
No. 5, North Road,  
West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) Sri S. M. Nizamuddin,  
No. 44, 1st Main Road,  
West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 204, West CIT Nagar,  
Madras-35,  
Madras South/Doc. No. 1850/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 11-2-1986  
Seal;

## FORM ITNS

(1) Mr. K. Gopalan,  
12, Kammal St., Madras-93.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shoba Sekar,  
1, Bhaskaran Colony, Madras-92.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, 11th February 1986

Ref. No. 173/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Kannabiran Colony, Saligramam,  
situated at Madras,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Madras South—1852/85  
on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building: Kannabiran Colony, Saligramam.  
Madras South/Doc. No. 1852/85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 12-2-1986  
Seal:



## FORM ITNS—

(1) Sri P. S. Srinivasan,  
No. 34, Veerabadran St., Mylapore,  
Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. Munusami,  
No. 7/3, Madloy Road, T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 6/June 1985.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paimash No. 762, Survey No. 522/8, R.S.—No. 631—Nungambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 294/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and Building : S. No. 522/8, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 294/85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 12-2-1986  
Seal:

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 23/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25, New Door No. 32, of Sundaram Pillai Lane Purasawalkam, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1025/85 on June 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. S. Lakshmi,  
No. 17/1, Raghunayakalu St.,  
Park Town, Madras-3. (Transferor)
- (2) Mrs. P. A. Kanchanamala,  
No. 82, New St., Mannady, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Old Door No. 25, New Door No. 32, on the northern row of Sundaram Pillai Lane, Purasawalkam, Madras-7.

Purasawalkam/Doc. No. 1025/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 12-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Smt. D. Rajalakshmi,  
46, Paddy field Road, Madras-11.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. M. Sivaguruswamy,  
32, Tank Bund Road, Madras-12.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 24/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in schedule situated at Madras, to Doc. No. 1062/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1062/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1062/85,  
Purasawalkam/Doc. No. 1062/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 29/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 101, Virugambakkam village, Plot No. 963, K. K. Nagar, R. S. No. 243/3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1528/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri S. Vombu  
No. 14, Rameswaram Road,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Krithivasan  
Plot No. 980,  
Lakshmanaswamy Salai,  
K. K. Nagar,  
Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land : Grounds 2 and 200 sq. ft. R.S. No. 243/3, K. K. Nagar, 101, Virugambakkam village, Plot No. 963, K. K. Nagar.

Virugambakkam/Doc. No. 1528/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 31/June 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat 900 sq. ft. 1st Avenue, Ashok Nagar, Madras 83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1642/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Bhaskaraj and  
Sri K. Achutha Ramaraj  
No. 55F (II floor),  
Plot No. B-6,  
First Avenue,  
Ashok Nagar,  
Madras-83.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Rajee  
11, Sriram Colony,  
Tamparam Sanitarium,  
Madras-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 900 sq. ft. in 1st Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.  
Kodambakkam, Doc. No. 1642/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 35/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 1175 sq. ft. in Block No. 7, situated at T. S. No. 54, Puliur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1812/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Yogambal  
No. 38, Puram Prakasarao Road,  
MADRAS-14.

(Transferor)

- (2) Sri T. A. Periasamy  
A.H. 31, Plot No. 5129,  
Anna Nagar,  
MADRAS-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 1175 sq. ft. in Block No. 7, T. S. No. 54 of Puliur village.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref No. 37/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
land T.S. No. 107, Block No. 85 situated at Koyambedu  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodambakkam/Doc. No. 1825/85 on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

98—516 GI/85

(1) Sri P. N. Vincent  
No. 154,  
Bharathipuram,  
Madras-30.

(Transferor)

(2) M/s. Lanka Link Unit  
No. 106, Poonamallee High Road,  
Koyambedu,  
Village, Saldopet,  
Taluk, Chingleput Dist.  
Madras-107.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice or the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land 2000 sq. ft. in T.S. No. 107, Block No. 85,  
Kodambakkam/Doc. 1825/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 41/Junc 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
111, Plot No. C. 727, T.S. No. 29 situated at Block No. 75,  
Kodambakkam  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodambakkam/Doc. No. 1842/85 on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Mrs. M. Sulochana  
No. 44, Ganapathy Gowda St.,  
Pollachi. (Transferor)
- (2) Solai Ponnuranga Mudaliar  
No. 3, Kavari St.,  
Saidapet,  
Madras-15. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
the service of notice on the respective persons.  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 29, Block No. 75, Plot No.  
727, No. 111, Kodambakkam.  
Kodambakkam/Doc. No. 1842/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 42/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, 48th Street, Ashok Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1858/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Mr. Chinnasam and 4 others  
all residing at Plot No. 8-53,  
New No. 6, 48th St.,  
Ashok Nagar,  
Madras-83.

(Transferor)

(2) Smt. Amudha Kandaswamy  
19, 48th St.,  
Ashok Nagar,  
Madras-83.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building New No. 6, 4th Street, Ashok Nagar, Madras.

Kodambakkam/Doc. No. 1858/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

(Transferor)

(Transferee)

(1) Kodali Vivekavathy,  
4, Kuppuswamy St.,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(2) Smt. D. Bahumathy  
4, Nathamuni St.,  
T. Nagar,  
Madras-17.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 101/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land T.S. No. 4693/1, T. Nagar, 21 Parthasarathipuram,  
North Usman Road, T. Nagar, situated at Madras-17  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 582/85 on June, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land No. 21, Parthasarathipuram, North Usman Road,  
T. Nagar, Madras-17.  
T. Nagar/Doc. No. 582/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 113/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
43 Burkit Road, T. Nagar situated at Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 692/85 on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri S. K. Gopala Krishnan  
S/o S. Kulasekaran,  
No. 43, Burkit Road,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri G. Udairaj Jain and  
Gulabchand Jain  
Smt. Vasantha Devi  
W/o G. Udairaj Jain  
No. 59, 4th Main Road,  
CIT Nagar,  
Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice, on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building No. 43, Burkit Road, T. Nagar,  
Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 692/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 116/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat of 1000 sq. ft. situated at Mambalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T.Nagar/Doc. No. 666/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Kannan  
19, Hindi Prachar Sabha Road,  
T. Nagar,  
Madras-17. (Transferor)
- (2) Smt. S. Jayam  
46, Punkajam Colony,  
Madurai-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 1000 sq. ft. at Mambalam.  
T. Nagar/Doc. No. 666/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. K. Ramajaya Sastrigal  
22, Thiruvengadam St.,  
Madras-33.

(Transferor)

(2) Sri S. Sivakumar,  
22, Thiruvengadam St.,  
Madras-33.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 126/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22, Thiruvengadam St., with 1st floor situated at West Mambalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 746/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in first floor at Thiruvengadam St., West Mambalam, Madras-33,

T. Nagar/Doc. No. 746/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 155/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 88-B, receipt No. 65, Padmanaba, Nagar, IV Street, S. No. 57/1 (Part), T.S. No. 13/125 (Part), situated at Urur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1583/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. 1. S. Parvatha Varthini  
2. S. Vidyā and  
3. S. Priya  
Wife, Daughters of Late S. Srinivasan  
1 and 3 of No. 1,  
Secd Colony,  
New Fairlands,  
Salem-4.  
(2) of No. 449,  
Kamarajar St.,  
K. K. Nagar,  
Trichy-21.

(Transferor)

- (2) Mrs. G. Saroja  
W/o S. M. Govindaraj,  
No. 28, Village Road,  
Nungambakkam,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Door No. 88-B, Padmanaba Nagar, IV St., S. No. 57/1 (Part), T.S. No. 13/125 (Part) of Urur Village.

Adayar/Doc. No. 1583/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 12-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 157/June 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. New No. 14, Lodd Govindass Nagar Road, Mount Road, R.S. No. 375/11 situated at Triplicane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 440/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) stating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri C. N. Lakshminarayana and another  
No. 17, Madhavan Nair Road,  
MADRAS-600 034.

(Transferor)

- (2) Sri R. Krishnamurthy,  
No. 14, Vijayanagarayanadoss Road,  
MADRAS-60 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building New No. 14, Lodd Govindoss Nagar Road, Mount Road, R.S. No. 375/11 of Triplicane.

Triplicane/Doc. No. 440/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 193/June/85.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land 11 grounds & 240 sft. in Block No. 28, T.S. No. 18/2, Puliur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 573/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Damodara Chetty  
S/o Late V. Devarajulu Chetty and 11 others  
No. 1, Sami Pillai St.,  
Choolai,  
Madras-600 112.  
(Transferor)
- (2) Shri Dr. Verghose  
S/o G. Devasahayam Nadar  
No. 26, Sarguna St.,  
33-B/1, Ramavarampuram,  
Nagarcoil,  
Kanyakumari Dist.  
2. Sri D. Rathnam  
S/o G. Docvasahayam  
Kandan Vilai,  
Kanyakumari Dist.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land 11 grounds and 240 sq. ft. in Block No. 28, T.S. No. 18/2, Puliur Village.

Madras Central/Doc. No. 573/85.

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 12-2-1986  
Seal:



## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd February 1986

Ref. No. 1/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33/2, Katpadi Road (A) Dharmaraja Koil Road situated at Thottapalayam, North Vellore, Vellore, N.A.D.T. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore, Doc. No. 2456/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri R. Varadharajan and 2 others  
S/o Ramakrishna Mudaliar  
17, Engineer Subaraya Mudali St.,  
Arasamapet,  
Vellore.  
(Transferor)
- (2) Shri B. No. Krishnan and 5 others,  
S/o Late B. N. Maniam  
24, 4th East High Road,  
Gandhi Nagar,  
Gudiyatham.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at docd No. 33/2, Katpadi Road (A),  
Dharmarajakoil St., Vellore North, Vellore.  
Doc. No. 2456/85 SRO. Vellore.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986  
Seal:

## FORM IYB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 3/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 222 at Sathuvachari Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore (Doct. No. 2542/85) on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the amount of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bharati N. Pai  
W/o Shri G. N. Pai  
Plot No. 222,  
Phase I Housing Board,  
Sathuvachari Village,  
Vellore Taluk,  
North Arcot Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Ravindran,  
S/o Shri T. Shanmugham Mudaliar,  
8, First West Main Road,  
Gandhi Nagar,  
Vellore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 222, Sathuvachari Village, Vellore,  
(Doct. No. 2542/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 10 / 2 / 1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 9/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 247/1A situated at Mecheri Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mecheri (Doct. No. 703/85) on 2-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S. Maragatham & Others,  
W/o Late N. Subbarayan,  
No. 3/14, Sithaiya Chetty Street,  
Surapalli Village,  
Jalakandapuram,  
Mettur Taluk, Salem District.

(Transferor)

- (2) Sri P. Jayaraman & Other,  
S/o Ponnusamy Gounder,  
Kolkaranur,  
Mecheri Village,  
Mettur Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Workshop) at R.S. No. 247/1A, Mecheri Village, Mettur Taluk, Salem District. (Doct. No. 703/85.)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 13/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 12/3, 12/1 situated at Malayampalayam village, Rasipuram T.K. Salem, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rasipuram Doc. No. 1199/85 on June 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the documents of transfer with the object of :—

(a) facilitating and promoting or assisting in the evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the property and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kandhasamy Gounder and 2 others,  
Pallavanicken patty,  
Mottur,  
Rasipuram. Salem. (Transferor)
- (2) V. Srinivasa Gopalan,  
S/o Varahachari,  
Managing partner,  
M/s. Four Star Combines,  
33, Palaniappa Nagar,  
Salem-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 12/3, 12/1 etc., at Malayampalayam village, Rasipuram T.K.

Doc. No. 1199/85. SRI : Rasipuram.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 15/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 29/3-C, No. 48, Kailasampalayam situated at Tiruchengodu t.k., Salem D.T. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tiruchengodu, Doc. No. 1792/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Income-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kallanthal, V. S. Kallanthal Gounder, Seagodampalayam, 48, Kailasampalayam, Tiruchengodu, Salem.

(Transferor)

- (2) The partners, Sri 1007. Sri Warping and Cycles Limited, Kottikalatham Main Road, Tiruchengodu Town, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (c) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 29/2-C, 48, Kailasampalayam, Tiruchengodu, Salem.

Doc. No. 1792/85. SRO : Tiruchengodu.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM 111B

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 16/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 163/4 situated at Karumapuram village, Tiruchengodu, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu, Doc. No. 1761/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. P. Sengottaiyan,  
S/o Peria Gounder,  
Manamedu Karumapuram East,  
Tiruchengodu,  
Salem.

(Transferor)

(2) K. Govindasamy,  
S/o Kandasamy Gounder,  
Tiruchengodu,  
Karumpatturam,  
Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and to expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 163/43, at Karumapuram village, Tiruchengodu, Salem.

Doc. No. 1761/85. SRO : Tiruchengodu.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 22/June/85 —Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Old Survey No. 156, New No. 71, situated at Nagalur village, Yercaud, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud, Doc. No. 133/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

100 -516GJ/85

(1) Cellammal,  
W/o H. Thiagarajan,  
15, Arullammal Street,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) R. Venugopala Chetty,  
S/o Ramasamy,  
37-A, Sivanar Chetty Street,  
Karguana, Gugai,  
Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at old S. No. 156, New S. No. 71, at Nagalur village, Yercaud.

Doc. No. 133/85 SRO : 11/2/86

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM DINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 24/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New Survey Ward E, Block 10, T.S. No. 25 situated at Pallapatti village, Salem, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Salem, Doc. No. 672/85 and 673/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) R. Narayanan and 2 others,  
Door No. 75, Saha Vengatakrishna Street,  
Sevaipettai,  
Salem. (Transferor)
- (2) G. A. Gunasekaran and 3 others,  
S/o Arumuga Chettiar,  
1, Nagaendra Iyer Street,  
Rasipuram, Salem, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at New Survey No. 'E', Block 10, T.S. No. 25, Pallapatti village, Salem.

Doc. No. 672 & 673/85. SRO : JSR III Salem.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :



FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 26/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New D. No. 42, 42A, New T.S. No. 88, Ward 'H' Block 53, situated at Dadagapatty, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadagapatty, Doc. No. 1847/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I have, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1) K. B. Dharmalingam and others,  
S/o Palanichamy,  
D. No. 42, No. 2, Pulikutty,  
Gugai,  
Salem Town.  
(Transferor)
- (2) D. Devarajan,  
No. 22, Gugai Madalayam Street,  
Salem.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at New D. No. 42, 42-A, New T.S. No. 88 Ward 'H' Block 53.  
Doc. No. 1847/85. SRO: Dadagapatty.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 27/June/85.—Whereas, I, **MRS. M. SAMUEL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New Door No. 42, 42-A, New No. T.S. 88, situated at Ward 'H' Block, 53, Pulikutti, North, Gugai, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO : Dadagapatti. Doc. No. 1848/85, on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. B. Darmalingam and others,  
Door No. 42, Pulikutti,  
Gugai, Dadagapatti,  
Salem District. (Transferor)
- (2) P. Sitalakshmi,  
W/o Perumal Chettiar,  
No. 106, Samundi Street,  
Gulai,  
Salem. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at New Door No. 42 and 42-A, New T.S. No. 88, Block 53, Ward 'H', Pulikutti No. 2, 'E' Division 3rd Ward, Dadagapatti, Salem.

Doc. No. 1848/85. SRO : Dadagapatti.

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c). Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 28/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 60/2B at Annathanapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at Thalagapatti (Doc. No. 1879/85) on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Gopal,  
S/o Muthuswamy Chettiar,  
Annathanapatti,  
Salem-2.

(Transferor)

(2) Sri M. Arthanari,  
S/o Muthuswamy Chettiar,  
Annathanapatti,  
Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 60/2B at Annathanapatti Village, Salem.

(Doct. No. 1879/85.)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 29/Junc/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 30/1, 2 at Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doct. No. 1975/85) on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. D. R. Janardhanan & Other,  
S/o late K. D. Rangaswamy Chettiar,  
Door No. 19, Mariammann Koil Street,  
Jari Kondalamatti,  
Salem Taluk and District.

(Transferor)

(2) Sri P. Subramania Chettiar,  
No. 2, Pillaiyar Koil Street,  
Gugai,  
Salem-636 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land with compound wall at Salem Town (T. S. No. 20/1.2).

(Doct. No. 1975/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006.

Date: 10-2-1986  
Seal:

## FORM LTN.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 30/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 146/3 situated at Jagir Ammapalayam situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 1137/85) on 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Arthanani Gounder & Other,  
S/o Palaniyandi Gounder,  
Jagir Reddiapatti Village,  
Jagir Ammapalayam, Salem Taluk,  
Omialur Main Road,  
Salem District.

(Transferor)

- (2) Sri B. S. Mprugesan,  
(2) S/o Sundaravelu Gounder,  
No. 228, Manivannan Road,  
Alagapuram,  
Salem-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in SRurvey No. 146/3 at Jagir Ammapalayam, Salem.

(Doct. No. 1137/85.)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 42/Junc/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Door No. 33, Venkataramier Street, Peddannaickenpet,  
situated at George Town, Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of  
the Competent Authority  
at Madras North (Doct. No. 1926/85) on 14-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Dr. V. Subbaraman and 4 Others,  
No. 33, Venkataramier Street,  
Peddannaickenpet, George Town,  
Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Vijayalakshmi,  
W/o K. Sankar Rao,  
21-B, North Mada Street,  
Villivakkam,  
Madras-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective person  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 33, Venkataramier Street,  
Peddannaickenpet, George Town, Madras.  
(Doct. No. 1926/85.)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 45/June/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 12, Mulla Sahib Street, situated at Madras-79 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 286/85) on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
101—516GI/85

- (1) J. Sayarchand Chordia (alias)  
J. Sayarchand Jain and Mrs. Amaraw Kanwar,  
No. 4, Ramanan Road,  
Madras-1.

(Transferor)

- (2) Mr. G. K. Thulasi,  
12, Mulla Sahib Street,  
Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 12, Mulla Sahib Street, Madras-79.

(Doc. No. 286/85)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II (i/c)  
Madras-600 006

Date: 4-2-86

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS

Madras, the 7th February, 1986

Ref. No. 47/June/85.—Whereas I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 00/- and bearing No. 57, Badrian Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 305/85) on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Madras Progressive Union,  
Reptd. by its Secretary Sri T. G. Ramanjulu Naidu,  
103, Audiappa Naicken Street,  
Madras-79.

(Transferor)

(2) Sri A. D. Arumugam,  
51, Badrian Street,  
Madras-600 001.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 1 of the said Act shall have the same meaning as in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 51, Badrian Street,  
Madras-1.

Doc. No. 305/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras.

Dated : 7-2-86  
Seal:



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 48/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property of the said transferor having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Door No. 30, Walltax Road, Madras-79  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the District Registrar  
at Sowcarpet (D.O. No. 314/85) on 13-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Mrs. D. Janaki,  
W/o Dr. S. Ravindran,  
No. 30, Walltax Road,  
George Town,  
Madras-79.

(Transferor)

(2) Sri L. Gowrishankar & G. Kamala,  
No. 30, Walltax Road,  
Madras-60 0079.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 30, Walltax Road, George  
Town, Madras-79.

(Doct. No. 314/85)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II (i/c)  
Madras-600 006

Date: 4-2-86  
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sarojini Raja, B.Sc., B. T.  
W/o Mr. M. Raja,  
No. 67, Cathedral Road,  
Madras-600 0086.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Abdula Jabbar  
82, Gengu Reddy Road,  
Egmore, Madras-600 008.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 57/June/85.—Whereas I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 80, Gangu Reddy Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi at Periamet (Doct. No. 652/85) on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 80, Gengu Reddy Road,  
Egmore, Madras-8,  
(Doct. No. 652/85)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Dated : 7-2-86  
Seal:

FORM NO. 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 60/June/95.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 18, Nowroji Street, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamel (Doc No. 680/85) on 7-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. Lakshmipathy and  
Smt. V. Jyothshnathi,  
No. 18, Nowroji Street,  
Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Sri A. Ganesan,  
G/B Gettu Apartments,  
4, Venkatapathy Street,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 18, Nowroji Street,  
Madras-31.  
(Doc. No. 680/85)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I (i/c)  
Madras-600 006

Date: 4-2-86  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 66/June/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 4, Ujjini Street, Ayanavaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2171/85) on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. C. Kuppuswamy,  
S/o. M. C. Ayyappa Mudaliar,  
26, Barach Road, Nammalwarpet,  
Madras-12.

(Transferor)

(2) Sri P. Selwyn Chandradoss Geoffrey,  
21, Somasundara Thevar 4th St.,  
Ayanavaram, MADRAS-600 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Ujjini Street Ayanavaram  
Madras.

(Doct. No. 2171/85)

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II (i/c)  
Madras

Date : 7-2-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 69/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 19, Vellala Street, situated at Aminjikarai, Madras-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2219/85) on 17-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) A. Shanmukha Mudaliar & Others,  
No. 32/12, VIII West Cross Street,  
Shenoy Nagar, Madras-30. (Transferor)
- (2) Mrs. C. Dakshayani alias C. Thangam,  
No. 3, V. V. Koil Street,  
Aminjikar, Madras-29. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 19, Vellala Street, Aminjikarai, Madras-29.  
(Doct. No. 2219/85).

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c)  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 70/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
1 S. No. 121 situated at Koyambedu Village,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doct. No. 2290/85) on 7-6-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri P. Vadivelu,  
S/o Poonnambalam,  
No. 17, East First Main Road,  
Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

- (2) Sri G. V. Srinivasulu,  
S/o late G. Venkataramanappa Chetty,  
No. 129 G. Block, 1st Main Road,  
Anna Nagar East, Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 121 at Koyambedu Village.  
(Doct. No. 2290/85).

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c)  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 73/June 85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Plot No. 1020, Villiwalkam, Anna Nagar, Madras  
situated at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Anna Nagar (Doct. No. 2334/85)  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
102—516GI/85

(1) F. Masa Revhas,  
S/o Late V. M. Masca Revhas  
No. 8/1, Montleth Road,  
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Bhagavanth Tulsidas Naggal & Others,  
No. 9, Subbiah Naidu Street,  
Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 1020, Arignar Anna Nagar, Villi-  
vakkam, Madras.  
(Doct. No. 2334/85).

M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c)  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 84/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 778, Poonamallee High Road, Madras  
situated at Madras  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Periamet (Doct. No. 715/85) on 31-5-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and then  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Shobha Hirachand & Other,  
No. 902, Poonamallee High Road,  
Shanthiniketan, Flat No. 20,  
Madras-84.

(Transferor)

- (2) Sri K. Hiranand & Others,  
Peninsula Apartment,  
Flat No. 7A, 778, Poonamallee High Road,  
Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building—Flat No. 7A on the 7th Floor at  
No. 778, Poonamallee High Road, Madras.  
(Doct. No. 715/85),

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (I)  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1986  
Seal :



## FORM ITN—

(1) Sri L. C. G. Ramamurthy & Other,  
S/o L. C. Guruswamy,  
No. 4, Velayudha Achari Street,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Smt. Zeenath Begum  
W/o Seeni Mohammed,  
No. 4, Ellappa Naicken Street II Lane,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 88/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 4, Velayudha Achari Street, situated at Komaleeswaranpet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 741/85) on 26-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Velayudha Achari Street,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.  
(Doct. No. 741/85).

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 89/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Door No. 4, Velayudha Achari Street,  
situated at Komaleeswaranpet, Madras-2  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Periamet (Doct. No. 742/85) on 26-6-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri L. C. G. Ramamurthy & Other,  
S/o L.C. Guruswamy,  
No. 4, Velayudha Achari Street,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferor)

- (2) Sri Seeni Mohammed,  
S/o Ibrahim Sha Rowther,  
No. 4, Ellappa Naicken Street II Lane,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Velayudha Achari Street,  
Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Doct. No. 742/85).

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c)  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1986

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Ref. No. 90/June/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 58, Arunachala Naicken Street, situated at Chintadripet, Madras-2, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 752/85) on 20-5-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Jayakumar and Other,  
S/o Late Sri Peria Thathu (alias),  
P. Periyaswamy Mudaliar,  
No. 9, Sadasivam Street,  
Gopalapuram, Madras-86,

(Transferor)

- (2) Sri S. Muthu Achari,  
No. 59, Sami Pandaram Street,  
Chintadripet,  
Madras-600 002,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 58, Arunachala Naicken Street, Chintadripet, Madras-600 002.

(Doc. No. 752/85).

M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date : 4-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 92/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block 5, Ward 'L', D. No. 16, 17, 17-A & 17-B, Card St., situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Salem DOC No. 1683/85 in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. S. Meerabai,  
W/o Srinivasan,  
C/o Mohanur Nachimuthu Chettiar,  
Teacher, Sarada Matriculation School,  
Salem.

(Transferor)

(2) B. Sarojini and others,  
W/o Balasubramanian,  
Arasamgram Pillaiyar Koil St.,  
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Bloc 5, Ward 'L', Door Nos. 16, 17, 17-A and 17-B, Card St., Salem.

DOC. No. 1683/85 SRO : JSR I, Salem.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 93/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 918 at Salem Town situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1584/85) on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. S. Jayalakshmi,  
W/o late V. S. Srinivasa Chettiar,  
Muthavalli Mohamed Yacub Street,  
Salem Town,

(Transferor)

(2) Sri M. Nainamalai & Others,  
S/o Muthu,  
No. 2, Sivasamy Street,  
Salem Town,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 188, 1st Agraharam, Salem.  
(Doc. No. 1584/85).

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 96/June/85.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
T.S. No. 194, 195, 196 at Kanakkar St.,  
Salem Town.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Salem (Doct. No. 1553/85) on 13-6-1985.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri G. Gopalakrishnan & Others,  
S/o Guruswamy Mudaliar,  
Veerapandi,  
Salem Taluk and Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Nataraja Mudaliar,  
S/o Palaniappa Mudaliar,  
No. 33, Kanakkar Street,  
Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act.  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Kanakkar Street, Salem Town.  
(Doct. No. 1553/85).

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37FE/7075/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing Office No. 38, 4th floor, Tardeo Air-Condition Market situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name:—

103—516G1/85

- (1) Mr. Ashok Kumar Ajmera, (Transferor)  
(2) North Bombay Jaycees, (Transferee)  
(3) Transferee, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 38 on the 4th floor in Tardeo Air-Conditioned Market, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6640/84-85 on 26-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 17-2-1986  
Seal:

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7085/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 64 Matru Mandir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ashwin Champaklal Jhaveri,  
Mukesh Champaklal Jhaveri.  
(Transferor)
- (2) Bhupendra Champaklal Jhaveri,  
Dhanabjei Champaklal Jhaveri.  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 64, Matru Mandir, 16th floor, Matru Mandir CHSL, Plot No. 278, Survey No. 654, Tardco, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6650/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EL/7073/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 121, 1st floor, Ajay Services Indl. Estate Mazgaon situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Praful Jethalal Furia. (Transferor)  
(2) Vimlesh Kumar Srivastava. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Gala No. 121 on the 1st floor of the building known as 'Ajay Services Industrial Estate' 9, Mascarenhas Road, Mazgaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6638/84-85 on 26-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR.1/37EE/7084/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 15 in the basement, Creative Indl. Centre situated at N.M. Joshi Marg, Off Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Yasmin Corporation. (Transferor)  
(2) M/s. Manish Textiles Corporation. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 15 in the basement of the building Creative Industrial Centre situated at Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6649/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM 11NS

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Delta Printing.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7077/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 286 on 2nd floor of A-2, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 286 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6642/85-86 on 27-6-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7081/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, 5th floor, Trilok Bldg. Road No. 24, situated at Sion, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Veermati Maghji Sagar. (Transferor)  
(2) Dr. Suresh H. Daftary, Saroj Daftary, (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, 5th floor of Trilok Building, New Trilok Co-Hsg. Soc. Plot No. 3-B of Sion Matunga Scheme No. VI, Road No. 24, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6646/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7076/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shah & Nahar Industrial Estate A-2 situated at Unit No. 287, 2nd floor of Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Exclusive Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 287, 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6641/84-85 on 27-6-1986.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferee)

(2) System Synthetics (India).

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37FE/7079/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 250, Shah & Nahar Industrial Estate A-1 situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Unit No. 250 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6641/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Messrs Jain Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7078/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 267, 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2 situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

104—516GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 267 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6643/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

**FORM IIS**

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Rishikesh Ghosh &  
Smt. Mira Subhash Ghosh.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7086/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 8th floor, Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, situated at B.G. Kher Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 on 8th floor, Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6651/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1986  
Seal :



FORM I.T.N.S.———

(1) Babulal Dhanajibhai Patava.

(Transferor)

(2) Vijay Babulal Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7082/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Sulsa Premises Co-op. Society Ltd. situated at Malabar Hill, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor of Sulsa Premises Co-op. Society Ltd., R.R. Thakkar Marg, 254, B.G. Kher Marg, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6647/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7072/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 61, Mittal Court situated at Nariman Point, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) Shri Shyam Sunder Tibrewala, H.U.F.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Sua Devi Dulichand Bothra.  
(Transferee)
- (3) M/s. D. C. Bothra & Co.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 61 situated at 6th floor of A Wing of the building known as 'Mittal Court' 224, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6637/85-86 on 26-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 17-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6951/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Plot No. 1050, Dadar (W) Bombay, together with a chawl (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Motilal Vishram Ramvathakar Mrs. Prafulla Sydney Tellis, now Mrs. Prafulla Coelho, Ginil A Shirodkar, Ajay Motilal Ramnathkar, Rajendra M. Ramnathkar. (Transferor)  
(2) Jayant Tipnis Consultants Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 1050, Dadar (W) Bombay, together with a chawl.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/6518/85-86 on 17-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date: 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5238/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 50 (p) of Parel-Sewri Divin. situated at LalBaug, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gajanan Vishnu Rane & Others. (Transferor)  
(2) Krishna Vihar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1855/81 and registered on 15-6-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITST—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5239/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 559/10 of Matunga Division situated at Dadar Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 5/6/1985 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) N. H. Parekh,  
H. S. Parekh,  
D. S. Mistry,  
H. B. Mistry,

(Transferor)

(2) M/s. Jaideep Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1949/81 and registered on 5/6/1985 with the Sub-registrar Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7034/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala 6, 105 Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Popatlal Girdharlal & Co. (Transferor)  
(2) Shri Ashok J. Shah. (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Gala 6, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6600/85-86 on 24/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6819/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 13, 1st floor, Gold Mohur Bldg., 174, Shamaldas Gandhi Road, Bombay-400 002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
105—516GI/85

- (1) Smt. Devyani Jagmohandas Goradia,  
(Transferor)
- (2) Shri Dayanand Girdharlal Pandya,  
Smt. Padmavati Dayanand Pandya.  
(Transferee)
- (3) Transferor  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 13, 1st floor, Gold Mohur Building, 174, Shamaldas Gandhi Road, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6276/85-86 on 5.5/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Laxmanshila Co-op. Hsg. Soc. Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumitra Devi Bajoria,  
Shri Rajendra Bagaria,  
Shri Jagdish Prasad Bagaria.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6769/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1-C, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the accumulation of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1-C, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6235/85-86 on 1/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sunil V. Tikekar,

(Transferor)

(2) Narendra Mulji Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/70248/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Shaan Apartment, A Bldg., Kashinath Dhuru Road, Off Cadell Road, Prabhadevi, Bombay-82. (and more fully as described in Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 12th floor, Shaan Apartment, A Building at Kashinath Dhuru Road, Off Cadell Road, Prabhadevi, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6590-85-86 on 24/6/1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7027/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Marker Mansion, Plot No. 623, Parsi Colony, Dadar Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Messrs Super Engineers.

(Transferor)

(2) Mrs. Homai Burjor Mehta and  
Mr. Burjor B Mehta.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Marker Mansion Plot No. 623, Parsi Colony, Dadar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6593/85-86 on 24/6/1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7033/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala 7, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion East Bombay-22 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Popatlal Girdharilal & Co. (Transferor)  
(2) Smt. Leena B Shah. (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Gala No. 7, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6599/85-86 on 24/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6846/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Block No. 17B/1, Sion Sindhi  
Colony, Sion West, Bombay-22  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11  
of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Harendrakumar I Chandarana, Arvind I  
Chandarana Kantilal I Chandarana, Dilip I  
Chandarana & Predeepkumar I Chandarana,  
(Transferor)  
(2) Sudhir Kantilal Shah & Smt. Asha Sudhir  
Shah.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 17B/1, Sion Sindhi Colony, Sion West,  
Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6302/85-86 on  
6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 10-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Sindhu B Dhote.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6816/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 203, 2nd fl; Narayan Udyog Bhavan, Dr. B A Road, Lalbaug, Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s Dattani Warehousing Agency.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Patel Housing Finance &amp; Const. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 203, 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Dr. B A Road, Lalbaug, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6273/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 7-2-1986

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6792/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 261, 6th fl. Bldg. No. 2, Sind Sewa Samiti

Nagar, Koliwada, Bombay-37 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sham M. Jadhvani & Sh. Bhagwan M. Jadhvani.

(Transferor)

(2) Sh. Vashumal V. Punjabi & Smt. Puhpa V. Punjabi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 261, 6th floor, Bldg. No. 2, Sind Sewa Samity Nagar, Sion-Koliwad Bombay-37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6195/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6800/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 254, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S J Marg, Lower Parcel, Bombay-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

106—516 GI/85

(1) Shah &amp; Nahar Associates,

(Transferor)

(2) Mr. Shashikant V. Dhond,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 254, on 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S J Marg, Lower Parcel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6258/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Champaklal D. Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Prabhukar G. Bhat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37FE/6812/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1450, Bldg. No. 62, MIG Colony, Adarsh Nagar, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1480, Bldg. No. 62, MIG Adarsh Nagar, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FE/6270/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Sent :



FORM ITNS

(1) Sh. Jaiprakash J. Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Atulkumar N. Parekh & Prakashkumar  
M. Parekh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6791/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd fl. Mahavir Apts, Narayan Nagar, Sion-Chunabhatti, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 303, 3rd floor, Mahavir Apartment, Narayan Nagar, Sion, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6194/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Rajani X Desai,

(Transferor)

(2) A Ramesh Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6413/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Pachim Apt. A Wing, K. Dhuru Road, Bombay-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, A Wing, Pachim Co-op. Hsg. Soc. Kashinath Dhuru Road, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6327/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Kantilal K Thacker.

(Transferor)

(2) Sh. Dhanesh N Doshi &amp; Smt. Sarla N. Doshi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7042/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 62, 6th fl. Chitrakoot, 18/9 R A Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, Chitrakoot, 18/9, R A Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6608/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Prabhakar G. Bhat.

(Transferor)

(2) Sh. Puttor K. Kamath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6813/85/86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1340 in Building No. 46, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1340 in Bldg. No. 46, MIG Adarsh Nagar, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6271/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Balram N. Mackdani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Malques Peter.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Mohini B. Madkdani.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6802/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. C-59, Eucress Bldg.

Wadala, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. C-59, Eucress Building, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6260/85-86 on  
4-6-1985.NISAR AHMED.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated: 7-2-1986

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7053/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th fl. West View, Jam Jamshed Road, Dadar, Bombay-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mani R. Mistry & Pesi R. Mistry. (Transferor)

(2) Mr. Maneck H. Patel & Mrs Jasmine S. Bilimoria. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Flat No. 51 on 5th floor of West View, Jame Jamshed Road, Dadar, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6618/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. T. Ravindra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. Satchidanandam.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7065/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16A, Sanjay Society Opp. Bengal Chemicals, Prabhadevi, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
107-516 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16A, Sanjay Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Bengal Chemicals, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6630/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6780/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing Flat No. 6, The Prabhadevi Suhrud CHSL, 581, Gokhale Road, Bombay-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dattatraya R. Joshi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Vishwanath S. Joshi & Mrs. Vanita V. Joshi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, The Prabhadevi Suhrud Co-op. Housing Soc. Ltd., 581 Gokhale Road, (South) Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6246/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7069/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Naigara, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jyotindra B. Mehta  
(Transferor)
- (2) Mr. Sadashiv Raju Anchan.  
(Transferee)
- (3) Mr. S. Raju Anchan  
Mr. N. S. Daroga  
Model Flat CHSL.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Mr. Kali S. Suntoke,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Naigara, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6634/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7021/85-86.—Whereas, 1  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

Office No. 42, Mittal Court,

A Wing, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

Bangalore under Registration No. 410/85-86 dated 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Gopinath Indl. Investment Corporation.  
(Transferor)
- (2) M/s Amp Agencies Pvt. Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferor & Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 42, Mittal Court, A Wing, 4th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6587/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7023/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 41, Mittal Court A Wing, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. Gopinath Industrial Investment Corporation, (Transferor)
- (2) M/s. Aspi Agencies Private Limited, (Transferee)
- (3) Transferor & Transferee, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, Mittal Court A Wing, 4th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6589/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7039/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 604-A, 6th floor, Niranjani Bldg., Marine Drive, Bombay-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Farbatoffe Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Madhu L Mehra & Mr K. Madanlal Mehra. (Transferee)
- (3) Farbatoffe Pvt. Ltd. & Mr. Krishna M. Mehta. (Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Madhu K. Mehra. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office Premises No. 604-A, 6th floor, Niranjani Bldg., 99 Marine Drive, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6605/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal :

FORM L1.N.S.

(1) M/s Earnest John &amp; Co. Pvt. Ltd.

(Transfere

(2) Smt. G. Ratna Shenoy &amp; Smt Jayshree Shenoy.

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7060/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5, 8th fl. and Car Parking space No. 29, Arcadia, 195, Nariman Point, Bombay-21, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aviced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 5, 8th floor, Arcadia, & Car parking space No. 29, 195, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6625/85-86 on 25-6-85.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986  
Seal

FORM ITNS—

(1) Mr. Hincio J Patel and  
Mrs. Sheroo H Patel.

(Transferor)

TAX UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Hansa P Ganatra,  
Mr. Pravinkumar K Ganatra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6798/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Garage No. G-5, Bldg. No. 1, Navyug Nagar, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Garage No. G-5, Bldg. No. 1, Navyug Nagar, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6259/85-86 on 4/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-2-1986  
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Chuharmal Udhamam.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumkum Prasad,  
Maneklal Mfg. Co. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6801/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2F, Malabar Apartments, Napeansea Road, Bombay-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
108—516 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2F, Malabar Apartments, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6259/85-86 on 4/6/85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-86  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dilip R Lulla.

(Transferor)

(2) Shri C. R. Mistry.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7009/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 209, Neelkanth Bldg., Marine Drive, Bombay-2, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## IE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 209, Neelkanth Bldg., Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6575/85-86 on 21/6/85

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 7-2-86  
Seal :



## FORM ITNS —

1) Security Trading Syndicate Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Associated Bearing Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6917, 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office on 11th & 12th floor, Hoechst House, Bombay-21 alongwith four garages, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13/6/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office premises on 11th & 12th floor, in Hoechst House, Nariman point, alongwith four garages Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6486/85-86 on 13/6/85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10/2/86  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6867/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, Prabha Mandir CHSL, P Balu Marg, Prabha-devi, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Mukund V Warekar.                           | (Transferor) |
| (2) Dr. Satish P Wage and<br>Mrs. Smita S Wage. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31, Prabha Mandir CHSL, P Balu Marg, Prabha-devi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6516/85-86 on 4/6/1985.

**NISAR AHMED**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10/2/86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6848/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 19, Gr. fl. T. V Industrial Estate, Plot No. 248(A), Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/6/1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Harnam Kaur.  
(Transferor)
- (2) M/s Paradise Trading Corporation, through its partners, N. K. Laliwala, Viresh N Laliwala and Jayesh N Laliwara.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 19, Gr. fl. T. V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), junctional Sudar Kalu Ahere Marg & Worli Road, Behind Glaxi Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/6304/85-86 on 6/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10/2/86  
Seal :

## FORM TNS

(1) Subhash Chander K. Bhambari and  
Avinash C Bhambari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kantilal K Thackar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6765/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 61, 6th floor, Chitrakoot, R A Kidwai Road, Wadala  
Bombay-31.(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Com-  
petent Authority at Bombay on  
1/6/1985.for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereof by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or which
- 
- ought to be disclosed by the transferee for the
- 
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
- 
- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property within 45 days from the date of
- 
- the publication of this notice in the Official
- 
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, 'Chitrakoot' R A Kidwai Road,  
Wadala Bombay-31.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6231/85-86 on  
1/6/1985.NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10/2/86

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Naraindas G Khiani.

(Transferor)

(2) Shri P V Raman.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6804/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 315, 3rd floor, Bombay Market Apartments, Tardeo, Bombay-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 315, 3rd floor, Bombay Market Apartments, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6262/85-86 on 4/6/1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-86  
Seal:

FORM JTNB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6782/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, Gr. floor, Gulshan-Abad Bldg., Falkland Road Bombay-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/6/1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Aristo Const. P. Ltd. (Transferor)  
(2) Mr. Ashraf Habib Synasara,  
Mr. Andulla I Choudhari,  
Mr. Yunus Yusuf Jagralh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or  
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 8, Gr. floor, Gulshan-Abad Bldg., Falkland Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6248/85-86 on 1/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10/2/86  
Seal :

FORM 11NS

(1) K. Popatlal Gidharlal &amp; Co.

(Transferor)

(2) Shri Bharat J Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7035/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing Indl. Gala 8, 105 Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Indl. Gala 8, 105 Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6601/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

109—516 GI/85

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7031/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 21/20-B, Shankar Kripa, Plot No. 201, Wadala, Bombay-31, (and other assets described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/85, and the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Narayandas V. Bhatia.

(Transferor)

(2) Pravin Premji Dhanani and Hemlata P. Dhanani,

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat Nos. 21/20-B, Shankar Kripa, Plot 201, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6597/85-86 on 24/6/85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986



## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5235/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 1715 of Bhuleshwar Divn. situated at Dadyseth Agiary Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dinanath G. Raje &amp; Ors.

(Transferor)

(2) M/s Rameshchandra Hansraj &amp; Co.

(Transferee)

(3) Kumar Trading Co., Sukhibai Chhaganlal, Fatechand Rakh, Ramesh Rakh, Bhusalal H. Shah and Ramesh H. Shah.

(Person in occupation of the property.)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-266/78 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
Seal :

FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5236/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1191 of Byculla Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ebrahim Mohammed Kaskar. (Transferor)
- (2) Mohamed Faruq Mohamed Ebrahim Qurehi. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-1560/79 and registered on 5-6-1985 with the sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5237/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apt. No. 603, Panchsheel, C Road situated at Churchgate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent at Bombay on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaswantilal S. Patel. (Transferor)  
 (2) Pramod A. Punjani, Mrs. Indu P. Punjani and HUF of Pramod A. Punjani. (Transferee)  
 (3) Jaswantilal S. Patel and his family. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1243/81 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5240/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 6A/661 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Forjet Hill Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dahibai Devkaran Sodha. (Transferor)
- (2) Shri Rohit B. Prajapati. (Transferee)
- (3) Smt. Vijayalaxmi Moganlal Parikh. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-162/82 and registered on 6-6-1985 with Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5241/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1344 & 1345 of Girgaum Division situated at Charni Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Ramkrishna G. Dandekar and Vinayak G. Dandekar.  
(Transferor)
- (2) Sharadaben S. Parekh.  
(Transferee)
- (3) Tenants.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-901/82 and registered on 10-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5242/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act) have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingC.S. No. 1709 of Byculla Division situated at Hind  
Ghella'ad Street,(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 19AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 6-6-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Nirmaldas N. Vaziranai.

(Transferor)

(2) Ansari Abdul Razak Mohamed Qasim,  
Smt. Mehrunisa W/o Ansari A. Rahman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1641/82  
and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37G/5243/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 1792 of Fort Division situated at Queens Road Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
110—516GI/85

- |                                |   |
|--------------------------------|---|
| (1) Gulchar P. Karai.          | (Transferor)                            |
| (2) M/s Bimal Paints Pvt. Ltd. | (Transferee)                            |
| (3) Tenants.                   | (Person in occupation of the property.) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2165/82 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5244/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 4056 of Bhuleshwar Division situated at Maulana Azad Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Jaisini Vithaldas, Gordhandas Bhagwandas, Hariram M. Somaiya, Karsondas Mulji Kapadia and Charandas Vallabhdas Marivala.

(Transferors)

- (2) 1. Mr. Harilal J. Trivedi.
2. Mrs. Mahalaxmi H. Trivedi.
3. Mr. Kantilal H. Trivedi.
4. Mrs. Kundanbala K. Trivedi.
5. Mr. Kishor K. Trivedi.
6. Mr. Hemant K. Trivedi.
7. Master Ashok K. Trivedi.
8. Master Rahul K. Trivedi.
9. Mr. Pradyumam H. Trivedi.
10. Mrs. Manorama P. Trivedi.
11. Mr. Mukesh P. Trivedi.
12. Mr. Rohit P. Trivedi.
13. Mr. Chetan P. Trivedi.
14. Mr. Ghansham H. Trivedi.
15. Mrs. Mrudula G. Trivedi.
16. Mr. Anand G. Trivedi.

17. Mr. Mahendra H. Trivedi.
18. Mrs. Bhanumati M. Trivedi.
19. Master Jayesh M. Trivedi.
20. Mr. Rajnikant H. Trivedi.
21. Master Prajval R. Trivedi.
22. Master Parth R. Trivedi.
23. Mr. Bhaskar H. Trivedi.
24. Mrs. Bharti B. Trivedi.
25. Master Ashish B. Trivedi.
26. Mr. Rajendra H. Trivedi.
27. Mrs. Nivedita R. Trivedi.
28. Master Nirav R. Trivedi.
29. Mr. Laxmishankar J. Trivedi.
30. Mrs. Ichhaben L. Trivedi.
31. Mrs. Manjula R. Trivedi.
32. Mr. Bhupesh R. Trivedi.
33. Mrs. Suman R. Trivedi.
34. Mr. Anil L. Trivedi.
35. Mrs. Geeta A. Trivedi.
36. Hansa H. Trivedi.
37. Master Hiren H. Trivedi.
38. Master Dhormesh H. Trivedi.
39. Master Kartik H. Trivedi.
40. Mrs. Vasha P. Trivedi.
41. Master Nikunj P. Trivedi.
42. Mrs. Jyoti G. Trivedi.
43. Master Bhavesh G. Trivedi.
44. Mrs. Jayshree K. Trivedi.
45. Master Kalani K. Trivedi.
46. Master Tushant K. Trivedi.

(Transferees)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1845/83 and registered on 14-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :



FORM ITNS—

- (1) M/s Metal Distributors Limited, (Transferor)  
 (2) M/s Gallant Holdings Private Limited, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No./37-G/5245/85-86.—Whereas, I,  
 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.S. No. 3857, Bhuleshwar Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the agreement is registered under  
 section 269AB of the said act in the office of the Competent  
 Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
 able property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
 as are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have same meaning as given  
 in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-  
 2722/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar,  
 Bombay.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
 persons, namely :—

Date : 10-2-1986  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5246/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000- and bearing  
C.S. No. 3E/755 Malabar Hill Division  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said act in the office of the Competent  
Authority  
at Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Liladhar P. Patel, Anandsinhji Vakhatsinhji.  
(Transferor)
- (2) Hirnakshi D. Kripalaney & Pushpa D. Kripalaney.  
(Transferee)
- (3) Transferees.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-  
2244/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar,  
Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5247/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 3E/755 of Malabar Hill Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
95—516GI/85

(1) Liladhar P. Patel, Anandsinhji Vakhatsinhji .  
(Transferor)

(2) Arjun H. Khilnani, Sharat H. Khilnani,  
Miss Lila Khilnani and Miss Indira Khilnani.  
(Transferee)

(3) Transferees.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2245/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Day : 10-2-1986  
Seri :

**FORM FIVE**

- (1) Kishorebhai Shamjibhai Mehta. (Transferor)
- (2) M/s Industrial Minerals & Chemicals Co. P. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property.)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5248/85-86 —Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 683 of Mandvi Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2808/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5249/85-86.---Whereas, I  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
CS No. 683 of Mandvi Division situated at Nagdevi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of Said Act in the Office of the Competent  
Authority  
at Bombay on 27-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Capt, Nagindas S. Shah  
(Transferrer)  
(2) M/s. Industrial Minerals & Chemicals Co. P. Ltd.  
(Transferee)  
(3) Tenants  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.  
2857/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar  
Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :---

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5250/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and CS No. 683 of Mandvi Division situated at Nagdevi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rangildas S. Mehta  
(Transferor)
- (2) M/s. Industrials Minerals & Chemicals Co. P. Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2858/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5251/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CS No. 2281 of Bhuleshwar Divn. situated at Pedder Rd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority Bombay on 19-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

111—516GI/85

(1) Shri Naraindas J. Ruparel

(Transferor)

(2) Anantkumar R. Mittal

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 766/1980 and registered on 19-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37G/5252/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C S No. 1249 of Bhuleshwar Divn. situated at Shamseth Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dwarkadas Ramjas Dangra (Transferor)  
(2) Shri Pushpkumar Mohanlal Kasat (Transferee)  
(3) Tenants (Person in occupation of the property)  
(4) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 732/81 and registered on 28-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5255/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

C.S. No. 764 of Mandi Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Aziz Mohammed Modin & Others  
(Transferor)
- (2) Jamad Mohd.  
(Transferee)
- (3) Tenants  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 1223/84 and registered on 28-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38**

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6939/85-86.—Whereas, I  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Flat No. 269, 2nd fl. Bldg. No. 6, The Worli Ambedkar Nagar CHSL, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed here'to), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sharad R. Sheyh. (Transferor)
- (2) Dinesh B. Desai. (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 269, 2nd floor, No. 6 in the Worli Ambedkar Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 3/52, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6507/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 7-2-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. ———

- (1) Smt. Durgidevi Babu, Shri Cukhramdass Mehta,  
(Transferor)
- (2) Shri Gopal P. Sharma  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6693/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 1102, Rock View Bldg. situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1102, 11th floor, Rock View, Dockyard Road, Mazagaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6530/85-86 on 17-6-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Mulchand

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7037/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 105, Sumer Towers No. 1 situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor, Building No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6603/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-1-1986

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6978/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 303, Ajay Service Ind. Estate situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Prestige Engineering Works (Transferor)  
 (2) M/s. Light Craft (Transferee)  
 (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Unit No. 303, Ajay Service Industrial Estate, Anjirwadi B, Opp. Hasnabad, Dr. Mascrahance Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6545/85-86 on 18-6-85.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-1-1986  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7038/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1002, Sumer Towers No. 1 situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sumer Associates  
(Transferor)
- (2) Master Priyank P. Jain, through father & natural guardian Shri Paras Jain  
(Transferee)
- (3) Transferor  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1002, 10th floor, Building No. 1, Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-400 010.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6604/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Manik Sobhraj Narang

(Transferor)

(2) M/s. M. Shailesh &amp; Co.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7048/85-86.—Whereas, I

~~NISAR AHMED~~

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 503, Majestic Shopping Centre situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which may be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (23 of 1957).

## THE SCHEDULE

Office No. 503, 5th floor, Majestic Shopping Centre, 144, J. S. S. Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6614/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
112—516GI/85

Date : 29-1-1986

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7102/85-86.—Whereas, I  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
Unit No. 203, Amit Indl. Estate, S. S. Rao Road, Parel,  
Bombay-12  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said act in the office of the Competent  
Authority  
Bombay on 28-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely—

(1) M/s. Amit Enterprises,

(Transferor)

(2) M/s. Satam Udyog, Prop. Shemant S. Satam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 203, 2nd floor, Amit Indl. Estate, S. S. Rao  
Road, Parel, Bombay-12.  
The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6667/85-86 on  
28-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 6-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Mrs. Ratanben L. Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Yusufuddin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6941/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 25, Gr. floor, Grant Road Pakeeza Market CSL, Maulana Shaukatali Road, Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 25, Gr. floor, Grant Road, Pakeeza Market, Co-op. Soc. Ltd., Maulana Shaukatali Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6509/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37FE/6997/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 201, Murlidhar Chamber situated at Gungam Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Balwant Singh Jagatsingh &  
Sri Kartar Singh Jodhsing.  
(Transferor)
- (2) M/s. Nandlal Gobindram  
through partner Shri Gobindram Jamiatmal.  
(Transferee)
- (3) Transferors.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Murlidhar Chamber, 352, Gungam Road, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6563/85-86 on 20-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Master Mohamed Firoz  
by Guardian Mr. Mohamed Ishaq Salim and  
Mrs. Apsara Salim.  
(Transferor)
- (2) Mr. Abuzaffer A. Bakshi &  
Mrs. Rafia A. Bakshi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EF/6783/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208, 2nd floor, Kailash Apartment, 293, Bellasis Road, Bombay-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Kailash Apartment, 293, Bellasis Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/6249/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mr. Esmailbhai E. Sheikh.

(Transferor)

(2) Dr. Sardar Ahmed Ansari &  
Dr. (Mrs.) Talat Nasrin Sardar Ansari,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6836/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, Embassy Apartment, Bellasis Road Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 42, 4th floor, Embassy Apartment, Bellasis Road, Bombay-400008.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/6292/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1986  
Seal :

**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6852/85-86.—Whereas, I, **NISAR AHMED**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1206, 12th floor, Abdul Hussain Potia Apartment, Bellasis Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) Sultan Ahmed.         | (Transferor)   |
| (2) Aziz Abbasbhai.       | (Transferee)   |
| (3) Sterling Enterprises. | (Person in occupation of the property)                               |
| (4) Sterling Enterprises. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Flat No. 1206 on the 12th floor, Abdul Hussain Potia Apartment, Ballasis Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6401/85-86 on 4-6-1985.

**NISAR AHMED**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7029/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 3rd floor, Ekta CHSL, Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirupama M. Kotecha. (Transferor)  
(2) Shri Kirit P. Singh. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Plot No. 160, Ekta Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 160, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6595/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6938/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing CS No. 319, Laughton S. No. part of 1/8423 part, New No. 684, CRR No. 154, situated at 36/44, Wellington Street, Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-  
113—516G1/85

(1) M/s. Byramjee Jeejeebhoy (Pvt.) Ltd.  
(M/s.) Heritage Estates (Pvt.) Ltd.,  
(Commons Party.)

(Transferor)

(2) Mr. Chandrashekhar Shetty.

(Transferee)

(3) Transferee &amp; Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land bearing CS No. 319, Laughton Survey No. Part of 1/8423 part, New No. 684 CRR No. 154, situated 36/44 Wellington Street, Dnobi Talao, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6506/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :

**FORM ITNS-----****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6970/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 18, ground floor, Pakeeza Market, Grant Road, Bombay-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Zubair Dawood Agbotwala. (Transferor)  
(2) Shri Shabbear M. Tapia. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.  
EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 18, Gr. floor, Pakeeza Market, Grant Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6537/85-86 on 18-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 29-1-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mrs. Parvatibai G. Lalmalani.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal R. Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7098/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Gr. floor, Shiv Sagar Building, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Shiv Sagar Bldg. Worli Hill Estate CHSL, Abdul Gaffar Khan Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6663/85-86 on 28-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Mangla V. More,  
Dr. Vinayak V. More, (Transferor)
- (2) Mohan B. Agarwal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7095/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 1, Gr. floor, Vijay Sadan Bldg.,  
Dr. B. A. Road, Dadar TT, Bombay-14  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the said Act in the Office of the  
Competent Authority on 28-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said trans-  
fer of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Vijay Sadan Building, Dr. B. A.  
Road, Dadar TT, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6659/85-86  
on 28-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6885/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 107, 1st floor, Mangalkunj B. Bldg. 2, Mount Pleasant Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Dilipkumar V. Mehta. (Transferor)
- (2) Smt. Sandhya S. Mehta. (Transferee)
- (3) Sailesh V. Shah. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st floor, Mangal Kunj B, Plot No. 2, Mount Pleasant Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6317/85-86 on 12-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Jaswantkumar S. Upadhyay. (Transferor)  
 (2) Shri Mohitkumar M. Harawat. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7006/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. B-201, Vikas Apartment, A.G. Pawar Lane No. 2, Gharupdeo, Chinchpokli X Road, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Block No. B-201, Vikas Apartment, Anant Ganpat Pawar Lane No. 2, Gharupdeo, Chinchpokli X Road, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6572/85-86 on 21-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS - - -

(1) Smt. Urvashi J. Jhaveri,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhogilal R. Shah,  
Mrs. Sarojaben R. Shah  
Mr. Vinod B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7022/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104/A, Chandralok A Bldg. Napeansea Road, Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 104/A, Chandra Bhuvan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Chandralok A Bldg. Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6588/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mohanlal B Modi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlaben B. Shah and  
Vijay B. Shah.

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6811/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Room No. 14, 1st floor, Kahan Nagar Society, N C Kelkar Road, Dadar, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kahan Nagar Housing Society,  
Room No. 14, 1st floor, 271/293, N C Kelkar Road, Dadar, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6269/85-86., on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Lalchand C Foundation.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal H. Malchandji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6901/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 505, 5th floor, Tower D, Mahavideh-Nagar, Victoria Road, Mazgaon, Bombay-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 505 on 5th floor, CS No. 587 of Mazgaon Division, Tower D, Mahavideh—Nagar, Bombay-400 010, Victoria Road.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6472/85-86 on 12-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

114—516GI/85

Date : 7-2-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Babu V Pumpingil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raghuvir S Kbandalwal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7070/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5A, Gr. floor, Geeta Bhavan, C Bldg., 93, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5A, Ground floor, Geeta Bhavan, C Building, 93, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6635/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :



FORM ITNS-----

(1) M/s Jaywant Development Corporation.  
(Transferor)  
(2) Mr. Shyam A. Divan.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6560/85-86. - Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 2 on 13th floor, Jaywant Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,  
Dadarkar Compound, Tulswadi, Tardeo Road, Bombay-  
400 034.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 20-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 on 13th floor, Jaywant Co-op. Housing Society  
Ltd, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-  
400 034.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6560/85-86 on  
20-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6822/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Sharnagati, 2nd floor, Flank Road, Sion East, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. N. Srinivasan.  
(Transferor)
- (2) Shri Shyamsunder Gureja and  
Smt. Neelam O. Gureja,  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 13, Sharnagati, 2nd floor, Flank Road, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6278/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6868/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 25/414, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,

Bldg. No. 20, Terrace Landing, Bombay-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered, under  
section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Mrs. Bhagwanti G. Mahrotri,  
(Transferor)
- (2) Patrick Mendonca,  
(Transferee)
- (3) Transferor.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferee.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25/414, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Terrace  
Landing, Building No. 20, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6417/85-86 on  
4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7090/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 68, Bldg. C, Highway Apartments, 6th fl. Sion East, Bombay-22, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- |                              |  |
|------------------------------|--|
| (1) L. S. Agarwal.           | (Transferor)                           |
| (2) Mr. Mahendra G. Thakkar. | (Transferee)                           |
| (3) Transferee.              | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 68, Bldg. C, Highway Apartments, 6th floor, Sion (East) Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6655/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6986/85 86.--Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 6 and 7, Ground floor, Unit No. 4 in basement, Amit Indl. state, Parcel, Bombay-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) Amit Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s HTRIBHAI B. DESAI.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 6, 7, Ground floor and Unit No. 4 in basement, Amit Industrial Estate, 61, S S Rao Road, Parcel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6552/85-86 on 19-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-2-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- |                             |  |
|-----------------------------|--|
| (1) Shri Pradip G. Palekar, | (Transferor)                           |
| (2) Smt. Kusum V. Agashe,   | (Transferee)                           |
| (3) Rajan V. Agashe,        | (Person in occupation of the property) |

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6815/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Building No. 11, Tenants Co-op. Housing Soc. Ltd., Samarth Nagar, Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9, Building No. 11, The Tenants. Co-op. Housing Society Ltd., Samarth Nagar, Chunabhatti, Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6182/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 8-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Anandkumari R. Chawla.

(Transferor)

(2) Shri Hasmukh K. Doshi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 8th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6860/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1109, Bldg. A, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1109, Bldg. A, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6410/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—  
115—516G/85

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6874/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, Coover Villa, Khareghut Rd., Dadar Parsy Colony, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985 for an amount of consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) D. N. Dariwala,

(Transferor)

(2) Mr. Navroze E. Panthaki and  
Mrs. Coomi N. Panthaki.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Coover Villa, Khareghat Road, Dadar Parsy Colony, Bombay, Survey No. 561/10 of Matunga Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6307/85-86 on 12-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Sanjay Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena I. Vaghani,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6862/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 43, 4th floor, Anil Aptt. College Gully, Dadar Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter V of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Anil Apartment, College Gully, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under NO. AR-I/37EE/6412/85-86 on 4/6/1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6824/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. B-3, Gr. floor, Shri Ram Industrial Estate, 13, G. D. Ambedkar Road, Wadala, Bombay-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mr Natvarlal H. Mistry (Transferor)  
 (2) M/s Kewlani & Co. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. B-3, Ground floor, Shri Ram Industrial Estate, 13, G D Ambekar Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6280/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Gopaldas K. Punjabi

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti N. Taneja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6865/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 506, 5th fl. Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 506 on 5th floor, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6414/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel

(Transferor)

(2) M/s. Sudhir Diamonds

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7087/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 13th fl. Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, B. G. Kher Road, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 13th floor, Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6652/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-2-1986  
Seal:

## FORM ITNS-----

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shantilal H. Ganjar

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6803/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-503, Vikas Bldg. Junction of A G Pawar  
Lane and Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. G/503, Vikas Bldg. Junction of A G Pawar Lane  
& Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6261/85-86 on  
4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-2-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6789/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/602, Vikas Bldg. Anant Ganpat Pawar Lane 2 & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) R. T. Mehta Construction Co. (Transferor)  
(2) Shri Padmavati V. Trivedi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B/602, Vikas Building B, 6th floor, Junction of A G Pawar Lane 2, & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6192/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM 1.T.N.S.-----

(1) Mr. Anand P. Jadhav

(Transferor)

(2) Mrs. Chetna R. Shah

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6797/85-86.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat F/G No. 9, Gr. floor, Bldg. No. 1, Navyug Nagar Forjett Hill Road, Bombay-36. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. F/G No. 9, Ground floor, Bldg. No. 1, Navyug Nagar CHSL, Forjett Hill Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6255/85-86 on 4-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

116—516GI/85

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sarita S. Kothari, Rekha S. Jain  
Sanjay S. Kothari.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Sevantilal H Parekh, St. Manjula  
S. Parekh, Jitesh S. Parekh, Bikal S. Parekh.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6878/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Anuj Apartments, Kranti Marg, Gowalia Tank, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 201, Anuj Apartment, 2nd floor, August Kranti Marg, Gowalia Tank, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6311/85-86 on 12-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

(1) Miss Sujata M. Kothari, Shri Mansukhlal M. Kothari, Father & Natural Guardian of Sonal M. Kothari Ors.  
(Transferee)

(2) Mr. Pradip R. Shah, Mrs. Subhadra R. Shah, Dhiren R. Shah, Umesh R. Shah & Dinesh R. Shah.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/6988/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Anuj Apartment, 1st floor, August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Anuj Apartments, 1st floor, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6554/85-86 on 19-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 7-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Viresh N Laliwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) QSS Color Processors Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6851/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 220, 2nd fl. T.V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Worli Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 220 on 2nd floor, T V Industrial Estate, Plot No. 248(A) Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Road, Behind Glaxo, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6400/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.——

(1) M's Thakoor Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Mohan Shankar Varde & Miss Laxmi M  
Varde

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6817/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 12-A, 1st floor, A-Wing, Purushottam Towers,  
Off Gokhale Road (S) Dadar, Bombay-28(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at Bombay on 6-6-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12-A on 1st floor, A Wing, Purushottam Towers,  
Off Gokhale Road (S) Dadar, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6274/85-86 on  
6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Dae : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I 37EE/6989/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Anuj Apartment, 2nd floor, August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chetan M. Kothari, Dharmesh M. Kothari  
Aminsha M. Kothari (Father & Natural Guardian)  
Madanlal M. Kothari and Madanlal M. Kothari,  
HUF.

(Transferor)

(2) Mayur R. Mehta, Samir R. Mehta &  
Vimish R. Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, Anuj Apartment, 2nd floor, August, Kranti Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6555/85-86 on 19-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Mittal Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajendra Kumar Baid &amp; Mrs Basanti Devi Sethia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6934/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, 3rd floor, Aarti Building, Tardeo Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Aarti Building, Tardeo Road, Bombay  
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6502/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay..

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6852/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, Sahakar Niwas, The Modern Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 20, Tardeo Road, Tardeo, Bombay-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Ambalal G. Patel.  
(Transferor)  
(2) Mr. Hitesh Manharlal Shah & Mrs Meena Pankaj Shah.  
(3) Apama Society, Naranpura, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, Sahakar Niwas, The Modern Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 20, Tardeo Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6408/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay..

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITN-8

(1) M/s. Sky Agencies.

(Transferor)

(2) M/s. Lishas Arts.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6778/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Factory Unit No. 320, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Factory Unit No. 320, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6244/85-86 on 1-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay..

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
117GI/85

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Messrs. Todl Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bindu Paras Sheth,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6480/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 203, Vyapar Bhavan, 49, P. De'Mello Road, Bombay-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person(s), namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 203, 2nd floor, Vyapar Bhavan, 49, De'Mello Road, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6333/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 6-2-1986

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6883/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 15, Garage No. 4, Seagreen Co-op. Hsg. Soc.,  
World Seaface, Bombay-18.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority  
at Bombay on 12-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said Instrument of  
Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Vera Misra alias Mrs Vera Ames.  
(Transferor)  
(2) Mrs. Sandeep Chopra.  
(Transferee)  
(3) M/s. New Standard Engg. Co. Ltd.  
(Person in occupation of the property)  
(4) Transferee.  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, Garage No. 4, Seagreen Co-op. Hsg. Soc.,  
World Seaface, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6315/85-86 on  
12-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay..

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

Date : 6-2-1986

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6768/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E-6, Block No. 2, Mira Mansion Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 29B in the Sion Matunga Scheme No. 6, Sion Bombay-400 002.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri M. S. Sabnani & Shri V. S. Sabnani.  
(Transferor)
- (2) Shri G. L. Jain.  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-6, 4th floor, Mira Mansion Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 29B in the Sion Matunga Scheme No. 6, Sion Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6234/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay..

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jayesh N. Laliwala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) QSS Color Processors Pvt. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6850/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 219, 2nd floor, T.V. Industrial Estate, Plot No. 248 (A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Worli Road, Worli, Bombay-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 219 on 2nd floor, T.V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Worli Road, Behind Glaxo, Worlim Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6306/85-86 on 6-6-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM FIVE

(1) Mrs. Mohini Mahajan,

(Transferor)

(2) QSS Investors Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6849/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Basement Unit No. 23, T.V. Industrial Estate, Junction of Sudam Kalu Ahere Marg &amp; Worli Road, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement Unit No. 23, T.V. Industrial Estate, Junction of Sudam Kalu Ahere Marg & Worli Road, Bombay-18,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6305/85-86 on 6-6-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Nandlal H. Chawla,

(Transferor)

(2) M/s. Payal Enterprises,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6947/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 503, 5th floor, Vyapar Bhavan, 49, P.De'Mello Road, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 503, 5th floor, Vyapar Bhavan, 49, P. DE' Mello Road, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6514/85-86 on 17-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7002/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Gr. floor, Matunga Kamalkunj CHSL, 582, Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamlavati M. Mehta, (Transferor)
- (2) Smt. Vimlaben V. Sheth & Shri Pravin V. Sheth (Transferee)
- (3) Transferees, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 on ground floor, Matunga Kamalkunj Co-op. Housing Soc. Ltd. 582, Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR 1/37EE/6568/85-86 on 21-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Tushar V. Trivedi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6720/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/603, 6th floor, Vikas Bldg., Junction of AGI Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B/603, 6th floor, Vikas Bldg. Junction of Arant G. Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-/37EE/6193/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sevantilal H. Parekh,  
Smt. Manjula S. Parekh,  
Jitesh S. Parekh, Binal S. Parekh.

(Transferor)

(2) Rajendra Randal Barot,  
Hansa R. Barot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7016/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 201, Anuj Apartment, August Kranti Marg,  
Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Said Act in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 22-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Anuj Apartment, August Kranti Marg, 2nd  
floor, Gowalia Tank, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6582/85-86 on  
22-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 7-2-1986

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6285/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Anuj Apartment, 1st floor, August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jasmine M. Kotharu,  
Anuj M. Kothari,  
Mohaulal M. Kothari  
(Father & Natural Guardian &  
Mohaulal M. Kothari (HUF).

(Transferor)

- (2) Shri Praful M. Vora &  
Smt. Harsha P. Vora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Anuj Apartment, 1st floor, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6285/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date: 7-2-1986

Seal:

**FORM ITNS**

- (1) Mrs. Piloo R. Soonawala. (Transferor)  
 (2) Dr. Mrs. Mehru H. Kananawala. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38**

Bombay, the 7th February 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6949/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, 5th floor, Shilpa Apartments, Plot Nos. 4, 5 & 14 of Matunga Division, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 52, 5th floor, Shilpa Apartments, Plot Nos. 4, 5 & 14 of Matunga Division, MMGS Marg, Dadar (C.R.) Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6516/85-86 on 17-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM 100

(1) Amit Enterprise.

(Transferor)

(2) M/s. Hemang Printers.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/7100/85-86. --Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 301, 3rd floor, Amit Industrial Estate Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 303, 3rd floor, Amit Industrial Estate, 61, SS Rao Road, Parel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6665/85-86 on 28-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6999/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion (East), Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. P. R. Jadhav. (Transferor)  
(2) Mrs. Pamela Vasandani. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion (East) Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6565/85-86 on 21-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6928/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Vimlachal, 5th floor, Moti Shah Lane, Byculia, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjeetmal P. Sanghvi.

(Transferor)

(2) Shri Gautamchand Uttamchandji and  
Shri Rajendrakumar Uttamchandji,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, Vimlachal, 5th floor, Moti Shah Lane, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6497/85-86 on 13-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-2-1986  
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Rajesh Motors.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh R. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6834/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 on 5th floor, Shaila CHSL, Hains Road, Worli Naka, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor of building known as Shiv Shaila CHSL, Hains Road, Korli Naka, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6290/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Sai Siddhi Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Laxmi S. Bandiwdekar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6956/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Gr. floor, A Wing, Bldg. at Todankarwadi, Old Prabhadevi Road, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, A Wing, Bldg. at Todankar Wadi, Old Prabhadevi Road, Sonapur Lane, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6522/85-86 on 17-6-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

119—516GI/85

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Handloom Fabrics Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarla Tanwani. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7062/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. E-19, Everest Bldg. Tardeo, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. E-19, Everest, Tardeo Everest Premises Co-op. Ltd., 156, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6627/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-2-1986  
Seal :



## FORM ITN—

(1) Mr. Ratindra D. Bhatt.

(Transferor)

(2) Mrs. Nilam Damodardas Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6890/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Office No. 40, Fourth floor, Tardeo Air-Conditioned Market,  
Tardeo, Bombay-400034  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority  
at Bombay on 12-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 40, Fourth floor, Tardeo Air-Conditioned Mar-  
ket, Tardeo, Bombay-34.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6461/85-86 on

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/4931/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506, Dharam Palace, 100/103, Hughes Road, Gamdevi, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jayaben Chimanlal Waghela and Shri Chimanlal Zaverbhai Waghela,

(Transferor)

(2) M/s Livingstones,  
Partners : Shri Sandip D. Kothari,  
Shri Pankaj N. Kothari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 506, Dharam Palace, Hughes Road, Gamdevi, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6324/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Gangadas Pragji Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shashwat Trading Co. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6996/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 3, 2nd floor, Himalaya House, 79, Paltan Road, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Room No. 3, 2nd floor, Himalaya House, 79, Paltan Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6562/85-86 on 20-6-85.

NISAR AHMED  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6455/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Cornelian, 104, August Kranti Marg, Kemps Corner, Bombay-400 036 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Shailesh R. Kharidia,  
Mrs. Meena S. Kharidia  
Mrs. Nirmalaben R. Kharidia  
(Transferor)
- (2) Mr. Dilipkumar T. Shah & Mrs. Asha D. Shah  
(Transferee)
- (3) Transferees  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, Cornelian, 104, August Kranti Marg, Kemps corner, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6522/85-86 on 17-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6976/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 27 & 28, 2nd floor, Hanuman Bldg., Nakhoda Street, Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shah Chimanlal Ranchhoddas  
(Transferor)

(2) Suresh Chunilal Shah & Narendra C. Shah  
(Transferee)

(3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 27 & 28, 2nd floor, Hanuman Building, The Association of the Hanuman Building Premises Owners Pvt. Ltd. Tambakath, Nakhoda St., Bombay-3.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6543/85-86 on 18-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Amit Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Kishore Lekhray

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7101/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 207, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Unit No. 207, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61 S S Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6666/85-86 on 28-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vimla Arora

(Transferor)

(2) Mukesh M. Shah, Jitendra M. Shah,  
Mrs. Nirmalaben J. Shah, Mrs. Rupal Mukesh Shah,  
Miss Nita M. Shah, Mrs. Jagruti J. Shah.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

Ref. No. AR-I/37EE/6995/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 46, 4th floor, Empire Estate Building, Kemps Corner,  
Bombay-36  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Compe-  
tent Authority at  
Bombay on 20-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 46, 4th floor, B Block, Empire Estate Bldg.,  
Kemps corner, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6561/85-86 on  
20-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

0-516GI/85

Dated : 6-2-1986  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Laxmanshila Co-op. Housing Society Ltd.  
(Transferor)(2) Shri Ravishankar J. Bagaria,  
Shri Omprakash J. Bagaria &  
Smt. Sharda R. Bagaria.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6770/85-86.—Whereas, I  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "said Act") have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 1-D, 1st floor, 70 Pochkhanwala Road, Worli,  
Bombay-25  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Compe-  
tent Authority at  
Bombay on 1-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The words and expressions used herein as  
are defined in Chapter IXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1-D, 1st floor, 70 Pochkhanwala Road, Worli,  
Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6236/85-86 on  
1-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bom

Dated : 6-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

AR-1/37EE/6275/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 1429, Bldg. No. 56, M.I.G. Adarsh Nagar Co-op.  
Society, Prabhadevi, Bombay-25  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
to-wit:—

(1) Mr. A. G. Samson,

(Transferee)

(2) Chandrakant B Chheda & Smt. Hema C. Chheda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1429, Bldg. No. 56, MIG Adarsh Nagar Co-op.  
Society, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6275/85-86 on  
6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Dated : 7-2-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Sanjay Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Indus P. Shah.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6829/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd floor, Anil Apartment, College Gully, Dadar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Anil Apartment, College Gully, Dadar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6285/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-  
Bombay

Dated : 7-2-1986,  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Ramson's Rubber Products Pvt. Ltd. (Transferor)  
(2) Wema Apparels & Mercantile Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6844/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
Gala No. 119, Bharat Indl. Estate, T J Road, Sewree,  
Bombay-15  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :

'21—516G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 119, Bharat Industrial Estate, T J Road, Sewree,  
Bombay-15.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6300/85-86 on  
6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 7-2-1986  
Seal :

**FORM ITN**

(1) Shri S C Gandha,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kasturi Varadraj Nayak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8599/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 9, 1st floor, Vrindavan, Sion Road, Bombay-22  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been of  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9, 1st floor, Vrindavan, 274, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8098/85-86 on  
1-11-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 7-2-1986,  
Seal :

## FORM ITNS—

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Cine Studio.

(2) Nasimbanu Khayalbaz.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

Ref. No. AR-1/37EE/6831/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 204, 2nd floor, Neelkant Apartment, G. Pasta  
Road, Dadar, Bombay-14  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 6-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 204, 2nd floor, Neelkant Apartment, Gokuldas  
Pasta Road, Dadar, Bombay-14.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No. AR 1/37EE/6287/85-86 on  
6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Dated : 7-2-1986,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri L. H. Chellaney.

(Transferor)

(2) Mr. Kishore R Sheth & Mr. Jayantilal R Sheth.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6866/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1106, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1106, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6415/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-1986,  
Seal:

## FORM ITNS.-----

(1) M/s. Jaywant Development Corporation.  
(Transferor)(2) Mr. Jamnadas T Parekh & Mrs. Hemangini D Shah.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7063/85-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 2 on 3rd floor, Jaywant Apartments, Dadarkar  
Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 25-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
no consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are deemed in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor, Jaywant Apartments, Dadarkar  
Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-400 034.  
The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay, under No AR-I/37EE/6628/85-86 on  
25-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Vanmalidas H Mistry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Gordhan V. Kewlani, HUF & Mr Ginish  
Kewlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6823/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. B-1, Gr. fl., Shri Ram Indl. Estate, 13, G D Ambekar Road, Wadala, Bombay-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. B-1, Gr. floor, Shri Ram Industrial Estate, G D Ambekar Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6279/85-86 6-6-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income  
Acquisition Range-I  
Bombay

Dated : 7-2-1986.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Century Enterprises,

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Wd/o. Late Shri Shivbahadur Singh.

(Transferee)

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/6904/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd fl. Bhawani Complex B Bldg., Bhavani Shankar Road, Dadar (W), Bombay-28 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bhavani Complex, B, Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6475/85-86 on 12-6-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-2-1986.  
Seal :

## FORM IINS

(1) Sunil H. Mehta,

(Transferor)

(2) Kaluram K. Vishwakarma &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said prop.,  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1986

Ref. No. ARIV/37FE/20192/85-86.—Whereas, I,  
LAXMANDAS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. 4, Neeldhara Bldg., Devidas Road, Borivli (W),  
Bombay-92  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Said Act in the Office of the Compe-  
tent Authority at  
Bombay on 1-6-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as give  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Neeldhara Bldg., Devidas Road, Borivli (W),  
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. ARIV/20192/85-86 on 1-6

LAXMANI  
Competent Auth-  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Acquisition Range  
Borivli

Date : 15-1-1986

Seal :